THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 273 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.10 2081 बुधवार, 25 दिसंबर-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सीटी रवि और हेब्बलकर मामले की सीआईडी करेगी जांच

बेंगलूरू, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में भाजपा एमएलसी सीटी रवि और बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बलकर के बीच लगातार विवाद बना हुआ है। बढ़ते मामले को देखते हुए राज्य गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बड़ा फैसला लिया। उन्होंने मामले की जांच आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) से कराने के आदेश दिए हैं। बता दें, मंत्री हेब्बलकर ने भाजपा नेता पर विधानसभा परिषद में अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया है। हालांकि, विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज होरट्टी ने सोमवार को साफ कह दिया कि वायरल की जा रही बातचीत फर्जी है। अधिकारियों के अनुसार, 19 दिसंबर को सुवर्ण विधान सौधा में रवि पर हमला करने की कोशिश के लिए अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज एक मामला भी सीआईडी को सौंप दिया गया है।

अमित शाह ने की नए कानूनों की समीक्षा

> बायोमैट्रिक तकनीक से करें अज्ञात शवों की पहचान

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के अधिकारियों के साथ नए आपराधिक कानूनों को लेकर समीक्षा बैठक की। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि अज्ञात शवों और अज्ञात लोगों की पहचान बायोमैट्रिक तकनीक से की जाए। साथ ही आपराधिक मामलों की जांच में भी तकनीक के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाए।

गृह मंत्री ने कहा कि पीड़ितों और शिकायतकर्ताओं को लाभ पहुंचाने के लिए सभी आपराधिक मामलों के पंजीकरण से लेकर उसको निपटाने तक सभी चरणों के लिए समयसीमा तय की जाए। इसके अलावा जांच अधिकारियों के साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों को भी समय सीमा के मुताबिक अलर्ट भेजे जाएं। ताकि जांच प्रक्रिया में तेजी लाई जा सके। बैठक में

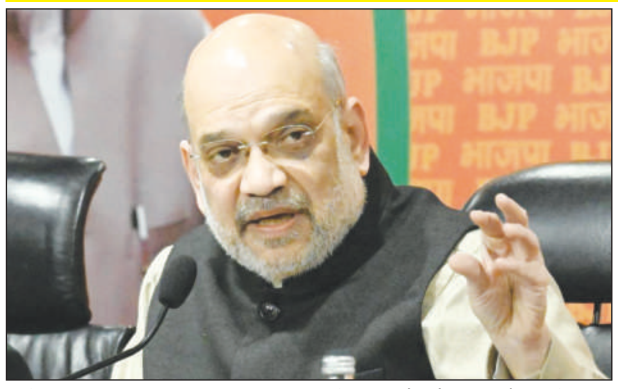

अखिल भारतीय स्तर पर अपराध और अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम (सीसीटीएनएस 2.0), फिंगरप्रिंट पहचान प्रणाली (एनएएफआईएस), जेल, न्यायालय, अभियोजन और फॉरेंसिक को आईसीजेएस 2.0 के साथ जोड़ने को लेकर चल रही प्रक्रिया को लेकर हुई प्रगति की समीक्षा की गई। गृह मंत्री ने एनसीआरबी से आईसीजेएस 2.0 में नए आपराधिक कानूनों को लागू करने के लिए कहा।

उन्होंने कहा कि हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में ई-साक्ष्य, न्याय श्रुति, ई-साइन और ई-सम्मन एप के उपयोग पर जोर दिया जाए। इसके साथ ही गृह मंत्रालय और एनसीआरबी अधिकारियों की टीम राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों का दौरा करे। टीमें एप समेत नई तकनीकी जानकारियां देने और उन्हें लागू करने में राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की मदद करे। इसके साथ ही राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के वरिष्ठ पुलिस संरचनाओं के साथ नियमित बातचीत की जाए। उन्होंने कहा कि एनसीआरबी को जांच अधिकारियों और आपराधिक न्याय प्रणाली से जुड़े लोगों की मदद के लिए विस्तृत डाटा तैयार करना चाहिए।

कब लागू हुए तीन नए आपराधिक कानून

एक जुलाई से तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनयम देशभर में लागू हो गए हैं। इन कानूनों ने क्रमशः भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), आपराधिक प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और पुराने भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह ली है।

आईपीसी की जगह लेने वाली भारतीय न्याय संहिता में अब 511 धाराओं के स्थान पर 358 धाराएं हैं। इसमें 21 नए अपराध जोड़े गए हैं, 41 अपराधों में कारावास की अवधि बढ़ाई गई है, 82 अपराधों में दंड बढ़ाया गया है, 25 अपराधों में अनिवार्य न्यूनतम सजा की शुरूआत की गई है, 6 अपराधों में सजा के रूप में सामुदायिक सेवा का प्रावधान है और 19 धाराओं को समाप्त किया गया है।

कांग्रेस बोली-मानवाधिकार आयोग में नियुक्तियां पहले से तय थीं

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस वी रामासुब्रमण्यन को सोमवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग अध्यक्ष नियुक्त किया। अब कांग्रेस ने उनकी नियुक्ति पर सवाल उठाए हैं।

कांग्रेस की ओर से जारी किए गए नोट में कहा गया है कि एनएचआरसी के चेयरपर्सन की सिलेक्शन कमेटी में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे भी थे, लेकिन उनकी राय को गंभीरता से नहीं लिया गया। कांग्रेस ने कहा कि चयन समिति की बैठक बुधवार को हुई थी, लेकिन यह पहले से निर्धारित एक्सरसाइज थी।

इसमें एक-दूसरे की सहमति लेने की परंपरा को नजरअंदाज कर दिया गया। ऐसे मामलों में यह आवश्यक होता है। यह निष्पक्षता के प्रिंसिपल को कमजोर करता है, जो चयन समिति की विश्वसनीयता के लिए महत्वपूर्ण है।

आर्मी वैन का एक्सीडेंट 5 जवानों की मौत

10 घायल, 3 लापता-पुंछ में एलओसी के पास खाई में गिरा वाहन

पुंछ, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में मंगलवार शाम आर्मी वैन 350 फीट गहरी खाई में गिर गई। वैन में 18 जवान सवार थे। इनमें से 5 की मौत हो गई। वहीं, 10 घायल हैं। 4 की हालत गंभीर है। 3 लापता जवानों की तलाश जारी है।

सभी जवान शाम को लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) की ओर जा रहे थे। इसी दौरान बलनोई इलाके में घोड़ा पोस्ट के पास ड्राइवर के संतुलन खोने की वजह से वैन खाई में गिर गई। सभी जवान 11 मराठा रेजिमेंट के बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही सेना की क्विक रिस्पॉन्स टीम (क्यूआरटी) मौके पर पहुंची और रेस्क्यू शुरू किया। घायल जवानों को आसपास के अस्पताल में शिफ्ट किया गया है।

इससे पहले नवंबर में दो अलग-अलग घटनाओं में 5 जवानों की मौत हो गई थी। 4 नवंबर को राजौरी में सड़क हादसे में नायक दो जवानों की जान चली गई थी। वहीं, 2 नवंबर को रियासी जिले में कार खाई में गिर जाने से तीन लोगों की मौत हो गई थी। लद्दाख में 19 अगस्त को सेना की एक गाड़ी 60 फीट खाई में गिर गई थी, जिसमें 9 जवानों की मौत हो गई थी। सेना के काफिले में पांच गाड़ियां शामिल थीं। जिसमें 34 जवान सवार थे। इस हादसे में एक जवान घायल भी हुआ। लेह के एसएसपी पीडी नित्या ने बताया कि वाहन के ड्राइवर ने गाड़ी पर कंट्रोल खो दिया। जिससे ट्रक खाई में जा गिरा।

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की 14 साल से उड़ रहीं धज्जियां बोरवेल पर दिए गए निर्देशों की हो रही अनदेखी

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बोरवेल और ट्यूबेल में गिरने को लेकर साल 2010 में दिशा-निर्देश दिए थे। मगर आज 14 साल से अधिक समय बाद भी लगातार हो रहीं घटनाएं यह दिखाती हैं कि शीर्ष अदालत के आदेश के अनुपालन में कितनी लापरवाही बरती जा रही है। साथ ही जागरूकता पैदा करने की कितनी जरूरत है। दरअसल, हाल ही में इस तरह की दुर्घटनाएं होने के बाद यह मुद्दा फिर से सामने आ गया है। इससे हताश और नाटकीय बचाव अभियान फिर शुरू हो गया है।

यह घटनाएं हुईं : हाल ही में, एक तीन साल की बच्ची चेतना राजस्थान के कोटपुतली-बहरोड़ जिले में एक खुले बोरवेल में गिर गई थी। उसे 150 फीट गहरे बोरवेल से बचाने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ को तैनात किया गया था। इसके अलावा, नौ दिसंबर को पांच साल का आर्यन राजस्थान के दौसा में खेलते समय 150 फुट गहरे बोरवेल में गिर गया था और 55 घंटे के बचाव अभियान के बाद उसे बेहोश निकाला गया था और अस्पताल पहुंचने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया था।

दुखद ये है कि ऐसी त्रासदियों को रोकने के उद्देश्य से 11 फरवरी, 2010 को शीर्ष अदालत द्वारा जारी व्यापक दिशानिर्देशों के बावजूद ये घटनाएं हुई हैं। 11 फरवरी 2010 को शीर्ष अदालत द्वारा जारी दिशा-निर्देशों में निर्माण के दौरान कुएं के चारों ओर कांटेदार तार की बाड़ लगाना, कुएं के ऊपर बोल्ट के साथ तय स्टील प्लेट कवर का उपयोग करना और नीचे से जमीनी स्तर तक बोरवेल को भरना शामिल था।

चुनाव नियमों में बदलाव को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

> कांग्रेस ने याचिका लगाई > केंद्र ने पोलिंग बूथ के फुटेज सार्वजनिक करने से इनकार किया था

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस ने मंगलवार को चुनाव से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स पब्लिक करने से रोकने के नियम को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। केंद्र सरकार ने 20 दिसंबर को पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी, वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स को पब्लिक करने से रोकने के लिए चुनाव नियमों में बदलाव किया था।

याचिका पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, चुनाव आयोग को ऐसे महत्वपूर्ण कानून (चुनाव संचालन नियम, 1961) में एकतरफा संशोधन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। नियमों में बदलाव के बाद 21 दिसंबर को भी उन्होंने कहा था कि चुनाव आयोग पारदर्शिता से इतना डरता क्यों है। आयोग के इस कदम को जल्द ही कानूनी

चुनौती दी जाएगी। इस मामले में अधिकारियों ने बताया था कि AI के इस्तेमाल से पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ करके फेक नैरेटिव फैलाया जा सकता है। बदलाव के बाद भी ये कैंडिडेट्स के लिए उपलब्ध रहेंगे। अन्य लोग इसे लेने के लिए कोर्ट जा सकते हैं। वहीं, कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर चुनावी प्रक्रिया की सत्यनिष्ठा खत्म करने का और पारदर्शिता कमजोर करने का आरोप लगाया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा था कि मोदी सरकार ने चुनाव आयोग (ईसीआई) की स्वतंत्रता पर हमला किया है। खड़गे ने 22 दिसंबर को एक्स पर लिखा था- पहले मोदी सरकार ने सीजेआई को चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करने वाले पैनल से हटा दिया था और अब वे चुनावी जानकारी को जनता से छिपाना चाह रहे हैं। यह सरकार की सोची-समझी साजिश है। चुनाव आयोग (ईसी) की सिफारिश पर कानून मंत्रालय ने 20 दिसंबर को द कंडक्ट ऑफ इलेक्शन रूल-1961 के नियम 93(2)(ए) में बदलाव किया है।

वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर राज्यों से सुझाव लेगी संयुक्त संसदीय समिति

26-27 दिसंबर को होगी अहम बैठक

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर बनी संयुक्त संसदीय समिति अब राज्य के प्रतिनिधियों के मौखिक साक्ष्य रिकॉर्ड करने के लिए बैठक करेगी। यह बैठकें 26 और 27 दिसंबर को होंगी।

बताया जाता है समिति 26 दिसंबर को कर्नाटक, मध्यप्रदेश और राजस्थान के राज्य प्रतिनिधियों के सुझाव लेगी। जबकि 27 दिसंबर को उत्तर प्रदेश, ओडिशा और दिल्ली के प्रतिनिधियों से बात करेगी। गुरुवार को संसदीय समिति ने लखनऊ और राजस्थान से आए मुस्लिम प्रतिनिधियों से बात की। संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा कि ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के पूर्व कुलपति प्रोफेसर माहरुख मिर्जा और राजस्थान वक्फ बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सैयद अबू बकर नकवी अपने प्रस्तावित संशोधनों के साथ आए। इस पर चर्चा हुई। सांसदों ने उनसे सवाल भी पूछे। इससे पहले बुधवर को वक्फ को लेकर बनी संसदीय समिति ने ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्यों के साथ बैठक की थी। समिति ने विधेयक पर बोर्ड के विचार सुने।

वक्फ संशोधन विधेयक के लिए गठित समिति का कार्यकाल बजट सत्र 2025 के आखिरी दिन तक बढ़ाया गया है। लोकसभा ने इस प्रस्ताव पर मंजूरी दे दी। समिति को इस सप्ताह के अंत तक रिपोर्ट देनी थी। मामले में समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल का कहना है कि समिति के सभी सदस्य इस बात पर सहमत हैं कि जेपीसी का कार्यकाल बढ़ाया जाना चाहिए।

लोकसभा में आठ अगस्त को अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू ने 'वक्फ (संशोधन) विधेयक-2024' पेश किया था। इसके साथ ही इससे जुड़े निष्क्रिय हो चुके पुराने अधिनियम को कागजों से हटाने के लिए 'मुसलमान वक्फ (निरसन) विधेयक-2024' को भी पेश किया गया था।

एसएससी भर्ती घोटाले में पार्थ चटर्जी को झटका

कलकत्ता हाईकोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

कोलकाता, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्य स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) भर्ती घोटाले मामले में बंगाल के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को कलकत्ता हाईकोर्ट से झटका लगा है। हाईकोर्ट ने पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी और सीबीआई द्वारा आरोपित चार अन्य हाई-प्रोफाइल आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती ने पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी, पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) के पूर्व अध्यक्ष सुबीर भट्टाचार्य, राज्य माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष कल्याणमय गांगुली, एसएससी की सलाहकार समिति के पूर्व अध्यक्ष एसपी साहा और एसएससी के पूर्व सचिव अशोक साहा की जमानत याचिका खारिज कर दी।

इससे पहले जमानत याचिका पर न्यायमूर्ति अरिजीत बनर्जी और न्यायमूर्ति अपूर्व सिन्हा रॉय की खंडपीठ ने अलग-अलग फैसले सुनाए थे। इसके बाद मामले को उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने न्यायमूर्ति चक्रवर्ती की एकल पीठ को सौंप दिया था। याचिका पर सुनवाई के दौरान सीबीआई ने दावा किया था कि स्कूल नौकरी घोटाले में पांचों के खिलाफ जांच पूरी हो चुकी है, लेकिन भर्तियों में अनियमितताओं की जांच अभी जारी है। आरोपी काफी प्रभावशाली हैं।

उल्फा पर सख्ती बढ़ी : पहले बढ़ाया गया प्रतिबंध और अब गैरकानूनी संगठन घोषित करने के लिए ट्रिब्यूनल गठित

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्र लगातार असम के अलगाववादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (यूएलएफए) पर सख्ती बरत रहा है। अब गृह मंत्रालय (एमएचए) ने उल्फा और इसके सभी गुटों, शाखाओं और फ्रंट संगठनों को गैरकानूनी संगठन घोषित करने के लिए एक 'गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) ट्रिब्यूनल' का गठन किया है।

यह ट्रिब्यूनल गौहाटी उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति माइकल जोथानखुमा की अध्यक्षता में कार्य करेगा। गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक गजट अधिसूचना में यह जानकारी दी गई है। यह कदम गृह मंत्रालय ने 1967 के 'गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम' के तहत उठाया है। गौरतलब है, करीब एक महीने पहले ही केंद्र ने उल्फा पर लगे प्रतिबंध को पांच साल के लिए बढ़ाने का एलान किया था। उल्फा पर आरोप है कि वह असम को भारत से अलग करने के लिए सक्रिय है और अन्य उग्रवादी समूहों के साथ मिलकर धन उगाही और हिंसा में शामिल है। उल्फा को पहली बार 1990 में प्रतिबंधित किया गया था और तब से इसका प्रतिबंध समय-समय पर बढ़ाया जाता रहा है। पिछली बार इसे 27 नवंबर, 2019 को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत प्रतिबंधित किया गया था।

तमिलनाडु के मंत्री : 5वीं-8वीं के बच्चे प्रमोट होंगे

> केंद्र सरकार की नो डिटेंशन पॉलिसी नहीं मानेंगे > राष्ट्रीय शिक्षा नीति भी नहीं लाएंगे

"तमिलनाडु में लंबे समय से नो-फेलिंग पॉलिसी लागू है। हम चाहते हैं कि गरीब और गांव में रहने वाले स्टूडेंट्स को भी शहरी और मिडिल क्लास-अपर क्लास के बच्चों के बराबर ही अवसर मिले।
अंबिल महेश पोय्यामोझी
तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री

चेन्नई, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के शिक्षा मंत्री अनबिल महेश पोयामोजी ने कहा कि केंद्र ने 5वीं-8वीं के बच्चों को आगे की क्लास में प्रमोट नहीं करने का जो फैसला लिया है, वह हमारे राज्य में लागू नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र का 'नो डिटेंशन पॉलिसी' खत्म करना बच्चों के लिए बाधा बन जाएगा। गरीब घरों के बच्चों को और ज्यादा दिक्कतें आएंगी, इसलिए तमिलनाडु में ऑटोमेटिक प्रमोशन वाला मॉडल ही जारी रहेगा। जहां तक तमिलनाडु का सवाल है, हमने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को भी लागू नहीं किया है। हम अपने तमिलनाडु के लिए एक स्पेशल राज्य शिक्षा नीति का लाने की तैयारी कर रहे हैं। चूंकि राज्य अपनी खुद की पॉलिसी फॉलो कर रहा है। इसलिए केंद्र की यह पॉलिसी उन्हीं स्कूल में चलेगी, जो सेंट्रल पॉलिसी अपनाते हैं। राज्य सरकार की नीति से चलने वाले स्कूलों के बच्चों को डरने की जरूरत नहीं है। पैरेंट्स और टीचर्स को भी कन्फ्यूज नहीं होना चाहिए। दरअसल, केंद्र सरकार ने सोमवार को 'नो डिटेंशन पॉलिसी' खत्म कर दी थी। इसके तहत 5वीं और 8वीं क्लास के एग्जाम में फेल होने वाले स्टूडेंट्स को अब पास नहीं किया जाएगा।

16 राज्यों में पहले से खत्म है नो-डिटेंशन पॉलिसी

केंद्र सरकार की नई पॉलिसी का असर केंद्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों और सैनिक स्कूलों सहित करीब 3 हजार से ज्यादा स्कूलों पर होगा। 16 राज्य और 2 केंद्र शासित प्रदेश (दिल्ली और पुडुचेरी) नो-डिटेंशन पॉलिसी पहले पहले ही खत्म कर चुके हैं। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक स्कूली शिक्षा राज्य का विषय है, इसलिए राज्य इस संबंध में अपना निर्णय ले सकते हैं।

केंद्र सरकार ने पॉलिसी में बदलाव क्यों किया

2016 में सेंट्रल एडवाइजरी बोर्ड ऑफ एजुकेशन यानी सीएबीई ने ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट मिनिस्ट्री को 'नो डिटेंशन पॉलिसी' हटाने का सुझाव दिया था। सीएबीई ने कहा कि इस पॉलिसी के वजह से स्टूडेंट्स के सीखने का स्तर गिर रहा है। नो डिटेंशन पॉलिसी के अंतर्गत स्टूडेंट्स का मूल्यांकन करने के लिए टीचर्स के पास पर्याप्त साधन नहीं थे। ज्यादातर मामलों में स्टूडेंट्स का मूल्यांकन ही नहीं किया जाता था। देशभर में 10% से भी कम स्कूलों में पॉलिसी के हिसाब से टीचर्स और इंफ्रास्ट्रक्चर पाया गया। पॉलिसी में मुख्य रूप से एलिमेन्ट्री एजुकेशन में स्टूडेंट्स का एनरोलमेंट बढ़ाने पर फोकस किया गया जबकि बेसिक शिक्षा का स्तर गिरता रहा। इससे स्टूडेंट्स पढ़ाई को लेकर लापरवाह हो गए क्योंकि अब उन्हें फेल होने का डर नहीं था।

हिमाचल-उत्तराखंड में बर्फबारी शिमला में सड़कों पर 3 इंच बर्फ

अटल टनल पर 1000 गाड़ियां फंसीं एमपी-राजस्थान में 3 दिन ओले का अलर्ट

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। देश के 3 राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी का दौर जारी है। बर्फबारी के चलते हिमाचल में दो नेशनल हाईवे समेत 30 सड़कें बंद हो गई हैं। शिमला में सीजन की दूसरी बर्फबारी हुई, जिससे सड़कों पर 3 इंच बर्फ की परत जम गई। इससे सोलंगनाला से अटल टनल रोहतांग लौट रहे टूरिस्ट की गाड़ियां सड़क पर फिसलने लगीं।

देर रात तक 1000 से ज्यादा गाड़ियां अटल टनल के साउथ पोर्टल से नॉर्थ पोर्टल तक बर्फ में फंसीं। पुलिस ने गाड़ियां निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। उत्तराखंड में भी गढ़वाल हिमालय में बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री और हेमकुंड साहिब तथा कुमाऊं में मुनस्यारी में ताजा बर्फबारी हुई, जिससे पूरे राज्य में ठंड बढ़ गई है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में बारिश भी हुई। राजस्थान के गंगानगर, अनूपगढ़, चुरू और बीकानेर में 10 एमएम तक बारिश हुई। राजस्थान में अगले 3 दिन और एमपी में अगले 4 दिन ओले-बारिश का अलर्ट है। इसके चलते राजस्थान सरकार ने 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी है।

खबरें जरा हटके

कुत्ते या कबूतर के साथ नहीं, भैंसे के साथ इनकी दोस्ती बनी है मिसाल

वैसे तो आपने दोस्ती के कई रंग और तरीके देखे होंगे, लेकिन भीलवाड़ा में कान्हा और मूलचंद की ऐसी दोस्ती है कि हर कोई हैरान में पड़ जाता है। दरअसल, जिले के कोदूकोटा गांव निवासी मूलचंद अपने भैंसा कान्हा के साथ ऐसे घूमते हैं, जैसे शाही सवारी पर घूम रहे हों. हर कोई इस नजारे को देखकर खुश होता है और उनके साथ सेल्फी लेने लगता है।

भैंसे पर बैठकर बाजार जाते हैं

कोदूकोटा गांव के रहने वाले मुलचंद रोजाना भैंसे पर सवार होकर हाथ में छतरी लेकर जब बाजार पहुंचता है, तो देखने वालों का मजमा लग जाता है, जैसे किसी शाही सवार पर सवार होकर आ रहा हो. इसके कारण लोग इनके साथ सेल्फी लेने से भी नहीं चूकते है. मुलचंद अपने भैंसे पर सवार होकर बाजार से सामान लेते हैं और फिर अपने घर को लौट जाते हैं।

भैंसे की सवारी करने वाले मुलचंद कहते है कि मैं रोजना पाडा (भैंसे) पर सामान लेने आता हूं. यह मेरी शाही सवारी है और मुझे पर इस पर घूमना अच्छा लगता है. मुझको लोग देखते हैं और मेरे साथ फोटो भी खिंचवाते हैं. यह सांगानेर का भैंसा है, जो मुझे सबसे ज्यादा प्यारा है. मैं इसको अपने परिवार के सदस्य की तरह मानता हूं और इसका पूरा ख्याल रखता हूं। मूलचंद के शाही सवारी कहे जाने वाले कान्हा भैंसे को किसी की नजर न लगे इसलिए मूलचंद, कान्हा को फटी- पुरानी चप्पल की माला पहनाकर घूमाते हैं, ताकि इसको कभी किसी की नजर न लगे. यही नहीं मूलचंद का यह भी कहना है कि जब यह घास के खुले मैदान में होता है, तो ये फुटबॉल भी खेलता है।

चंडीगढ़ सदन की बैठक में हंगामा : वोट चोर कहे जाने पर भड़के अनिल मसीह, कांग्रेस-भाजपाई भिड़े, हाथापाई

चंडीगढ़, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। चंडीगढ़ नगर निगम सदन की बैठक में अनिल मसीह के मुद्दे पर हंगामा हो गया है। हाथापाई तक की नौबत आ गई। कांग्रेस पार्षद गुरप्रीत सिंह गाबी से बीजेपी पार्षदों ने धक्का मुक्की की। दरअसल आम आदमी पार्टी और कांग्रेस की तरफ से लगातार अनिल मसीह के पोस्टर लहराकर उन्हें वोट चोर कहा जा रहा था और इस संबंध में नारे लगाए जा रहे थे। इस पर अचानक अनिल मसीह निगम के वेल में आए और उन्होंने यह कहना शुरू कर दिया कि कांग्रेस के कई नेता, सोनिया गांधी, राहुल गांधी जमानत पर हैं। इसके बाद कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के नेता भी उनके पास आए और मसीह के पोस्टर को दोबारा से लहराना शुरू कर दिया। भाजपा के पार्षदों ने पोस्टर को छीनने की कोशिश की, जिसके बाद धक्का मुक्की हुई। बात इतनी बढ़ गई कि कांग्रेस के पार्षद गुरप्रीत सिंह और सीनियर डिप्टी मेयर कुलजीत सिंह संधू के बीच बहस हुई। गुरप्रीत सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा पार्षद ने उनके हाथ से पोस्टर को छीनने की कोशिश की। वहीं बैठक शुरू होते ही डॉ. आंबेडकर के मुद्दे पर कांग्रेस ने भाजपा से मांगी मांगने की अपील की।

राहुल गांधी दिल्ली के सब्जी बाजार पहुंचे

कहा-40 का लहसुन 400 में बिक रहा, जनता महंगाई से परेशान, सरकार कुंभकरण जैसे सो रही

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी दिल्ली की सब्जी मंडी पहुंचे। इसका वीडियो उन्होंने मंगलवार सुबह शेयर किया। सब्जी मंडी में राहुल कुछ महिलाओं से बात करते नजर आए। उन्होंने केंद्र की नीतियों की आलोचना की। राहुल ने कहा-लहसुन की कीमत 40 रुपए से 400 रुपए पहुंच गया है। जनता महंगाई से परेशान है। केंद्र सरकार कुंभकरण की नींद सो रही है। राहुल ने आगे कहा-आम जनता को अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए छोटे-छोटे सामानों पर समझौता करना पड़ रहा है। इस पर राहुल के साथ खड़ी एक महिला ने कहा- सोना सस्ता हो गया, लेकिन लहसुन महंगा है।

राहुल बोले- 120 किलो रुपए मटर ने सबको हिला दिया है

राहुल ने कहा कि कुछ दिन पहले मैं एक सब्जी बाजार गया था और ग्राहकों के साथ खरीदारी करते हुए, मैंने उनसे यह जानने की कोशिश की कि आम लोगों का बजट कैसे बिगड़ रहा है और महंगाई ने कैसे सभी को परेशान किया है। मैंने लहसुन, मटर, मशरूम और दूसरी सब्जियों के दामों पर चर्चा की और लोगों के असली अनुभवों को सुना। 400 रुपए किलो लहसुन और 120 रुपए किलो मटर ने सभी के बजट को हिला दिया है।

लोग क्या खाएंगे और क्या बचाएंगे, यह सोचने वाली बात है। राहुल ने कहा कि लोगों के लिए बचत करना मुश्किल हो गया है। कुछ लोगों के लिए, तो रिक्शे के किराए से लेकर खाने का खर्च पूरा करना भी कठिन हो गया है। राहुल गांधी ने लोगों से अपील की है कि अगर वे भी महंगाई का असर महसूस कर रहे हैं तो अपने अनुभव शेयर करें।

एक अनोखी जनजाति, दूध में मिलाकर पीती है खून-ये हैं दुनिया के सबसे लंबे लोग

दुनिया के अलग-अलग देशों और संस्कृतियों में खान-पान की भिन्न-भिन्न परंपराएं हैं. कहीं दूध से बनी चीजें खूब खाई जाती हैं, तो कहीं मांस मांस भोजन का अहम हिस्सा होता है. शाकाहार और मांसाहार को लेकर बहस तो चलती ही रहती है. आमतौर फूड हैबिट भौगोलिक परिस्थितियों पर निर्भर करती है. आज हम आपको अफ्रीका की एक ऐसी जनजाति के बारे में बताने वाले हैं, जो दूध में जानवर का खून मिलाकर पीते हैं और इससे मेहमानों का स्वागत भी करते हैं।

दूध में खून मिलाकर पीने जैसी अजीब लगने वाली फूड हैबिट वाली जनजाति का नाम मसाई है. यह अर्द्ध-खानाबदोश जनजाति मुख्यतः दक्षिणी केन्या, उत्तरी तंजानिया और इथोपिया में निवास करती है. यह एक नीलोटिक जातीय समूह है. मसाई जनजाति के लोगों का जीवन काफी हद तक जानवरों पर निर्भर होता है. सैकड़ों की संख्या में गाएं पालते हैं. मसाई जनजाति के पारंपरिक आहार में छह बुनियादी चीजें शामिल हैं- मांस, रक्त, दूध, फैट, शहद और पेड़ की छाल. वे ताजा दूध भी पीते हैं और कभी-कभी इसमें मवेशी का ताजा खून भी मिलाते हैं. दूध में खून मिलाकर आमतौर पर धार्मिक परंपराओं के दौरान पीते हैं. इसे मसाई लोग बीमार पड़ने पर भी पीते हैं. ये लोग खून निकालने के लिए मवेशी के गले की नस को काटते हैं या उसे पंचर कर देते हैं।

दुनिया के सबसे लंबे लोग हैं मसाई

अफ्रीका की मसाई जनजाति के लोग दुनिया के सबसे लंबे लोगों में से हैं. मसाई जनजाति के लोगों की औसत लंबाई 190.5 सेमी / 6.25 फीट है. लंबाई में इनकी बराबरी सिर्फ तुत्सी जनजाति के लोग ही कर पाते हैं।

मोहन भागवत हिंदू धर्म के प्रमुख नहीं हैं जो हम उनकी बात मानेंगे, जगदगुरु रामभद्राचार्य का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत के बयान को लेकर जगदगुरु रामभद्राचार्य ने कहा है कि यह संघ प्रमुख का व्यक्तिगत बयान हो सकता है और यह हम सब का बयान नहीं है। रामभद्राचार्य ने कहा कि मोहन भागवत किसी संगठन के प्रमुख हो सकते हैं, वह हिंदू धर्म के प्रमुख नहीं हैं, जो हम उनकी बात को मानें।

इससे पहले संतों के संगठन अखिल भारतीय संत समिति (एकेएसएस) ने सोमवार को मोहन भागवत की टिप्पणी की आलोचना की थी। एकेएसएस के महासचिव स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा था, "जब धर्म का विषय आता है तो इसका निर्णय धार्मिक गुरुओं को करना होता है और वे जो भी निर्णय लेंगे, उसे संघ और विहिप स्वीकार करेंगे।" 'धर्म को ठीक से समझना होगा, आधा अधूरा ज्ञान अधर्म को जन्म देगा', मोहन भागवत ने क्यों कही यह बात?

क्या कहा था भागवत ने? संघ प्रमुख भागवत ने बीते गुरुवार को पुणे में हिंदू सेवा महोत्सव में कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर बनना चाहिए और ऐसा हुआ भी। उन्होंने लगातार नए मुद्दे उठाकर देश में विभाजन पैदा करने को लेकर आगाह किया था। भागवत ने कहा था, "हर दिन तिरस्कार और दुश्मनी के लिए नए मुद्दे नहीं उठाए जाने चाहिए। इसका हल क्या है? हमें दुनिया को दिखाना चाहिए कि हम सद्भावना से रह सकते हैं, इसलिए हमें अपने देश में एक छोटा सा प्रयोग करना चाहिए।" भागवत ने कहा था कि धार्मिक मामलों के बारे में फैसला आरएसएस के बजाय धार्मिक नेताओं द्वारा किया जाना चाहिए। मोहन भागवत ने कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के बाद से कुछ लोगों को यह विश्वास होने लगा है कि वे इस तरह के मुद्दों को उठाकर "हिंदुओं के नेता" बन सकते हैं। भागवत ने एक "समावेशी समाज" की वकालत की थी। संघ प्रमुख ने कहा था कि देश संविधान के अनुसार चलता है और इस व्यवस्था में लोग अपने प्रतिनिधि चुनते हैं, जो सरकार चलाते हैं।

बताना होगा कि पिछले कुछ दिनों में कई मस्जिदों के नीचे मंदिर होने का दावा किया गया है। ऐसे ही मामले में यूपी के संभल में पिछले महीने हिंसा हुई थी और इसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में भी जगदगुरु रामभद्राचार्य ने बयान दिया है। रामभद्राचार्य ने कहा है कि हमें अपनी ऐतिहासिक वस्तुएं मिलनी ही चाहिए और हमें इन्हें लेना भी चाहिए। उन्होंने कहा कि चाहे जैसे भी हो साम, दाम, दंड, भेद से हमें इन्हें लेना चाहिए।

महाराष्ट्र की स्थिति बिहार से बदतर, सीएम फडणवीस लें संज्ञान : संजय राउत

मुंबई, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सोमवार को महाराष्ट्र के परभणी पहुंचे और हिंसा पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। जिसको लेकर सियासत तेज हो गई है। सांसद संजय राउत के मुताबिक महाराष्ट्र के हालात बिहार से ज्यादा खराब हैं और सीएम को इसका संज्ञान लेना चाहिए। विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने मंगलवार को कहा कि विपक्ष को क्या करना है, कहां जाना है, क्या बोलना है, यह पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह या सीएम देवेंद्र फडणवीस तय नहीं कर सकते। महाराष्ट्र की स्थिति बिहार से भी ज्यादा गंभीर है, जिसे सीएम फडणवीस को समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि बीड और परभणी में हुई घटनाएं राज्य की छवि को कलंकित करती हैं और इन अपराधों में शामिल लोग आपकी सरकार में मंत्री हैं। राहुल गांधी का परभणी दौरा सही था क्योंकि उन्होंने इन मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया। मुख्यमंत्री और गृहमंत्री को इन घटनाओं की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। नरेंद्र मोदी के कुवैत दौरे को लेकर संजय राउत ने कहा कि कुवैत ने नरेंद्र मोदी को 'मुबारक अल कबीर' का खिताब दिया है।

11 साल के बच्चे और तोते की अनोखी दोस्ती, दोनों समझते हैं एक-दूसरे की भाषा

यूपी के कन्नौज जिले में एक तोते और एक बच्चे की दोस्ती देखकर हर कोई हैरान है. दोस्ती भी ऐसी खास जिसको देखकर सभी तारीफ कर रहे हैं. बच्चा तोते की जुबान में बात करता है, तोता भी बच्चे की जुबान समझता है. इसके बाद दोनों एक दूसरे के पास आकर बात भी करते हैं. वहीं, दोनों एक दूसरे से प्यार भी करते हैं. बच्चा जहां-जहां जाता है, तोता उसके साथ ही रहता है। ऐसे जब बच्चा उस तोते को बुलाता है, तो वह उसके होठों पर आकर किस करने लगता है. सबसे मनमोहक करने वाली तस्वीर यही सामने रहती है. करीब 11 वर्षीय ऋतिक कुशवाहा के पिता कृष्णकांत कुशवाहा को कुछ सालों पहले यह दोनों तोते घायल अवस्था में मिले थे. इसके बाद वह उसको घर ले आए और अपने बच्चों की तरह पालन पोषण किया।

अपने ऑफिस से लौटते वक्त कृष्णकांत कुशवाहा को करीब 2 साल पहले यह दोनों तोता सड़क पर मिले थे. इसके बाद यह उसको अपने घर ले आए और इसका इलाज किया, जिसके बाद उसको अपने बच्चों की तरह पाला. यह सब देख कृष्णकांत कुशवाहा का बेटा भी इन पक्षियों की सेवा में लगा रहता था. उनको खाना देना, उनको पानी देना, समय से उसकी दवा का ध्यान रखना. इसके बाद अब इन पक्षियों ने इस पूरे परिवार को अपना परिवार मान लिया है. सुबह उठते ही यह लोग खाना पानी के लिए, मम्मी पापा और बच्चे के निकनेम से उसको पुकारने लगता है. कृष्णकांत कुशवाहा का बेटा ऋतिक कुशवाहा अभी 12 वर्ष का है. यह दोनों तोते उसके साथ ऐसे खेलते हैं. मानों जैसे दोनों एक जैसे ही हैं. जब भी वह उसको पुकारता है, उनकी भाषा में सुनके तोते उसके पास उससे प्यार करने आ जाते हैं. दोनों एक दूसरे को ऐसे प्यार करते हैं. मानों कब के बिछड़े आज मिले या फिर कुछ ऐसी एक दूसरे से बातें करते हुए नजर आते हैं।

अरविंद केजरीवाल का एक और बड़ा चुनावी एलान

नई दिल्ली में देंगे 24 घंटे साफ पानी

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल दिल्ली के लोगों के लिए बड़ी-बड़ी चुनावी घोषणाएं कर रहे हैं। एक बार फिर अरविंद केजरीवाल ने एक और चुनावी वादा किया है। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में हम 24 घंटे साफ पानी देंगे। पेप्लर लगाकर अमोनिया को हटाएंगे। वहीं ढाई हजार ट्यूवेल लगाएंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि राजेंद्र नगर विधानसभा की एक कॉलोनी में आज से 24 घंटे पानी की सप्लाई शुरू हो रही है। इसे जल्द ही पूरी दिल्ली में शुरू किया जाएगा। इससे पहले भी केजरीवाल ने तीन बड़ी घोषणाएं की हैं।

बूस्टर पंपिंग स्टेशन के उद्घाटन के बाद अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की सीएम आतिशी ने राजेंद्र नगर के पांडव नगर स्थित डीडीए फ्लैट्स के स्थानीय आवास पर पहुंचे। जहां पर पानी की गुणवत्ता जांचने के लिए अरविंद केजरीवाल ने सीधे नल से पानी पिया और कहा कि ये पानी साफ है। बीते मंगलवार को दिल्ली में अरविंद केजरीवाल ने महिला सम्मान योजना और संजीवनी योजना के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिए। मुख्यमंत्री आतिशी और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को पूर्वी किदवई नगर से महिला सम्मान राशि योजना के लिए पंजीकरण का आगाज किया। योजना में महिलाओं को 2,100 रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। इसी तरह, 60 साल से ऊपर के बुजुर्गों के मुफ्त इलाज की संजीवनी योजना के रजिस्ट्रेशन भी जंगपुरा से शुरू हो गए।

पुलिस ने 11 पशुओं को तस्करों से कराया मुक्त, दो आरोपियों पर केस दर्ज

शहडोल, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले के देवलोंद थाना पुलिस ने पशु तस्करी करते हुए एक वाहन को जप्त किया है। उसमें कुल 11 मवेशी मिले हैं। पुलिस की ओर से आरोपी वाहन चालक से मवेशी परिवहन से संबंधित दस्तावेज की मांग की गई, जिस पर उसके पास कोई भी वैध दस्तावेज नहीं मिले। देवलोंद पुलिस से के अनुसार बीती रात गश्त के दौरान सूचना मिली एक पिकअप वाहन में मवेशियों की तस्करी थाना क्षेत्र से होने वाली है। सूचना के बाद पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए चंदोला फॉरेस्ट बैरियर के पास पिक-अप वाहन क्रमांक यूपी 12 सीटी 8733 को रोका। वाहन में 6 भैंस और 5 पड़वों को मवेशियों को निर्दयता से ठूंस-ठूंसकर लोड किया गया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वाहन से पशुओं को मुक्त कराया। वाहन चालक से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम आसीम खान पिता रहमत खान उम्र 32 वर्ष एवं सहयोगी का नाम गुलामेरजा पिता रज्जाक खान उम्र 26 वर्ष बताया।

करोड़पति पूर्व कॉन्स्टेबल ने जीजा के नाम खरीदी प्रॉपर्टी

एमपी के कई शहरों में संपत्ति और बिजनेस, ईडी ने केस दर्ज किया; रिश्तेदार लापता

सौरभ शर्मा

भोपाल, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। भोपाल में आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा और उसके दोस्त चेतन गौर के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने देर रात मनी लॉन्डरिंग का केस दर्ज कर लिया है। जांच का दायरा आगे बढ़ने के साथ उसके सहयोगी और राजदार भी बेनकाब हो रहे हैं। सौरभ का साथ देने वालों में अब तक उसकी मां, पत्नी, साला, दोस्त चेतन गौर और शरद जायसवाल के नाम सामने आ चुके हैं। अब इसमें 6वें किरदार सौरभ के जीजा रोहित तिवारी की एंट्री हो गई है।

बताया जा रहा है कि सौरभ ने भोपाल समेत कई शहरों में जीजा के साथ साझेदारी में कई प्रॉपर्टी खरीदी। जबलपुर में जिस बंगले में सौरभ रह रहा था, वह जीजा के नाम से खरीदा था। जब्त दस्तावेज में ग्वालियर-इंदौर में भी प्रॉपर्टी के सबूत मिले हैं। इसमें इंदौर के होटल रेडिसन के सामने स्थित सौरभ का होटल भी शामिल है। इस होटल का संचालन शरद जायसवाल करता था, लेकिन इसके असल मालिक सौरभ और रोहित है।

छापे के बाद से सौरभ का जीजा लापता है

सौरभ के वहां छापे के बाद से उसका जीजा लापता हो गया है। उसने अपना फेसबुक अकाउंट डिलीट कर दिया है। सौरभ की पत्नी दिव्या और साले शुभम तिवारी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से कई पोस्ट डिलीट कर दी हैं। सौरभ के कारोबार में पत्नी दिव्या के साथ ही जीजा रोहित भी कई काम संभालता है।

दिव्या का भोपाल में फिटनेस क्लब भी है, जिसका संचालन वही देखती थी। सौरभ के करीबी चेतन सिंह की कार में सोना-नकदी मिलने के बाद उसके ससुराल के लोग भी सतर्क हो गए थे।

दोस्तों और रिश्तेदारों को सौंपे थे बिजनेस

सौरभ ने दोस्तों और रिश्तेदारों को अलग-अलग बिजनेस सौंप रखे हैं। होटल का संचालन रोहित और शरद करते थे। इसी प्रकार भोपाल के चूनाभट्टी चौराहे पर फर्गोटो नाम से रेस्टॉरेंट का संचालन भी यही दोनों संभाला करते थे। छापों के बाद सौरभ के अधिकांश दोस्त घर और नौकरी से गायब हैं। इसी प्रकार ग्वालियर में रहने वाले उसके रिश्तेदार भी अंडरग्राउंड हो चुके हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: मेहनत विकल्प नहीं प्राथमिकता होनी चाहिए!

बुधवार, 25 दिसंबर, 2024

कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री को हटाने की मांग को लेकर निकाली विरोध रैली

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी ने मंगलवार को हैदराबाद में विरोध रैली निकाली, जिसमें भारतीय संविधान के संस्थापक डॉ.बी.आर. अंबेडकर का कथित रूप से अपमान करने के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल से गृह मंत्री अमित शाह को हटाने की मांग की गई। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ के नेतृत्व में टैंक बंड के पास अंबेडकर प्रतिमा से हैदराबाद कलेक्ट्रेट तक विरोध रैली निकाली गई। बाद में, कांग्रेस नेताओं ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को संबोधित एक याचिका हैदराबाद कलेक्टर को सौंपी। सांसद अनिल यादव, टीपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष अंजन कुमार यादव, राष्ट्रीय नेता कोप्पुला राजू, पूर्व सांसद वी हनुमंत राव, डीसीसी अध्यक्ष रोहिन रेड्डी और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने विरोध रैली में हिस्सा लिया। इस अवसर पर बोलते हुए, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अमित शाह को तुरंत केंद्रीय मंत्री के पद से हटाने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार संविधान को बदलने की कोशिश कर रही है और अमित शाह द्वारा अंबेडकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी से भाजपा का असली रंग उजागर हो गया है।

उन्होंने कहा, यह शर्मनाक है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जो भाजपा द्वारा अंबेडकर के अपमान की लोकतांत्रिक तरीके से निंदा कर रहे हैं।

टीपीसीसी अध्यक्ष ने दोहराया कि कांग्रेस पार्टी तब तक लड़ाई जारी रखेगी जब तक अमित शाह के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती।

मुख्यमंत्री रेवंत ने क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने क्रिसमस के अवसर पर ईसाई समुदाय को हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। मंगलवार को यहां एक विज्ञप्ति में मुख्यमंत्री ने कहा कि ईसा मसीह की शिक्षाएं पूरी मानवता के लिए हमेशा मार्गदर्शक शक्ति रही हैं। ईसा मसीह ने सभी धर्मों का संदेश मानवता चुनकर सभी को एक नई दिशा दी। रेवंत रेड्डी ने कहा कि ईसा (शांति के दूत) ने जो संदेश दिया है कि प्रेम, सहिष्णुता, शांति और दूसरों के प्रति सेवा जैसे महान गुण हम सभी के लिए आदर्श हैं। उन्होंने कहा कि जनता की सरकार ईसा मसीह की शिक्षाओं का पालन करके सभी धर्मों के कल्याण और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। ईसाई अल्पसंख्यकों के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकार द्वारा संकल्पित होने की बात कहते हुए रेवंत रेड्डी ने ईसाई समुदाय से राज्य भर में खुशी और उल्लास के साथ क्रिसमस मनाने की अपील की।

पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर, हरीश राव को राहत

हाईकोर्ट ने निचली अदालत की नोटिस को किया निलंबित

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव को राहत देते हुए उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कालेश्वरम परियोजना के एक हिस्से मेडिगड्डा बैराज को हुए नुकसान से संबंधित एक मामले में निचली अदालत द्वारा जारी नोटिस को निलंबित कर दिया। उच्च न्यायालय ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं द्वारा दायर एक निरस्तीकरण याचिका पर यह आदेश पारित किया। न्यायालय ने नागवेल्ली राजलिंगमूर्ति को नोटिस जारी करने का आदेश दिया, जिनकी पुनरीक्षण याचिका पर निचली अदालत ने नोटिस जारी करने का आदेश दिया था।

अगस्त में भूपालपल्ली स्थित प्रधान सत्र न्यायालय ने बीआरएस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव, पूर्व मंत्री हरीश राव और छह अन्य को नोटिस जारी किया था।

निचली अदालत ने भूपलपल्ली निवासी नागवेल्ली राजलिंगमूर्ति की याचिका पर सुनवाई करते हुए नोटिस जारी किए थे, जिन्होंने तर्क

दिया था कि चंद्रशेखर राव, हरीश राव और अन्य ने परियोजना को आगे बढ़ाने में अत्यधिक जल्दबाजी दिखाई और बिना उचित परीक्षण के भारी सार्वजनिक धन का दुरुपयोग किया। राजलिंगमूर्ति ने अक्टूबर 2023 में मेडिगड्डा के घाटों के डूबने, तथा राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण के अधिकारियों, कई राजनेताओं और अन्य लोगों के बैराज के दौरे का हवाला दिया और तर्क दिया कि प्रतिवादी ने सार्वजनिक धन का दुरूपयोग किया है।

याचिकाकर्ता ने तर्क दिया था कि यह भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी, 420, 386, 406 और 409 के तहत अपराध है। निचली अदालत द्वारा मामले की सुनवाई करने से इनकार करने के बाद प्रधान सत्र न्यायालय ने सुनवाई शुरू की क्योंकि केवल विशेष न्यायाधीश ही भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 और आईपीसी के तहत आने वाले मामलों से निपटने के लिए अधिकृत हैं। इसके बाद, राजलिंगमूर्ति ने सत्र न्यायालय में याचिका दायर कर भूपलपल्ली के प्रथम श्रेणी प्रधान न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश में संशोधन की मांग की।

सत्र न्यायालय ने केसीआर, तत्कालीन विशेष मुख्य सचिव, सिंचाई हरीश राव, सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी रजत कुमार, प्रधान सचिव स्मिता सभरवाल, मुख्य अभियंता बी. हरिराम, मुख्य अभियंता एन. श्रीधर और दो ठेका एजेंसियों के दो प्रतिनिधियों को नोटिस जारी किए थे। नोटिस को चुनौती देते हुए केसीआर और हरीश राव ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। उन्होंने निचली अदालत के फैसले को खारिज करने के आदेश की मांग की। उनके वकील ने तर्क दिया कि सत्र न्यायालय को मामले की सुनवाई करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने हाईकोर्ट को बताया कि विभिन्न हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में आदेश पारित किए हैं। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने नोटिस निलंबित कर दिए। साथ ही याचिकाकर्ता राजलिंगमूर्ति को भी नोटिस जारी करने का आदेश दिया और सुनवाई 7 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी।

चेयरमैन नेरेला सारदा, टीपीसीसी अध्यक्ष, एमएलसी महेश कुमार गौड़, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष सारदा को बुद्ध भवन में तेलंगाना राज्य महिला आयोग कार्यालय में मलेशियाई प्रतिनिधियों के एक समूह द्वारा शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया

चोरी करने के आरोप में दम्पति गिरफ्तार

निर्मल, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के विभिन्न हिस्सों में मंदिरों में चढ़ावे की चोरी करने के आरोप में एक दंपत्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने दोनों के पास से 10,000 रुपये नकद बरामद किए। गिरफ्तारी का ब्यौरा देते हुए भैंसा के एएसपी अविनाश कुमार ने बताया कि भैंसा कस्बे के शास्त्रीनगर से पुलि प्रदीप और कोडाली वेंकट लक्ष्मी को वाहन जांच के दौरान संदिग्ध अवस्था में घूमते हुए गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ के दौरान प्रदीप ने कबूल किया कि वह काफी समय से शॉर्टकट रास्तों का इस्तेमाल करके आलीशान जीवनशैली जीने के लिए अपराध कर रहा था। उसने भैंसा, कुभीर, मुधोल, बसर और नरसापुर (जी) मंडलों में स्थित मंदिरों से चढ़ावा लेकर भागने की बात कबूल की। उसने खुलासा किया कि वे रात में कार में यात्रा करके मंदिरों को निशाना बनाते थे। एएसपी ने बताया कि दंपत्ति को कुभीर मंडल के पारडी (बी) गांव में श्री राजा राजेश्वर स्वामी मंदिर से हुंडियाल से प्रसाद लेने के बाद भैंसा लौटते समय पकड़ा गया। इस बीच, एसपी डॉ. जानकी शर्मिला ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को गिरफ्तार करने के लिए भैंसा ग्रामीण इंस्पेक्टर नीलू, कुभीर एसआई रविंदर, एएसआई रामदास और देवराव और कांस्टेबल दीपक सिंह की सराहना की।

अतिक्रमण हटाना सड़क चौड़ीकरण का हिस्सा

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क चौड़ीकरण सड़क के दोनों ओर अतिक्रमण हटाने के कार्यक्रम का हिस्सा है। इस कार्यक्रम के तहत डायमंड प्वाइंट मुख्य रूप से दिल्ली पब्लिक स्कूल के सामने, इंपीरियल गार्डन से लेकर बोइनपल्ली मार्केट तक दोनों तरफ अतिक्रमण, प्लेटफार्म पर व्यवसाय, फुटपाथ पर अवैध निर्माण को ध्वस्त किया जाएगा। कार्यक्रम में पी विश्वप्रसाद, ट्रैफिक डीसीपी, बीके राहुल हेगड़े, छावनी सीईओ मधुकर नाइक, छावनी अधीक्षक देवेंदर, कारखाना एसआई नरेश, मारेडपल्ली ट्रैफिक एसआई श्रीधर, ट्रैफिक इंस्पेक्टर एल. मधु बाबू, डीईओ एवं यातायात कर्मियों, कानून व्यवस्था कर्मियों, छावनी कर्मियों, यातायात पुलिस ने संचालन किया। कार्यक्रम के तहत कैंटोनमेंट सीईओ मधुकर नाइक, एडिशनल कमिश्नर पी विश्वप्रसाद ने मीडिया को जानकारी दी।

मल्टी-सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के काम की गति धीमी

पूरा होने में अभी और लगेगा समय

वारंगल, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार पिछले एक साल में वारंगल शहर में पुराने सेंट्रल जेल परिसर में 56 एकड़ के परिसर में 24 मंजिला मल्टी-सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के निर्माण कार्य का सिर्फ 16 प्रतिशत पूरा करने में कामयाब रही है, जिससे परियोजना के मार्च 2025 की समय सीमा से चूकने की संभावना है।

पिछली बीआरएस सरकार ने अस्पताल का 64 प्रतिशत काम पूरा कर लिया था और पूरा प्रोजेक्ट पिछले दिसंबर तक पूरा हो जाना चाहिए था। लेकिन, चुनावों के कारण प्रोजेक्ट में देरी हुई और इसे साल के अंत तक पूरा होने की उम्मीद थी। पिछले एक साल में सिर्फ़ 16 प्रतिशत काम पूरा होने के कारण सरकार मार्च की डेडलाइन से चूक सकती है। सूत्रों का कहना है कि प्रोजेक्ट पूरा होने में छह महीने से ज़्यादा का समय लग सकता है। सूत्रों ने बताया कि स्वास्थ्य सचिव क्रिस्टीना जेड चोंगथु इस कार्य की बारीकी से निगरानी कर रही हैं, लेकिन कार्य उस गति से आगे नहीं बढ़ रहा है जिस गति से बढ़ना चाहिए।

यह अस्पताल पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव का ड्रीम प्रोजेक्ट था, जिन्होंने 21 जून, 2021 को सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की नींव रखी थी। वह चाहते थे कि अस्पताल को कनाडा के बहुमंजिला मैकेंज़ी हेल्थ साइंसेज सेंटर की तर्ज पर बनाया जाए। राव ने उत्तरी तेलंगाना के लोगों को कॉर्पोरेट स्तर की स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठित वारंगल हेल्थ सिटी परियोजना की शुरूआत की।

उत्तरी तेलंगाना के डॉक्टर और लोग अस्पताल के पूरा होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं क्योंकि इससे उन्हें गुणवत्तापूर्ण उपचार मिलने में मदद मिलेगी। वर्तमान में, एमजीएम अस्पताल पर बहुत दबाव है। एमजीएम अस्पताल भीड़भाड़ वाली सुविधाओं और अत्यधिक स्टाफ़ से जूझ रहा है, जिससे समय पर और प्रभावी स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में मुश्किलें बढ़ रही हैं।

डीसीसीबी ने कामारेड्डी में किसानों के खेतों में लगाए नीलामी फ्लेक्स

निजामाबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक (डीसीसीबी) के अधिकारियों ने जिले के नसरुल्लाबाद मंडल के कई गांवों में ऋण राशि का भुगतान नहीं करने वाले किसानों के खेतों पर फ्लेक्स लगा दी है, जिससे कृषक समुदाय में बेचैनी पैदा हो गई है। सूत्रों का कहना है कि सहकारी बैंक के अधिकारियों ने सोमवार को नसरुल्लाबाद मंडल के अंकोल थांडा, संगम, मेलाराम, दुरकी, बसवाईपल्ली, अंकोल, हाजीपुर और अन्य गांवों के किसानों को नोटिस जारी कर कहा कि चूंकि वे ऋण राशि का भुगतान करने में विफल रहे हैं, इसलिए बैंक को गिरवी रखी गई जमीन को नीलाम करने का अधिकार है।

उन्होंने कुछ किसानों की जमीन पर फ्लेक्स बोर्ड भी लगा दिए हैं, जिसमें लिखा है कि बैंक ने जमीन पर कब्जा कर लिया है और 26 दिसंबर को इसकी नीलामी की जाएगी। किसानों ने अपनी शिकायत में कहा कि बैंक अधिकारी उनके खेतों में फ्लेक्सी लगाकर उनका अपमान कर रहे हैं। इस घटना से जिले के किसान समुदाय में खलबली मच गई है और वे बैंक की कार्रवाई की आलोचना कर रहे हैं। इस बीच, पता चला है कि कुछ किसान अपनी जमीन को नीलाम होने से बचाने के लिए निजी ऋणदाताओं से ऋण लेकर या अपनी संपत्ति बेचकर बैंक ऋण चुकाने की कोशिश कर रहे हैं।

जून में, सहकारी बैंक के अधिकारियों ने जिले के लिंगमपेट मंडल के पोलकमपेट गांव में ऋण राशि का भुगतान न करने वाले किसानों के खेतों पर फ्लेक्स लगा दी और लाल झंडे लगा दिए, जिससे कृषक समुदाय में बेचैनी पैदा हो गई। कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने इस मुद्दे पर विभिन्न मीडिया में प्रकाशित रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सहकारी बैंक के अधिकारियों पर अपना गुस्सा जाहिर किया। उन्होंने उन्हें निर्देश दिया कि वे ऐसा काम न करें जिससे किसानों की बदनामी हो।

मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने केजीबीवी स्कूल का दौरा किया

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने हुस्नाबाद निर्वाचन क्षेत्र के चिगुरु ममिदी मंडल केंद्र में केजीबीवी स्कूल का दौरा किया। केजीबीवी शिक्षकों के हड़ताल पर रहने से छात्रों को हो रही परेशानी पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सीधी बात की। जबकि स्कूल के आधे शिक्षक हड़ताल पर हैं, ड्यूटी पर मौजूद लोगों ने शिक्षकों को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया है कि सभी कक्षाएं संचालित हों। उन्होंने कहा कि छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे पहले से पूरे किए गए पाठों को पढ़ें और उनका अभ्यास करें। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने केजीबीवी शिक्षकों से हड़ताल वापस लेने की अपील की है क्योंकि छात्रों की परीक्षाएं नजदीक आ रही हैं और पाठ्यक्रम अभी तक पूरा नहीं हुआ है। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने केजीबीवी हड़ताल के राज्य नेताओं से बात की और शिक्षा विभाग के शीर्ष अधिकारियों से फोन पर बात की और कहा कि केजीबीवी शिक्षकों की समस्याओं को सरकार के ध्यान में लाया जाएगा। अधिकारियों को हर तरह के उपाय करने का आदेश दिया गया ताकि छात्रों को किसी भी तरह की कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। इसके बाद केजीबीवी स्कूल की हर कक्षा में वे छात्राओं से मिले। उन्होंने सरकार द्वारा आहार शुल्क बढ़ाये जाने के बाद मिल रहे भोजन की गुणवत्ता के बारे में जानकारी ली। छात्रों को मेन्यू के अनुसार करी व अन्य खाद्य सामग्री उपलब्ध करायी जाती है उन्होंने कहा कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण भोजन मिलेगा। विद्यालय की रसोई का निरीक्षण किया गया। दोपहर में विद्यार्थियों के लिए बनाये गये व्यंजनों का निरीक्षण किया गया। सब्जियों की जांच की गई। आदेश दिया गया कि खाना पकाने में इस्तेमाल होने वाली चीजों की गुणवत्ता से समझौता नहीं किया जाना चाहिए। छात्रों को मिले केले के फलों की जांच की गई। केजीबीवी ने स्कूल के आसपास का निरीक्षण किया। स्कूल ग्राउंड परिसर में बुश क्लीयरेंस का आदेश दिया गया। स्कूल के आसपास मुनगा, अमरूद, नींबू, करी पत्ता आदि उपयोगी पौधे लगाने का सुझाव दिया गया है। अधिकारियों को गार्ड वॉल पर लगे जर्जर पेड़ों को हटाने व साफ-सफाई करने का आदेश दिया गया।

नंदीपहाड़ गांव में तेंदुआ दिखने से दहशत

नारायणपेट, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के मद्दुर मंडल के अंतर्गत नंदीपहाड़ गांव में उस समय दहशत फैल गई जब एक तेंदुए ने कुछ बकरियों पर हमला कर दिया और एक को लेकर जंगल में भाग गया। यह घटना सोमवार शाम करीब 7 बजे हुई जब चरवाहे बकरियों को चराने ले जा रहे थे। बकरियों को देखकर तेंदुआ अचानक सामने आया और एक बकरी पर हमला करने की कोशिश की। जैसे ही वह भागने में कामयाब हुई, तेंदुआ ने दो बच्चों पर हमला कर दिया और उन्हें जंगल में खींचने की कोशिश कर रहा था।

इस दौरान किसान पी रामुलु, बी राजू और बी शांतप्पा ने तेंदुए को देखा। तेंदुए ने एक बच्चे को वहीं छोड़ दिया और दूसरे को लेकर जंगल में भाग गया। किसानों ने दावा किया कि उन्होंने दो तेंदुए देखे थे। हालांकि, वन अधिकारियों ने कहा कि किसानों और चरवाहों से जंगल की सीमा के करीब न जाने की अपील के बावजूद वे मवेशियों को चराने के लिए ले जाते हैं। एक वन अधिकारी ने कहा कि आम तौर पर तेंदुए आवारा कुत्तों पर हमला करते हैं, लेकिन पास में बकरियां और अन्य शिकार होने की वजह से वे उन पर हमला कर देते हैं।

ग्रामीणों से घटना के बारे में पता चलने के तुरंत बाद अधिकारियों की एक टीम गांव पहुंची और पूरे इलाके की जांच की। एक तेंदुए के पैरों के निशान पाए गए और आगे कोई जोखिम न लेते हुए रात में तेंदुए को पकड़ने के लिए एक पिंजरा लगाया गया।

उन्होंने कहा कि मंगलवार को एक और पिंजरा भी लगाया जाएगा। पिछले चार महीनों से इस क्षेत्र में तेंदुओं की आवाजाही कम हो गई थी, लेकिन पिछले दो हफ्तों में इनकी संख्या में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि वे आम तौर पर इंसानों पर हमला नहीं करते हैं और देर शाम और रात में घूमते हैं।

क्रिसमस के लिए सजाया गया मेदक चर्च

समारोह में शामिल होंगे मुख्यमंत्री

मेदक, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक कैथेड्रल चर्च में क्रिसमस समारोह के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, जो इस वर्ष 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहा है। चर्च को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है क्योंकि यहां भारत के विभिन्न भागों से श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। व्यापारियों ने चर्च परिसर में अलग-अलग व्यापारिक स्टॉल लगा दिए हैं क्योंकि श्रद्धालु खाने-पीने की चीजें और बच्चों के लिए खिलौने खरीदने के लिए चर्च परिसर में आने लगे हैं। श्रद्धालुओं ने विशालकाय पहियों पर सवारी का भी आनंद लिया। मेदक के होटलों में खूब मौज-मस्ती हो रही थी और होटल के कमरे और लॉज पूरी तरह से भरे हुए थे।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी बुधवार को क्रिसमस की प्रार्थना में शामिल होने के लिए चर्च जाएंगे। इसके बाद वे श्री वन दुर्गा भवानी मंदिर एडुआपयाला जाएंगे और वहां की प्रमुख देवी की पूजा करेंगे। इस बीच, पूर्ववर्ती मेदक जिले के चर्च भी क्रिसमस समारोह के लिए तैयारियों में जुटे हुए हैं। पूर्व मंत्री टी हरीश राव और अन्य नेताओं ने राज्य के सभी नागरिकों को क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं। नेताओं और अधिकारियों के बुधवार को विभिन्न चर्चों में समारोह में भाग लेने की उम्मीद है।

सुई की आंख पर बनाई 'क्राइस्ट द रिडीमर' की मूर्ति

सूक्ष्म मूर्तिकार की कलाकारी की हो रही प्रशंसा

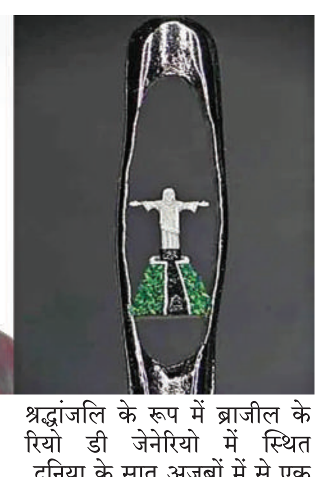

वारंगल, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अपनी असाधारण सूक्ष्म मूर्तियों के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध तेलंगाना के सूक्ष्म मूर्तिकार अजय कुमार मट्टेवाड़ा ने क्रिसमस की पूर्व संध्या पर एक और अद्भुत कलाकृति बनाई है। वारंगल स्थित सूक्ष्म मूर्तिकार ने क्रिसमस उत्सव के अवसर पर ईसा मसीह को श्रद्धांजलि के रूप में ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में स्थित दुनिया के सात अजूबों में से एक 'क्राइस्ट द रिडीमर' की सूक्ष्म मूर्ति बनाई है।

मूल मूर्ति, जो 30 मीटर (98 फीट) ऊंची है, को सुई की आंख के भीतर जटिल तरीके से दोहराया गया है। लघु मूर्ति की ऊंचाई 1.1 मिमी है। यह सूक्ष्म मूर्ति यीशु की उंगलियों और उनके कपड़ों पर झुर्रियों को उल्लेखनीय स्पष्टता के साथ खूबसूरती से दर्शाती है जैसा कि मूल मूर्ति में देखा गया है। अजय कुमार ने बताया कि उन्होंने यह मूर्ति मोम (जो कि उनके द्वारा विशेष रूप से बनाया गया है) प्लवास्टिक पाउडर और रंग के लिए कैटरपिलर के बालों का उपयोग करके बनाई है। विवरण के लिए, उन्होंने रेशम के कीड़ों के बालों से बने नाजुक औजारों का इस्तेमाल किया जो फूंकने पर मुड़ जाते हैं। कुल मिलाकर, उन्होंने इस सूक्ष्म मूर्ति को बनाने के लिए दो महीने की अवधि में 90 घंटे काम किया, जिसे सामान्य रूप से नहीं देखा जा सकता था, कलाकृति को देखने के लिए माइक्रोस्कोप की मदद लेनी पड़ती है और यह उनके कार्यों की एक पहचान है।

बैंक के 42 लॉकर लूटने वाले 2 बदमाशों का एनकाउंटर

4 घंटे के अंदर एक को लखनऊ, दूसरे को गाजीपुर में मार गिराया

लखनऊ, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। लखनऊ के इंडियन ओवरसीज बैंक के 42 लॉकर काटने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया। दोनों बदमाशों का एनकाउंटर 4 घंटे के अंदर किया। पहला एनकाउंटर लखनऊ में रात साढ़े 12 बजे हुआ। दूसरा लखनऊ से 350 किमी दूर गाजीपुर के गहमर में मंगलवार तड़के साढ़े 4 बजे हुआ। बैंक लूट में फरार सोबिंद कुमार को लखनऊ में, जबकि सन्नी दयाल को गाजीपुर में मार गिराया। पुलिस के मुताबिक, बदमाशों को जब घेरा तो उन्होंने फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में दोनों को दो-दो गोली लगी। दोनों को अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। दोनों बिहार के रहने वाले थे।

लखनऊ के चिनहट में इंडियन ओवरसीज बैंक की दीवार काटकर लुटेरे 42 लॉकर से गहने लूट ले गए थे। राजधानी में हुई इस घटना से सुरक्षा पर सवाल खड़े किए जा रहे थे।घटना में 7 बदमाश शामिल थे, इनमें 6 बिहार के और एक लखनऊ का है। 2 मारे जा चुके हैं। 3 गिरफ्तार हैं। मास्टरमाइंड विपिन वर्मा लखनऊ का है, जो अपने एक साथी के साथ फरार है।

गाजीपुर एनकाउंटर : बदमाश के सीने और पैर में गोली मारी

गाजीपुर एसपी इरज राजा ने बताया-गहमर इलाके में पुलिस देर रात गश्त कर रही थी। बैंक लूट में फरार सनी दयाल अपने साथी के साथ बाइक से जा रहा था। पुलिस ने चेकिंग के लिए रोका तो उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिसकर्मियों पर बाइक चढ़ाने की कोशिश करते हुए बिहार बॉर्डर की ओर भागने लगा।

पुलिस टीम ने पीछा किया। कुतुबपुर इलाके में मुठभेड़ हुई। इसमें सन्नी को गोली लग गई। उसे सीएचसी भदौरा ले जाया गया। प्राइमरी इलाज के बाद डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, सन्नी का साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गया। पुलिस ने बताया कि सन्नी दयाल के पास से एक पिस्टल, छह खाली कारतूस, सोने के जेवर और 3.55 लाख रुपए बरामद हुए। सन्नी दयाल बिहार के मुंगेर का रहने वाला था।

लखनऊ एनकाउंटर : बदमाश के पेट और पैर में गोली मारी

जेसीपी लॉ एंड ऑर्डर अमित वर्मा ने बताया-लखनऊ में सोमवार रात साढ़े 12 बजे मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने बिहार के असरगंज के रहने वाले सोबिंद कुमार को लौलाई के जलसेतु पर घेर लिया। पुलिस को देखते ही सोबिंद ने पिस्टल से फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में पुलिस ने उसके पैर और पेट में गोली मार दी। गोली लगते ही गिर गया। पुलिस उसे लोहिया अस्पताल ले आई। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोबिंद के खिलाफ 6 से अधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने सोबिंद के पास से पिस्टल, कारतूस, कार, जेवर बरामद किए। हालांकि, कितना जेवर बरामद हुआ। पुलिस ने इसका खुलासा नहीं किया है।

राहुल-प्रियंका पर भड़के आकाश आनंद

हमारी नीली क्रांति को फैशन शो बना दिया

लखनऊ, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के भीमराव आंबेडकर पर दिए बयान को लेकर बसपा में आक्रोश है। पहले से निर्धारित कार्यक्रम के तहत मंगलवार को बसपा कार्यकर्ता प्रदेशभर में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी बीच बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे एवं पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद का बयान सामने आया है। उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह सहित राहुल और प्रियंका गांधी को निशाने पर लिया। साथ ही आप संयोजक केजरीवाल पर भी निशाना साधा।

आकाश आनंद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि करोड़ों शोषितों, वंचितों और गरीबों के लिए बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी भगवान ही हैं। लेकिन वोटों के लिए उनके नाम का इस्तेमाल करना आज कल एक फैशन हो गया है।

पीलीभीत एनकाउंटर के बाद आतंकी पन्नू की गीदड़भभकी

बोला-महाकुंभ में लेंगे बदला

पीलीभीत, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत से बड़ी खबर सामने आ रही है। पूरनपुर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह पंजाब और उत्तर प्रदेश पुलिस ने मुठभेड़ में खालिस्तान समर्थक तीन आतंकियों को मार गिराया था। इस मुठभेड़ के बाद कनाडा में बैठा खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू बौखला गया है। उसका वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें वह गीदड़भभकी दे रहा है। उसने महाकुंभ में पीलीभीत एनकाउंटर का बदला लेने की बात कही है। पन्नू 14 जनवरी, 29 जनवरी और तीन फरवरी बोलता है। वह कहता है कि इन तारीखों का याद रखना है। पन्नू ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी अपशब्द कहे हैं। पीलीभीत में वर्ष 1991 में मारे गए खालिस्तानी आतंकवादियों को शहीद बताया। गुरपतवंत सिंह पन्नू ने पीलीभीत मुठभेड़ में मारे गए तीनों आतंकियों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये देने का एलान किया।

पूरनपुर क्षेत्र में हुई थी मुठभेड़

पीलीभीत के पूरनपुर क्षेत्र में माधोटांडा मार्ग पर खालिस्तान समर्थक आतंकियों से सोमवार सुबह मुठभेड़ हुई थी। तीनों आतंकियों को पंजाब और उत्तर प्रदेश पुलिस ने साझा कार्रवाई में मार गिराया था। आतंकियों की पहचान गुरविंदर सिंह (25), वरिंदर सिंह उर्फ रवि (23) और जसनप्रीत सिंह उर्फ प्रताप सिंह (18) के रूप में हुई है। तीनों पंजाब में गुरदासपुर जिले के रहने वाले थे। तीनों आतंकियों पर कलानौर थाने की बख्शीवाल चौकी पर ग्रेनेड से हमला करने का आरोप था। पंजाब पुलिस तीनों को तलाश कर रही थी। जंगी एप से तीनों की लोकेशन पीलीभीत के पूरनपुर में मिली, जहां मुठभेड़ में तीनों मारे गए। सूत्रों के मुताबिक इस मुठभेड़ के बाद पीलीभीत पुलिस को भी धमकीभरा मेल आया है। पुलिस इस मामले में रिपोर्ट दर्ज करने की तैयारी कर रही है।

आंबेडकर पर सीएम योगी आदित्यनाथ का कांग्रेस को जवाब

कांग्रेस अंबेडकर पर दुष्प्रचार में लगी है

लखनऊ, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को लेकर भ्रम फैला रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में ही सर्वाधिक दलित और वंचितों की भलाई के लिए काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दुष्प्रचार कर रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने देश की आजादी में और संविधान के निर्माण में बड़ा योगदान दिया है। हर भारतवासी उनके प्रति सम्मान रखता है। भाजपा लगातार देश को बाबा साहेब के सपनों का देश बनाने के लिए काम कर रही है। भाजपा ने हमेशा ही उन्हें सम्मान दिया है। उन्होंने कहा कि देश जानता है कि कांग्रेस ने कभी भी बाबा साहेब का सम्मान नहीं किया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल असंवैधानिक और अनैतिक आचरण कर रहे हैं। बाबा साहेब भारत माता के महान सपूत थे। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष करते हुए उच्च शिक्षा प्राप्त की और अर्थव्यवस्था और कानून के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ डिग्री अर्जित की और फिर उसके माध्यम से उन्होंने भारत को अपने उस ज्ञान से आलोकित करने में अपनी पूरी ताकत लगा दी।

भारत के संविधान शिल्पी के रूप में हर भारतवासी बाबासाहेब के लिए सम्मान का भाव रखता है। भाजपा उनके प्रति सम्मान का भाव रखते हुए उनके सपनों का भारत बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। देश में अटल जी की सरकार रही हो या फिर प्रधानमंत्री मोदी की सरकार हमेशा ही बाबा साहेब का सम्मान किया। बता दें कि मंगलवार को प्रदेश भर में कांग्रेस और बसपा गृहमंत्री अमित शाह के डॉ. आंबेडकर पर दिये गए बयान के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है।

बदायूं में जामा मस्जिद या नीलकंठ मंदिर में सुनवाई टली

बदायूं, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। बदायूं में नीलकंठ महादेव बनाम जामा मस्जिद मामले में आज मंगलवार सुनवाई होनी थी। लेकिन सुनावई टल गई है। अब अगली सुनवाई 18 जनवरी को होगी। पिछली सुनवाई में जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी के अधिवक्ता ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला दिया था। जिसमें कहा था, जब सुप्रीम कोर्ट का आदेश है तो फिर बहस में समय क्यों खराब किया जाए। इससे उलट नीलकंठ महादेव पक्ष के अधिवक्ताओं का कहना था, सुप्रीम कोर्ट के आदेश में यह जिक्र कहीं नहीं है कि मामले की पोषणीयता पर सुनवाई नहीं हो सकती। बदायूं में नीलकंठ महादेव बनाम जामा मस्जिद मामले की सुनवाई सिविल जज सीनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक कोर्ट के न्यायाधीश अमित कुमार की कोर्ट में चल रही है। मुकदमे में वादी अखिल भारत हिंदू महासभा के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश पटेल हैं।

मथुरा केस में नया खुलासा : 'उसने अपना हाथ काट लिया' लड़का बोला ये पागलपंती; छात्रा की सहेली और युवक की नई चैट

मथुरा, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में एक छात्रा ने फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। छात्रा के परिजन ने पूर्व पड़ोसी युवक की ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर फंदा लगाकर आत्महत्या का आरोप लगाया है। छात्रा के फोन से कुछ चैटिंग मिली, जिसके बाद पुलिस ने फोन कब्जे में लेकर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वहीं, छात्रा की सहेली और उसके पड़ोसी युवक की नई चैट सामने आई हैं। इन चैट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। उधर, छात्रा के चाचा ने बताया कि पूर्व में उनके भाई का परिवार चंदनवन फेस-2 में रहता था। यहीं का रहने वाला इशांत वर्मा नामक युवक उनकी भतीजी को परेशान करता था। इसके बाद उन्होंने कुछ माह पहले चंदनवन फेस-1 में किराए का मकान लिया और वहां रहने लगे। युवक की ब्लैकमेलिंग की जानकारी छात्रा के मोबाइल पर व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम पर चैट से हुई। युवक उसे लगातार ब्लैकमेल कर रहा था। मोबाइल में धमकी भरे मैसेज हैं। इसी से तंग आकर छात्रा ने फंदा लगाकर अपनी जान दी। पुलिस ने परिजन के आरोप पर युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। एसपी सिटी डॉक्टर अरविंद कुमार ने बताया के परिजन ने जो सबूत दिए हैं। उनकी जांच की जा रही है, जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

रिफाइनरी नगर के एक स्कूल में पढ़ती थी छात्रा

छात्रा रिफाइनरी नगर के एक स्कूल में नौवीं कक्षा में पढ़ती थी। पढ़ने में अपने भाई से काफी तेज थी। बड़ा भाई भी इसी स्कूल में 12वीं कक्षा में पढ़ता है।

दोनों भाई बहनों में बहुत प्रेम था, लेकिन छात्रा ने ब्लैकमेलिंग की जानकारी किसी को नहीं दी। जब छात्रा ने फंदा लगाया उस समय भाई भी घर पर नहीं था। भाई दो दिन पहले ही अपने दादा के यहां गया था।

लाडो सपनों को पूरा करने से पहले ही चली गई

छात्रा की मौत की सूचना काफी देर तक परिजन उसकी मां से छिपाते रहे। जब तक शव पोस्टमार्टम हाउस में रखा रहा। उससे कहा कि हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है, लेकिन जैसे ही उन्हें जानकारी हुई कि बेटी की मौत हो गई है तो वह पोस्टमार्टम हाउस पहुंच गई। यहां उसकी मां के मुंह से बस एक ही बात निकल रही थी कि बेटी तुझे ऐसे विदा नहीं करना था। तुझे शादी करके विदा करना चाहती थी, लेकिन सपनों को पूरा किए बगैर ही छोड़कर चली गई। पोस्टमार्टम हाउस पर छात्रा की मां कई बार रोते-रोते बेहोश हो गई। इधर, पिता और चाचा के आंसू भी नहीं थम रहे थे। कभी बड़ा भाई छोटे के आंसू पोछते हुए उसे दिलासा देता तो कभी छोटा भाई बड़े भाई को चुप कराता। थाना प्रभारी निरीक्षक आनंद कुमार शाही ने बताया कि मूलरूप से भरतपुर के बयाना निवासी इंजीनियर चंदनवन फेस-1 में अपने परिवार के साथ किराए पर रहते हैं।

पत्नी-बच्चे के साथ फोटो से खुला एसीपी मोहसिन का राज

पिता बनने के बाद आईआईटी छात्रा को शक हुआ, इंस्टा पर मिली तस्वीरें

कानपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। एसीपी मोहसिन खान यौन शोषण केस में घिर चुके हैं। एसआईटी जांच में एक और खुलासा हुआ है, पूछताछ में सामने आया 28 नवंबर को पहली बार आईआईटी छात्रा ने एसीपी की पत्नी का इंस्टा अकाउंट सर्च किया।

अब सवाल उठता है कि इस दिन ऐसा हुआ क्या था? दरअसल, 27 नवंबर को एसीपी मोहसिन की पत्नी को बच्चा हुआ। वह अस्पताल में एडमिट थीं। इसके अगले दिन यानी 28 नवंबर को एसीपी आईआईटी कैंपस में छात्रा के घर पहुंचा। वहां वह करीब 4 से 5 घंटे रहा। इस दौरान छात्रा को महसूस हुआ कि आज उसका व्यवहार थोड़ा बदला हुआ है। उसके सीयूजी और प्राइवेट नंबर पर लगातार फोन आ रहे थे।

आम तौर पर एसीपी छात्रा के सामने ही बात करता था। मगर उस दिन वह बहुत ओपन होकर जवाब नहीं दे रहा था। एक कमरे से दूसरे कमरे में मूवमेंट कर रहा था। छात्रा ने जो बातें सुनीं, उसमें बच्चे का जिक्र भी था। उस दिन एसीपी अपनी शादीशुदा जिंदगी के पन्ने छात्रा के सामने पलटने से बचा नहीं पा रहा था। छात्रा ने कई सवाल पूछे, मगर एसीपी खामोश रहा। उस दिन वह कमरे से जल्दी चला गया। इसके बाद आईआईटी छात्रा ने मोहसिन से जुड़े सोशल अकाउंट को खंगाला। सर्च करते हुए वह मोहसिन की पत्नी के अकाउंट तक पहुंच गई। छात्रा ने पोस्ट जांची, तो सामने आया कि 27 नवंबर को मोहसिन पिता बना है। उनकी पत्नी ने अपने अकाउंट पर बच्चे के साथ मोहसिन की तस्वीर भी पोस्ट की थी। यहां से छात्रा को महसूस हुआ कि उसके साथ धोखा हो रहा है। एक शख्स एक ही टाइम पर दो जिंदगी और दो परिवार हैंडल करने की कोशिश कर रहा है।

छात्रा मोहसिन के घर पहुंची, तब सच सामने आया

आईआईटी छात्रा सिर्फ सोशल मीडिया की जानकारी पर कोई फैसला नहीं लेना चाहती थी। इसलिए वह कैंपस से निकलकर इंस्टाग्राम पोस्ट की जानकारियों के आधार पर मोहसिन के घर तक पहुंची। पहली बार उसको पता चला कि जिस पत्नी से मोहसिन तलाक लेने की बात कहता था। वह उसके साथ ही अपना परिवार आगे बढ़ा रहा है। परिवार के बारे में आस-पास पूछताछ करने पर एक खुशहाल तस्वीर भी छात्रा के सामने खिंच गई। यानी मोहसिन जिस तरह से अपनी पत्नी पर परेशान करने के आरोप लगा रहा था, वह भी साबित नहीं हुए। इसके बाद छात्रा ने पुलिस अधिकारियों से संपर्क किया और मोहसिन के खिलाफ केस दर्ज करा दिया।

शादी का झांसा देकर यौन शोषण

किशनगंज, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। किशनगंज में तैनात एक महिला कांस्टेबल ने पुलिस विभाग के अनुबंध चालक सिपाही पर शारीरिक शोषण का गंभीर आरोप लगाया है।

पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ महिला थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिसमें उसने बेगूसराय के साहबपुर कमाल निवासी सोनू कुमार को आरोपी बनाया है। महिला कांस्टेबल ने आरोप लगाया कि 2011 में खगड़िया जिले में तैनाती के दौरान उनकी पहचान सोनू से हुई थी।

सीएम नीतीश की बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष ममता राय को नहीं मिली प्रवेश की अनुमति, नाराज होकर वापस लौटीं

मोतिहारी, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। मोतिहारी के राधाकृष्णन भवन में मंगलवार को आयोजित जिला स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान एक अप्रत्याशित घटनाक्रम सामने आई। जब जिला परिषद अध्यक्ष ममता राय को बैठक में भाग लेने की अनुमति नहीं मिली। इस पर नाराज होकर ममता राय बैठक से बाहर चली गईं। जबकि कार्यक्रम में दिए गए समय दो बजे से पहले एक बजे पहुंची थीं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में यह बैठक चल रही थी, जिसमें विभिन्न सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा हो रही थी। बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष की उपस्थिति अनिवार्य मानी जाती है। लेकिन ममता राय को प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। ममता राय बैठक में हिस्सा लेने के लिए राधाकृष्णन भवन पहुंची थीं। लेकिन उन्हें सुरक्षा कारणों या प्रशासनिक प्रक्रिया का हवाला देकर अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई।

यह देखकर ममता राय अत्यधिक आहत हुईं और उन्होंने अधिकारियों से स्पष्ट कारण पूछा। हालांकि, उन्हें संतोषजनक उत्तर नहीं मिला, जिसके बाद वह बिना बैठक में शामिल हुए ही वापस लौट गईं। वहीं, उनके समर्थकों ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री द्वारा पिछले साल किए गए शिलान्यास धरातल पर फेल नजर आ रही है।

गिरिराज सिंह का विपक्ष पर जुबानी हमला

बांग्लादेशियों को चिन्हित करने पर फडणवीस का किया समर्थन

बेगूसराय, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस के निर्णय का समर्थन करते हुए कहा है कि आज देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र में बांग्लादेशियों को चिन्हित कर कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। वह स्वागत योग्य है और हर जगह सरकार को ऐसी पहल करने की आवश्यकता है।

गिरिराज सिंह ने कहा, तुष्टीकरण की राजनीति करने वाली सेकुलरवादी नेताओं के द्वारा वोट की राजनीति के लिए बड़ी संख्या में बांग्लादेशियों को बसाया गया था। उन्होंने लालू यादव पर भी सेक्युलरवादी नेता होने का आरोप लगाया है। दूसरी ओर उन्होंने कहा कि बाबा साहब भीमराव आंबेडकर का नाम लेकर लोगों को बरगलाने और गंदी राजनीति करने वाले लोगों को आज आम जनमानस पहचान रही है कि आखिर कैसे इन लोगों के द्वारा आंबेडकर का नाम लेकर राजनीति की जा रही थी। आज सारी बातें स्पष्ट हो चुकी है।

गिरिराज ने कहा, अमित शाह ने भी यही कहा था जिसको लेकर विपक्ष ने उन्हें आड़े हाथों लिया था। लेकिन आम जनमानस हर बात समझ रही है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि बाबा साहब आंबेडकर नेहरू के साजिश के शिकार हुए थे तथा उनके चिट्ठी को चुराया गया था। उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का काम कांग्रेस और नेहरू के द्वारा किया गया था। आज उन्हें आंबेडकर के स्टैच्यू के आगे जाकर पूरे देश से कांग्रेस को माफी मांगनी चाहिए।

भाजपा नेता अपर्णा यादव ने गृहमंत्री का किया समर्थन

लखनऊ, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा नेता अपर्णा यादव केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन पर कहा कि कांग्रेस वह पार्टी है जिसने देश को बांटा है और इस पार्टी ने कभी झूठ और छल के अलावा देश का भला नहीं चाहा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में कुछ भी गलत नहीं कहा है। कांग्रेस केवल भ्रम फैलाने का काम करती है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लोग भ्रम में आकर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन आगे वो भाजपा का समर्थन करेंगे। डॉ. आंबेडकर ने देश को संविधान दिया है जिसने हमारे देश को एक दिशा दी है।

पाई-पाई जोड़कर बनवाए थे जेवर, सब लुट गया

कैसे होगी बिटिया की शादी; छलका लॉकरधारकों का दर्द

लखनऊ, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में बैंक लॉकर काटकर करोड़ों का माल चोरी हो गया। लॉकरधारकों को जानकारी हुई तो पैरों तले जमीन खिसक गई। 'अगले वर्ष बिटिया की शादी है। उसी के लिए पाई-पाई जोड़कर जेवर बनवाए थे। सब लुट गया...'। ये शब्द थे रुंधे गले से चिनहट निवासी ज्योति श्रीवास्तव के। उनका चिनहट के कंचनपुरी मटियारी स्थित ओवरसीज बैंक में लॉकर संख्या 71 था, जहां शनिवार रात चोरों ने वारदात को अंजाम दिया था।

सोशल मीडिया से घटना की जानकारी मिलने पर सोमवार सुबह वह पति आनंद व बेटी के साथ बैंक पहुंचीं थीं। आनंद पशुपालन विभाग में वरिष्ठ सहायक पद से सेवानिवृत्त हैं। कुछ देर बाद ज्योति बैंक से निकलीं तो उनकी आखों से निकले आंसू दर्द बयां कर रहे थे। पति उन्हें सांत्वना दे रहे थे।

ज्योति ने कहा कि शादी समारोह में वह खुद आर्टिफिशियल ज्वेलरी पहनती थीं कि कहीं असली जेवर चोरी न हो जाएं। किसे पता था कि वह जिन जेवरों को बचा रही हैं वह बैंक के लॉकर से ही चोरी हो जाएंगे। वह प्रतिवर्ष 2200 रुपये किराया देती थीं। 25 हजार की एफडी भी लगाई थी। बैंक के बाहर लॉकर धारकों ने बैंक अधिकारियों पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।

टूटा लॉकर, 1.15 करोड़ के जेवर चोरी

अलीगंज निवासी मधु के मुताबिक उनकी बहन कुकुम नोएडा में रहती हैं। बहन का बैंक में लॉकर संख्या 32 था। बहन ने मेहनत की कमाई से 1.15 करोड़ के जेवर खरीदे थे, जो लॉकर में रखे थे। सब लुट गया।

पूर्व विधायक की पत्नी के दो लॉकर टूटे

सिद्धार्थनगर के पूर्व विधायक रवींद्र प्रताप सिंह की पत्नी लक्ष्मी के बैंक में दो लॉकर थे। उनकी लॉकर की संख्या 59 और 70 थी। चोरों ने दोनों लॉकर तोड़ दिए और लाखों का सामान बटोर ले गए।

लॉकर में न रखती जेवर तो आज पछतावा न होता

मटियारी निवासी रेनू सिंह के पति रघुवंश गुजरात में काम करते हैं। उनका लॉकर संख्या 74 था। सोमवार सुबह बैंक पहुंची रेनू ने बताया कि रविवार रात में बैंक का लॉकर टूटने की सूचना मिलने पर तत्काल वह पहुंची थी। पर उन्हें सही जानकारी नहीं मिल पाई थी। सोमवार सुबह जब वह बैंक पहुंची तब उन्हें लॉकर के टूटे होने की सूचना मिली। उन्होंने कहा कि अगर वह जेवर लॉकर में न रखतीं तो आज पछतावा न होता।

तीन पीढ़ियों के जेवर कुछ घंटे में चले गए

चिनहट की गीता सिंह का लॉकर संख्या 72 है। उनके पति सुरेश सिंह अधिशाषी अभियंता के पद से रिटायर्ड हैं। बैंक से रोते बिलखते निकलीं गीता ने कहा कि उनकी शादी के समय सास ने जेवर दिए थे जो लॉकर में रखे थे। बेटी और बहू के भी जेवर थे।

पति ने अपने फंड से भी जेवर बनवाए थे। तीन पीढ़ियों के जेवर कुछ घंटे में चोरी हो गए। लखनऊ सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुण कुशवाहा की पत्नी ऊषा का बैंक में लॉकर संख्या 65 था। उन्होंने बताया कि 13 साल पहले 2400 रुपये प्रतिवर्ष किराये पर लॉकर लिया था। लॉकर में 11 लाख रुपये, 400 ग्राम सोना और करीब 800 ग्राम चांदी के जेवर रखे थे।

फेक आईडी बनाने वाले 11 लोग गिरफ्तार, 5 बांग्लादेशी

> फर्जी डॉक्यूमेंट्स बनाकर बांग्लादेशियों को बसाते थे > अब तक 1 हजार से अधिक लोगों की पहचान

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को फेक आईडी और डॉक्यूमेंट्स बनाने वाले रैकेट के 11 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनमें से 5 सदस्य बांग्लादेशी हैं। यह लोग बांग्लादेशी घुसपैठियों के लिए फेक आधार कार्ड, वोटर आईडी और अन्य डॉक्यूमेंट्स बनाते थे। जिसका इस्तेमाल करके बांग्लादेशी भारत में एंट्री करते थे। डीसीपी साउथ अंकित चौहान ने बताया कि 5 बांग्लादेशियों और 6 अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से बड़ी संख्या में फर्जी दस्तावेज बरामद हुए हैं जिनमें आधार कार्ड, वोटर आईडी और पासपोर्ट शामिल हैं। वेबसाइट के संचालक रजत मिश्रा और अन्य को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा एक महिला को गिरफ्तार किया है, जिसने फर्जी आधार कार्ड से वोटर कार्ड बनवाया था। अब तक शहर में 1000 से अधिक अवैध बांग्लादेशियों की पहचान की गई है।

डीसीपी ने बताया-गिरोह कैसे काम करता है

बांग्लादेशी जंगल के रास्ते भारत में आते हैं। इन्हें शंतो शेख नामक व्यक्ति फर्जी आधार कार्ड और सिम कार्ड देता है। दिल्ली पहुंचने पर उन्हें फर्जी जन्म प्रमाण पत्र मिल जाता है और इसके आधार पर उन्हें असली आधार कार्ड मिल जाता है। फर्जी जन्म प्रमाण पत्र एक वेबसाइट के जरिए बनाए जाते हैं। इस वेबसाइट से 288 फर्जी प्रमाण पत्र बनाए गए थे। डीसीपी ने बताया कि हत्या के मामले में वांछित 4 संदिग्धों को भी गिरफ्तार किया गया है। वे भी बांग्लादेश से आए थे और फर्जी दस्तावेजों के जरिए देश में दाखिल हुए। यहां दिल्ली में उन्होंने कंप्यूटर सेंटर पर साहिल नाम के व्यक्ति से संपर्क किया, जिसने उनके लिए फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाए। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को बांग्लादेशी अप्रवासियों की पहचान के लिए कालिंदी कुंज इलाके में चेकिंग अभियान चलाया। यहां रहने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि उनकी बस्ती में 5-6 बार चेकिंग की गई है। पुलिस वोटर आईडी और आधार कार्ड मांगती है। यहां कोई बांग्लादेशी नहीं रहता है।

सड़क किनारे दो दिन से लावारिस खड़ा था वाहन

लोगों की सूचना पर पुलिस ने की जांच, मिले दो शव

कोझिकोड, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल के कोझिकोड में सड़क पर लावारिस खड़े एक वाहन दो लोग मृत मिले। पुलिस ने बताया कि करिमापनापलम में खड़े वाहन में चालक चालक मनोज और एक अन्य व्यक्ति जोएल का शव मिला। पुलिस ने दोनों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं। मौत के कारणों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि रविवार रात से एक वाहन सड़क किनारे लावारिस खड़ा था। लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने जांच की तो वाहन के दरवाजे के पास एक शव पड़ा था। जबकि दूसरा शव बर्थ पर पड़ा मिला। जांच में सामने आया कि वाहन एक व्यापारिक समूह का है। वह कन्नूर में एक शादी समारोह से वापस मलप्पुरम जा रहा था। पुलिस ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। फॉरेंसिक टीम, फिंगरप्रिंट विशेषज्ञ और डॉग स्क्वायड घटनास्थल पर जांच कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि अभी तक कोई संदिग्ध साक्ष्य नहीं मिला है तथा आगे की जानकारी पोस्टमार्टम के बाद दी जा सकेगी। कोई चश्मदीद गवाह भी नहीं है। फॉरेंसिक और अन्य वैज्ञानिक विशेषज्ञ टीमों की सेवाएं ली गई हैं और उनके विश्लेषण के बाद ही कोई निष्कर्ष निकाला जा सकता है।

केरल में परमाणु ऊर्जा केंद्र बनाने पर विचार

राज्य की मांग-थोरियम भंडार का हो सकेगा इस्तेमाल

तिरुवनंतपुरम, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल में परमाणु ऊर्जा केंद्र बनाने पर विचार किया जा रहा है। केरल के ऊर्जा मंत्री के कृष्णनकुट्टी ने तिरुवनंतपुरम में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद ही ऐसी चर्चा है कि केंद्र सरकार राज्य में परमाणु ऊर्जा केंद्र स्थापित करने पर विचार कर सकती है। हालांकि इसके लिए राज्य सरकार को भूमि उपलब्ध करानी होगी।

केरल ने थोरियम भंडार के इस्तेमाल की मांग की केरल के ऊर्जा मंत्री ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें उन्होंने राज्य में थोरियम भंडार का इस्तेमाल कर बिजली उत्पादन करने की अपील की ताकि केरल के बिजली मिल सके। राज्य के ऊर्जा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि केरल सरकार ने परमाणु ऊर्जा केंद्र की मांग नहीं की है, लेकिन केंद्र सरकार से अपील की है कि वे राज्य के थोरियम भंडार का इस्तेमाल करें।

केरल में बिजली संकट गहरा रहा है और राज्य सरकार बिजली के लिए अपने हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट्स और पड़ोसी राज्यों से खरीदी जाने वाली बिजली पर ही निर्भर है।

केरल में बढ़ रहा बिजली संकट

हालांकि राज्य में बिजली की खपत बढ़ती जा रही है। यही वजह है कि राज्य सरकार ने बिजली के विकल्प तलाशने शुरू कर दिए हैं। हालांकि अभी केरल में परमाणु ऊर्जा केंद्र की मंजूरी के लिए कई अध्ययन होंगे और उसके बाद ही तय होगा कि परमाणु ऊर्जा केंद्र बनेगा या नहीं। साल 2030 तक केरल में बिजली की मांग बढ़कर 10 हजार मेगावाट हो सकती है। केरल सरकार ने केंद्रीय पूल से भी राज्य को और बिजली देने और राज्य का ऊर्जा ढांचा बेहतर करने में मदद देने की अपील की है। केरल का ऊर्जा ढांचा फिलहाल 4260 मेगावाट सप्लाई संभालने लायक ही है। केरल के ऊर्जा मंत्री ने केंद्रीय मंत्री से मुलाकात में तलचर पावर प्लांट से राज्य को 180 मेगावाट की बजाय 400 मेगावाट बिजली देने की मांग की। केरल ने पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन के हाई वोल्टेज डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित करने और इसका खर्च सभी राज्यों से लेने की भी मांग की। अभी सिर्फ दक्षिणी राज्यों से इसका खर्च लिया जा रहा है। केरल सरकार ने तिरुवनंतपुरम, कोच्चि, कोझिकोड में सभी पावर केबल्स को अंडरग्राउंड करने की भी मांग की।

'हर 10 घरों में किसी का नाम रामायण' सुप्रिया श्रीनेत के बयान पर कुमार विश्वास की सफाई

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। अपनी बेबाक बयानबाजी के लिए मशहूर कवि कुमार विश्वास ने एक कार्यक्रम के दौरान रामायण और लक्ष्मी के बहाने अप्रत्यक्ष निशाना साधे जाने के मुद्दे पर उपजे विवाद पर अपना पक्ष रखा है। उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि उनकी बात को किसी व्यक्ति से जोड़कर ना देखा जाए। कुमार विश्वास ने कहा कि मैं जहां रहता हूं गाजियाबाद और नोएडा में, वहां हर 10 घरों में किसी का नाम रामायण है, किसी का गोकुल, साकेत, श्रीधाम, नंदावन है।

कुमार विश्वास ने कहा, यही कुछ नाम है जिसे लोग चुन लेते हैं। ईशकृपा या ऐसा कुछ करके। तो किसी से आप कोई व्यक्ति को जोड़कर ना देखें। क्योंकि ये आपके राजनीतिक हित के लिए वोट बैंक को एड्रेस करते हैं। इसके लिए मैं तो बिल्कुल भी उत्तरदायी नहीं हूं। मेरा तो सामान्य बात कहने का मन था और सदा मन है।' दो दिन पहले तो आप ये वाला बयान ले रहे होते हैं। दो दिन पहले मैंने कहा कि इंदिरा गांधी से सीख लो। उन्होंने कैसे दोफाड़ कर दिया था।

ये राफेल क्या दिखाने के लिए रख रखे हैं। तो सब लेकर भगे कि कुमार विश्वास ने दिखाया आईना। उस समय भी मैं गदगद नहीं था।'

डकैती के बाद आरोपी हो गया फरार पुलिस ने बंद कर दिया था केस

21 साल बाद खुली फाइल तो पकड़ा गया

ठाणे, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे में डकैती और हत्या की कोशिश करने का आरोपी 21 साल बाद पकड़ा गया। अपने गिरोह के साथ वारदात को अंजाम देने के बद आरोपी अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था। पुलिस ने कुछ साल तक केस चलाया, लेकिन आरोपी न मिला तो फाइल बंद कर दी। 19 साल बाद जब दोबारा केस की फाइल खुली तो पुलिस ने आरोपी को उसके घर जालना से पकड़ लिया। मामला पालघर के विरार से जुड़ा है। नौ जनवरी 2003 को यहां चार लोगों ने एक घर में घुसकर डकैती को अंजाम दिया था। आरोपियों ने गृहस्वामी और उसके परिवार को बंधक बनाया।

'सॉफ्टवेयर इंजीनियर से साइबर जालसाजों ने ठगे 11.8 करोड़ रुपये'

बंगलूरू पुलिस ने जारी की चेतावनी

बंगलूरू, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। बंगलूरू पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने मंगलवार को लोगों से अपील कि वह साइबर जालसाजों का शिकार न बनें और इसको लेकर सतर्क रहें। उन्होंने बताया कि बहुत सी शिकायतें मिली हैं, जिनमें साइबर जालसाज खुद को सरकारी अफसर बता रहे हैं और 'डिजिटल गिरफ्तारी' का दावा करके लोगों से पैसे ठग रहे हैं। दयानंद ने बताया कि पुलिस को ऐसे कई मामलों की शिकायतें मिली हैं, जिसमें लोगों को डिजिटल गिरफ्तारी के डर से पैसों का काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने एक हालिया मामले का भी हवाला दिया, जिसमें एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर (39 वर्षीय) ने जालसाजी के चलते 11.8 करोड़ रुपये गंवा दिए। पुलिस आयुक्त ने कहा, हम बार-बार अपने सोशल मीडिया खातों के जरिए यह स्पष्ट कर चुके हैं कि हमारे कानून या संविधान में डिजिटल गिरफ्तारी का कोई प्रावधान नहीं है।

कोलकाता रेप-मर्डर : फोरेंसिक रिपोर्ट से आया ट्विस्ट

जिस गद्दे पर ट्रेनी डॉक्टर का शव था, उस पर संघर्ष के सबूत नहीं

कोलकाता, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर केस में सेंट्रल फोरेंसिक साइंस लेबोरेट्री (सीएफएसएल) की एक रिपोर्ट सामने आई है। जिसमें कई सनसनीखेज खुलासे हैं। 12 पेज की रिपोर्ट में कहा गया है कि सेमिनार रूम में ऐसा कोई सबूत नहीं मिला, जिससे पता चले कि वहां पीड़ित से रेप के बाद हत्या की गई है।

रिपोर्ट के 12वें पेज की आखिरी लाइनों में लिखा है-जिस जगह ट्रेनी डॉक्टर का शव मिला था, वहां संघर्ष का कोई सबूत नहीं मिला। जिस गद्दे पर शव था, उस पर भी किसी तरह की हाथापाई के निशान नहीं मिले हैं। इससे अब ये सवाल खड़े हो रहे हैं कि क्या ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर कहीं और हुआ था। गद्दे पर सिर और पेट के नीचे ही खून के निशान मिले थे, इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि शव कहीं और से लाया गया था। 8-9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर हुआ था। मामले की जांच सीबीआई कर रही है। मुख्य आरोपी संजय रॉय पुलिस की हिरासत में है। एजेंसी 7 अक्टूबर को ही स्पेशल सीबीआई कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में क्या था

12 अगस्त को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई थी, जिसमें मर्डर से पहले रेप की पुष्टि की गई थी। साथ ही कहा गया था कि ट्रेनी डॉक्टर की गला घोंटकर हत्या की गई है। घटना सुबह 3 से 5 बजे की है।

सीबीआई ने कहा था-ट्रेनी डॉक्टर का गैंगरेप नहीं हुआ

सीबीआई ने 7 अक्टूबर को हाईकोर्ट में चार्जशीट दायर की, जिसमें संजय को रेप-मर्डर का एकमात्र आरोपी बताया था। संजय कोलकाता पुलिस के साथ सिविक वॉलंटियर के रूप में काम कर रहा था। एजेंसी ने बताया कि ट्रेनी डॉक्टर का गैंगरेप नहीं हुआ था।

चार्जशीट में 100 गवाहों के बयान, 12 पॉलीग्राफ टेस्ट रिपोर्ट, सीसीटीवी फुटेज, फोरेंसिक रिपोर्ट, मोबाइल की कॉल डिटेल और लोकेशन शामिल रहीं। वारदात के दिन आरोपी का इयरफोन और मोबाइल ब्लूटूथ से कनेक्ट हो गया था। इसे भी अहम सबूत माना गया। चार्जशीट में यह भी कहा गया है कि पीड़ित के शरीर से मिला सीमन सैंपल और खून आरोपी से मैच हुआ। वहीं क्राइम सीन पर मिले छोटे बाल भी फोरेंसिक जांच के बाद आरोपी के बालों से मैच हुए।

'सांसद हो, थोड़ी तो शर्म करो' केजरीवाल की वीडियो को लेकर मनीष सिसोदिया का मनोज तिवारी पर बड़ा हमला

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होने से पहले आप और बीजेपी के बीच में वाकयुद्ध तेज हो गया है। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने बीजेपी सांसद मनोज तिवारी की जमकर आलोचना की, जिन्होंने आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल का एक एडिटेड वीडियो शेयर किया। मनीष सिसोदिया ने कहा कि आप सांसद हो कुछ तो शर्म करो।

मनोज तिवारी ने 9 सेकेंड का एक वीडियो शेयर किया। इसमें केजरीवाल को यह कहते हुए सुना गया, तो हम लोग बैठे थे कोई कह रहा था कि जिसने संविधान लिखा होगा, उसने भी दारू पीकर ही संविधान लिखा होगा। मनोज तिवारी ने अपने सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म एक्स पर यह वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'मुझे दिल्ली के आम आदमी पार्टी के मुखिया का ये मुस्कान भरा वीडियो मिला। जिसको सुनकर हर कोई ऐसे बहुरूपिये का असली रंग देख पायेगा।

उनके इसी बयान पर मनीष सिसोदिया ने पलटवार करते हुए लिखा, 'मनोज तिवारी सांसद हो, थोड़ी तो शर्म करो। झूठ ट्वीट कर रहे हो। सस्ते trollers जैसा बर्ताव करना बंद करो। अपनी नहीं तो कम से कम सांसद पद की तो इज्जत करो।

मनीष सिसोदिया के बयान पर भड़के मनोज तिवारी

मनोज सिसोदिया के ट्वीट पर भारतीय जनता पार्टी के सांसद मनोज तिवारी भड़क गए। उन्होंने फिर एक ट्वीट कर कहा, 'मनीष जी सिसोदिया बहस में मर्यादा रखनी चाहिए। आप इतने तमतमा गए कि मुझे बेशर्म बोल दिया। खैर आपके जो भी संस्कार हों।

पर हां, पटपड़गंज की जनता के सवालों से बचने के लिए आप कहीं और भाग सकते हैं, मगर हम आपको यहां भागने नहीं देंगे।' मनोज तिवारी ने आगे कहा, 'आपके इस वीडियो में जो कहा गया है मैं वही लोगों को बता रहा हूं और आपसे भी पूछ रहा हूं। वैसे तो राहुल गांधी भी बतायेंगे परन्तु आपके नेता के अनुसार अगर कांग्रेस के लोगों ने शराब पीके कांग्रेस का संविधान लिखा तो इसका अर्थ अरविंद केजरीवाल ये कैसे लगा सकते हैं, कि जिसने भी संविधान लिखा वो शराब पी के लिखा। जिसने भी संविधान लिखा का अर्थ क्या है। ये कहने की हिम्मत कैसे कह सकते हैं अरविंद केजरीवाल।'

पुलिस ने सूफियान के 3 हत्यारोपियों को पकड़ा

यमुनानगर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। यमुनानगर के जगाधरी क्षेत्र की गंगानगर कॉलोनी में 18 वर्षीय युवक सूफियान की दिन दहाड़े. निर्मम हत्या हुई थी। इस मामले में पुलिस ने गंगानगर कॉलोनी निवासी अजय व उसके तीन साथियों शांति कॉलोनी निवासी गुरदेव सिंह उर्फ लक्की, गंगानगर कॉलोनी के ही रोहन राणा व गुरदेव सिंह उर्फ साजन को सीआईए वन टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा ताकि हत्या में प्रयोग किये गये हथियारों को बरामद किया जा सके। पुलिस ने सभी आरोपियों को गांव परवालो क्षेत्र से काबू किया है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि मृतक सूफियान ने अपने साथियों के साथ मिलकर जुलाई 2023 में मुख्य आरोपी अजय के भाई संदीप उर्फ पिस्टल की हत्या कर दी थी।

महाकाल मंदिर के सेवादारों की संपत्ति और खातों की जांच में चौंकाने वाले खुलासे

उज्जैन, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल की सेवा करने वाले कुछ सेवादारों ने भक्तों से अनधिकृत राशि वसूलकर करोड़ों की संपत्ति जुटा ली है। पुलिस जांच में सभा मंडप प्रभारी राकेश श्रीवास्तव और सफाई प्रभारी विनोद चौकसे के खातों और संपत्तियों में बड़े अनियमित लेनदेन का खुलासा हुआ है।

कैसे हुआ मामला उजागर

एसपी प्रदीप शर्मा के अनुसार, कलेक्टर और मंदिर समिति अध्यक्ष नीरज कुमार सिंह ने हाल ही में नंदी हॉल में दर्शन कराने के नाम पर श्रद्धालुओं से 1100 रुपये वसूलने वाले पुरोहित और उनके सहायक को पकड़ा था। इनके खिलाफ प्रकरण दर्ज होने के बाद जांच के दौरान सभा मंडप प्रभारी राकेश श्रीवास्तव और सफाई प्रभारी विनोद चौकसे पर संदेह हुआ। बैंक खातों की जांच में पता चला कि विनोद चौकसे के खाते में छह महीनों में 50 लाख रुपये का ट्रांजैक्शन हुआ। वहीं, राकेश श्रीवास्तव ने 1.2 करोड़ रुपये का एक महंगा प्लॉट खरीदा। दोनों के खातों में अन्य राज्यों से भी हजारों रुपये प्रतिदिन जमा किए जा रहे थे, जिसकी जानकारी वे पुलिस को नहीं दे सके।

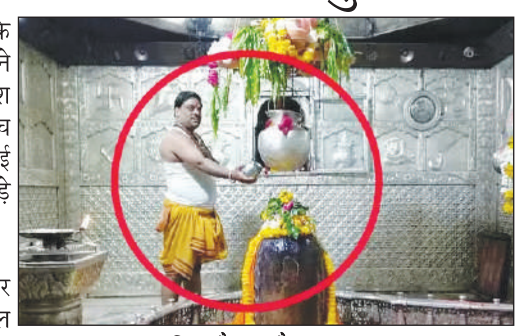

संपत्ति और ट्रांजैक्शन पर सवाल

पुलिस लगातार इन दोनों कर्मचारियों से पूछताछ कर रही है कि उनके खातों में इतनी बड़ी रकम कैसे और कहां से आई। शुरुआत में दोनों पुलिस को गुमराह करने की कोशिश करते रहे, लेकिन जब बैंक रिकॉर्ड सामने आए, तो वे चुप्पी साध गए। पुलिस की जांच में सामने आया है कि विनोद चौकसे अपनी बेटी के खाते में भी श्रद्धालुओं से मिली रकम जमा करवाता था। बेटी क्रिस्टल कंपनी में ऑपरेटर के पद पर कार्यरत है। पुलिस अब बेटी और पत्नी के खातों की भी जांच कर रही है, क्योंकि विनोद की गिरफ्तारी के बाद से उनका घर बंद है और परिवार के सदस्य गायब हैं।

भाजपा ने कहा-दिल्ली में संजीवनी नाम की कोई योजना नहीं, निजी जानकारी न देने की अपील की

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने दावा किया है कि दिल्ली में संजीवनी योजना के नाम की कोई योजना नहीं चल रही है। लेकिन इसके बाद भी आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता लोगों से आधार कार्ड, मोबाइल फोन नम्बर और मतदाता पत्र मांग रहे हैं।

उन्होंने लोगों को सावधान किया कि वे अपनी निजी जानकारी किसी से साझा न करें, इससे बड़ा फ्रॉड हो सकता है। सुषमा स्वराज की पुत्री बांसुरी स्वराज ने आज एक प्रेस कांफ्रेंस कर कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में अपनी हार को देखते हुए अरविंद केजरीवाल अब प्रतिदिन एक नई घोषणा कर रहे हैं। इसके जरिए वे अपनी उन नाकामियों को छिपाने का काम कर रहे हैं जो वे आज तक नहीं कर पाए।

उन्होंने कहा कि पूरे देश के लोग पांच लाख रुपए की आयुष्मान योजना का लाभ ले रहे हैं, लेकिन अरविंद केजरीवाल ने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी होने के कारण दिल्ली के लोगों को इसका लाभ नहीं लेने दिया। बांसुरी ने कहा कि केजरीवाल पूरी दिल्ली को आज तक साफ पानी नहीं दे पाए, लेकिन अब चुनाव के समय एक नल से पानी पीने का नाटक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब तक दिल्ली के हर एक व्यक्ति को साफ पानी मिल जाना चाहिए था, लेकिन केजरीवाल 10 साल में भी यह काम नहीं कर पाए। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता अब केजरीवाल को अवसर नहीं देगी।

लाडकी बहिन योजना के तहत सहायता का हस्तांतरण शुरू 2.34 करोड़ महिलाओं को मिलेगा फायदा

मुंबई, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में लाडकी बहिन योजना के तहत आर्थिक मदद का लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरण फिर से शुरू हो गया है। राज्य में चुनाव आचार संहिता लागू होने के चलते योजना के तहत हस्तांतरण बीते कुछ दिनों से बंद था। राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने यह जानकारी दी। तटकरे ने बताया कि योजना के तहत किस्तों का वितरण चरणों में किया जाएगा।

योजना के तहत आर्थिक मदद बढ़ाने पर विचार करेगी सरकार

लाडकी बहिन योजना के तहत राज्य सरकार हर लाभार्थी महिला के बैंक खाते में 1500 रुपये भेजती। बीते महीने हुए विधानसभा चुनाव में महायुति की जीत में इस

योजना की अहम भूमिका बताई जा रही है। राज्य की मंत्री अदिति तटकरे ने बताया कि लाडकी बहिन योजना के राज्य में 2.34 करोड़ लाभार्थी हैं। योजना के तहत सरकार ने 2,100 रुपये प्रति माह देने का वादा किया है। जब इसके बारे में पूछा गया तो तटकरे ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पहले ही कह चुके हैं कि अगले बजट के दौरान इस पर फैसला किया जाएगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि हरित ऊर्जा अपनाकर राज्य के किसान जल्द ही दूसरी हरित क्रांति का नेतृत्व कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि किसानों को दिन के समय बिजली उपलब्ध कराने के लिए पूरे राज्य में सौर ऊर्जा से चलने वाले गांव विकसित किए जा रहे हैं। फडणवीस ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए, मुख्यमंत्री सौर कृषि फीडर परियोजना 2.0 के तहत वाशिम जिले के उम्राला और धाराशिव जिले के नारंगवाड़ी में परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि सौर कृषि फीडर योजना किसानों को दिन के समय टिकाऊ और मुफ्त बिजली उपलब्ध कराएगी। वर्तमान में, महाराष्ट्र में किसानों को 16,000 मेगावाट बिजली की आपूर्ति की जाती है। फडणवीस ने कहा कि सभी फीडरों को सौर ऊर्जा में स्थानांतरित करने की पहल दो साल पहले शुरू हुई थी और इसे चरणों में पूरा किया जाएगा।

रोहतक में कांग्रेसियों का प्रदर्शन

बाबा साहेब पर टिप्पणी के खिलाफ रोहतक में पूर्व सीएम सड़क पर उतरे

रोहतक, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। बाबा साहेब डॉ. बीआर अंबेडकर पर की गई टिप्पणी को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को प्रदर्शन किया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अगवाई में डीपीओ राजपाल चहल को ज्ञापन सौंपा गया। मंगलवार दोपहर को अंबेडकर चौक से जिला कांग्रेस भवन में कांग्रेस कार्यकर्ता इकट्ठा हुए। यहां से कार्यकर्ता पूर्व सीएम की अगुवाई में नारेबाजी करते हुए लघु सचिवालय पहुंचे। यह नारेबाजी करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं ने बाबा साहब पर की गई टिप्पणी का विरोध किया। लघु सचिवालय के प्रवेश द्वार पर तैनात भारी पुलिस बल ने कार्यकर्ताओं को अंदर जाने से रोक लिया। पुलिस व कार्यकर्ताओं की बहस के बाद दरवाजा खोल दिया गया। पूर्व सीएम के साथ-साथ कार्यकर्ता भी अंदर प्रवेश कर गए। यहां डीपीओ को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंप कर सभी वापस लौट गए।

इस मौके पर विधायक भारत भूषण बतरा, शकुंतला खटक, बलराम दांगी, संत कुमार, हेमंत बक्शी, विकास परमार लाला, लवनीश हुड्डा, कदम सिंह अहलावत समेत अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला फूंका। प्रदेश कांग्रेस के सीनियर प्रवक्ता बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में कांग्रेस कार्यालय के बाहर यह प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने जवाब दो दो , नरेंद्र मोदी जवाब दो के नारे लगाए।संविधान निर्माता के अपमान पर जवाब दो हिसाब दो के नारे भी लगाए।

स्वतंत्र वार्ता
बुधवार, 25 दिसंबर- 2024

अलविदा श्याम बेनेगल

14 दिसंबर 1934 में हैदराबाद के एक ब्राह्मण परिवार में जन्मे मशहूर फिल्ममेकर, डायरेक्टर और लेखक श्याम बेनेगल का 23 दिसंबर को मुंबई के वॉकहार्ट अस्पताल में निधन हो गया। इसके साथ ही पैरलल फिल्म निर्माण का भी अवसान हो गया। 8 नेशनल अवॉर्ड जीतने का रिकॉर्ड रखने वाले श्याम बेनेगल को मंथन, मंडी, आरोहन, भूमिका, जुबैदा जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। वो न केवल पैरलल सिनेमा के जनक कहलाए, बल्कि उनकी बनाई फिल्म मंथन, ऑस्कर अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट हुई थी। हालांकि, ये बात कम लोग ही जानते हैं कि ये फिल्म 5 लाख किसानों से 2-2 रुपया चंदा लेकर बनाई गई थी, जिसे देखने के लिए लोग गांव-गांव से ट्रकों में भरकर शहर पहुंचते थे। फिल्मकार श्याम बेनेगल वृत्त चित्र फिल्म निर्माण की दुनिया में एक चिरपरिचित नाम है। महान फिल्मकार गुरुदत्त, श्याम बेनेगल के चचेरे भाई थे। श्याम का जन्म एक मध्यम आय वर्ग के परिवार में हुआ था। उनके पिता को फोटोग्राफी का शौक था और प्रायः वे घर पर बच्चों के चित्र लेते रहते थे। बता दें कि हिंदुस्तान में कथा फिल्मों के जनक दादा साहब फाल्के ने भी गमले में अंकुरित पौधे के बढ़ने के कई चित्र लिए थे। गुरुदत्त ने अपनी 'कशमकश' नामक कथा श्याम बेनेगल की मां को पढ़ने के लिए दी थी। उन्हें लगा कि कथा अच्छी है परंतु इससे प्रेरित फिल्म बनाना कठिन होगा। कुछ वर्ष बाद 'कशमकश' ही 'प्यासा' के नाम से बनाई गई और उसने इतिहास रच दिया। वक्त के साथ ही श्याम बेनेगल ने विज्ञापन फिल्में बनाने वाली ब्लेज नामक कंपनी में नौकरी की। इसी कंपनी ने उनके लिए पहली कथा फिल्म 'अंकुर' बनाने के लिए साधन जुटाए। 'अंकुर' के अंतिम दृश्य में शबाना का नन्हा पुत्र जमींदार की हवेली पर पत्थर मारता है। गोया कि श्याम बेनेगल की फिल्में भी कुरीतियों के शीश महल पर पत्थर की तरह जाकर पड़ती हैं। श्याम ने एक दर्जन से अधिक कथा फिल्में बनाईं। पंडित नेहरू और सत्यजीत राय पर वृत्त चित्र बनाए। श्याम, सत्यजीत राय की फिल्मों से बहुत ज्यादा प्रभावित रहे। उन्होंने नेहरू की किताब 'डिस्कवरी ऑफ इंडिया' पर शो बनाने के लिए दो वर्ष तक शोध किया। नेहरू की किताब में रामायण व महाभारत का विवरण भी था, जिसे सादगी से सीरियल में दिखाया गया। श्याम बेनेगल ने शशि कपूर के लिए रस्किन बांड के उपन्यास 'पिजन्स आर फ्लाइंग' से प्रेरणा लेकर बहु सितारा फिल्म 'जुनून' का निर्देशन किया। शशि कपूर अपनी फिल्म यूनिट को पांच सितारा होटल की सुविधाएं देते थे। श्याम बेनेगल ने शशि कपूर को बार-बार समझाया कि उनकी फिल्मों की दर्शक संख्या सीमित है और इतना खर्च करने से घाटा हो सकता है। लेकिन शशि कपूर फिल्म में भव्यता लाना अपने भाई राज कपूर से सीखा था परंतु वे यह भूल गए कि बड़े भाई ने बॉक्स ऑफिस की सफलता को कभी नजरअंदाज नहीं किया था। श्याम बेनेगल ने 'अंकुर' में शबाना के व्यक्तित्व के जादुई आकर्षण को साधारण पोशाक में भी अक्षुण्ण रखा। श्याम ने सहकारी संस्था के लिए स्मिता पाटिल को लेकर 'मंथन' फिल्म बनाई थी। श्याम अपने पिता के स्थिर चित्रों को देखकर विगत की यादों में खो जाते थे। उनके पिता ने घर में ही एक 16एम.एम का प्रोजेक्टर रखा था। पूरा परिवार रविवार को फिल्में देखता था। स्पष्ट है कि श्याम बेनेगल खाली वक्त में भी जादुई संसार में विचरण करते थे। उन्हें अनेक राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों से नवाजा गया, लेकिन उन्होंने अपनी विनम्रता को अटल रखा। उन्होंने धर्मवीर भारती के लघु उपन्यास 'सूरज का सातवां घोड़ा' पर कथा फिल्म बनाई। उनका विश्वास है कि हर कथा और कविता से प्रेरित फिल्म बनाई जा सकती है। धर्मवीर भारती की कविता की तरह ही श्याम जानते थे कि 'भटकोगे बेवात कहीं तो लौटोगे अपनी यात्रा के बाद यहीं।'ऐसे महान फिल्मकार को कोटिशः श्रद्धांजलि।

वाजपेयी के सपनों को पूरा कर रहे हैं नरेंद्र मोदी

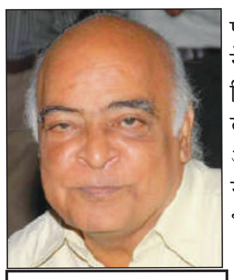

अशोक भाटिया

परन्तु वाजपेयी ने अपनी विचारधारा का लगातार अनुसरण करते रहे लेकिन भारत में तत्कालीन चुनावी राजनीति की मजबूरियों ने उन्हें गठबंधन की राजनीति का नेतृत्व करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इस कला में दोनों स्थितियों में महारत हासिल की, जब वे विपक्ष में थे और तब भी जब वे सत्ता पक्ष में थे। राजनीति और सार्वजनिक जीवन में अपने लंबे अनुभव से, उन्होंने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं, दूसरी पीढ़ी के नेतृत्व और करीबी अनुयायियों के लिए सीखने के लिए कई सबक छोड़े। समय की विडम्बना थी कि जब 1996 में प्रधान मंत्री के रूप में अपने पहले कार्यकाल के दौरान जब उन्हें लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव का सामना करना पड़ा तो उनकी सरकार केवल एक वोट से गिर गई । उस समय उन्होंने लोकसभा में अपने शानदार भाषण में कहा था कि सरकारें आएंगी और जाएंगी, नेता आएंगे और जाएंगे, लेकिन यह देश सहना होगा, टिकना होगा......अगर आप (विपक्ष) हमें हटाकर सरकार बनाना चाहते हैं, तो बना सकते हैं, लेकिन मुझे उम्मीद नहीं है कि यह टिकेगी।भाजपा ऐसी पार्टी नहीं है एक कुकुरमुत्ते की तरह उग आया है, इसने जनता के बीच अपनी जगह बनाने के लिए चालीस साल तक काम किया है ...... आज आप (विपक्ष) हम पर हंस रहे हैं क्योंकि हमारे पास सीटें कम हैं, लेकिन एक दिन पूरा देश ऐसा करेगा आप पर हंसें। हम जरूरी संख्या के साथ वापस आएंगे और जो मिशन हमने अपने हाथ में लिया है, उसका पालन करते रहेंगे। उन्होंने अपने मिशन को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए संख्याओं के महत्व को रेखांकित किया। संसद में भाजपा के लिए पूर्ण संख्या प्राप्त करने का उनका सपना उनके ऐतिहासिक भाषण के 18 साल बाद 2014 में उनके सबसे करीबी शिष्यों में से एक नरेंद्र मोदी के भाषण के बाद साकार हुआ। 1996 के बाद, वाजपेयी दो बार भारत के प्रधान मंत्री चुने गए लेकिन दोनों समय; उन्हें गठबंधन सरकार बनानी पड़ी क्योंकि दोनों बार भाजपा केवल 182 सीटें जीत सकी, जो आवश्यक बहुमत से नब्बे एक कम थी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने 2014 के साथ-साथ 2019 में भी पूर्ण बहुमत हासिल किया और दोनों बार कांग्रेस को सिर्फ 50 सीटों के आसपास ही समेट दिया। वाजपेयी की बातें सच हुईं और उनका सपना भी साकार हुआ कि भाजपा एक दिन पूरे बहुमत के साथ वापस आएगी। भाजपा को पूर्ण बहुमत दिलाने में प्रधानमंत्री मोदी की असाधारण उपलब्धि की भाजपा के दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी ने संसद के केंद्रीय कक्ष में भाजपा की पहली संसदीय दल की बैठक में सराहना की, जो लोकसभा में पार्टी के नेता का चुनाव करने के लिए बुलाई गई थी मई 2014 में। अब भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले पंद्रह वर्षों के दौरान उनके प्रमुख सपनों को साकार करने में निरंतर कार्य कर रहे है । इन सपनों का अपने गहरे संगठनात्मक, वैचारिक और राजनीतिक निहितार्थों को ध्यान में रखते हुए न केवल भाजपा (पहले भारतीय जनसंघ) के लिए बल्कि पूरे देश के लिए बहुत महत्व था । वाजपेयी ने कई अवसरों पर अपनी कुछ प्रसिद्ध अभिव्यक्तियों पर सार्वजनिक रूप से चर्चा की और आशा व्यक्त की कि सपने एक दिन सच होंगे, भले ही वे उनके जीवनकाल में साकार न हो सकें। उन्होंने उनके बारे में बात करने का कोई मौका नहीं छोड़ा और अपने कार्यकर्ताओं और लोगों दोनों को उन आदर्शों के प्रति प्रतिबद्ध रहने के लिए प्रेरित किया, जिन्होंने उनके जीवन को प्रेरित किया और उन्हें पूरा करने की दिशा में काम किया। प्रधान मंत्री के रूप में वाजपेयी की तीसरी पारी के दौरान, उन्होंने (वाजपेयी) 2001 के पहले सप्ताह में अपने प्रवास के दौरान, केरल में समुद्र के आकार की वेम्बनाड झील के पिछले पानी पर कुमारकोम से अपनी प्रसिद्ध म्युसिंग लिखी थी। उन्होंने एक के बाद एक दो लेख लिखे। उसी स्थान से अन्य जिन्हें भारत के लगभग सभी प्रमुख समाचार पत्रों द्वारा प्रकाशित किया गया था। उन्होंने उन्हें अतीत की समस्याओं को हल करने का समय, बेहतर भविष्य की ओर आगे बढ़ने का समय शीर्षक दिया। प्रिय और महान अटल जी ने लिखा, "हमारा देश कई समस्याओं का सामना कर रहा है जो हमारे इतिहास की विरासत हैं। मैं उनमें से दो पर अपने विचार साझा करना चाहता हूं। एक जम्मू-कश्मीर को लेकर पाकिस्तान के साथ लंबे समय से चली आ रही समस्या है और दूसरा अयोध्या में राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद है। उन्होंने आगे कहा था कि हालांकि, मुझे यह जानकर दुख हुआ कि पाकिस्तान सरकार अपनी धरती पर स्थित आतंकवादी संगठनों पर लगाम लगाने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रही है, जो कश्मीर और अन्य हिस्सों में निर्दोष नागरिकों और हमारे सुरक्षा कर्मियों दोनों को निशाना बनाकर हत्या का सिलसिला जारी रखे हुए हैं। मैं उन कश्मीरियों के दर्द और पीड़ा को भी महसूस करता हूं जो अपनी ही मातृभूमि में शरणार्थी बन गए हैं। कश्मीर समस्या के बाहरी और आंतरिक दोनों आयामों के स्थायी समाधान की हमारी खोज में, हम केवल अतीत की घिसी-पिटी राह पर नहीं चलेंगे। बल्कि, हम पूरे दक्षिण एशिया क्षेत्र के लिए शांति और समृद्धि की भविष्य की वास्तुकला के साहसी और नवोन्मेषी डिजाइनर होंगे। और तदनुसार, प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह ने अपनी सरकार और भारत की संसद को ऐतिहासिक शांति और समृद्धि के भविष्य की वास्तुकला के डिजाइनर बनने का नेतृत्व किया, जब उन्होंने 5-6 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 और 35ए को निरस्त करने का संकल्प पारित कराया और जम्मू-कश्मीर के संबंध में राजनीतिक द्वंद्व समाप्त हो गया। यह निश्चित रूप से अतीत की घिसी-पिटी राह से एक कदम दूर था। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 11 दिसंबर 2023 को भारतीय संविधान की दृष्टि से संसदीय कार्रवाई को मान्य कर दिया और इस प्रकार संवैधानिक द्वंद्व को भी हमेशा के लिए समाप्त कर दिया।आज कश्मीर में लोकतंत्र की सरकार है व 'दो प्रधान दो निशान' का नामोनिशान मिट गया हैं । अयोध्या मुद्दे के संबंध में, वाजपेयी ने कहा था की मैंने हमेशा माना है कि इस विवादास्पद मुद्दे को हल करने के दो तरीके हैंः न्यायिक मार्ग या पारस्परिक रूप से स्वीकार्य स्थिति के लिए बातचीत का मार्ग। मैंने कहा है कि सरकार न्यायपालिका के फैसले को स्वीकार करेगी और लागू करने के लिए संवैधानिक रूप से बाध्य है, चाहे वह कुछ भी हो। लेकिन यह गैर-सरकारी और गैर-राजनीतिक ढांचे में बातचीत की आवश्यकता को समाप्त नहीं करता है। न्यायिक मार्ग और बातचीत का विकल्प एक-दूसरे को बाहर नहीं करते, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने भारतीय लोकाचार का खूबसूरती से वर्णन किया था कि भारत अपने सभी नागरिकों और समुदायों का समान रूप से है, न किसी का ज्यादा और न किसी का कम। साथ ही, हमारी राष्ट्रीय एकता और अखंडता को मजबूत करना और देश की प्रगति में योगदान देना सभी नागरिकों और समुदायों का समान कर्तव्य है। हाल के दिनों में, अपने अधिकारों पर कम और अपने कर्तव्यों पर कम ध्यान देने की प्रवृत्ति बढ़ी है। इसे बदलना होगा। अपने लंबे इतिहास में, भारत की एकता धर्मनिरपेक्षता के लोकाचार से पोषित हुई है जो उसके सभी लोगों को न केवल एक-दूसरे के रीति-रिवाजों, परंपराओं और मान्यताओं को सहन करना सिखाता है, बल्कि उनका सम्मान भी करता है। आपसी सहिष्णुता और समझ से सद्भावना और सहयोग बढ़ता है, जो बदले में हमारी राष्ट्रीय एकता के रेशमी बंधन को मजबूत करता है। धर्मनिरपेक्षता कोई विदेशी अवधारणा नहीं है जिसे हमने आज़ादी के बाद मजबूरी में आयात किया हो। बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय संस्कृति और लोकाचार की एक अभिन्न और प्राकृतिक विशेषता है। 22 जनवरी 2024 को, वाजपेयी का एक और सपना भी पूरी तरह से साकार हो गया जब अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया । इस अवसर पर देश के शीर्ष नेताओं और प्रतिष्ठित लोगों के अलावा 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों के उपस्थित रहे ।

क्या मस्जिदों के नीचे मन्दिर ढूंढना गलत है

राजेश कुमार पासी

आजकल संघ प्रमुख मोहन भागवत का बयान चर्चा में बना हुआ है । जून, 2022 में संघ प्रमुख ने मंदिर-मस्जिद विवाद से बचने की नसीहत देते हुए कहा था कि हर दिन एक नया मुद्दा नहीं उठाना चाहिए । हम झगड़े क्यों बढ़ाएं, हर मस्जिद के नीचे शिवलिंग क्यों ढूंढना चाहिए । उस समय वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे का मुद्दा काफी गरमाया हुआ था और ताजमहल को मंदिर बताते हुए उसके भी सर्वे मांग हो रही थी । अब एक बार फिर मोहन भागवत ने इस मुद्दे पर अपना बयान दिया है जिसकी सब तरफ चर्चा हो रही है । पुणे में एक कार्यक्रम के दौरान भागवत ने 'विश्वगुरु भारत' विषय पर बोलते हुए कहा कि राम मंदिर बनने के बाद कुछ लोगों को लगता है कि बाकी जगहों पर भी इसी तरह का मुद्दा उठाकर वो हिन्दुओं के नेता बन जायेंगे । उन्होंने कहा कि राम मंदिर आस्था का विषय था और हिन्दुओं को लगता था कि इसका निर्माण होना चाहिए । उन्होंने कहा कि नफरत और दुश्मनी के कारण कुछ नए स्थलों के बारे में मुद्दे उठाना अस्वीकार्य है । उन्होंने कहा कि भारत को सभी धर्मों और विचारधाराओं के सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व का उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए ।

उनका कहना है कि उग्रवाद, आक्रामकता और दूसरों के देवताओं का अपमान करना हमारी संस्कृति नहीं है । यहां कोई बहुसंख्यक या अल्पसंख्यक नहीं है, हम सब एक है । इससे मिलता-जुलता उनका यह बयान भी है कि भारत में सभी का डीएनए एक है । रविवार को उन्होंने एक बयान और दिया है जिसमें कहा है कि धर्म को समझना कठिन है । धर्म के नाम पर होने वाले सभी उत्पीड़न और अत्याचार गलतफहमी और धर्म की समझ की कमी के कारण हुए है इसलिए धर्म की सही शिक्षा सभी को मिलनी चाहिए ।

भागवत को यह बयान इसलिए देने पड़ रहे हैं क्योंकि देश में अलग-अलग जगहों पर नए-नए मंदिर-मस्जिद विवाद सामने आ रहे हैं । उनके बयानों के पीछे उनकी यह अच्छी मंशा हो सकती है कि इन विवादों के कारण देश का माहौल खराब न हो । आपको याद होगा कि अयोध्या में जब राम-मंदिर निर्माण के लिए आंदोलन चल रहा था तब हिन्दूवादी नेताओं की यही मांग थी कि अयोध्या, काशी और मथुरा के विवादित धर्मस्थलों को अगर मुस्लिम पक्ष उन्हें सौंप देता है तो हिन्दू पक्ष अन्य जगहों पर मंदिर तोड़कर बनाई गई मस्जिदों पर अपना दावा छोड़ देगा । तब मुस्लिम पक्ष जिद्द पर अड़ा रहा और एक कदम भी पीछे नहीं हटा । यह जानते हुए भी रामजन्मभूमि हिन्दुओं के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है और उनकी गहरी आस्थी उससे जुड़ी हुई है, मुस्लिम इसको सौंपने को तैयार नहीं हुए । माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हुआ है और काशी-मथुरा का मामला अदालत में लंबित है ।

मैंने इस सम्बन्ध में कई लेख लिखे थे और कई लोगों का भी मानना था कि अगर मुस्लिम पक्ष हिंदुओं की भावनाओं को देखते हुए रामजन्मभूमि छोड़ देता है तो ये हिन्दू-मुस्लिम भाईचारे के लिए बहुत अच्छा होगा । हिन्दुओं ने संविधान के अनुसार अदालत जाकर अपना हक हासिल किया है न कि मुस्लिमों ने हिन्दुओं की आस्था का सम्मान किया है । अब हिन्दुओं को अदालत का रास्ता दिख गया है और वो अपने मंदिरों को संविधान के अनुसार अदालत के द्वारा हासिल करना चाहते हैं । जब पूरा विपक्ष संविधान को सिर पर उठा कर घूम रहा है और संविधान की रक्षा की बात कर रहा है तो अदालत में जाकर अपना हक हासिल करना कैसे गलत कहा जा सकता है। संविधान के अनुसार हो रहे काम से भागवत क्यों परेशान हो रहे हैं । जब राम जन्मभूमि के लिए मुस्लिम अड़े हुए थे तब ही यह कहा गया था कि अगर मुस्लिम पक्ष बातचीत से मामला हल कर लेता है तो धार्मिक सौहार्द के लिए बहुत अच्छा होगा । जिसका डर था, आज वही हो रहा है, हिन्दू समाज अपने मंदिरों की मांग कर रहा है । इसके लिए हिन्दू समाज किसी हिंसा का सहारा नहीं ले रहा है, वो अपने संवैधानिक हक का इस्तेमाल कर रहा है ।

मोहन भागवत पहले भी ऐसे बयान दे चुके हैं जिसे भाजपा और संघ के खिलाफ माना जा सकता है, ये बयान तो हिंदुओं के खिलाफ दिखाई दे रहा है। आजकल जो मस्जिदों के नीचे हिन्दू मंदिर ढूंढे जा रहे हैं, उन्हें भाजपा, संघ या कोई हिन्दू संगठन नहीं ढूंढ रहा है बल्कि हिन्दू समाज ढूंढ रहा है । इस मुहिम का मजाक उड़ाया जा रहा है कि हिंदुओं को कोई और काम नहीं बचा है । वो सारे काम छोड़कर सिर्फ मस्जिदों के नीचे मंदिर ढूंढ रहे हैं जबकि यह सच्चाई नहीं है । वास्तव में मस्जिदों के नीचे मंदिर कोई नहीं ढूंढ रहा है बल्कि मस्जिदों के नीचे मन्दिर निकल रहे हैं। जहां भी मंदिर को तोड़कर मस्जिद बनाये जाने की बात की जा रही है, वो सभी जगहें प्राचीन मंदिरों के स्थल हैं और उनके बारे में हिन्दु धर्म की मान्यताएं भी हैं कि वहां प्राचीन मंदिर थे । इसके अलावा हिन्दू समाज मस्जिदों को तोड़कर मंदिर बनाने की बात नहीं कर रहा है बल्कि मस्जिदों के सर्वे के लिए अदालतों के दरवाजे पर खड़ा है । हिन्दू समाज किसी किस्म की जबरदस्ती नहीं कर रहा है बल्कि वो चाहता है कि संविधान के अनुसार अगर वहां मंदिर है तो वो उसे दिया जाए ।

केन्द्र की नरसिम्हा राव की सरकार ने 1991 में प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट पास किया था, जिसके अनुसार 15 अगस्त 1947 को किसी धर्मस्थल की जो स्थिति थी, वही स्थिति मान्य होगी । इस एक्ट के अनुसार इस मामले पर अदालत भी नहीं जाया जा सकता था । हिन्दू समाज यह कह रहा है कि 1947 को जो स्थिति थी, वो भी पता होनी चाहिए । अगर यह साबित हो जाता है कि उस जगह मस्जिद की जगह मंदिर है और जो मस्जिद है वो मंदिर की जगह बनाई गई है तो वो जगह हिन्दुओं को मिलनी चाहिए । इसी आधार पर अदालतें मस्जिदों के सर्वेक्षण के आदेश जारी कर रही हैं ताकि स्थिति का पता लगाया जा सके । ये एक्ट धार्मिक स्थल की वास्तविक स्थिति की जांच करने से नहीं रोकता है इसलिये अदालतें सर्वे के आदेश जारी कर रही हैं।

आज हमारा देश आजादी के बाद की गई गलतियों की सजा भुगत रहा है । यह काम आजादी के बाद होना चाहिए था । मुस्लिम आक्रमणकारियों के पास जगह की कमी नहीं थी, वो चाहते तो किसी भी जगह मस्जिदों का निर्माण कर सकते थे लेकिन उन्होंने जानबूझकर मंदिरों को तोड़कर उनके मलबे से उसी स्थान पर मस्जिदों का निर्माण करवाया ।

राहुल के धक्के की गूंज दुनियाभर में

आत्माराम यादव

संसद में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बी जे पी सांसद प्रताप सारंगी जी को धक्का क्या मारा? पूरी दुनिया में धक्के की गूंज सुनाई दी, वैसे गूंज थप्पड़ की होती, धक्के की नहीं? धक्का तो शांत होता है, बिलकुल खामोश। चीख, गूंज या आवाज तो हमेशा धक्का खाकर गिरने वाले या मारने वाले की निकलती है। पर यह धक्का राहुल गांधी का है, जिसने पहली बार साहस का काम किया ओर सांसद सारंगी को धक्का मारा। इस धक्के की गूंज किसी से सुनी नहीं, पर धक्का मारते देखा है। जिनने देखा है वे धक्का खाने वाले नेता के साथी है ओर जिनने नहीं देखा है वे राहुल गांधी के साथी है। सारे टीवी एंकर विभिन्न पार्टियों के प्रवक्ताओं ओर नेताओं सहित धक्का विशेषज्ञों, वरिष्ठ पत्रकारों को स्टूडियों ओर सामने बैठकर धक्के पर गरमागरम बहस करते दिखाई दिये। धक्के पर एक से एक तर्क देकर राहुल को कटघरे में खड़ा कर दिया, ऊपर से राहुल को दोषी ठहराकर बीजेपी संसद को चोटिल बताकर अपनी बात पर मुहर लगाने के लिए पुलिस थाने में एफआईआर का हवाला दिया गया, पर संसदभवन के उन केमरों में बंद सच देखने की जुर्रत सरकार ने उचित नहीं समझी जिसे देखने के लिए राहुल मांग करते रहे तथा केमरो का सच टीवी चैनलों ओर पत्रकारों के सामने नहीं आ सका जो केमरे सच बता देते की धक्का दिया है या नहीं, पर भारत पाक के क्रिकेट मेच की तरह इसे रोमांच ओर उत्तेजना से भरपूर बनाए रखने के कारण केमरे का सच देश के सामने नहीं आ सका। क्या धक्के की आड़ में जनता के खून पसीने से संचालित संसद ओर सांसदों का खर्च बेजा जाया जाना ठीक कहा जा सकता है, शायद ही इन सभी बातों से भारत के लोगों को जबरजस्त धक्का लगा हो, पर देशवासियों के पैसे से चल रही सरकार को इसकी चिंता कतई नहीं है ? देश के इतिहास में बीजेपी सरकार में उनके सांसद प्रताप सारंगी को दिया गया यह धक्का राजनीति की नई इबारत लिख गया, यह धक्का इतना जबरदस्त कैसे हो गया की सारंगी जी आईसीयूं से निकल नहीं सके, डॉक्टर उन्हे सामान्य बता रहे है पर वे इस धक्के को कहीं अपने दिल पर तो नहीं ले लिए जिससे उनका दिल बैठा जा रहा है। खैर आज की धक्का प्रदान राजनीति में जहां सभी एक दूसरे को धक्का देकर नीचे गिरा रहे हो तब अनेक नेताओं का सर्वस्य लुट पीट गया किन्तु सार्वजनिक होते हुये भी वे धक्के चर्चा में नहीं आए , जो राहुल का धक्का दुनिया भर में चर्चा ओर अखबारों के मेन हेडिंग के रूप में छाया है। अब धक्के ओर उसके प्रकार के विषय मे चिंतन जरूरी हो गया है, वरना देश की जनता रोजाना सुबह से शाम तक धक्का खाकर मर खप रही हो इसपर ध्यान क्यों दिया जाये। राजनीति से हटकर नैतिक दृष्टि से देखा जाये तो धक्का रोजमर्या में हम सबके जीवन का हिस्सा है। समय समय पर लोग एक दूसरे को धक्का मारकर उसे उसके स्थान से हटाकर खुद खड़े हो जाते है। काम क्रोध लोभ ओर माया मे सभी जकड़े है प्यार कहिए या प्रेम कहिए इसमें मान-मनुहार की चुहलवाजी चलती है जिसमें गले लगाना धक्का मारना जीवन का अंग है। प्रेम में पगे गृहस्थों के धक्कों से नेताओं – किरकेटरों की टीम तैयार होती है जो आगे चलकर नेता के रूप में राज करते है। बात धक्का देने कि है जिस पर एक चुटकुले का जिक्र करना चाहूंगा –एक दंपती के पास एक ही पलंग था जो दोनों के सोने के लिए पर्याप्त नहीं था। जब दोनों सोते तो करवट नहीं ले पाते, पत्नी धक्का मारकर उन्हे सरकने को कहती ओर इससे वह पलंग के नीचे आ जाते, पत्नी आराम से सोती ओर पति पलंग के नीचे, पत्नी आबाज देती कहाँ हो वह बताता कि पलंग के नीचे। एक दिन पत्नी ने पति को पलंग पर धक्का मारा तो वह नीचे गिरा ओर उठकर ट्रेन पकड़कर दिल्ली पहुंचा।

पति ने पत्नी को फोन लगाकर कहा तेरे धक्के से दिल्ली तक सरक गया हूँ, अब ओर तो नही सरकना है? गृहस्थों के धक्के नैतिकता के होते है लेकिन जब ये ही जिम्मेदार ग्रहस्थ नैतिकता को त्यागकर अराजकता पर उतर राजनीति को पुतली की तरह नचाकर अपना स्वार्थ सिद्ध करने लगे तब यह षड्यंत्र का रूप ले लेता है, क्या संसद में राहुल का यह धक्का विरोधी विचारधारा का नहीं है? जिसमें 2 करोड़ बेरोजगारों को हर साल रोजगार देने सहित अन्य वायदे को ठुकरा कर अपने ही घोषणापत्र को कचराघर में धक्का देने से जनता का ध्यान बटाना नहीं है। संसद में विपक्ष इन्ही विषयों को लेकर चर्चा कर जनता की आवाज उठा रहा था, क्या यह जनता की आवाज बंद करने का धक्का नहीं है, जिसे राहुल गांधी के शारीरिक धक्के दिये जाने का धक्का काण्ड का रूप दिया गया है।

भारत में टैक्स जोन की संभावनाएं

पंकज गांधी जायसवाल

दुनिया के कई ऐसे छोटे देश या द्वीप हैं जिन्होंने अपने टैक्स नीति का सहारा लिया है अपने आपको विकसित करने और दुनिया भर के लोगों को अपने यहां आकर्षित करने के लिए, आकर वहां कम्पनी खोलने के लिए।ज्यादातर ऐसे देश द्वीपीय देश हैं जैसे केमन आइलैंड है, शेसेल्स द्वीप समूह, ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड, बहामास एवं मॉरिशस आदि जैसे देश । हालांकि इनमें से ज्यादातर को टैक्स हेवन बोला जाता है।मैं टैक्स हेवन के पक्ष में तो नहीं हूं लेकिन कुछ कर रियायतों के साथ जैसे की दुबई में है, वैसा ही हम भारत में टैक्स आकर्षण जोन का निर्माण कर सकते हैं।हमने एक प्रयोग गिफ्ट सिटी बनाकर किया है।बस ध्यान इतना रखना है कि इसका निर्माण पिछड़े क्षेत्रों में करें ताकि वहां विकास हो सके।बकौल संजीव सिंह एवं राजनैतिक मामलों के विशेषज्ञ भारत के पास भी ऐसे कई आइलैंड हैं जैसे कि अंडमान निकोबार द्वीप समूह, दीव, पुडुचेरी या लक्षद्वीप टैक्स जोन के तर्ज पर डेवलप किया जा सकता है और दुनिया भर के निवेशकों का इसे हब बनाया जा सकता है।भारत के यह द्वीप दुनिया के लिए आकर्षक टैक्स जोन के रूप में कार्य कर सकते हैं।ऐसी स्थिति पूर्वोत्तर भारत के राज्यों के लिए भी की जा सकती है।ध्यान देने लायक बात है कि दुनिया के टैक्स आकर्षण वाले जोन में निवेशक तो जाते हैं लेकिन ज्यादातर गतिविधियां उनकी वहां के पर्यावरण से छेड़छाड़ की नहीं होती। वहां मुख्य उद्योग पर्यटन ही विकसित होते हैं जिससे उद्योग धंधे की जगह इसके विकसित होने से पर्यावरण को नुक्सान नहीं पहुंचता।

भारत के ये द्वीप समूह या पूर्वोत्तर के राज्य नेचर कल्चर और एग्रीकल्चर में धनी होने के कारण कल कारखाने के गढ़ नहीं हो सकते।ऐसे में वहां टैक्स आकर्षण जोन खोलकर इन इलाकों का विकास भी किया जा सकता है और दुनिया भर से पूँजी को आकर्षित कर भारत से रूट भी किया जा सकता है। दुनिया में जहां भी टैक्स आकर्षण जोन है जिसे लोग टैक्स फ्री जोन के रूप में जानते हैं, आइये उसके बारे में भी कुछ समझते हैं जिससे हमें भारत में ये कैसे कारगर होंगे, उसका एक अध्ययन प्राप्त होगा।टैक्स फ्री जोन एक ऐसे विशेष क्षेत्र होते हैं जहां व्यवसायों और व्यक्तियों को विभिन्न प्रकार के करों से छूट दी जाती है। ये क्षेत्र व्यापार को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने, और आर्थिक विकास को तेज़ करने के उद्देश्य से स्थापित किए जाते हैं। दुनिया के कई देशों ने खासकर छोटे एवं द्वीपीय समूह वाले देशों ने इन ज़ोन्स को विकसित किया है ताकि वे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। इन जोन के निर्माण से उनका आर्थिक विकास तेजी से हुआ है।ये टैक्स फ्री जोन स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों को आकर्षित करते हैं जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं और आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि होती है। ये जोन निवेशकों को कम लागत और टैक्स में छूट जैसे लाभ प्रदान करते हैं जिससे वे अपना व्यापार आसानी से बढ़ा सकते हैं।

बदलते हम हैं, मूल्य नहीं

डॉ टी महादेव राव

"भैया! राजनीति में मूल्यों की गिरावट हुई है।" "यह क्या छोटू! इतनी बड़ी बात कह दी तुमने? राजनीति में या कहीं और मूल्य कभी भी नहीं गिरते। जिसका मूल्य या सिद्धान्त उसी से चिपका और सुरक्षित रहता है। समय, मान्यताएं और परिस्थितियों के अनुसार सिद्धांतों का भार वहन करने वालों का मूल्य बदलता रहता है, बस!"

"किसी भी नेता का, किसी पार्टी में नाम, सम्मान, अभिनंदन, अपनापन और भारी इज्जत तब तक कायम रहते हैं जब तक वह इस पार्टी में है। बाहर हुआ मतलब शत्रु-वर्ग में चला गया। फिर काहे की आत्मीयता और काहे का सम्मान? तब तक सज्जन सा अपना साथी बाहर जाते ही भ्रष्टाचारी हो जाता है, शोषण करने वाला स्वार्थी बन जाता है – इन गलत निंदारोपण का मुकुट उसे सिर पर धरना होता है। उसे अपने पीछे आते आरोप, मुकदमे, गिरफ्तारियां झेलनी होती हैं। सारे देश में यही सब हो रहा है।"

"ठीक है! कहते हो कि सिद्धांतों और मूल्यों के बारे में बात करना बेकार है लेकिन हमारे पुराने नेता जीवन भर मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध थे कि नहीं?" "पुराने जमाने में रेल दुर्घटना में लोग मर गए तो मंत्री पद को त्यागने वाले महापुरुष रहा करते थे। यही बात अब आप कहो तो क्या जवाब मिलेगा जानते हो? इस तरह इस्तीफे देते फिरेंगे तो कोई राजनीतिक नेता देश में बचेगा ही नहीं कहते हुए व्यंग्य करेंगे।" "तो कहने का मतलब समय और परिस्थितियों के हिसाब से मूल्य या सिद्धांत बदल गए?" "मूल्य या सिद्धांत जो हैं, वे अचल हैं, स्थिर हैं, जबकि उसे ढोने वाला पदार्थ चल है चलायमान है। समय बदले, प्रदेश बदले, तब भी सिद्धांत या मूल्य वही रहता है। बस उसे देखने के नजरिए और उसे अपनाने के तरीके में अंतर होता है। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में पढ़ा लिखा अफगानिस्तान का पूर्व मंत्री समय की मार से जर्मनी में साइकिल पर खाना पहुंचाने के काम में लगा हुआ है और पूरी शांति से जी रहा है। हमारे अपने देश में इसकी कल्पना भी क्या की जा सकती है? यहां एक सरपंच भी अपने जीवन काल में ऐसा नहीं करेगा लेकिन बुरे दिनों से गिरे अफगान के मंत्री की हालत ऐसी हो गई है। समय, मान और परिस्थितियों में अंतर का मतलब यही है।""लेकिन हम क्यों चाहे कि हमारे नेताओं को भी वैसे ही दिन देखने पडें।""हमारे नेता जब जनता के दुख दर्द को देखते हैं तब भी दो सहानुभूति की बातें कहने में ही थक जाते होंगे। ""क्यों ऐसा सोचा जाए कि हालातों की जानकारी के अभाव में, किसी दबाव में, हल्ले गुल्ले वाले सत्र में उस तरह बोल गए होंगे।""सच कहते हो! हमारे नेताओं में संवेदनशीलता कहां होती है? उन्हें तो यही सब पता है कि कितनी सरकारी जमीन कहां-कहां खाली पड़ी है? किस सड़क को खोदने से कितना मिलेगा? कौन सी प्रोजेक्ट हथियाने से पैसों की बारिश होगी? किस ठेके में सब वारे न्यारे किए जा सकेंगे? यही सब उनके ज्ञान भंडार के मोती हैं। इतने ज्ञानी हैं तभी तो हर समस्या का समाधान वह चुटकियों में बता देते हैं। 'छोटे कपड़ों की वजह से बलात्कार हो रहे हैं', 'रात के समय लड़कियों को बाहर क्या काम है' जैसे सिद्धांतों को प्रतिपादित करते हैं और इसे ही नीति और रीति- रिवाज की संज्ञा देते हैं।

26 दिसंबर को साल की अंतिम एकादशी

गुरुवार, 26 दिसंबर को 2024 की अंतिम एकादशी है। अभी पौष मास चल रहा है और इसकी पहली एकादशी का नाम सफला है। माना जाता है कि सफला एकादशी व्रत के पुण्य से भक्त को सभी कामों सफलता मिलती है। इस बार सफला एकादशी गुरुवार को होने से इस दिन विष्णु जी के साथ ही गुरु ग्रह की भी विशेष पूजा करने का शुभ योग बना है।सफला एकादशी की कथा राजा महिष्मत से जुड़ी है। महिष्मत चंपावती राज्य के राजा थे। राजा का बेटा था लुंभक, जो कि बुरी आदतों में फंसा हुआ था। इस कारण राजा ने अपने बेटे को राज्य से ही निकाल दिया।राज्य से निकाले जाने के बाद लुंभक जंगल में रहने लगा। फल खाकर जैसे-तैसे अपना जीवन चला रहा था। कुछ बाद उसके आचरण में सकारात्मक बदलाव आने लगा। जंगल में रहते समय पौष मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी पर वह दिन भर भूखा रहा और शाम को भगवान विष्णु का याद कर लिया। इस तरह अनजाने में ही लुंबक ने एकादशी व्रत कर लिया था।इस व्रत के पुण्य से लुंबक के सभी पापों का असर खत्म हो गया। इसके बाद जब राजा महिष्मत को लुंबक के बदले हुए आचरण की जानकारी मिली तो राजा ने अपने बेटे को फिर से अपने महल में बुलवा लिया।

इस तरह एकादशी व्रत के पुण्य से लुंबक का जीवन बदल गया, उसे मान-सम्मान के साथ ही अपना राज-पाठ भी वापस मिल गया था।

ऐसे करें एकादशी व्रत

जो लोग एकादशी व्रत करना चाहते हैं, उन्हें एक दिन पहले यानी दशमी तिथि (25 दिसंबर) की शाम से इसकी तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। दशमी की शाम संतुलित भोजन करें। जल्दी सोना चाहिए, ताकि अगले दिन यानी एकादशी पर सुबह सूर्योदय के समय उठ सके।

एकादशी की सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद सूर्य देव को जल चढ़ाएं।

घर के मंदिर गणेश जी की पूजा करें।

भगवान विष्णु और महालक्ष्मी का अभिषेक करें। हार-फूल और वस्त्रों से श्रृंगार करें। धूप-दीप जलाएं। तुलसी के साथ मिठाई का भोग लगाएं। भगवान विष्णु का ध्यान करते हुए एकादशी व्रत करने का संकल्प लें।

एकादशी व्रत कर रहे हैं तो दिनभर अन्न का त्याग करें। भूखे रहना संभव न हो तो फलाहार और दूध का सेवन कर सकते हैं। एकादशी पर भगवान विष्णु के मंत्रों का जप करें। विष्णु जी की कथाएं पढ़ें-सुनें।

एकादशी की शाम को सूर्यास्त के बाद भी विष्णु जी और देवी लक्ष्मी की विधिवत पूजा करें। तुलसी के पास दीपक जलाएं।

भजन करें।

अगले दिन यानी द्वादशी तिथि पर सुबह उठें और विष्णु-लक्ष्मी की पूजा के बाद जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं, दान-पुण्य करें। इसके बाद खुद भोजन करें। इस तरह एकादशी व्रत पूरा होता है।

वैष्णो शक्तिपीठ डाला सोनभद्र हर मनोकामना पूर्ण करती हैं डाला की मां वैष्णो

यह मंदिर यह मंदिर सन 2004 में जम्मू स्थित कटरा से मां वैष्णो की अखंड ज्योति एक सप्ताह में लाई गई थी और शारदीय नवरात्र में मां जगदंबा के सभी ग्रहों का प्राण प्रतिष्ठान किया किया था जम्मू से लाई गई अखंड ज्योति आज तक अनवरत जल रही है यहां जनपद से ही नहीं अपितु बिहार झारखंड छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश ओ अन्य प्रदेशों से भी श्रद्धालु हमेशा दर्शन के लिए आते रहते हैं।

मान्यता है कि सच्चे मन से मांगी गई हर मुराद मां जरूर पूरा करती है यहां रामनवमी में लाखों की संख्या में भक्त दर्शन करने दूरदराज से आते हैं।

सन 2001 में चोपन निवासी मदनलाल गर्ग अपने घर से कार द्वारा डाला के बारी क्षेत्र में स्थित क्रशर प्लांट पर आ रहे थे कि अचानक उनकी कार वाराणसी शक्ति नगर मार्ग पर सामने आ रही थी ट्रक में जा घुसा काफी देर तक के मसक्कत के बाद जब उलटी कार निकाली गई तो वे बिल्कुल स्वस्थ्य निकले इसी टाइम से मंदिर की शुरूआत हुई।

मां वैष्णो बहुत ही दयालु हैं

उनके सामने मांगी गई हर मुरादे पूरी होती हैं वहां का दृश्य बहुत ही अद्भुत है पूजा करने के लिए बहुत ही अच्छा व्यवस्था किया गया है वहां का पूरा क्षेत्र बहुत ही साफ सुथरा लगता है।

वैष्णो शक्तिपीठ डाला में शादी विवाह मुंडन समारोह पूरा करने के लिए अलग-अलग व्यवस्था किया गया है उसके भीतर में बहुत ही अद्भुत गुफा बनाया गया है अलग-अलग जानवरों की चित्र भी बनाया गया है मंदिर के जस्ट सामने बहुत बड़ा शेर का चित्र भी बनाया गया है वहां के टाइल्स ना जले इसलिए वहां पर मेट भी बिछाया गया है।

वहां एक बार दर्शन जरूर करना चाहिए पूरे परिवार के साथ अच्छे से समय निकालकर पूरे परिवार के साथ सो जाइए घूमने का अलग ही मजा आएगा।

वहां जाने के बाद वहां का डिजाइन देखते ही बनता है बहुत ही सुंदर नजारा है हम तो कहते हैं सभी को एक बार पूरे परिवार के साथ जरूर जाना चाहिए वहां पर दुकानें भी बहुत सुंदर लगा हुआ है।

वहां की साफ-सफाई बहुत ही अद्भुत है मंदिर प्रशासन बहुत अच्छे से सफाई करवाते हैं

मां वैष्णो शक्तिपीठ डाला के मन्दिर की सुन्दरता इस वीडियो में भी देख सकते हैं

उत्तर प्रदेश सोनभद्र जिला डाला मंदिर के बारे में पूरी जानकारी इस ब्लॉग में आपको मिलेगा डाला मंदिर सोनभद्र में स्थित है मां वैष्णो मां वैष्णो बहुत ही सराहनीय तरीके से मनोकामना पूर्ण करती हैं वहां का मंदिर बहुत ही सुंदर डिजाइन किया गया है वहां जाने के बाद पता लगता है कितनी सुंदर मंदिर आने का मन नहीं करता है उत्तर प्रदेश में स्थित मां वैष्णो डाला मंदिर के अंदर गुफा भी है और तरह-तरह के जानवरों का चित्र बनाया गया है जिसे देखकर बहुत ही सुकून मिलता है वहां पर बहुत सारा जगह है जैसे आपक आपको मुंडन समारोह या शादी समारोह करना है तो वहां पर पर्याप्त जगह है यह सब चीजें करने के लिए।

क्रिसमस: ईसा मसीह की सीख

(25 दिसंबर) ईसा मसीह की बर्थ एनिवर्सरी मनाई जाएगी। प्रभु यीशु की कई प्रेरक कथाएं ऐसी हैं, जिनमें जीवन को सुखी और सफल बनाने के सूत्र बताए गए हैं। जो लोग इन सूत्रों को अपना लेते हैं, उनकी सभी समस्याएं दूर हो सकती हैं और जीवन सफल हो सकता है। जानिए ईसा मसीह की एक ऐसी ही चर्चित प्रेरक कथा।

ईसा मसीह की एक बहुत चर्चित कथा एक गडरिए और उसकी नन्हीं भेड़ से जुड़ी है। कथा के मुताबिक, प्रभु यीशु अपने शिष्यों के साथ यात्रा कर रहे थे। रास्ते में जब वे थक गए तो आराम करने के लिए एक गांव के बाहर ठहर गए। जहां ईसा मसीह और उनके शिष्य ठहरे थे, वहां से थोड़ी दूरी पर एक गडरिया अपनी सबसे छोटी भेड़ को कंधे पर उठाकर जा रहा था। कुछ दूर चलने के बाद उस गडरिए ने भेड़ को कंधे से उतारा, उसे नहलाया और उसके बालों को सुखाया। गडरिए ने छोटी भेड़ को हरी खास खिलाई। वह गडरिया बहुत खुश दिख रहा था। उस गडरिए के पास और भी भेड़े थीं, लेकिन वह अपनी सबसे छोटी भेड़ की बहुत ज्यादा देखभाल कर रहा था। ईसा मसीह ये सब बहुत ध्यान से देख रहे थे।

कुछ देर बाद ईसा मसीह उस गडरिए के पास पहुंचे और उससे पूछा कि तुम इस भेड़ की देखभाल करके बहुत खुश दिख रहे हो, तुम इसी भेड़ की सबसे ज्यादा देखभाल क्यों कर रहे हो?

गडरिए ने कहा कि दरअसल मैं जब भी इस छोटी भेड़ को दूसरी भेड़ों के साथ छोड़ता हूं तो ये जंगल में चली जाती है और फिर वहां जाकर रास्ता भटक जाती है।मेरी दूसरी भेड़ें तो रोज शाम घर आ जाती हैं, लेकिन ये छोटी भेड़ अपने आप वापस नहीं आती है, इसे खोजकर लाना पड़ता है। इसी वजह से मैं

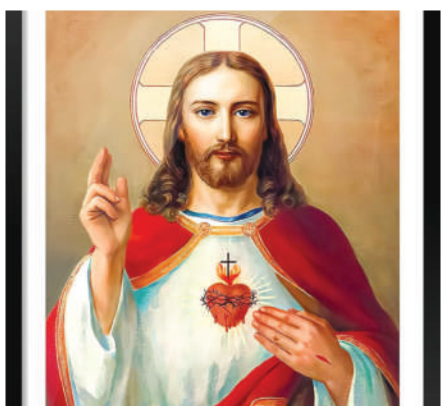

इस पर सबसे ज्यादा ध्यान देता हूं, इसकी देखभाल करता हूं, ताकि ये मेरे पास ही रहे और मुझे छोड़कर जाने की कोशिश न करे। अगर ये कहीं जाती भी है तो मुझे याद करके तुरंत मेरे पास लौट आए।

ईसा मसीह की सीख

ईसा मसीह ने गडरिए की ये बात सुनकर अपने शिष्यों से कहा कि इनकी बात में जीवन का बहुत बड़ा संदेश छिपा है। जो लोग भटके हुए हैं, उन पर हमें ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

जैसा ये गडरिया इस भेड़ के साथ व्यवहार करता है, ठीक वैसा ही व्यवहार हमें भटके हुए लोगों के साथ भी करना चाहिए। जो लोग मानवता का रास्ता छोड़कर बुराइयों में फंसे हुए हैं, जो लोग दूसरों को दुख देते हैं, ऐसे बुरे लोगों को सही राह पर लाने के लिए उन पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। जब हम इन लोगों की अच्छी देखभाल करेंगे तो ये लोग भी गलत रास्ते पर नहीं जाएंगे।

प्रभु यीशु का जन्म

माना जाता है कि प्रभु यीशु का जन्म 4 से 6 ईसवी पूर्व फिलिस्तीन के शहर बेथलेहम में हुआ था। इनके माता और पिता नाज़ेरथ से आकर बेथलेहम में बस गए थे, और यहीं पर प्रभु यीशु का जन्म हुआ था। इनकी माता का नाम मरियम और पिता का नाम युसूफ था। इनके पिता युसूफ पेशे से बढ़ाई थे। मान्यता के अनुसार परमेश्वर के संकेत से युसूफ ने मरियम से शादी की थी।

यीशु के जन्म के 2 वर्ष बाद ही उनके पिता की मृत्यु हो गई, और उनका लालन-पालन उनकी माता मरियम ने किया था। क्रिश्चियन धार्मिक ग्रंथों में प्रभु यीशु के 13 वर्ष से 30 वर्ष तक के जीवन के बारे में अधिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। इसके बाद 30 साल की आयु में प्रभु यीशु ने यूहन्ना से शिक्षा हासिल की। इसके बाद धर्म की स्थापना में जुट गए। प्रभु यीशु के लिए लोगों के मन में बढ़ते हुए प्रेम को देखकर अंधविश्वास फैलाने वाले धार्मिक कट्टरपंथियों ने उनका पुरजोर विरोध किया। जिसके कारण यहूदी राजा पोंटियंस ने प्रभु यीशु को रोकने के लिए सभी तरह के जतन किए। लेकिन इससे वे जरा भी विचलित नहीं हुए और धर्म का प्रचार करते रहे। राजा पोंटियंस को डर था कि अगर वह प्रभु यीशु को नहीं रोकते हैं तो यहूदी क्रांति कर सकते हैं। इसके लिए प्रभु यीशु को मृत्युदंड की सजा दी गई।

सजा के तौर पर प्रभु यीशु को सूली पर चढ़ाया गया, उस दिन फ्राइडे था। जब उनकी मृत्यु हो गई तो उन्हें कब्र में दफना दिया गया। 3 दिनों के बाद प्रभु यीशु कब्र से पुनः जीवित हो उठे थे। उस दिन संडे था। जिसे ईस्टर संडे के नाम से भी जाना जाता है। बहुत से यहूदियों ने यह चमत्कार अपनी आंखों से देखा। इसके बाद प्रभु यीशु के शिष्यों ने उनके उपदेश को जन-जन तक पहुंचाया। उस समय एक नवीन धर्म की स्थापना हुई, जिसे ईसाई धर्म कहा जाता है।

तेइसवें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ

निर्मला बैद

जैन ग्रंथों के अनुसार वर्तमान में काल चक्र का अवरोही भाग, अवसर्पिणी गतिशील है और इसके चौथे युग में 24 तीर्थंकरों का जन्म हुआ था।भगवान पार्श्वनाथ का जन्म वाराणसी के भेलूपुर में हुआ था तीर्थंकर पार्श्वनाथ का जन्म आज से लगभग 2 हजार 9 सौ वर्ष पूर्व वाराणसी में हुआ था। वाराणासी में अश्वसेन नाम के इक्ष्वाकुवंशीय क्षत्रिय राजा थे। उनकी रानी वामा ने पौष कृष्ण एकादशी के दिन महातेजस्वी पुत्र को जन्म दिया, जिसके शरीर पर सर्पचिन्ह था। वामा देवी ने गर्भकाल में एक बार स्वप्न में एक सर्प देखा था, इसलिए पुत्र का नाम 'पार्श्व' रखा गया। उनका प्रारंभिक जीवन राजकुमार के रूप में व्यतीत हुआ। एक दिन पार्श्व ने अपने महल से देखा कि पुरवासी पूजा की सामग्री लिये एक ओर जा रहे हैं। वहाँ जाकर उन्होंने देखा कि एक तपस्वी जहाँ पंचाग्नि जला रहा है, और अग्नि में एक सर्प का जोड़ा मर रहा है, तब पार्श्व ने कहा— 'दयाहीन' धर्म किसी काम का नहीं'। तीर्थंकर पार्श्वनाथ ने तीस वर्ष की आयु में घर त्याग दिया था और जैन दीक्षा ली। काशी में 83 दिन की कठोर तपस्या करने के बाद 84वें दिन उन्हें केवल ज्ञान प्राप्त हुआ था। पुंड्र, ताम्रलिप्त आदि अनेक देशों में उन्होंने भ्रमण किया। ताम्रलिप्त में उनके शिष्य हुए। पार्श्वनाथ ने चतुर्विध संघ की स्थापना की,

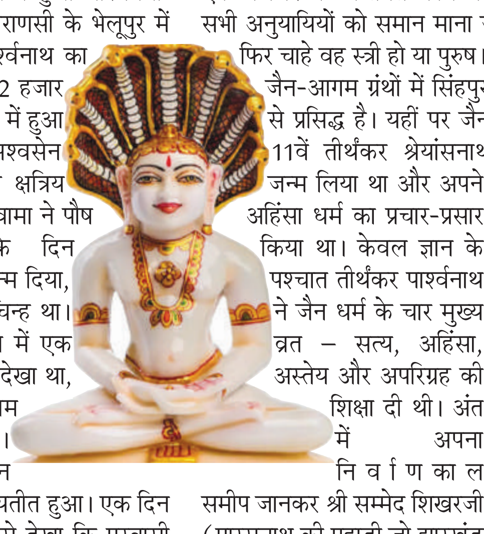

जिसमें श्रमण, श्रमणी, श्रावक, श्राविका होते हैं और आज भी जैन समाज इसी स्वरुप में है। प्रत्येक गण एक गणधर के अन्तर्गत कार्य करता था। सभी अनुयायियों को समान माना जाता था, फिर चाहे वह स्त्री हो या पुरुष। सारनाथ जैन-आगम ग्रंथों में सिंहपुर के नाम से प्रसिद्ध है। यहीं पर जैन धर्म के 11वें तीर्थंकर श्रेयांसनाथ जी ने जन्म लिया था और अपने अहिंसा धर्म का प्रचार-प्रसार किया था। केवल ज्ञान के पश्चात तीर्थंकर पार्श्वनाथ ने जैन धर्म के चार मुख्य व्रत – सत्य, अहिंसा, अस्तेय और अपरिग्रह की शिक्षा दी थी। अंत में अपना निर्वाण काल समीप जानकर श्री सम्मेद शिखरजी (पारसनाथ की पहाड़ी जो झारखंड में है) पर चले गए जहाँ श्रावण शुक्ला सप्तमी को उन्हें मोक्ष की प्राप्ति हुई। भगवान पार्श्वनाथ की लोकव्यापकता का सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि आज भी सभी तीर्थंकरों की मूर्तियों और चिह्नों में पार्श्वनाथ का चिह्न सबसे ज्यादा है। आज भी पार्श्वनाथ की कई चमत्कारिक मूर्तियाँ देश भर में विराजित है। जिनकी गाथा आज भी पुराने लोग सुनाते हैं। जैन ग्रंथों में तीर्थंकर पार्श्वनाथ को नौ पूर्व जन्मों का वर्णन हैं। पहले जन्म में ब्राह्मण, दूसरे में हाथी, तीसरे में स्वर्ग के देवता, चौथे में राजा, पाँचवें में देव, छठवें जन्म में चक्रवर्ती सम्राट और सातवें जन्म में देवता, आठ में राजा और नौवें जन्म में राजा इंद्र (स्वर्ग) तत्पश्चात दसवें जन्म में उन्हें तीर्थंकर बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। पूर्व जन्मों के संचित पुण्यों और दसवें जन्म के तप के फलतः वे तीर्थंकर बने।

भगवान श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ की प्राचीन प्रतिमा, शंखेश्वर	जन्म स्थान वाराणसी
विवरण	दीक्षा स्थान बनारस
अन्य नाम पारसनाथ जिन	मोक्ष श्रावण शुक्ला अष्टमी
एतिहासिक काल 872 -772 ई.पू.	मोक्ष स्थानसम्मेद शिखर
शिक्षाएं अहिंसा	लक्षण
पूर्व तीर्थंकर नेमिनाथ	रंग हरा
	चिन्ह सर्प
अगले तीर्थंकर महावीर	ऊंचाई 9 हाथ
गृहस्थ जीवन	आयु 100 वर्ष
वंश इक्ष्वाकुवंशीय क्षत्रिय	वृक्ष अशोक
	शासक देव
पिता राजा अश्वसेन	यक्ष धरणेन्द्र
माता रानी वामादेवी	यक्षिणी पद्मावती
पंच कल्याणक	गणधर
जन्म कल्याणक	प्रथम गणधर श्री शुभदत्त
पूर्व पौष कृष्ण एकादशी	गणधरों की संख्य श्वेतांबर परंपरा– 8, दिगंबर परंपरा– 10

महाभारत: 5 पतियों के कारण द्रौपदी को सुनने पड़े कौन से ताने किसने कहा वेश्या, कब हुई दुखी

ये बात एकदम सही है कि पांच पति होने के कारण द्रौपदी को अक्सर उलाहने और ताने सुनने को मिलते थे। कई बार तो इसे लेकर उसे इतनी कटु बातें सुना दी जाती थीं कि बर्दाश्त करना मुश्किल हो जाता था। कर्ण से लेकर दुर्योधन ने इसे लेकर उसके चरित्र पर सवाल उठाए। उस पर फब्तियां कसीं। तब जब भी ऐसा होता था, तब वह खून का घूंट पीकर रह जाती थी। महाभारत के दौर को आमतौर पर द्वापर युग के नाम से जाना जाता है। द्वापर युग हिंदू धर्म के अनुसार चार युगों में एक है। इन चार युगों को सतयुग, त्रेतायुग, द्वापर युग और कलयुग कहा जाता है।

उस दौर में भी किसी महिला के पांच पति नहीं हुआ करते थे। अलबत्ता पतियों की जरूर कई पत्नियां हो सकती थीं। तब कोई सोच भी नहीं सकता था कि एक विवाहित महिला के एक से ज्यादा पति हो सकते हैं। लिहाजा द्रौपदी के पांच पति होना उस दौर में भी ना केवल हैरत वाली बात थी बल्कि गाहे-बगाहे इसे लेकर उसे ताने और अपमान झेलने पड़ते। हालांकि ये कहना चाहिए द्रौपदी उस युग की प्रभावशाली महिला थीं।

विशेष रूप से कौरवों और अन्य विरोधियों ने पांच पतियों को लेकर कई बार उसका अपमान किया। कटु वचन कहे। चरित्र पर सवाल खड़े किए।

चीरहरण का प्रसंग

जब युधिष्ठिर ने जुए में द्रौपदी को दांव पर लगाया और हार गए तो उसे सभा में लाया गया, तब दुर्योधन और कौरवों ने उसका उपहास किया। दुर्योधन ने ताने देते हुए कहा, "तुम्हारे पाँच पति हैं, फिर भी तुम अब पराई हो चुकी हो। तुम्हारा अधिकार किस पर है?"

यह ताना द्रौपदी के लिए अपमानजनक था, क्योंकि कौरवों ने उनकी पांच पतियों की स्थिति को उनकी असहायता के रूप में पेश किया।

कर्ण द्वारा अपमान

जब द्रौपदी चीरहरण के दौरान अपने सम्मान की रक्षा के लिए सहायता मांग रही थीं, तो कर्ण ने कठोर शब्दों के जरिए उसे अपमानित किया। यहां तक कि उसे वैश्या तक कह दिया,"एक वेश्या की तरह, जो कई पुरुषों से संबंध रखती है, वैसे ही तुम पांच पतियों की पत्नी हो। तुम्हें लज्जा

का अधिकार नहीं।"

सामाजिक ताने

कुछ प्रसंगों में उल्लेख है कि समाज में द्रौपदी की पांच पतियों की पत्नी होने पर प्रश्न उठाए गए। लोग इसे सामान्य स्त्रियों के आदर्श से भिन्न मानते थे। इसे आलोचना का विषय बनाते थे।

अगर समाज इस बात के खिलाफ था तो पांच पतियों के साथ रहने के कारण द्रौपदी को भावनात्मक रूप से काफी उथल-पुथल का सामना करना पड़ता था। उसे हर पति के साथ अलग-अलग संबंध बनाए रखने होते थे।

दरअसल उस समय के समाज की जो स्थिति थी, उसमें अक्सर अगर उसके चरित्र पर सवाल उठाए गए हों तो स्वाभाविक रहा होगा। अक्सर उसे पांच पतियों वाली स्त्री कहकर माखौल उड़ाया जाता था।

जयद्रथ का ताना

जब जयद्रथ ने द्रौपदी का अपहरण करने का प्रयास किया, तो उसने व्यंग्य करते हुए कहा:

"तुम्हारे जैसे रूपवान स्त्री को केवल एक पति क्यों नहीं मिला? पांच पतियों के बाद भी तुम अकेली हो।"

यह टिप्पणी द्रौपदी के जीवन की त्रासदी पर चोट करने के लिए की गई थी।

कौरव लगातार अपमान करते थे

कौरवों ने द्रौपदी के पांच पतियों होने का मुद्दा अक्सर उनके अपमान के लिए इस्तेमाल किया। उन्होंने द्रौपदी को कई तरह के ताने दिए। चरित्र पर सवाल उठाए।

– कौरवों ने द्रौपदी के चरित्र पर लगातार सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एक स्त्री के लिए एक से अधिक पति होना व्यभिचार है।

– कौरवों ने द्रौपदी को समाज से बहिष्कृत करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि पांच पतियों वाली स्त्री समाज में रहने की योग्य नहीं है।

– कौरवों ने द्रौपदी को कई अपमानजनक उपनामों से पुकारा। जैसे कि, 'पांच पतियों वाली', 'व्यभिचारिणी' आदि।

– दुर्योधन ने द्रौपदी का अपमान करने के लिए कई मौके ढूंढे। उन्होंने द्रौपदी के सामने अपनी शक्ति प्रदर्शित की और उसे नीचा दिखाने की कोशिश की।

– दुशासन ने द्रौपदी का वस्त्रहरण करने की कोशिश की, जो कि उस समय का सबसे बड़ा अपमान था। इस घटना ने द्रौपदी के जीवन को पूरी तरह से बदल दिया।

किशोर कुमार पर फिल्माए गए कई गानों को दी रफी ने आवाज

मोहम्मद रफी का शास्त्रीय धुनों से लेकर गहरी रोमांटिक धुनों तक, संगीत में उनका योगदान अद्वितीय है और उनके गीत पीढ़ियों तक गूंजते रहे हैं। आज मोहम्मद रफी की जयंती पर आपको बताते हैं कि किशोर कुमार, जो कि खुद अभिनता होने के साथ बेहतरीन गायक थे। उनकी कई फिल्मों के गानों को मोहम्मद रफी ने अपनी आवाज दी है।

किशोर कुमार की इन फिल्मों को दी थी रफी ने अपनी आवाज

1959 में आई फिल्म शरारत का प्रसिद्ध गाना 'अजब है दास्तां तेरी ऐ जिंदगी' को रफी ने अपनी आवाज से सजाया था। फिल्म में किशोर कुमार ने मुख्य अभिनय किया था। इस फिल्म के गानों के लिए ऐसे गायक की आवश्यकता थी, जिनके पास रेंज और शास्त्रीय पृष्ठभूमि हो, जो मोहम्मद रफी ही दे सकते थे। रफी ने किशोर कुमार की इस फिल्म के लिए गाना गाया था। इस फिल्म के अलावा भी किशोर की कई फिल्मों के गाने मोहम्मद रफी ने गाए हैं। इसी फिल्म का एक और गाना रफी ने गाया था- 'तू मेरा कॉपीराइट, मैं तेरी कॉपीराइट'। इसके अलावा भी रफी ने किशोर कुमार की फिल्म रंगोली का गाना- 'छोटी सी ये दुनिया' और फिल्म नई दिल्ली का गाना 'नखरेवाली' गाया।

एक साथ भी कई गाने गाए

1956 में फिल्म पैसा ही पैसा का गाना 'ले लो सोने का लड्डु' गाने में किशोर की दोहरी भूमिका थी, जिसमें एक किरदार के लिए रफी ने प्लेबैक किया था और दूसरे के लिए किशोर कुमार ने प्लेबैक किया था। हालांकि, किशोर दोनों के लिए ऐसा कर सकते थे, लेकिन उन्होंने रफी के साथ इस फिल्म के गाने को पूरा किया।

रफी-किशोर और मुकेश ने भी गाया साथ में गाना

एक गीत ऐसा भी रहा, जिसमें इन तीनों ने एक साथ मिलकर सुर छेड़े थे। वो गाना था 47 साल पहले आई फिल्म अमर अकबर एंथनी का। फिल्म का प्रसिद्ध गाना 'हमको तुमसे हो गया प्यार', जिसको मुकेश, रफी और किशोर ने एक साथ मिलकर अपनी जादुई आवाज दी थी। निर्देशक मनमोहन देसाई की फिल्म यह गाना भी काफी हिट रहा। अमिताभ बच्चन, विनोद खन्ना, ऋषि कपूर, नीतू सिंह, शबाना आजमी और परवीन बाबी जैसे कलाकारों पर ये बेहतरीन गीत फिल्माया गया था। लेकिन रफी, मुकेश और किशोर की जुगलबंदी के तौर पर इसे याद किया जाता है।

'परम सुंदरी' में जान्हवी-सिद्धार्थ फरमाएंगे इश्क

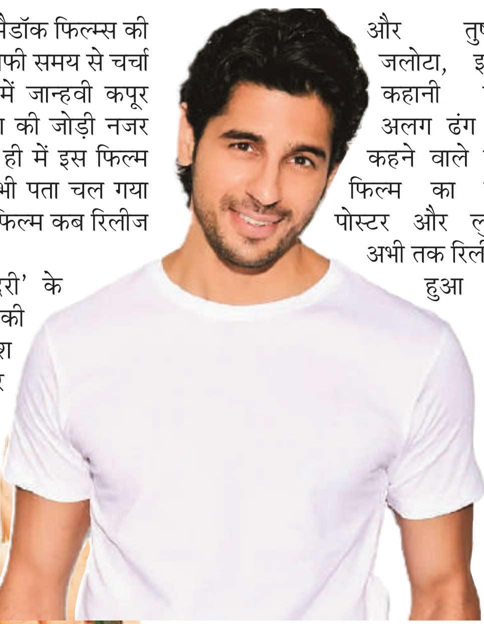

दिनेश विजान के मैडॉक फिल्म्स की मूवी 'परम सुंदरी' काफी समय से चर्चा में बनी हुई है। इसमें जान्हवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा की जोड़ी नजर आने वाली हैं। हाल ही में इस फिल्म की रिलीज डेट का भी पता चल गया है। अगले साल यह फिल्म कब रिलीज होगी, जानिए?

फिल्म 'परम सुंदरी' के डायरेक्शन की जिम्मेदारी दिनेश विजान ने तुषार जलोटा को दी है। यह फिल्म अगले साल 25 जुलाई 2025 को रिलीज होगी। फिल्म एक लव स्टोरी है, लेकिन इसमें कहानी को जरा अलग अंदाज में कहा जाएगा। कहा जा रहा है कि फिल्म 'परम सुंदरी' की कहानी दर्शकों के दिलों को छू लेगी।

नॉर्थ-साउथ के मिलन की कहानी

फिल्म 'परम सुंदरी' की एक फ्रेश लव स्टोरी को दिखाया जाएगा। इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा परम नाम का किरदार निभा रहे हैं, जो कि उत्तर भारत से बिलॉन्ग करता है, वहीं जान्हवी कपूर ने सुंदरी नाम की लड़की का रोल किया है, जो दक्षिण भारत से आती है। इन दोनों के बीच कैसे प्यार होता है, यह फिल्म की स्टोरी लाइन है। इस तरह के सब्जेक्ट पर पहले भी फिल्में बनी हैं, लेकिन दिनेश विजान और तुषार जलोटा, इसी कहानी को अलग ढंग से कहने वाले हैं। फिल्म का जो पोस्टर और लुक अभी तक रिलीज हुआ है, उसमें जान्हवी और सिद्धार्थ मल्होत्रा काफी अच्छे नजर आ रहे हैं, इन दोनों के बीच केमिस्ट्री भी अच्छी दिख रही है।

केरल के लुभावने दृश्य होंगे

फिल्म 'परम सुंदरी' में केरल को भी दिखाया जाएगा, वहां की सुंदरता को भी फिल्म में दिखाया जाएगा। साथ ही एक हंसाने-रुलाने वाली प्रेम कहानी को भी कहा जाएगा। उम्मीद है कि यह फिल्म भी मैडॉक की बाकी फिल्मों की तरह ही सफल होगी। मैडॉक फिल्म्स ने इस साल 'स्त्री 2', 'मुंजया' और 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' जैसी हिट फिल्में दी हैं, दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है।

अनिल कपूर के जन्मदिन पर फैंस को मिला तोहफा, अभिनेता की एक्शन फिल्म 'सूबेदार' की पहली झलक आई सामने

अभिनेता अनिल कपूर के जन्मदिन के अवसर पर उनके प्रशंसकों को तोहफा मिला है। एक्टर की आगामी फिल्म 'सूबेदार' का फर्स्ट लुक सामने आया है। यह एक्शन ड्रामा फिल्म है। अनिल कपूर के जन्मदिन पर यह तोहफा असल में प्राइम वीडियो ने दिया है।

खास बना दिया अनिल कपूर के फैंस का दिन

अनिल कपूर आज मंगलवार 24 दिसंबर को 68 वर्ष के हो गए हैं। प्राइम वीडियो ने इस खास अवसर को फैंस के लिए और खास बना दिया है। दरअसल, ओटीटी प्लेटफॉर्म ने फिल्म 'सूबेदार' की पहली झलक जो साझा की है। एक्शन से भरपूर इस फिल्म में अनिल कपूर लीड रोल में हैं। उनके साथ राधिका मदान उनकी बेटी का किरदार अदा करेंगी। इस फिल्म का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है।

ओटीटी पर रिलीज होगी फिल्म

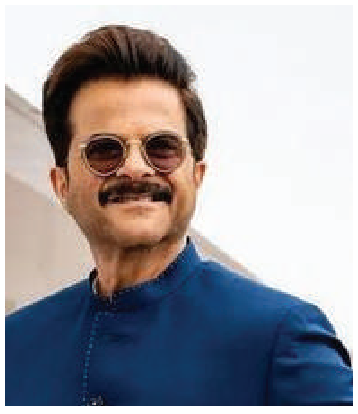

प्राइम वीडियो ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से फर्स्ट लुक शेयर करते हुए लिखा है, "एक खास दिन पर खास एलान होना तो बनता है'। ओपनिंग इमेज फिल्म्स और अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क ने साथ मिलकर फिल्म 'सूबेदार' की पहली झलक पेश की है। यह फिल्म सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी पर रिलीज होगी। फिल्म का प्रीमियर प्राइम वीडियो पर होगा। फिलहाल रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

बंदूक थामे नजर आए अनिल कपूर

फिल्म 'सूबेदार' में अनिल कपूर तेवर दिखाते नजर आएंगे। फर्स्ट लुक में वे हाथों में बंदूक थामे दिखे हैं। अभिनेता की ये फिल्म सूबेदार अर्जुन मौर्य की कहानी दिखाती है। हाल ही में उत्तर प्रदेश में फिल्म की आउटडोर शूटिंग पूरी हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अब इसका आखिरी शेड्यूल जनवरी में शुरू होगा। अनिल पिछली बार दिव्या खोसला कुमार के साथ फिल्म 'सवीः ए ब्लडी हाउसवाइफ' में नजर आए थे।

वजन घटाने के बाद बोनी कपूर को आई पत्नी श्रीदेवी की याद

बोनी कपूर ने हाल ही में अपनी दिवंगत पत्नी श्रीदेवी के प्रति अपने प्यार का इजहार किया. वो अक्सर बोनी को वेट लूज़ करने के लिए कहती थीं. अब 14 किलो वजन कम करने के बाद, उन्हें अपनी पत्नी की याद आ रही है. फिल्मेकर ने बताया कि अगर वो आज जिंदा होती तो ये देखकर काफी खुश होतीं. बोनी ने कहा, "मुझे लगता है कि मेरी पत्नी अभी भी मेरे आस-पास हैं और मुझे प्रेरित कर रही हैं." हाल ही में एक कार्यक्रम में, बोनी ने बताया कि इतने सालों के बाद अपने लुक में चेंज करने के लिए उन्हें किस बात ने प्रेरित किया. फिल्म निर्माता ने कहा, "यह सब तब शुरू हुआ जब मैंने अपना वजन कम करना शुरू किया. 13-14 किलो वजन कम करने के बाद मैंने सोचा कि अब बहुत अच्छा दिख रहा हूं. ' मैं 94-95 किलो वजन कम कर चुका हूं. मेरी लंबाई को देखते हुए,

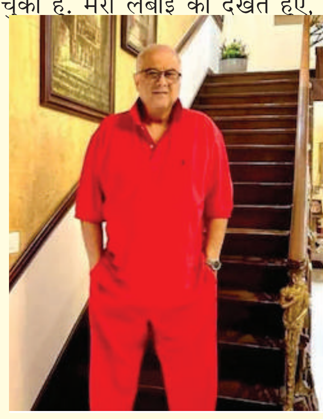

मेरा वजन लगभग 87-88 होना चाहिए. मुझे अभी भी लगभग 8-9 किलो वजन कम करना है. "

उन्होंने कहा, "जब मैंने तू झूठी मैं मक्का की शूटिंग की, उस समय मैंने अपना वजन भी नहीं घटाया था. उस शूटिंग के दौरान ही मैंने वेट लूज़ करने का फैसला किया. जब भी मैं स्क्रीन पर खुद को देखता था, तो मुझे अपना फिजिक्स पसंद नहीं आता था. लेकिन फिर भी मुझे लगा कि मैं वैसा नहीं दिख रहा था जैसा मैं स्क्रीन पर दिखना चाहता था. बस वहीं से मैंने सोचा कि अब वेट लूज़ करने का वक्त आ गया है.

श्री देवी को दिया क्रेडिट

बोनी कपूर ने अपनी पत्नी श्रीदेवी को इस बात का क्रेडिट दिया. उन्होंने कहा, "इसके बीज मेरी पत्नी ने बोए थे. वह हमेशा मुझसे वजन कम करने के लिए कहती थी. वह खुद भी हेल्थ को लेकर काफी जागरूक रहती थी. मैं उसके साथ टहलने जाता था. मैं उसके साथ जिम जाता था."

डाइट का बहुत ध्यान रखती थी

"वह (श्रीदेवी) अपनी डाइट का बहुत ध्यान रखती थी कि कब क्या खाना है, क्या नहीं खाना है. मैंने भी ऐसा करने की पूरी कोशिश की, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर पाया. पिछले दो सालों से, टीजेएमएम (TJMM) के बाद, जब मैंने खुद को देखा, तो मुझे लगा कि मुझे ऐसा करना चाहिए और मेरे बच्चे भी चाहते थे कि मैं और भी ज़्यादा चुस्त, दुबला और बेहतर दिखूं. बेशक, स्वास्थ्य के लिहाज़ से भी मुझे ऐसा करने की ज़रूरत थी. आज मैं 69 साल का हो गया हूं. मुझे ऐसा करने की सख्त जरूरत थी.

सोनू निगम रफी साहब को मानते हैं गुरु दिया है महान गायक को पिता का दर्जा

जब भी सोनू निगम संगीत पर, महान गायकों पर चर्चा करते हैं तो सबसे पहले मोहम्मद रफी का नाम लेते हैं। मोहम्मद रफी के बिना तो वह अपने संगीत करियर को भी अधूरा मानते हैं। कई इंटरव्यू में सोनू निगम इस बात का जिक्र कर चुके हैं कि मोहम्मद रफी का उनके सिंगिंग करियर में बहुत बड़ा योगदान रहा है। इसलिए मोहम्मद रफी की 100जयंती सोनू निगम के लिए भी एक खास अवसर है।

चार साल की उम्र में गाया रफी का गाना

जब सोनू निगम चार साल के थे, तब उनके माता-पिता ने उन्हें मोहम्मद रफी के गानों से रूबरू करवाया था। नन्ही सी उम्र में सोनू निगम ने मोहम्मद रफी का गाना 'क्या हुआ तेरा वादा' गाया था। यह गाना फिल्म 'हम किसी से कम नहीं' का था। अपने माता-पिता को सोनू निगम अपना गुरु मानते हैं, लेकिन उनके बाद वह मोहम्मद रफी को अपना गुरु मानते हैं, उन्हें भी अपने पिता सम्मान मानते हैं। संगीत जगत में वह उन्हें अपने पिता का दर्जा देते हैं। इस बारे में कई बार सोनू निगम, कई इंटरव्यूज में कह चुके हैं।

मानते हैं रफी साहब को अपनी इंसप्रेशन

पिछले दिनों पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में सोनू निगम ने कहा- 'रफी साहब मेरे लिए रेफरेंस प्वाइंट रहे हैं। हमें कहा जाता था कि उनके जैसा बनो। वह कव्वाली, भजन, दुख भरे गाने, क्लासिकल गाने, सभी कुछ बहुत ही उम्दा तरीके से गाते सकते थे। एक सिंगर को ऐसा ही होना चाहिए, वे मेरी इंसप्रेशन रहे हैं।'

लगातार मोहम्मद रफी पर अध्ययन करते रहे

सोनू निगम ने हाल ही में बताया था कि मोहम्मद रफी की गायकी से वह आज भी सीखते रहते हैं। दरअसल, एक गायक के तौर पर रफी साहब के गानों ने सोनू निगम को निखरने में मदद की। वह मानते हैं कि आज जो कुछ भी हैं, जहां तक भी पहुंचे हैं, उसमें मोहम्मद रफी से मिली प्रेरणा का बहुत बड़ा योगदान रहा है।

तीन घंटे में गाए रफी के 50 गाने

कुछ दिन पहले ही मोहम्मद रफी की 100जयंती को लेकर संगीत कार्यक्रम मुंबई में हुआ। यह कार्यक्रम एनएमएसीसी ग्रैंड थिएटर में आयोजित किया गया था। यहां पर सोनू निगम ने तीन घंटे में मोहम्मद रफी साहब के लगभग 50 गाने गाए। उन्होंने रफी के गीतों को गाकर, श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया और अपने गुरु को संगीमय श्रद्धांजलि भी दी।

वरुण धवन का कियारा आडवाणी के साथ वायरल किस

वरुण धवन इन दिनों आगामी फिल्म बेबी जॉन को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच वरुण धवन का एक किसिंग वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह बॉलीवुड अभिनेत्री कियारा आडवाणी को किर करते दिखाई दे रहे हैं। जानिए आखिरकार, क्या है पूरा मामला।

पिछले कुछ सालों में वरुण को सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ा है, जब उन्हें एक प्रमोशनल इवेंट के दौरान आलिया भट्ट का पेट पकड़ते हुए और एक मैगज़ीन कवर शूट के दौरान कियारा के गाल पर किस करते हुए देखा गया था। प्रशंसकों ने बताया कि अभिनेत्रियां असहज दिख रही थीं।

वरुण ने कहा, कियारा के साथ किस की योजना पहले से थी। वरुण ने कहा, ₹मुझे खुशी है कि आपने मुझसे यह पूछा। यह पहले से ही प्लान था। कियारा और मैंने दोनों ने ही उस क्लिप को पोस्ट किया था। यह एक डिजिटल कवर के लिए था और वे कुछ मूवमेंट और एक्शन चाहते थे, इसलिए हमने इसका प्लान बनाया था। ₹वह एक अच्छी अभिनेत्री हैं। यह पूरी तरह से प्लान किया गया था।" वरुण ने आगे कहा उन्होंने एक इवेंट के दौरान कियारा को मजाक में पूल में धकेलने की कोशिश की और यह प्लान्ड नहीं था। वरुण ने कहा, मैंने यह जानबूझकर किया था। यह सब मजाक में था। मुझे लगता है कि यह मेरा स्वभाव है।

आलिया के बारे में बात करते हुए वरुण ने कहा, मैंने यह मजाक में किया। यह फ्लर्टिंग नहीं थी। हम दोस्त हैं। दोनों अभिनेताओं ने करण जौहर की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से अपने करियर की शुरुआत की और तब से वे दोनों दोस्त हैं। उन्होंने बद्रीनाथ की दुल्हनिया, हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया और कलंक जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में साथ काम किया है।

वरुण बेबी जॉन की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। यह फिल्म तमिल फिल्म थेरी की आधिकारिक रीमेक है। मूल फिल्म में दलपति विजय ने मुख्य भूमिका निभाई थी। वरुण फिल्म में मुख्य भूमिका में हैं, जबकि बेबी जॉन में जैकी श्रॉफ, कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म में सलमान खान का एक कैमियो भी है। कलीज द्वारा निर्देशित यह फिल्म इस साल क्रिसमस पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जल्दी होनी वाली है बेटी की शादी तो कर लें ये काम, ससुराल में नहीं आएगी दिक्कत

बेटी की शादी हर अभिभावक के लिए एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। बेटी के जन्म के बाद से ही माता पिता उसकी शादी के सपने सजाने लगते हैं। एक ओर तो बेटी की शादी की तैयारियों की चिंता तो दूसरी ओर ससुराल में उसकी खुशहाली की फ्रिक के साथ माता-पिता बेटी की विदाई करते हैं।

हालांकि शादी में छोटी सी गलती या लापरवाही से ससुराल में बेटी को समस्या हो सकती है। ऐसे में माता-पिता को बेटी की शादी से पहले कुछ बातों को पहले से ही परख लेना चाहिए। शादी के बाद बेटी को ससुराल में घुल-मिल कर रहने की सीख देने के साथ शादी की तैयारियों की प्लानिंग पर भी ध्यान देने की जरूरत है। शादी के दौरान की गई थोड़ी सी प्लानिंग और सावधानी भविष्य में बेटी के ससुराल में समायोजन को आसान बना सकती है। अगर आपकी बेटी की शादी जनवरी-फरवरी में है, तो इन बातों का ध्यान रखें।

बेटी को आत्मनिर्भर बनाएं

बेटी को जरूरी घरेलू कामकाज सिखाएं। उन्हें रसोई में हाथ बंटाना और घर के छोटे-मोटे काम जरूर सिखा दें ताकि ससुराल में समस्या न आए। घरेलू कामकाज के साथ-साथ बेटी को फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिखाएं। उसे आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करें ताकि वह किसी भी परिस्थिति में खुद को संभाल सके। उन्हें बताएं कि घर खर्च कैसे होता है। बिजली के बिल से लेकर घर के लिए राशन की लिस्ट बनाने तक की सीख उन्हें दें ताकि वह समझ सकें कि परिवार संभालने के लिए वित्तीय प्रबंधन कैसे किया जा सकता है।

रिश्तों की समझ दें

बेटी को ससुराल के रिश्तों की अहमियत और सम्मान करना सिखाएं। उसे यह समझाएं कि हर परिवार का एक अलग वातावरण होता है और उसे उस माहौल के अनुसार खुद को ढालना होगा। ससुराल में लोगों की जीवनशैली कैसी हो सकती हैं और उसके अनुरूप बेटी को ढलने के लिए पहले से मानसिक तौर पर तैयार करें।

जरूरी कागजात करवाएं अपडेट

बेटी के आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाते और अन्य दस्तावेज अपडेट करवा लें। विवाह के बाद नाम और पते में बदलाव की प्रक्रिया भी पहले से समझा दें ताकि शादी के बाद बेटी के लिए ये काम आसान हो सकें। शादी के बाद बेटी के घर का पता बदल जाता है। पहले से ही उसे इस बारे में जानकारी दें ताकि शादी के बाद वह अपने आधार कार्ड को अपडेट करा सके। उसे ये पता हो कि अपडेट करने के लिए क्या प्रक्रिया अपनानी होगी।

नए परिवार के रीति-रिवाज समझाएं

बेटी को ससुराल के रीति-रिवाज और परंपराओं के बारे में उसे पहले से अवगत कराएं। इससे वह ससुराल में जल्दी घुल-मिल सकेगी। बेटी को सिखा दें कि ससुराल पहुंचते ही क्या-क्या रीति रिवाज उसे अपनाने होंगे।

सुखी जीवन जीना है तो अपना लें ये पांच बातें

सकारात्मक सोच से करें दिन की शुरुआत

हर दिन हमें एक नई शुरुआत का अवसर देता है। इसीलिए हर सुबह ईश्वर को धन्यवाद दें और सकारात्मक सोच के साथ दिन की शुरुआत करें। ऐसा करने से आपका पूरा दिन अच्छा और सकारात्मक ही जाएगा।

सच्चे मन से करें कर्म

जीवन में परिणामों से ज्यादा महत्वपूर्ण हमारा कर्म होता है। इसलिए हमेशा सच्चे मन और निष्ठा से अपना काम करें, फल की चिंता न करें। यदि आप बिना फल की चिंता किए कर्म करेंगे तो आपको इसका अच्छा रिजल्ट ही मिलेगा।

माता-पिता और बुजुर्गों का आदर करें

सभी का मानना है कि माता-पिता और बुजुर्गों का सम्मान करना जीवन में सुख और सफलता का आधार है। इसलिए कभी भी अपने माता-पिता या अपने से बड़ों का अनादर न करें।

धैर्य है जरूरी

धैर्य रखना और ईश्वर में विश्वास रखना जीवन की कठिनाइयों का सामना करने में मदद करता है। समय के साथ हर समस्या का समाधान हो जाता है, ऐसे में जब भी कुछ नाराजगी हो तो धैर्य रखें। ऐसा करने से आपको भी अच्छा लगेगा और आपकी परेशानी का हल भी हो जाएगा।

जरूरतमंदों की करें मदद

दूसरों की सेवा करना सबसे बड़ा धर्म है। जरूरतमंदों की मदद करने से आत्मिक शांति और ईश्वर की कृपा प्राप्त होती है। ऐसे में अपनी क्षमता के अनुसार जरूरतमंदों की मदद अवश्य करें। दिन में कम से कम एक ऐसा काम अवश्य करें, जिसकी वजह से लोगों के चेहरे पर मुस्कान आए।

टर्टल नेक वाला ब्लाउज पहनना पसंद है तो इन बातों का रखें ध्यान

साड़ी एक ऐसा परिधान है, जिसे हर महिला बड़े ही चाव से पहनती है। किसी भी कार्यक्रम में इसे पहनने के लिए महिलाओं को ज्यादा सोचना नहीं पड़ता। चाहे कहीं पार्टी हो या फिर किसी पूजा में जाना हो, महिलाएं हर मौके पर साड़ी पहनकर अपना जलवा बिखेर ही देती हैं। इसके साथ बस वो जगह के हिसाब से ही ब्लाउज का चयन करती हैं।

आजकल टर्टल नेक वाला ब्लाउज काफी चलन में है। महिलाएं इसे बनवा तो लेती हैं, लेकिन टर्टल नेक का ब्लाउज बनवाते समय की गई कुछ मामूली सी गलतियों की वजह से उनका साड़ी लुक खराब हो जाता है। ऐसे में हम आपको यहां टर्टल नेक का ब्लाउज बनवाने के लिए कुछ टिप्स देने जा रहे हैं। इन बातों का ध्यान रखकर आप अपने लुक को क्लासी बना सकती हैं। इस तरह के ब्लाउज दफ्तर में पहनने के लिए भी अच्छे माने जाते हैं।

सही होनी चाहिए फिटिंग

टर्टल नेक वाला ब्लाउज अगर गलत फिटिंग का होगा, तो ये आपका लुक ही बिगाड़ देगा। ये न ज्यादा ढीला होना चाहिए और न ही बहुत टाइट। सही फिटिंग का ब्लाउज न केवल आरामदायक होता है, बल्कि यह आपकी पर्सनैलिटी को भी निखारता है। इसलिए इसे बनवाते समय फिटिंग का ध्यान रखें।

गले का आकार देखें

अगर आपकी गर्दन छोटी है, तो ज्यादा ऊंचे नेक वाले ब्लाउज से बचें। इसके बजाय मीडियम या लो-नेक टर्टल स्टाइल चुनें। लंबी गर्दन वाली महिलाएं हाई नेक स्टाइल को आराम से कैरी कर सकती हैं।

गलत फैब्रिक के चयन से बचें

सर्दियों में मोटे और गर्म कपड़ों जैसे ऊनी या निटेड फैब्रिक का चयन करें। वहीं गर्मियों में हल्के और सॉफ्ट फैब्रिक जैसे कॉटन या सिल्क के टर्टल नेक ब्लाउज पहनें।

आभूषण और एक्सेसरीज

टर्टल नेक ब्लाउज के साथ हल्के या स्टेटमेंट इयररिंग्स पहनें। गले में हार पहनने से बचें क्योंकि यह नेकलाइन को ओवरशैडो कर सकता है। यदि आप टर्टल नेक के ब्लाउज के साथ गले में कुछ पहनेंगी तो ये देखने में भी अजीब लगेगा।

साड़ी या स्कर्ट के साथ करें स्टाइल

टर्टल नेक ब्लाउज को साड़ी के साथ पेयर करें तो साड़ी का पल्लू हल्का रखें ताकि ब्लाउज का डिजाइन दिख सके। स्कर्ट के साथ इसे पहनें तो हाई-वेस्ट स्कर्ट का चयन करें।

हेयरस्टाइल का चुनाव

अगर आप टर्टल नेक ब्लाउज पहन रही हैं, तो अपने बालों को बांधकर (जैसे बन या पोनीटेल) रखना बेहतर होगा। इससे नेकलाइन अधिक स्पष्ट और आकर्षक लगेगी।

बच्चे को सांता के गिफ्ट में दें ये तोहफे, खिल उठेगा चेहरा

ईसाई धर्म का प्रमुख पर्व क्रिसमस आने वाला है। साल का आखिरी त्योहार होने के कारण क्रिसमस डे को लेकर सभी लोग उत्साहित होते हैं। खासकर इस त्योहार को सेलिब्रेट करने का तरीका अधिकतर लोगों को पसंद आता है। क्रिसमस पर लोग चर्च जाते हैं। ईश्वर की प्रार्थना करते हैं। घर पर क्रिसमस केक और लजीज पकवान बनाए जाते हैं। लोग अपने रिश्तेदार और दोस्तों के घर जाते हैं और क्रिसमस डे की पार्टी करते हैं। बच्चे को क्रिसमस को लेकर सबसे अधिक उत्साहित होते हैं। इसका एक कारण है तोहफे मिलना।

पारंपरिक तौर पर माना जाता है कि क्रिसमस की पूर्व संध्या को सांता क्लॉज आते हैं और बच्चों के लिए तोहफे छोड़कर चले जाते हैं। ऐसे में बच्चे इस उम्मीद के साथ क्रिसमस डे और सांता का इंतजार करते हैं कि उन्हें तोहफे मिलेंगे। तोहफों के लिए उत्साहित बच्चे की खुशी को दोगुना करने का जिम्मा माता-पिता के हाथ में होता है जो उनके लिए पसंदीदा तोहफे लाते हैं।

अगर आपका बच्चा भी क्रिसमस डे पर गिफ्ट के इंतजार में है तो उसे कुछ खास तोहफे देकर खुश कर सकते हैं। इन तोहफों के लिए आपको जेब का बोझ बढ़ाने की जरूरत भी नहीं पड़ेगी। यहां बच्चों के लिए क्रिसमस डे के सस्ते गिफ्ट आइडियाज दिए जा रहे हैं।

पसंदीदा खिलौना

हर बच्चे को खिलौने पसंद होते हैं। अगर आपका बच्चा खिलौने खेलने की उम्र में है तो तोहफे में उसे टॉय देने में कोई हर्ज नहीं। अधिकतर बच्चियों को सॉफ्ट टॉय पसंद होते हैं, वहीं लड़के कार या अलग-अलग तरह के व्हीकल से खेलने का शौक रखते हैं। आप भी उनकी पसंद के अनुरूप खिलौने तोहफे में दे सकते हैं।

कलरिंग सेट

बच्चों को कलात्मक बनाने और उसे अच्छी एक्टिविटी में व्यस्त रखने के लिए कलरिंग सेट बेहतर विकल्प हो सकता है। तीन साल के बच्चों से लेकर 14-15 साल की आयु के बच्चे कलरिंग सेट को उत्साह के साथ इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे बच्चे में रचनात्मकता आती है। फोकस बढ़ता है और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहता है।

बोर्ड गेम्स

बच्चों के लिए बोर्ड गेम्स बेहतर विकल्प हो सकता है। चेस,कैरम, लूडो या ऑल इन वन बोर्ड गेम क्रिसमस पर तोहफे में देकर बच्चे को खुश कर सकते हैं। इस तरह के गेम्स उनके दिमाग को तेज बनाते हैं और याददाश्त बेहतर करने में मदद कर सकते हैं।

पजल गेम

अपने बच्चे को तोहफे में पजल गेम्स दे सकते हैं। नेम पजल, वर्ड पजल, शेप मैचिंग, ऑब्जेक्ट बिल्डर समेत कई तरह के गेम्स बाजार में उपलब्ध हैं। इस तरह के गेम्स बच्चे में प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल को डेवलप करती है।

लड़कियों को पसंद आते हैं इस तरह के तोहफे, क्रिसमस पर करें गिफ्ट

साल 2024 का आखिरी महीना चल रहा है। दिसंबर जाते-जाते अपने साथ ये साल ले जाएगा और इस साल से जुड़ी यादें रह जाएंगीं। इस साल को अच्छी यादों के साथ अलविदा कहने के लिए लोग 25 दिसंबर का दिन विशेष रूप से सेलिब्रेट करते हैं। 25 दिसंबर को हर साल क्रिसमस मनाया जाता है। ये पर्व ईसाई धर्म से जुड़ा मुख्य त्योहार है लेकिन इसे साल से जोड़कर देखते हुए लगभग अधिकतर देशों में हर धर्म के लोग सेलिब्रेट करते हैं।

क्रिसमस पर सिर्फ बच्चों को ही तोहफे नहीं दिए जाते, बल्कि परिवार के अन्य सदस्यों, दोस्तों व कलीग को भी तोहफे दे सकते हैं। आप अपने पार्टनर या दोस्त के सीक्रेट सांता बनकर उन्हें तोहफे दें और उनके चेहरे पर मुस्कान ला सकते हैं। किसी लड़की, जैसे दोस्त, बहन या पार्टनर को तोहफा देते समय लड़के अक्सर इस सोच में रहते हैं कि उन्हें क्या अच्छा लगेगा। आपका काम आसान बनाते हुए यहां लड़कियों या महिलाओं के लिए क्रिसमस गिफ्ट आइडियाज बताए जा रहे हैं। किसी भी लड़की या महिला को क्रिसमस पर कुछ खास तोहफे देकर खुश कर सकते हैं।

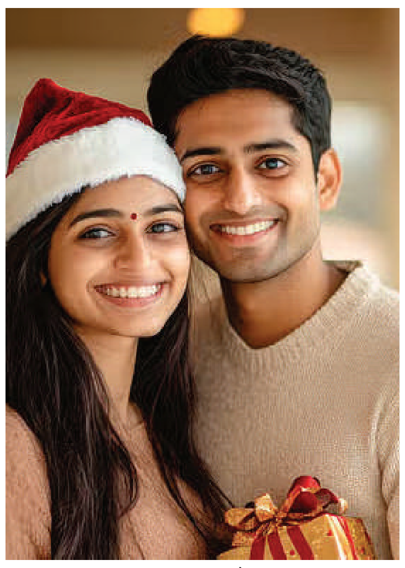

परफ्यूम

लड़कियों को क्रिसमस पर तोहफे में परफ्यूम दे सकते हैं। अधिकतर लड़कियों को परफ्यूम पसंद होता है। बाजार में ब्रांड और फ्रेग्नेंस के परफ्यूम उपलब्ध हैं जो आपको बजट में आसानी से मिल सकते हैं। 300 से 1000 रुपये तक आप महिला मित्र, अपनी पत्नी या बहन के लिए परफ्यूम खरीद सकते हैं।

हेयर कर्लर

लड़कियां अक्सर अपने बालों को अलग-अलग तरीके से स्टाइल करती हैं, जिसके लिए उन्हें ऐसी चीजों की जरूरत होती है जो हेयरस्टाइल के काम आ सके। स्ट्रेटनर या हेयर कर्लर महिलाओं के अक्सर काम में आने वाली चीज है। हेयर कर्लर से मनचाहा स्टाइल बनाया जा सकता है। बाजार में सस्ते मल्टी पर्पस हेयर कर्लर उपलब्ध हैं। साथ ही हीटलेस कर्लर भी मिल जाएंगे जो बालों को नुकसान न पहुंचाने का दावा करते हैं और लंबे समय तक कर्ली हेयर देते हैं। हीटलेस कर्लर आपको 500 रुपये तक में और अन्य विश्वनीय कंपनी के अत्याधुनिक हेयर कर्लर 1000 से 2000 रुपये के अंदर आसानी से मिल सकते हैं।

ज्वेलरी बॉक्स

लड़कियों के पास कई तरह की एक्सेसरीज और ज्वेलरी होती है। अगर आप महिलाओं को लिए ज्वेलरी या एक्सेसरीज को लेकर कंफ्यूज हैं तो इन चीजों को संभालकर रखने वाला ज्वेलरी बॉक्स उनके बहुत काम आ सकता है। क्रिसमस के मौके पर आप तोहफे में उन्हें ज्वेलरी बॉक्स दे सकते हैं। बाजार में वुडन, मेटल या अन्य फैंसी ज्वेलरी बॉक्स किफायती दामों में मिल जाएंगे। ऑफलाइन या आनलाइन दोनों माध्यम से आप ज्वेलरी बॉक्स खरीद सकते हैं।

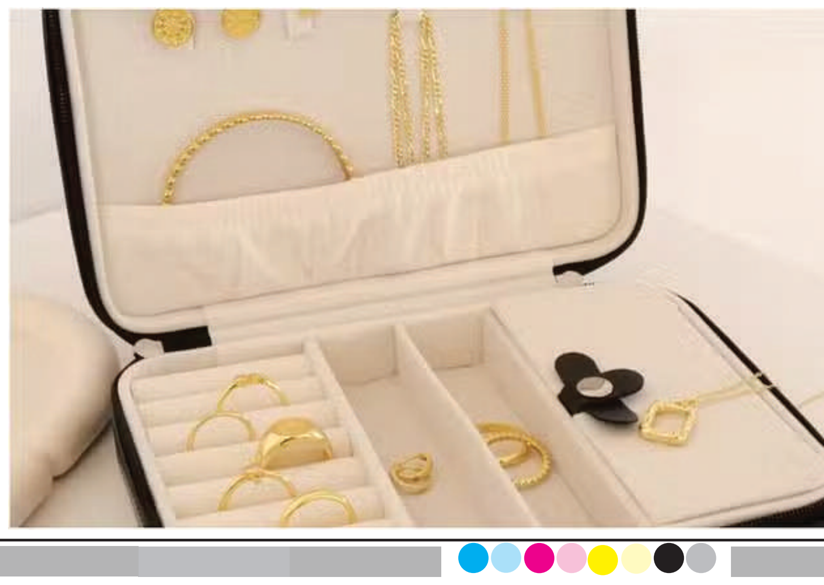

नेल एक्सटेंशन किट विथ यूवी लाइट

अगर आपकी महिला दोस्त या पार्टनर को लंबे नेल्स का शौक है और वह अक्सर नेल आर्ट या नेल एक्सटेंशन करवाती हैं तो उनके लिए ये तोहफा बहुत काम का हो सकता है। आप उन्हें नेल एक्सटेंशन किट तोहफे में दे सकते हैं। आजकल आनलाइन नेल एक्सटेंशन किट यूवी लाइट के साथ बजट में आसानी से मिल जाते हैं। कई शॉपिंग साइट्स 500 से 1000 रुपये के अंदर नेल एक्सटेंशन किट विथ यूवी लाइट का आफर दे रहे हैं, जिसका फायदा इस क्रिसमस आप उठा सकते हैं।

सर्दियों के कपड़े

लड़कियों के वार्डरोब में जितने भी कपड़े हों, वो कम ही होते हैं। सर्दियों के मौसम के लिए उन्हें जैकेट, ब्लेजर, स्वेटशर्ट या पुलओवर व स्वेटर की जरूरत होती ही है। आप उन्हें सर्दियों के मुताबिक कोई विंटर वियर तोहफे में दे सकते हैं। शार्ट जैकेट्स अधिकतर लड़कियों को पसंद आती है और वह उनके स्टाइल व लुक को बढ़ाती भी है। इस क्रिसमस के मौके पर उन्हें जैकेट या स्वेटर तोहफे में दे सकते हैं।

क्रिसमस पर नहीं मिल रही छुट्टी तो दफ्तर में इन खेलों के साथ मनाएं पर्व

25 दिसंबर 2024 को क्रिसमस मनाया जा रहा है। कई दफ्तरों में क्रिसमस की छुट्टी नहीं होती और उन्हें साल के इस आखिरी पर्व पर भी कार्य करने दफ्तर जाना होता है। ऐसे में दफ्तर में सहकर्मियों के साथ क्रिसमस सेलिब्रेट कर सकते हैं। दफ्तर में क्रिसमस मनाने के लिए आप कई रोचक और मजेदार गतिविधियों का आयोजन कर सकते हैं, जिससे सभी सहकर्मी एक साथ त्योहार की खुशियों का आनंद ले सकें। इसके लिए सबसे पहले दफ्तर में क्रिसमस की खास सजावट करें। अपना केबिन, मीटिंग रूम या डेस्क सजा सकते हैं। रिफ्रेशमेंट या लंच की व्यवस्था होनी चाहिए। दफ्तर में ही क्रिसमस ट्री सजाया जा सकता है। गीत-संगीत का इंतजाम हो। थीम पार्टी या थीम आउटफिट का चयन करें और कुछ मजेदार क्रिसमस गेम्स खेलें। गेम से दफ्तर का माहौल हल्का-फुल्का मस्ती भरा हो जाएगा। खेल से टीम बॉन्डिंग भी बढ़ेगी। आइए जानते हैं कि दफ्तर में क्रिसमस के मौके पर किस तरह के गेम खेल सकते हैं।

डेस्क डेकोरेशन चैलेंज

इस खेल को प्रतियोगिता की तरह खेल सकते हैं। इससे आपका वर्क प्लेस भी डेकोरेट होगा और सजावट मजेदार तरीके से हो सकेगी। हर टीम को अपनी डेस्क या केबिन को क्रिसमस थीम पर सजाने के लिए कुछ समय दिया जाए। सबसे क्रिएटिव डेकोरेशन करने वाली टीम को प्राइज दें।

सीक्रेट सांता गेम

सभी सहकर्मियों के नाम एक बाउल में डालें और हर व्यक्ति को एक नाम निकालने दें। उस व्यक्ति के लिए गिफ्ट लाना होगा और गिफ्ट देते समय गुप्त रूप से बताना होगा कि वे सीक्रेट सैंटा हैं। हर कोई अंदाजा लगाएं कि उनका सीक्रेट सांता कौन था।

क्रिसमस क्विज़

क्रिसमस पर आधारित सवाल तैयार करें। जैसे क्रिसमस के इतिहास, फिल्मों, गानों या परंपराओं पर सवाल। इसे टीम या व्यक्तिगत स्तर पर खेला जा सकता है। सही उत्तर देने वालों को छोटे-छोटे गिफ्ट्स दें।

सांता का बैलून पॉप चैलेंज

इस खेल में हर व्यक्ति को एक गुब्बारा दें और उसे जल्दी से फोड़ने के लिए कहें। बैलून में छोटे गिफ्ट्स या संदेश छुपाए जा सकते हैं। इस गेम को मजेदार बनाने के लिए चुनौतीपूर्ण टास्क रखें।

अडानी की नजर 22 लाख करोड़ की एविएशन इंडस्ट्री पर

यूं ही नहीं खरीदी एयरवर्क्स कंपनी, जानें क्यों लगाया दांव

नई दिल्ली,24 दिसंबर (एजेंसियां)। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने भारत की कंपनी एयर वर्क्स को खरीद लिया है। अडानी ग्रुप ने इस कंपनी में 86 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी है। यह सौदा करीब 400 करोड़ रुपये में हुआ है। यह डील अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के माध्यम से हुई है। एडीएसटीएल अडानी इंटरप्राइजेज की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। लेकिन सबसे बड़ी बात है कि अडानी ने इस कंपनी को खरीदने में रुचि क्यों दिखाई?

क्या करती है एयर वर्क्स?

एयर वर्क्स भारत की सबसे बड़ी ऐसी कंपनी है जो दुनियाभर के निजी विमानों की मेंटेनेंस , रिपेयरिंग और ओवरहॉल करती है। इन तीनों चीजों को शॉर्ट में एमआरओ कहते हैं। यहां ओवरहॉल का मतलब विमानों की देखरेख के एडवांस लेवल से है। इसमें विमान की जांच, डिसेंबलिंग, रीफर्बिशिंग, पेंटिंग आदि शामिल होता है। कंपनी डिफेंस के विमानों के लिए भी सेवाएं देती है। यह कंपनी देश के 35 शहरों में अपने सेवाएं देती है। कंपनी के पास 1300 से अधिक प्रोफेशनल्स की टीम है जो विमानों की रिपेयरिंग, सर्विसिंग आदि करते हैं। कंपनी फिक्स्ड-विंग और रोटरी-विंग विमानों की सर्विसिंग में एक्सपर्ट है। कंपनी के पास 20 से अधिक देशों की एविएशन अथॉरिटी से रेगुलेटरी अप्रूवल भी है। इससे यह कंपनी इस क्षेत्र में दुनिया की टॉप कंपनियों में शामिल हो जाती है।

देश में बढ़ेगी विमानों की संख्या

अडानी एयरपोर्ट्स के निदेशक जीत अडानी ने भारत की एविएशन इंडस्ट्री में आने वाली तेजी पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'यह अधिग्रहण एक इंटीग्रेटेड एविएशन सर्विसेस इकोसिस्टम बनाने के हमारे विजन के अनुरूप है जो भारत के विमानन बुनियादी ढांचे को मजबूत करता है। साथ मिलकर हमारा लक्ष्य भारत के आसमान के भविष्य को आकार देना है।'

अडानी की कहां है नजर?

देश की एविएशन इंडस्ट्री इस समय हजारों करोड़ रुपये की है। भारत की एविएशन इंडस्ट्री दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी एविएशन मार्केट है। हर साल इसमें तेजी आ रही है। ऐसे में अडानी का मकसद इस हजारों करोड़ रुपये की इंडस्ट्री पर राज करना हो सकता है। एयरलाइंस को विमान की मरम्मत के लिए किसी कंपनी की सर्विस चाहिए होती है। ऐसे में इसके लिए अब एयरलाइंस अडानी की कंपनी से कॉन्टैक्ट करेंगी।

कितने लोग करते हैं हवाई सफर?

हवाई सफर करने वालों की संख्या में साल-दर साल इजाफा हो रहा है। डीजीसीए के डेटा के मुताबिक पिछले महीने यानी नवंबर में करीब डेढ़ करोड़ यात्रियों ने घरेलू मार्ग पर सफर किया। पिछले साल के मुकाबले इसमें काफी तेजी आई है।

रिलायंस ब्रॉडकास्ट की बिक्री को चुनौती देने वाली अपीलों को एनसीएलएटी ने किया खारिज

नई दिल्ली,24 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण ने रिलायंस ब्रॉडकास्ट नेटवर्क लिमिटेड के लिए सफायर मीडिया की तरफ से लगाई गई बोलियों को मंजूरी देने वाले आदेश के खिलाफ दायर अपीलें खारिज कर दी है।इसी के साथ एनसीएलएटी ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की मुंबई पीठ के आदेश को बरकरार रखा है।एनसीएलटी ने 6 मई, 2024 को रिलायंस ब्रॉडकास्ट के लिए सफायर मीडिया के रिजॉल्युशन प्लान को मंजूरी दी थी।रिलायस ब्रॉडकास्ट बिग 92.7 एफएम के ब्रांड नाम के साथ एफएम रेडियो कारोबार ऑपरेट करती है।पीटीआई के मुताबिक नेशनल कंपनी लॉ ट्राईब्यूनल के आदेश को रिजॉल्यूशन प्लान के लिए आवेदन करने वाले असफल आवेदकों अभिजीत रियलटर्स एंड इन्फ्रावेंचर और क्रिएटिव चैनल एडवरटाइजिंग एंड मार्केटिंग पांच अपीलें दायर करके चुनौती दी थी।इन याचिकाकर्ताओं ने रिलायस ब्रॉडकास्ट नेटवर्क लिमिटेड के रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल पर प्रोसेस के दौरान अनियमितता बरतने का आरोप लगाया था।हालांकि एनसीएलएटी ने इन अपीलों की सुनवाई के बाद कहा, ''हमने पाया है कि चुनौती प्रणाली और रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल द्वारा की गई बातचीत दिवाला समाधान प्रक्रिया के नियमों और प्रक्रिया नोट के अनुरूप है.''एनसीएलएटी ने अपने आदेश में कहा कि 'हमें उपरोक्त अपीलों में एनसीएलटी के दिनांक 06.05.2024 के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं मिला' परिणामस्वरूप, सभी अपीलें खारिज की जाती हैं।इससे पहले एनसीएलटी सदस्य मधु सिन्हा और न्यायिक सदस्य रीता कोहली वाली एनसीएलटी बेंच ने 6 मई 2024 के अपने आदेश में सफायर मीडिया लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत समाधान योजना को मंजूरी दे दी थी।आईडीबीआई ट्रस्टीशिप सर्विसेज की ओर से दायर आवेदन पर एनसीएलटी द्वारा 24 फरवरी, 2023 को रिलायंस ब्रॉडकास्ट नेटवर्क के खिलाफ कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू की गई थी।

सरकार ने वित्त वर्ष 25 की पहली छमाही में प्रभावी पूंजीगत व्यय का 37.28% ही उपयोग किया, आंकड़े जारी

नई दिल्ली,24 दिसंबर (एजेंसियां)। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में बजट में प्रावधान किए गए प्रभावी पूंजीगत व्यय (ईसीई) का केवल 37.28 प्रतिशत उपयोग किया है। ईसीई पूंजीगत परिसंपत्तियों और संबंधित व्यय के निर्माण के उद्देश्य से सरकार के कुल पूंजीगत परिव्यय का प्रतिनिधित्व करता है। इसकी गणना पूंजीगत व्यय और पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए अनुदान के योग के रूप में की जाती है। वित्त मंत्रालय ने कहा, वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में प्रभावी पूंजीगत व्यय 5.60 लाख करोड़ रुपये था वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए, सरकार ने बजट में ईसीई का अनुमान 15.02 लाख करोड़ रुपये लगाया था। इसमें केंद्रीय पूंजीगत व्यय के 11.11 लाख करोड़ रुपये, प्रत्यक्ष पूंजीगत व्यय के रूप में 4.15 लाख करोड़ रुपये और राज्यों को पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए अनुदान के रूप में दिए गए1.45 लाख करोड़ रुपये शामिल हैं। वित्त मंत्रालय ने हालांकि इस बात पर जोर दिया कि यह खर्च बुनियादी ढांचे को बढ़ाने और दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए टिकाऊ संपत्ति बनाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में कुल सरकारी व्यय 21.11 लाख करोड़ या बजट अनुमान का लगभग 43.8 प्रतिशत आंका गया है। वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कुल बजटीय व्यय 48.21 लाख करोड़ रुपये अनुमानित किया गया था। राजस्व खाते पर, सरकार ने कुल बजट राशि 37.09 लाख करोड़ रुपये का 45.7 प्रतिशत या 16.97 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं। इसमें से 1.45 लाख करोड़ रुपये पूंजीगत संपत्तियों के लिए अनुदान सहायता पर खर्च किए गए। 27.12 लाख करोड़ रुपये ब्याज भुगतान, रक्षा सेवाओं (राजस्व), पेंशन, प्रमुख सब्सिडी और राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को अनुदान सहायता पर खर्च किए गए। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में 11,62,940 करोड़ रुपये के बजट अनुमान के मुकाबले 5,15,010 लाख करोड़ रुपये उधार पर ब्याज के तौर पर चुकाए गए। रक्षा सेवाओं के लिए बजट अनुमान 2,82,773 लाख करोड़ रुपये था, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में 1,45,181 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए।

बॉम्बे हाईकोर्ट से ऐसे टैक्सपेयर्स को मिली बड़ी राहत! 15 जनवरी तक अब फाइल कर सकेंगे इनकम टैक्स रिटर्न

नई दिल्ली,24 दिसंबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट से वैसे टैक्सपेयर्स जो इनकम टैक्स कानून के 87ए के तहत टैक्स रिबेट पाने के हकदार हैं उन्हें बड़ी राहत दी है।हाईकोर्ट ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्स से ऐसे टैक्सपेयर्स के लिए रिवाइज्ड और बिलेटेड इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की तारीख को 15 जनवरी 2025 तक बढ़ाने का आदेश दिया है।हालांकि इस मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट अपना आखिरी फैसला 9 जनवरी 2025 को सुनाएगा।

क्या है पूरा मामला?

दि चैंबर ऑफ टैक्स कंसलटेंट्स ने बॉम्बे हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर किया था जिस पर कोर्ट ने सीबीडीटी को ये आदेश दिया है।जुलाई 2024 में वित्त वर्ष 2023-24 और एसेसमेंट ईयर 2024-25 के लिए टैक्सपेयर्स जब आयकर रिटर्न दाखिल कर रहे थे तो 5 जुलाई 2024 के बाद जिन टैक्सपेयर्स ने इनकम टैक्स रिटर्न फाइल किया ऐसे टैक्सपेयर्स को सीबीडीटी ने अचानक सेक्शन 87ए के तहत टैक्स रिबेट देने पर रोक लगा दी जबकि वे इसके हकदार थे।पूरे देश में टैक्सपेयर्स ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और अब बॉम्बे हाईकोर्ट से उन्हें न्याय मिलता नजर आ रहा है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने सीबीडीटी से रिवाइज्ड और बिलेटेड इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की तारीख को 15 जनवरी 2025 तक बढ़ाने का आदेश दिया है।आईटीआर फाइल करने की तारीख केवल ऐसे टैक्सपेयर्स के लिए ही बढ़ेगी जो सेक्शन 87ए के तहत टैक्स रिबेट क्लेम करने के हकदार हैं।बॉम्बे हाईकोर्ट का अंतरिम फैसला आया है और अंतिम फैसला 9 जवरी 2025 को आएगा।

9 जनवरी को बॉम्बे हाईकोर्ट सुनाएगा आखिरी फैसला

5 जुलाई 2024 के बाद इनकम टैक्स रिटर्न फाइलिंग यूटिलिटीज स्पेशल इनकम जैसे इक्विटी शेयर्स पर शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन या इक्विटी ऑरिएटेंड म्यूचुअल फंड से होने वाले आय जिसपर 15 फीसदी टैक्स लगता है उससे इनकम होने पर इनकम टैक्स विभाग 87ए के तहत टैक्स रिबेट देना बंद कर दिया।सीबीडीटी ने यूटिलिजी सॉफ्टवेयर में अचानक ऐसे इनकम पर 87ए के तहत टैक्स रिबेट देने पर रोक लगा दी।जबकि साल 2019 के फाइनेंस एक्ट में ओल्ड टैक्स रिजीम में 5 लाख रुपये तक सालाना आय पर 12500 रुपये के टैक्स बनने पर 87ए के तहत टैक्स रिबेट क्लेम करने का प्रावधान किया गया।जबकि न्यू टैक्स रिजीम में 7 लाख रुपये से कम सालाना आय होने पर 25000 रुपये का टैक्स रिबेट 87ए के तहत दिया जा रहा था। दि चैंबर ऑफ टैक्स कंसलटेंट्स ने अपने याचिका में कोर्ट से कहा कि 87ए के तहत टैक्स रिबेट का मकसद कम आय वालों को टैक्स के बोझ से राहत देना था।और मनमाने तरीके से यूटिलिटीज सॉफ्टवेयर में 87ए को डिसेबल करना विधायिका की मंशा को कमजोर करता है।

लोकपाल ने मौखिक सुनवाई के लिए सेबी प्रमुख और शिकायतकर्ताओं को बुलाया

भ्रष्टाचार के आरोपों का मामला

नई दिल्ली,24 दिसंबर (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार रोधी संस्था लोकपाल ने सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच और तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा समेत अन्य शिकायतकर्ताओं को अगले महीने मौखिक सुनवाई के लिए बुलाया है। एक आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गई है। लोकपाल के समक्ष भ्रष्टाचार की शिकायतों की सुनवाई चल रही है जिनमें हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के आधार पर अनियमितता और हितों के टकराव का आरोप लगाया गया है। लोकपाल ने 8 नवंबर को लोकसभा सदस्य मोइत्रा और दो अन्य द्वारा दायर शिकायतों पर बुच से स्पष्टीकरण मांगा था। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की अध्यक्ष बुच को चार सप्ताह के भीतर अपना जवाब देने को कहा गया है। मामले की सुनवाई करते हुए लोकपाल ने कहा कि नामित आरपीएस (प्रतिवादी लोक सेवक) ने समय पर 07.12.2024 को शपथ पत्र के माध्यम से अपना जवाब दाखिल किया है, जिसमें प्रारंभिक मुद्दे उठाने के साथ-साथ आरोप-वार स्पष्टीकरण भी दिया गया है।लोकपाल अध्यक्ष न्यायमूर्ति ए.एम. खानविलकर और पांच अन्य सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित 19 दिसंबर के आदेश के अनुसार, इसके अलावा, हम यह उचित समझते हैं कि आरपीएस के साथ-साथ शिकायतकर्ताओं को भी मौखिक सुनवाई का अवसर दिया जा सकता है ताकि वे शिकायतों या हलफनामे में अपना पक्ष स्पष्ट कर सकें।

एअर इंडिया पर 1.05 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली,24 दिसंबर (एजेंसियां)। जिला उपभोक्ता फोरम ने दो अलग-अलग मामलों में एअर इंडिया के खिलाफ फैसला सुनाते हुए कुल 1 लाख 5 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। यह मामला भोपाल के अरेरा हिल्स के निवासी संगीता अस्थाना और राकेश सक्सेना से संबंधित हैं, जिन्हें एअर इंडिया की फ्लाइट्स में दवाओं और व्हीलचेयर जैसी आवश्यक सुविधाएं न मिलने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा।संगीता अस्थाना और राकेश सक्सेना को भोपाल से मुंबई और फिर मुंबई से चेन्नई की कनेक्टिंग फ्लाइट में परेशानी का सामना करना पड़ा। संगीता अस्थाना बीपी और डायबिटीज की मरीज हैं, लेकिन यात्रा के दौरान एअर इंडिया ने उन्हें केबिन बैग में दवाएं रखने की अनुमति नहीं दी। इसके अलावा व्हीलचेयर की बार-बार मांग करने के बावजूद एअर इंडिया ने इसे उपलब्ध नहीं कराया।

सोने की कीमत 76,164 प्रति 10 ग्राम

चांदी के दाम 87,400 प्रति किलोग्राम पहुंची

नई दिल्ली,24 दिसंबर (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमतों में आज (24 दिसंबर) तेजी देखने को मिल रही है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, मंगलवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 17 रुपए बढ़कर 75,961 रुपए पर आ गया है। सोमवार को इसके दाम 75,944 रुपए प्रति दस ग्राम थे। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 312 रुपए बढ़कर 87,800 रुपए प्रति किलो हो गई है। इससे पहले शुक्रवार को चांदी की कीमत 87,488 रुपए प्रति किलो थी। इस साल सोना 30 अक्टूबर को 79,681 प्रति 10 ग्राम के ऑल टाइम हाई पर पहुंच चुका है। वहीं, चांदी 23 अक्टूबर को अपने ऑल टाइम हाई 99,151 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी।

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 71,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,500 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,350 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 70,900 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 77,350 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,350 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 70,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 77,400 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 77,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 70,900 रुपये है।

बढ़त गंवाकर लाल निशान पर बंद हुआ बाजार,सेंसेक्स 67 अंक फिसला, निफ्टी 23750 से नीचे आया

नई दिल्ली,24 दिसंबर (एजेंसियां)। बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद मंगलवार को लाल निशान पर बंद हुए। विदेशी फंडों की लगातार निकासी के बीच निवेशकों ने आगे के रुझानों की प्रतीक्षा में बाजार से दूर रहना पसंद किया, जिससे बाजार में सपाट क्लोजिंग हुई। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स उतार-चढ़ाव के बाद 67.30 अंक या 0.09 प्रतिशत गिरकर 78,472.87 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 142.38 अंक या 0.18 प्रतिशत गिरकर 78,397.79 अंक पर आ गया था। एनएसई निफ्टी 25.80 अंक या 0.11 प्रतिशत गिरकर 23,727.65 अंक पर आ गया।

सेंसेक्स के 30 शेयरों का हाल

30 ब्लू-चिप शेयरों में पावर ग्रिड, भारतीय स्टेट बैंक, टाइटन, टाटा स्टील, इंडसइंड बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, अदाणी पोर्ट्स और इंफोसिस पिछड़ गए। दूसरी ओर, टाटा मोटर्स, आईटीसी, नेस्ले, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एनटीपीसी और जोमैटो के शेयर लाभ में रहे।

निफ्टी के टॉप गेनर्स और टॉप लूजर्स शेयर ये रहे

एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 168.71 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची। एशियाई बाजारों में शंघाई और हांगकांग में तेजी रही, जबकि सियोल और टोक्यो में गिरावट रही। यूरोपीय बाजार में मध्य सत्र के सौदों में बढ़त के साथ कारोबार हो रहा था। सोमवार को वॉल स्ट्रीट रात भर के कारोबार में सकारात्मक क्षेत्र में बंद हुआ। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.62 प्रतिशत बढ़कर 73.08 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। सोमवार को बीएसई का सेंसेक्स 498.58 अंक या 0.64 प्रतिशत बढ़कर 78,540.17 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 165.95 अंक या 0.70 प्रतिशत बढ़कर 23,753.45 अंक पर बंद हुआ था।

डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे गिरकर 85.20 के नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर हुआ बंद

रुपये में लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही और मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले यह 9 पैसे टूटकर 85.20 (अनंतिम) के नए सर्वकालिक निम्न स्तर पर बंद हुआ। प्रमुख विदेशी मुद्रा विनिमय बाजारों के मुकाबले डॉलर के मजबूत होने और घरेलू शेयर बाजारों में नरमी के कारण यह गिरावट आई। विश्लेषकों के अनुसार, माह के अंत में भुगतान दायित्व के कारण डॉलर की मांग में वृद्धि तथा अमेरिका में डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन द्वारा आक्रामक आयात शुल्क लगाए जाने की आशंका से डॉलर को मजबूती मिली। उन्होंने कहा कि इसके अलावा कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से रुपये में और गिरावट आई।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.10 पर खुला और कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले 85.21 के अब तक के सबसे निचले स्तर को छू गया। अंत में डॉलर के मुकाबले रुपया 85.20 (अनंतिम) के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से 9 पैसे कम है। सोमवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 7 पैसे कमजोर होकर 85.11 पर बंद हुआ था।

एक हफ्ते में बिटकॉइन को हुआ जितना नुकसान,उतने में दोबारा बन जाते फिनलैंड, पुर्तगाल और कजाकिस्तान

नई दिल्ली,24 दिसंबर (एजेंसियां)। एक हफ्ता पहले दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन रिकॉर्ड तोड़ रही थी।कीमतों में लगातार इजाफा हो रहा था।बिटकॉइन का मार्केट कैप रूस तक की जीडीपी के बाराबरी पर आ गया था।उसके बाद बीते एक हफ्ते से बिटकॉइन की कीमतों में करीब 15 फीसदी की गिरावट देखने को मिल चुकी है।वहीं मार्केट कैप 2 ट्रिलियन डॉलर से नीचे ही नहीं आया बल्कि नुकसान उतना ज्यादा हो गया कि उतने में फिनलैंड, पुर्तगाल और कजाकिस्तान जैसे नए देश खड़े किए जा सकते हैं।इस दौरान बिटकॉइन के मार्केट कैप को 300 बिलियन डॉलर से ज्यादा का नुकसान हो चुका है.आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर मौजूदा समय में बिटकॉइन को लेकर किस तरह के आंकड़े सामने आ रहे हैं.बीते एक हफ्ते में बिटकॉइन के दाम में बड़ी गिरावट देखने को मिल चुकी है।कॉइन मार्केट कैप के आंकड़ों के अनुसार बीते एक हफ्ते या यूं कहें कि लाइफ टाइम हाई से 15 फीसदी टूट चुका है।आंकड़ों को देखें तो 17 दिसंबर को बिटकॉइन के दाम 1,08,268.45 डॉलर पर पहुंच गए थे।जो 24 दिसंबर को घटकर 92,403.13 डॉलर पर आ गए।इसका मतलब है कि बिटकॉइन की कीमत में बीते एक हफ्ते में 15,865.32 डॉलर की गिरावट देखने को मिल चुकी है।मौजूदा समय में बिटकॉइन के दाम सवा फीसदी की गिरावट के साथ 94,129.09 डॉलर पर कारोबार कर रहा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-**2081**
शक संवत- **1946** सूर्य • उत्तरायणे • ऋतु • शिशिर
महावीर निर्वाण संवत **-2051**,हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - 06-47 सूर्यास्त. - 17-45
भोग्य कलि वर्ष-**426875**
कलियुग संवत् **-5125** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949125**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885125**
दिशाशूल - उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी **. 22-29** तक उपरान्त एकादशी
मास - पौष कृष्ण , बुधवार **25 December**
नक्षत्र - चित्रा **15-21** तक उपरान्त स्वाति
योग - अतिगण्ड **21-46** तक उप सुकर्मा
करण- वणिज **09-12** तक उप विष्टी (भद्रा)
विशेष:-
व्रत -त्योहार - पौषी १० जैन श्री पार्श्वनाथ ज.

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु	मे	धनु----	06-05 बजे
चंद्र-	तुला	मे	मकर...	08-11 बजे
मंगल	कर्क	मे	कुंभ -	10-02 बजे
बुध-	वृश्चिक	मे	मीन-	11-40 बजे
गुरु-	वृष	मे	मेष---	13-16 बजे
शुक्र-	मकर	मे	वृष---	15-01 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मिथुन	17-02 बजे
राहु-	मीन	मे	कर्क...	19-14 बजे
केतु-	कन्या	मे	सिंह---	21-26 बजे
			कन्या---	23-33 बजे
			तुला----	01-38 बजे
			वृश्चिक...	03-48 बजे

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:16 से 13:39 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ.	06:47 - 08:08	शुभ	उत्पात	17:45 - 19:25	अशुभ
अमृत	08:08 - 09:31	शुभ	शुभ	19:25 - 21:02	शुभ
काल	09:31 - 10:54	अशुभ	अमृत.	21:02 - 22:39	शुभ
शुभ.	10:54 - 12:16	शुभ	चंचल.	22:39 - 00:17	शुभ
रोग	12:16 - 13:39	अशुभ	रोग	00:17 - 01:54	अशुभ
उत्पात	13:39 - 15:02	अशुभ	काल.	01:54 - 03:31	अशुभ
चंचल	15:02 - 16:25	शुभ	लाभ.	03:31 - 05:08	शुभ
लाभ	16:25 - 17:45	शुभ	उत्पात	05:08 - 06:47	अशुभ

आपका राशिफल

मेष – चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
प्रमुख परिवर्तन आज आपके कार्यस्थल पर होने की उम्मीद हैं। वास्तव में आपके आय अर्जित करने के साधन में परिवर्तन आ सकता है , और आप ऐसे कार्य में लिप्त हो सकते है जिसको आप करना चाह रहे थे परन्तु आपने सपने में भी नहीं सोचा था , की ऐसा अवसर आपको मिल सकता है । आप अपने कार्यस्थल पर नवीन विचारो एवं नए दृष्टिकोण के साथ आ सकते है।

वृष – ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
हालाँकि आप सावधान और व्यवस्थित है , पर किसी दूसरे के कार्यभार के लिए आप जवाबदेह होंगे । अपने और अपने काम के तरीको पर विश्वास रखे । एक बार में एक काम को सुव्यस्थित तरीके से करे और अगले सप्ताह तक आप चीजों को आकार में वापस पायेंगे । उस समय तक अपने सहकर्मियों के साथ किसी बहस में संलिप्त न हो ।

मिथुन – का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
आज आपके लिए एक भाग्यशाली दिन है। आप किसी भी बैठक या बातचीत में शीर्ष पर रहेंगे। आप बहुत आसानी से किसी भी घुमावदार स्थिति से बाहर आ जाएंगे । आपके प्रयासों की सराहना की जाएगी। अगर आप एक संपत्ति में आज निवेश करने की योजना बना रहे हैं, तो आपको एक अच्छा सौदा मिल सकता है। सावधानी से दस्तावेजों को पढ़ने के बाद ही अपने हस्ताक्षर करे ।

कर्क – ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज बड़ी और छोटी सफलताएं आपके कार्य क्षेत्र में दस्तख़त दे रही है । आपके द्वारा एक समय में प्रदान की गई सेवाओं के लिए आपको कुछ भुगतान प्राप्त हो सकता हैं या आपको एक अप्रत्याशित बोनस मिल सकता है। एक लंबे समय से जो पदोन्नति अटकी हुई थी वह आपको मिल सकती है या आपका पद उँचा हो सकता है और अलग से एक केबिन आपको मिल सकता है ।

सिंह – मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
अवसाद और कठिनाइयाँ आज आपके कार्यस्थल पर आने के संकेत दे रही है , हालाँकि अगर आपने अपने पिछले अनुभवों से कुछ सीख ली है तो आप काफी आसानी से इनका सामना करने में सक्षम हो जाएंगे । अपने अतीत से ज्ञान लेना समय की आवश्यकता है । इस चीज़ का सही समय पर इस्तेमाल आपके करियर को काफी गति दे सकता है ।

कन्या – टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन के कारण , एक नई ऊर्जा का संचार आप में हो सकता है । आप जीवंत महसूस करेंगे । आप में अधिक से अधिक काम लेने की इच्छा आप में प्रबल होगी और तब भी आप खुश रहेंगे । इससे पता चलता है की चीज़े सकारात्मक दिशा में आगे भड़ रही है। लेकिन इस उत्साह में , अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करे ।

तुला – रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप इस समय परिस्थितियों के गहन अर्थ को समझने की कोशिश में रहेंगे ! आप हाल ही में अपने पुरे किये गए कार्यो की समीक्षा करेंगे और अपने काम को और बेहतर बनाने के तरीके पर गौर करेंगे । हालांकि वित्तीय प्रबंधन आपके लिए मुश्किल साबित हो सकता है । आपके लिए धन संचित करना मुश्किल होगा !

वृश्चिक – तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप अपने करियर में जो कुछ भी चाहते थे , वह सब कुछ आज आपके रास्ते में आएगा । चाहे वह प्रसिद्धि, ताक़त , पैसा या पद हो , आप अब सब कुछ पाने के लिए एक आदर्श स्थिति में हैं। बस कड़ी मेहनत करते रहे और अन्य लोगों की राय का सम्मान करे और जो भी आपने अपनी इच्छा शक्ति के बलबूते किया है।

धनु – ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आपका वित्त और धन अस्थिर रह सकते हैं और आप अपने आप को नुकसान की स्थिति में पा सकते हैं , पर आप ज्यादा चिंता न करे , क्योकि यह एक छोटा नुकसान हो सकता है। सतर्क रहे । आपका परिवार हमेशा आपके साथ है और आपके बचाव में खड़ा है । आप बहुत जल्दी इस घाटे को पूर्ण करने में सक्षम है। यदि आप एक व्यवसाय में हैं।

मकर – भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
कुछ वित्त और कैरियर के विभिन्न अवसर आज आपके सामने आ सकते हैं और आप उन्हें लेने के लिए अभिभूत होंगे लेकिन थोड़ा उलझन भी महसूस कर सकते हैं की किस दिशा में जाये ।सावधान रहें की ये अनिर्णय आपको पंगु न बनाये । अगर आप सही दिशा में आगे बढ़ते है , तो यह पूरी तरह से आपके वित्तीय भविष्य को बदल सकता हैं।

कुंभ – गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आपके समान हित के लोगों या एक समान व्यवसाय करने वालो के साथ वार्तालाप होगी । आपको इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए एवं दूसरों को बढ़ावा एवं प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि बदले में वे भी आपको समर्थन दे । आपको उन लोगों से ज्यादा उम्मीद नहीं करनी चाहिए क्यों की चीजे धीरे धीरे खुलती है और लोगो को नयी वस्तु या व्यक्ति पर भरोसा करने में समय लगता है ।

मीन – दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज कई कार्य क्षेत्र के सुनहरे अवसर आपका दरवाजा खटखटायेंगे । आज आपको पदोन्नत्ति का सन्देश मिल सकता है या नौकरी क्षेत्र में बदलाव के भी आसार है जिसके लिए आप काफी समय से प्रयासरत थे । आपको ऐसी जगह से सहायता मिल सकती है जिस जगह से आपने कल्पना भी नहीं की थी जो की आपको प्रसन्नता से अभिभूत कर सकती है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सनी लियोनी बोलीं- छत्तीसगढ़ में मेरे नाम का गलत इस्तेमाल

महतारी वंदन से हर महीने 1 हजार ट्रांसफर एक्ट्रेस जैसे अब–तक 15000 फॉर्म रिजेक्ट

रायपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। एक्ट्रेस और पूर्व पोर्न स्टार सनी लियोनी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा है कि छत्तीसगढ़ महतारी वंदन योजना में उनकी आइडेंटिटी और नाम का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। सनी ने मामले की जांच में सहयोग करने की बात कही है। सनी लियोनी की आईडी बनाकर महतारी वंदन का पैसा लिया गया है। मामले में बस्तर के युवक को गिरफ्तार किया गया है। वीरेंद्र कुमार जोशी के खाते में महतारी वंदन के पैसे ट्रांसफर हुए हैं। युवक ने उसके दस्तावेजों का दुरुपयोग कर फंसाने की बात कही है। योजना का लाभ अपात्र लोग लंबे समय से ले रहे हैं। आरोप सार्वजनिक होने के बाद 15 हजार से ज्यादा आवेदन निरस्त किए गए हैं। पैसा लेने वाले कई अपात्रों से अब रिकवरी भी की जा रही है। महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों के अनुसार आवेदन फॉर्म जमा करने के दौरान आवेदनकर्ताओं से शपथ पत्र लिया गया था। इसी एफिडेविट को आधार बनाकर अपात्रों से रिकवरी की जा रही है। अपात्रों के

साथ ही योजना की मॉनिटरिंग में लापरवाही बरतने वाले विभागीय कर्मचारियों और अधिकारियों पर भी कार्रवाई की गई है। बस्तर जिले के तालुर गांव में महतारी वंदन योजना के लिए सनी लियोनी, पति जॉनी सीन्स के नाम का आवेदन डाला था। इस आवेदन को सुपरवाइजर और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने सत्यापित कर आगे फॉरवर्ड भी किया था।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता देवमती जोशी की आईडी से आवेदन रजिस्टर्ड हुआ। आरोपी का नाम वीरेंद्र जोशी जिसने सनी के नाम का फर्जी आवेदन और बैंक खाता दिया था उसे गिरफ्तार कर लिया है। इस केस में तीन अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई की गई।

बस्तर जिले में ही विधायक प्रतिनिधि के अविवाहित रिश्तेदारों पर इस योजना का लाभ लेने का आरोप है। ग्राम पंचायत टलनार के उप-सरपंच ने इसकी शिकायत भी एसडीएम से की है। उप सरपंच ने बताया, कि विधायक प्रतिनिधि के तीन अविवाहित रिश्तेदार इस योजना का लाभ ले रहे हैं, इसकी जांच होनी चाहिए। मामले में जांच शुरू कर दी गई है। महतारी वंदन योजना के तहत पुरुष के आवेदन फॉर्म भरने का मामला भी सामने आ चुका है। हालांकि उनका आवेदन उसी समय रिजेक्ट हो गया था। पेंड्रा निवासी कलम सिंह कंवर ने न केवल फॉर्म भरा, बल्कि उसे लेने के लिए कर्मचारियों पर दबाव भी बनाया था। उसने कहा था कि, उनके घर में महिला नहीं है, इसलिए वे फॉर्म भर रहे हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया, कि महतारी वंदन योजना का फायदा लेने वाले 21 हजार से ज्यादा लाभार्थियों की मौत हो चुकी है। इस बात की जानकारी सर्वे के दौरान सामने आने पर इनके खाते को ब्लॉक किया गया है। योजना के तहत आवेदन करने वाले लाभार्थियों के खिलाफ जांच जारी होने की बात भी कही जा रही है।

महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया, कि ऐसी महिलाएं जो अपने पति के साथ रह रही हैं, लेकिन उन्होंने परित्यक्ता का सर्टिफिकेट लगा दिया है उनके फॉर्म रिजेक्ट हुए हैं। इसके अलावा जिन युवतियों की शादी नहीं हुई है उन लोगों ने भी आवेदन फॉर्म भरा है। साथ ही कुछ जिलों में पुरुषों ने भी आवेदन फॉर्म भरा जिन्हें जांच के दौरान ही निरस्त कर दिया गया था। इनकम टैक्स देने वाले और सरकारी नौकरी वालों के परिजन भी अगर आवेदनकर्ता हैं तो उनका फॉर्म भी रिजेक्ट किया गया है। महतारी वंदन योजना का फायदा लेने के लिए प्रदेशभर से 70 लाख 26 हजार 352 महिलाओं ने आवेदन फॉर्म भरा है।

छत्तीसगढ़ को मिला 15184 करोड़ इन्वेस्ट का प्रपोजल

नई औद्योगिक नीति में उद्योगों को टैक्स, भूमि, बिजली में छूट, 7 दिन में मिलेगी सब्सिडी

रायपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। नई दिल्ली में सोमवार को 'छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट' का आयोजन किया गया। सीएम विष्णुदेव साय ने निवेशकों को छत्तीसगढ़ में निवेश करने के लिए आमंत्रित किया तो निवेशकों से 15 हजार 184 करोड़ निवेश का प्रस्ताव भी मिला।

सीएम साय ने कहा कि, हमारी नई औद्योगिक नीति उद्योगों को टैक्स, भूमि और बिजली में छूट के साथ-साथ सिंगल-विंडो क्लीयरेंस जैसी सुविधाएं देती है। यह नीति न केवल उद्योगों की स्थापना, बल्कि रोजगार सृजन पर भी जोर देती है।

मुख्यमंत्री ने नई औद्योगिक नीति, सिंगल विंडो सिस्टम और निवेश के लिए बने अनुकूल वातावरण की जानकारी उद्योगपतियों को दी। साय ने कहा कि, सिंगल विंडो सिस्टम से लेकर सभी सुविधाएं आप लोगों को उपलब्ध कराई जाएगी। हमारी टीम 24 घंटे आप लोगों के सहयोग के लिए तैयार रहेगी।

छत्तीसगढ़ में कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, ऊर्जा, खनन जैसे क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं। डिजिटल सिंगल विंडो सिस्टम

2.0 से सभी तरह की मंजूरी और लाइसेंस प्राप्त करना आसान हो गया है। उद्योग विभाग ने सब्सिडी जारी करने के लिए अधिकतम 3 स्तर और 7 दिनों की समय सीमा तय की है। उद्योग स्थापित करने भूमि उपलब्ध कराने के लिए निजी औद्योगिक पार्क को 30 प्रतिशत सब्सिडी देकर प्रोत्साहित किया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ उद्योगों के लिए रेडी और विकसित प्लॉट 60 दिनों के अंदर सुनिश्चित कर रहे हैं।

सीएम साय ने कहा कि, हम यह सुनिश्चित कर रहे कि उद्योग स्थापना और संचालन में सरकारी हस्तक्षेप न्यूनतम हो और सेल्फ सर्टिफिकेशन या ऑनलाइन माध्यम से काम हो। इससे उद्योग के लिए आपको सरकार के पास आने की जरूरत ना हो।

मुख्यमंत्री ने निवेशकों के सवालों का जवाब देते हुए भरोसा दिलाया कि छत्तीसगढ़ सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने राज्य में उपलब्ध बेहतर बुनियादी ढांचे, कुशल मानव संसाधन और शांतिपूर्ण माहौल के बारे में विस्तार से बताया।

मुख्यमंत्री साय ने बताया कि, बस्तर में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए कोर सेक्टर की स्टील इकाइयों और अन्य उद्योगों को बड़ी राहत दी गई है। आयरन ओर पर 50% और कोयले पर 100% रॉयल्टी की छूट का प्रावधान है।

इसके साथ ही उद्योगों की ओर से चुकाए गए रॉयल्टी और राज्य को मिलने वाले सेस की प्रतिपूर्ति (मुआवजा) 15 साल तक की जाएगी। इसके अलावा ग्राम नियानार में 118 एकड़ भूमि पर एक नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उद्योगपतियों को राज्य सरकार की तरफ से विशेष सहूलियत दी जा रही है। इसके लिए आईआईएम रायपुर के साथ एमओयू (समझौता) कर वहां के पास आउट छात्रों को मुख्यमंत्री औद्योगिक इंटर्नशिप के तहत इन्वेस्टमेंट मैनेजर के रूप में नियुक्त किया जा रहा है, जो घर बैठे प्रक्रियाओं को सुगम बनाएंगे।

छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक नीति में कई नए और आधुनिक तकनीकों का ध्यान रखा गया है। जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स, ग्रीन हाईड्रोजन और डेटा सेंटर। इसके अलावा, आईटी, फार्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स और खाद्य प्रसंस्करण जैसे क्षेत्र भी फोकस में होंगे।

कार ने खड़े ट्रैक्टर में मारी टक्कर, 5 घायल

बिहार से रांची की ओर आ रही थी कार, सड़क पर काम कर रही महिला भी जख्मी

रामगढ़, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। रामगढ़ जिले के कुज्जू एनएच-33 पर पंजाबी ढाबा के पास तेज रफ्तार एक कार ने खड़े ट्रैक्टर में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में कार सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, सड़क किनारे पौधों में पानी दे रही एक महिला भी जख्मी हो गई। कार सवार बिहार से रांची की ओर आ रहे थे और इसी बीच यह घटना हुई।

टीयागो कार तेज रफ्तार में थी और अनियंत्रित होकर एनएच-33 पर खड़े ट्रैक्टर को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार में लगा एयर बैग खुल गया। घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल रामगढ़ भेज दिया गया है। वहीं, महिला मजदूर मंजू देवी मांडू बस्ती की रहने वाली है। उसे भी गंभीर रूप से चोटें आई है।

सीबीटी मोड में होंगी जेपीएससी-जेएससीसी की परीक्षाएं

सीएम हेमंत सोरेन बोले– शुरू करें तैयारी समय भी बचेगा और गड़बड़ियां भी नहीं होंगी

रांची, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड में जेपीएससी और जेएससीसी के माध्यम से होने वाली नियुक्तियों की परीक्षाएं ऑनलाइन मोड में ली जा सकती है। जेपीएससी और जेएससीसी को इसके लिए विचार करने को कहा गया है। सीएम हेमंत सोरेन ने अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए कहा कि ऑनलाइन मोड में प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित करने की दिशा में आगे बढ़ें।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए कहा कि राज्य में बड़े पैमाने पर नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है । ऐसे में नियुक्तियों को लेकर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता परीक्षाओं में गड़बड़ियों की गुंजाइश न हो, इस दिशा में ऑनलाइन मोड में परीक्षा आयोजित करने की दिशा में आगे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (सीबीटी) माध्यम से परीक्षा लेने पर काफी हद तक पेपर लीक जैसे मामलों को नियंत्रित किया जा सकता है। वहीं, ऑफलाइन परीक्षा आयोजन को लेकर होने वाली परेशानियों के साथ समय की भी बचत होगी।

वहीं उन्होंने कहा कि झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा जेएसएससी की सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा -2023 से जुड़े विवादों को लेकर दर्ज मामले में जो निर्देश दिए हैं, उसी के मुताबिक पूरी निष्पक्षता के साथ जांच पूरी कर रिपोर्ट सौंपे।

उन्होंने कहा कि जांच के दौरान परीक्षा आयोजन के दौरान हुई गड़बड़ियों तथा मिली शिकायतों और परीक्षा परिणाम के बाद हुए विवाद एवं हंगामें की भी जांच हो। इसमें जो भी दोषी हों, उनके खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए। जेएसएससी की ओर से ली गई संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा को लेकर एक साल से विवाद चल रहा है। इस बीच दो बार परीक्षा भी ली गई। छात्रों का कहना है कि यह परीक्षा 21 और 22 सितंबर को ली गई। 21 सितंबर को जो परीक्षा ली गई थी, उसके रिजल्ट में केवल 82 स्टूडेंट पास किए। जबकि 22 सितंबर की परीक्षा के रिजल्ट में 2149 उम्मीदवारों को पास दिखाया गया।

यह अपने-आप में अनियमितता को दर्शाता है। अभी तक कटऑफ नहीं जारी किया जाना, कम मार्क्स वाले को सफल बताया जाना, साफ संकेत है कि परीक्षा में भारी गड़बड़ी हुई है। वहीं छात्र इस परीक्षा की सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। विवाद में आने के बाद सीएम हेमंत सोरेन ने इस परीक्षा में लग रहे गड़बड़ी के कथित आरोपों की जांच सीआईडी को करने को कहा है। सीएम के इस आदेश के बाद डीजीपी अनुराग गुप्ता ने भी सीआइडी को पूरे मामले की जांच का आदेश दे दिया है। इसको लेकर सीआइडी आइजी सुदर्शन मंडल के नेतृत्व में जांच टीम गठित की गयी है।

सरायकेला-खरसावां में हाइवा ने साइकिल सवार को कुचला, मौत

ड्यूटी जाते वक्त हुआ हादसा आक्रोशितों ने किया सड़क जाम

जमशेदपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। सरायकेला-खरसावां के आदित्यपुर थाना क्षेत्र स्थित पेबको मोटर के पास सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। युवक अपनी साइकिल से ड्यूटी जा रहा था और इसी बीच हाइवा ने उसे अपनी चपेट में ले लिया।

मृतक की पहचान गुरुचरण सिंह के रूप में की गई है, जो हाईको कंपनी में काम करता था। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर जुट गए और गुस्से में सड़क जाम कर दिया। लोग आरोप लगा रहे हैं कि हाइवा की तेज रफ्तार के कारण यह हादसा हुआ, जिससे उनके साथी की जान चली गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय लोगों को शांत करने की कोशिश की और घटना के बारे में जांच की बात कही।

नक्सल खात्मे का काउंटडाउन जनवरी से बस्तर में बड़ा ऑपरेशन

2025 में अबूझमाड़ घेरेगी फोर्स, जंगल में कैंप करेंगे अफसर, 11 महीने में 250 नक्सली ढेर

रायपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को पूरी तरह खत्म करने के लिए रणनीति में बड़े स्तर पर बदलाव की जा रही है। यह बदलाव जनवरी के पहले सप्ताह में दिल्ली की बैठक में मंजूर हो जाएगी। नए प्लान के अनुसार 2025 दिसंबर तक फोर्स अबूझमाड़ को पूरी तरह घेर लेगी, क्योंकि नक्सली सुकमा-बीजापुर माड़ में शिफ्ट हो रहे हैं।

वहीं, पैरामिलिट्री फोर्स के डीजी और एडीजी रैंक के अधिकारी जंगल में कैंप करेंगे और 2 से 3 रातें जवानों के साथ रहेंगे। उनके निर्देशन में ही ऑपरेशन प्लान किया जाएगा। स्थानीय पुलिस और केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों को हर 15 दिनों में बस्तर का दौरा करने का निर्देश दिया गया है।

दरअसल, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के जाने के 7 दिनों के भीतर ही अबूझमाड़ के कच्चापाल, बीजापुर के वाटबांगू और सुकमा के गोमागुड़ा में कैंप खोले गए हैं। तीनों ही नक्सलियों का कोर एरिया है। आने वाले 12 माह में 35 से ज्यादा कैंप खोलने की तैयारी है। इसके लिए 2 नई बटालियन मांगी गई है। सुकमा, बीजापुर बॉर्डर से लेकर माड़ में नक्सलियों की एंट्री को बंद किया जा सके। वैसे भी बीजापुर, सुकमा में लगातार ऑपरेशन की वजह से नक्सली अबूझमाड़ में सिमट रहे हैं। छत्तीसगढ़ दौरे पर 16 दिसंबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रायपुर में नक्सल ऑपरेशन को लेकर बैठक ली थी। इसमें मार्च 2026 तक नक्सलियों की पूरी तरह खात्मे का टारगेट है। रिटायर्ड डीजी आरके विज ने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ बड़े ऑपरेशन के साथ माइक्रो लेवल पर मॉनिटरिंग जरूरी है। इसलिए प्लानिंग के स्तर पर बदलाव किया जा रहा है। नक्सलियों की सबसे छोटी इकाई एरिया कमेटी है। यही ज्यादा एक्टिव है। इसके मूवमेंट, उनके लीडर और नीचे काम करने वाले कैडर की मॉनिटरिंग से नक्सलियों की आगे की कार्रवाई का पता चलता है। इससे बड़े ऑपरेशन में सफलता मिलती हैं। वहीं मामले में बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने कहा कि फोर्स लगातार ऑपरेशन प्लान कर रही है। इससे सफलता मिल रही है। हाल ही में 3 नए कैंप खोले हैं और आगे भी कई कैंप खोलेंगे। इससे नक्सली सिमटते जा रहे हैं। जनता को कैंप से जोड़ेंगे। जन सुविधा केंद्र में ग्रामीणों को सुविधाएं मिलेगी। नक्सलियों को ट्रैक करने का नया सिस्टम बनाया जा रहा है। इसलिए डीएसपी रैंक के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

महिला डांसर की 60 हजार रुपए सुपारी देकर कराई हत्या

प्रेमी ने विवाद की वजह से बनाई हत्या की योजना, बिहार से आए थे शूटर

पलामू, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। पलामू में महिला डांसर पूजा कुमारी की हत्या उसके प्रेमी संदीप सिंह ने 60 हजार रुपए सुपारी देकर कराया है। पुलिस ने इस हत्याकांड में शामिल संदीप सिंह समेत चार को गिरफ्तार कर लिया है। संदीप से पूजा का अक्सर विवाद होता था। इस वजह से उसने उसकी हत्या की योजना बनाई। दिनदहाड़े इस हत्याकांड को बिहार के शूटरों ने अंजाम दिया।

हुसैनाबाद थानाक्षेत्र के हरिहर चौक स्थित जय बजरंग मिष्ठान के सामने पूजा उर्फ सावित्री को रविवार को गोली मार दी गई थी। पूजा की मौत की चश्मदीद उसकी दस साल की बेटी है। इस वारदात में शामिल चार अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार अपराधियों में पूजा का

प्रेमी छतरपुर के करमा चराई का संदीप सिंह (30), रवि विश्वकर्मा (21), बिहार के औरंगाबाद अंतर्गत बारूण के टेंगरा निवासी पप्पू शर्मा (40) और बारूण के हबसपुर का शुभम सिंह (19) शामिल हैं। एसपी रीष्मा रमेशन ने मंगलवार को बताया कि पूजा का संदीप सिंह के साथ प्रेम संबंध था। दोनों शादीशुदा थे मगर पूजा अपने पति से अलग हो चुकी थी। संदीप के साथ पूजा का अक्सर विवाद होता था। इसके बाद संदीप ने पूजा को मारने का प्लान बनाया। संदीप ने बारुण में रहने वाले रिश्तेदार शुभम से पूजा का मर्डर कराने के लिए संपर्क किया। शुभम ने संदीप को पप्पू शर्मा से मिलवाया और 60 हजार रुपए में पूजा की हत्या की सेटिंग की गई। प्रेमी ने शूटर को पूरा पैसा पेमेंट कर दिया। प्लान के मुताबिक शूटर रविवार को हुसैनाबाद आया। प्रेमी के दोस्त रवि के साथ बाइक से वह पूजा के घर के पास गया। रवि ने पूजा की पहचान कराई और होटल के पास शूटर पप्पू ने पूजा को नजदीक से गोली मार दी। एसपी ने बताया कि अपराधी गोली मारने के बाद बिहार भागने की तैयारी में थे। रास्ते में पड़ने वाले सभी थाना ने घेराबंदी की और बिहार में इंट्री से कुछ किलोमीटर पहले हरिहरगंज में अपराधी पकड़ लिए गए। अपराधियों की निशानदेही पर कांड में प्रयुक्त एक देशी कट्टा, बाइक, टाटा पंच कार, खोखा, सुपारी के दिए गए रुपए में से 10 हजार, एक आईफोन, दो एण्ड्रायड मोबाइल फोन और एक कीपैड मोबाइल बरामद किया गया है।

छत्तीसगढ़ भाजपा मंडल अध्यक्ष चुनाव में विवाद

रायपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ भाजपा में मंडल अध्यक्षों की नियुक्तियों को लेकर कई जगह विवाद का मामला सामने आया है। रायपुर, गरियाबंद, पेंड्रा और झाखरपारा में कार्यकर्ताओं के बीच विवाद और हाथापाई की घटना हुई है। जिनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कांग्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर कर लिखा है कि, अपने मंडल अध्यक्ष का स्वागत सत्कार करते, थपड़ियाते कार्यकर्ता भाजपा के नीति-रीति का पालन कर रहे हैं। वहीं, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि, 400 से अधिक मंडल है। थोड़ी बहुत समस्या आती है। प्रदेश में मंडल अध्यक्ष की निर्वाचन प्रक्रिया स्मूथली हुई है। कहीं एक दो घटनाएं होंगी, यह स्वाभाविक है। रायपुर के माना मंडल अध्यक्ष के चुनाव के दौरान बीजेपी प्रदेश कार्यालय के कार्यालय में हंगामा हुआ है। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि, कांग्रेस से भाजपा में आने वाले भीमवंत निषाद को मंडल अध्यक्ष बनाया गया है। इसके विरोध में कार्यकर्ता प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे पहुंच गए। इस दौरान रायपुर ग्रामीण एमएलए मोतीलाल साहू के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। सूचना के मुताबिक, अध्यक्ष की घोषणा होने के बाद फुडहर के सामुदायिक भवन में तोड़फोड़ भी की गई है। गरियाबंद में बीजेपी ने मंडल अध्यक्ष की नियुक्ति की है। जिसे लेकर विवाद देखने को मिला है। झाखरपारा में पहले उमाशंकर को मंडल अध्यक्ष बनाया, लेकिन बाद में भगवानों बेहेरा का नाम घोषित कर दिया गया।

हाथियों से दहशत, तीन दिनों से लोग कर रहे रतजगा

गुमला, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। गुमला के भरनो के भदवा बगीचा में 20 जंगली हाथियों का झुंड अभी भी डेरा जमाए हुए है। इतनी बड़ी संख्या में हाथियों के भरनो मुख्यालय रिहायशी इलाके तक पहुंचने से ग्रामीणों में काफी भय का माहौल है। इन हाथियों के झुंड को देखने के लिए हजारों लोगों का हुजूम उमड़ पड़ रहा है। इधर, लोग रतजगा कर हाथियों को भगाने के काम में जुटे हुए हैं।

इधर, एसडीओ राजीव नीरज ने 23 दिसंबर से 1 जनवरी 6 बजे तक के लिए इस क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू कर दिया है। हाथियों को देखने के चक्कर में कई ग्रामीण उनके बहुत नजदीक पहुंच जा रहे हैं, जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना व्यक्त है। वन विभाग और पुलिस की टीम भी लगातार कैंप किए हुए है और लोगों को हाथियों के नजदीक नहीं जाने व छेड़छाड़ नहीं करने की हिदायत दे रहे हैं। वहीं, जंगली हाथियों ने किसान रियाज अख्तर, मुकेश उरांव, मंगरूउरांव, झेले उरांव, भूखा उरांव, दिलीप उरांव आदि दर्जनों के खेत में लगे मटर, आलू, फ्रेंचिबिन, गेहूं, रहड़ आदि के फसलों को खाकर और रौंदकर बर्बाद कर दिया है। इधर, तीन वर्षों में भरनो में जंगली हाथियों ने चार लोगों को मार डाला है। विगत 28 अगस्त 2021 को जंगली हाथियों ने बोड़ो टोली निवासी 59 वर्षीय गंदूर उरांव को अहले सुबह शौच के लिए घर से बाहर जाने के दौरान कुचलकर मार दिया था।

3 भाजपाई समेत 18 दिन में 10 को मार डाला

नक्सलियों ने एक ही दिन किया 4 लोगों का मर्डर, पुलिस की मुखबिरी का आरोप

जगदलपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर में पिछले 18 दिनों (5 से 23 दिसंबर) में नक्सलियों ने बीजापुर, दंतेवाड़ा और सुकमा जिले में कुल 10 लोगों को मार डाला। इनमें 3 भाजपा के कार्यकर्ता, 1 आंगनबाड़ी सहायिका भी शामिल हैं। वहीं एक दिन पहले माओवादियों ने बीजापुर और दंतेवाड़ा जिले में कुल 4 लोगों का मर्डर किया है।

नक्सलियों ने सभी पर पुलिस की मुखबिरी का आरोप लगाया है। वहीं छत्तीसगढ़ राज्य गठन के बाद से नक्सलियों ने अब तक कुल 1800 लोगों की हत्या की है। इनमें सबसे ज्यादा बीजापुर में वारदात हुई है।अधिकांश ग्रामीणों को जनअदालत में मारा गया है।

नक्सलियों ने दंतेवाड़ा और बीजापुर जिले में एक ही दिन में 4 लोगों की हत्या कर दी। बीजापुर जिले के रेड्डी गांव के युवक मुकेश को भरे बाजार से अगवा किया था। जिसकी हत्याकर शव को झाड़ियों में फेंक दिया गया। वहीं बीजापुर जिले के कोरचोली में जनअदालत लगाकर लखमू पोटाम समेत एक अन्य युवक को मार डाला। हालांकि, नक्सलियों की दहशत की वजह से परिजन रिपोर्ट दर्ज करवाने नहीं पहुंचे थे। इधर, दंतेवाड़ा जिले के गुफा गांव में नक्सलियों ने घर में घुसकर एक युवक की हत्या कर दी थी। युवक का नाम सामनाथ कश्यप बताया जा रहा है। इसे भी पुलिस का मुखबिर बताकर मार डाला। वहीं दंतेवाड़ा जिले के एएसपी आरके बर्मन का कहना है कि हत्या की सूचना मिली है। जांच की जा रही है। दरअसल, साल 2024 में पुलिस को नक्सलियों के खिलाफ कई बड़ी सफलता मिली है। अंदरूनी इलाके में सुरक्षाबलों के कैंप भी स्थापित किए गए हैं। वहीं इसी बात से नक्सली काफी बौखलाए हुए हैं। उन्हें शक था कि ये ग्रामीण पुलिस की मुखबिरी कर रहे हैं। कैंप खुलवाने में इन्हीं का हाथ है, इसलिए ग्रामीणों के बीच अपनी दहशत कायम रखने के लिए नक्सली एक के बाद एक ग्रामीणों की हत्या कर रहे हैं। कुछ दिन पहले छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा भी बस्तर दौरे पर थे। जगदलपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा था कि नक्सली बेकसूर ग्रामीणों को मार रहे हैं। ये खूनी खेल बंद करें। साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़ दें। हथियार डाल दें।

बीजेपी विधायक पर जानलेवा हमला

शराब की बोतल में पेट्रोल भरकर किया अटैक, एक युवक घायल

बेमेतरा, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा से बीजेपी विधायक दीपेश साहू पर जानलेवा हमला हुआ है। इस हमले में विधायक बाल-बाल बच गए। घटना सोमवार देर रात करीब 12 बजे की है। बीजेपी विधायक गुरुघासी दास जयंती कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जिला मुख्यालय से दूर चारभांठा गांव गए थे। कार्यक्रम के दौरान विधायक मंच पर मौजूद थे इस दौरान एक अज्ञात शख्स ने शराब की बोतल में पेट्रोल भर कर विधायक के ऊपर फेंका। विधायक पर हमला करने वाले का निशाना चूक गया और बोतल विधायक को नहीं लगी। मंच के पास काम कर रहें साउंड सिस्टम ऑपरेटर के सिर पर लगी। ऑपरेटर के सिर पर चोट आई है। उसे आनन-फानन में इलाज के लिए भेजा गया। बताया

जा रहा है कि बोतल लगने से युवक लहूलुहान हो गया था। रात में मंच पर अतिथियों का स्वागत चल रहा था। इसी दौरान एक अज्ञात शख्स ने हमला कर दिया। विधायक दीपेश साहू पूरी तरह से सुरक्षित हैं। घटना के बाद कार्यक्रम स्थल में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आयोजन समिति का कहना है कि गांव में पहली बार इस तरह की घटना हुई है। हमारी मांग है कि आरोपी को पकड़कर उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। विधायक पर जानलेवा हमले की कोशिश के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्जकर मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल विधायक दीपेश साहू की इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं आई है। हमले में घायल युवक ने बताया कि जैसे ही मेरे सिर में चोट लगी मैं बेहोश होकर गिर गया। जिसके बाद विधायक मुझे देखने आए। मीडिया से चर्चा करते हुए युवक ने कहा कि मैं चाहता हूं कि जिसने मेरे ऊपर हमला किया है मैं चाहता हूं उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

राजस्थान के बगरिया गैंग ने की रायपुर में चोरी

दिनदहाड़े घरों में घुसकर वारदात करना खासियत, डॉक्टर दंपति के घर तोड़े थे 7 ताले

रायपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान का कुख्यात बगरिया गैंग ने रायपुर में डॉक्टर दंपती के घर से 10 लाख से ज्यादा की चोरी की है। इसमें 4 लाख 50 हजार रुपए कैश भी शामिल है। 4 अलमारियों समेत 7 ताले तोड़कर चोरी की गई थी। यह गैंग दिनदहाड़े घरों में घुसकर चोरी करता है। पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला डीडी नगर थाना क्षेत्र के सुंदर नगर का है। डॉ. उमेश चंद्र तिवारी ने डीडी नगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई, जिसमें उन्होंने बताया कि वह बालाजी मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर हैं। उनकी पत्नी भी डॉक्टर है। 9 नवंबर को सुबह 8:30 बजे दोनों पति-पत्नी घर पर ताला लगाकर अस्पताल चले गए। शाम करीब 7 बजे दोनों वापस लौटे तो देखा कि घर के मेन गेट का ताला टूटा हुआ था। अंदर कमरे के दरवाजे का ताला भी टूटा मिला। घर के कमरों में रखी 4 अलमारियों और उसके लॉकर के ताले भी चोरों ने तोड़ दिए थे।

डॉ. दंपती ने बताया कि, लॉकर के अंदर रखे सोने-चांदी के करीब 120 ग्राम गहने चोरी हो गए थे। इसमें सोने की चूड़ी, मंगल सूत्र, सिक्का, डायमंड की अंगूठी और चांदी की ज्वेलरी थी। इसके अलावा करीब साढ़े 4 लाख रुपए नगद भी था। पुलिस को शुरुआती जांच पड़ताल में बाहरी गैंग का अंदेशा हुआ। जांच एंटी क्राइम यूनिट के एक्सपर्ट अफसरों को सौंपी गई।

डेनमार्क के ग्रीनलैंड पर कंट्रोल चाहते हैं ट्रम्प

कहा- नेशनल सिक्योरिटी के लिए यह जरूरी ग्रीनलैंड बोला- हम बिकाऊ नहीं और न कभी होंगे

वॉशिंगटन, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड अपने शपथ ग्रहण से पहले लगातार अपने सहयोगी और पड़ोसी देशों को परेशान करने वाले बयान करने वाले बयान दे रहे हैं। एनवाईटी के मुताबिक ट्रम्प ने सोमवार को ग्रीनलैंड को अमेरिकी कंट्रोल में लेने की बात कही है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि नेशनल सिक्योरिटी और पूरी दुनिया में आजादी के लिए अमेरिका को लगता है कि ग्रीनलैंड पर हमारा कंट्रोल बेहद जरूरी है। बता दें कि ग्रीनलैंड उत्तरी अटलांटिक महासागर में मौजूद एक आईलैंड है। यह डेनमार्क के कंट्रोल वाला एक स्वायत्त क्षेत्र है। जिसका अपना प्रधानमंत्री होता है।

ग्रीनलैंड में 57 हजार लोग रहते हैं, यह डेनमार्क का एक स्वायत्त क्षेत्र है। ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा आईलैंड है, जिसका क्षेत्रफल लगभग 21 लाख वर्ग किमी है। ग्रीनलैंड का 85% भाग 1.9 मील मोटी (3 किमी) बर्फ

की चादर से ढका है। इसमें दुनिया का 10% ताजा पानी है। यह उत्तर अटलांटिक और आर्कटिक महासागर के बीच में है। ग्रीनलैंड जलवायु परिवर्तन के संकट से जूझ रहा है।

ग्रीनलैंड में नियोडायनियम, प्रासियोडायमियम, डिस्प्रोसियम, टर्बियम और यूरेनियम जैसे कई दुर्लभ खनिजों का भंडार है। यह खनिज इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रोडक्शन में काफी अहम रोल रखते हैं। इसके अलावा दुनिया में लगातार बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्रीनलैंड और आर्कटिक महाद्वीप की बर्फ तेजी से पिघल रही है। ऐसे में इस जगह का सामरिक और आर्थिक महत्व तेजी से बढ़ रहा है। यहां खनन का काम कर रही कंपनियों में चीन की भी बड़ी हिस्सेदारी है।

अमेरिका ने पहले भी ग्रीनलैंड खरीदने की इच्छा जताई थी

यह पहली बार नहीं है जब किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने ग्रीनलैंड खरीदने की इच्छा जताई हो। इससे पहले 1946 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन ने डेनमार्क से 10 करोड़ डॉलर में इस बर्फीले द्वीप को खरीदने पेशकश दी थी। ग्रीनलैंड के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में अमेरिकी वायुसेना का अड्डा है, जहां करीब 600 सैनिक तैनात हैं।

पनामा नहर को छीनने की धमकी दे चुके हैं ट्रम्प

ट्रम्प इससे पहले कनाडा और मेक्सिको को अमेरिका में मिलने का ऑफर दे चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने दो दिन पहले पनामा नहर को फिर से अमेरिकी कंट्रोल में लेने की धमकी भी दी थी। ये नहर कैरेबियन देश पनामा का हिस्सा है। इस नहर पर 1999 तक अमेरिका का कंट्रोल था। ट्रम्प की इस धमकी के बाद पनामा के राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो ने उन्हें कड़ी फटकार लगाई थी। मुलिनो ने कहा था कि पनामा की स्वतंत्रता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

पनामा नहर नॉर्थ और साउथ अमेरिका के बीच स्थित है। इस नहर के निर्माण से पहले अमेरिका के पश्चिमी तट से पूर्वी तट तक जाने वाले जहाजों को हजारों समुद्री मील का रास्ता तय करके, केप हॉर्न से होते हुए साउथ अमेरिका का चक्कर लगाना पड़ता था।

नहर के निर्माण के बाद जहाजों का ये हजारों मील का सफर कम हो गया।

पाकिस्तान के परमाणु बम अमेरिका और इजरायल के निशाने पर

बढ़ने जा रही जनरल मुनीर की टेंशन, सेना के एक्सपर्ट ने चेताया

इस्लामाबाद, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने हाल ही में पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर बैन का ऐलान किया है। अमेरिकी विदेश विभाग की ओर से पाकिस्तान के मिसाइल प्रोग्राम पर चिंता ने विशेषज्ञों का भी ध्यान खींचा है क्योंकि वॉशिंगटन से दशकों तक इस्लामाबाद को सैन्य मदद मिलती रही है। पाकिस्तानी पत्रकार वजाहत खान ने अमेरिका के कैलिफोर्निया में नेवल पोस्टग्रेजुएट सेंटर में प्रोफेसर और पूर्व में पाक फौज में ब्रिगेडियर रहे फिरोज खान से जानना चाहा है कि वॉशिंगटन की ओर से इस्लामाबाद के मिसाइल प्रोग्राम पर बैन क्यों लगाया है। साथ ही वजाहत ने फिरोज खान से अमेरिका-पाकिस्तान के द्विपक्षीय संबंधों में गिरावट और डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद रिश्ते की संभावना पर भी बात की है।

इजराइल बोला- हमास चीफ हानियेह को हमने मारा

हत्या के बाद पहली बार स्वीकार किया, जुलाई में ईरान में मारा गया था हानियेह

तेल अवीव, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। इजराइल ने पहली बार स्वीकार किया है कि हमास के पूर्व चीफ इस्माइल हानियेह की हत्या उसी ने की थी। सोमवार को इजराइल के रक्षा मंत्री काट्ज ने एक बयान के दौरान इसकी पुष्टि की। हूती विद्रोहियों के हमलों को लेकर दिए बयान में रक्षामंत्री इजराइल काट्ज ने कहा कि जिस तरह हमने हानियेह और सिनवार को मारा है, वैसे ही हूतियों को भी मार देंगे। हानियेह की इस साल 31 जुलाई को ईरान की राजधानी तेहरान में हत्या कर दी गई थी। वह ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान के शपथ ग्रहण में शामिल होने तेहरान पहुंचा था। ईरान ने कहा था कि हानियेह की मौत मिसाइल हमले में हुई थी। हालांकि, कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि हानियेह को बम धमाके में मारा गया था। हानियेह का अंतिम संस्कार 2 अगस्त को कतर की राजधानी दोहा में हुआ था।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि इजराइल ने हानियेह की मौत से करीब 2 महीने पहले ही उसे मारने की प्लानिंग कर ली गई थी। न्यूयॉर्क टाइम्स ने 2 ईरानी समेत मिडिल ईस्ट के 7 अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी थी।

रिपोर्ट के मुताबिक हानियेह की मौत बम धमाके में हुई। जिस बम विस्फोट में वह मारा गया उसे 2 महीने पहले छिपाकर तेहरान के उस गेस्ट हाउस में लगा दिया गया था, जिसमें हानियेह ठहरा था। जैसे ही हानियेह के वहां पहुंचने की पुष्टि हुई, किसी बाहरी इलाके से रिमोट के जरिए विस्फोट कर दिया गया।

रक्षा मंत्री काट्ज ने इजराइल पर हमले के करने के लिए हूती विद्रोहियों को गंभीर नतीजे भुगतने की धमकी दी।

काट्ज ने कहा कि हमने हमास को हराया है, हिजबुल्लाह को हराया है, उसी तरह हूती विद्रोहियों को भी हराएंगे। काट्ज ने हूतियों के इंफ्रास्ट्रक्चर को तबाह करने और उसके नेताओं का गला काटने की धमकी भी दी। हूती विद्रोही पिछले एक साल से इजराइल पर रॉकेट और मिसाइल हमले कर रहे हैं। इसके अलावा लाल सागर में इजराइल से जुड़े कार्गो शिप को भी निशाना बना रहे हैं।

तुर्किए में बड़ा हादसा

फैक्ट्री में जोरदार धमाका, कम से कम 12 लोगों की मौत

इस्तांबुल, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। तुर्किए में एक फैक्ट्री में हुए जोरदार धमाके में कम से कम 12 लोगों की मौत की खबर है। यह धमाका विस्फोटक बनाने वाली फैक्ट्री में हुए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तुर्किए के बालीकेसिर प्रांत में स्थित फैक्ट्री में धमाका हुआ। प्रांत के गवर्नर इस्माइल उस्ताउग्लु ने बताया कि विस्फोट बालीकेसिर प्रांत के कारेसी इलाके में स्थित फैक्ट्री में हुआ, जिसमें 12 नागरिकों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हुए। जिस फैक्ट्री में धमाका हुआ, उसका नाम जडएसआर एम्युनिशन प्रोडक्शन फैक्ट्री है। अभी धमाके की वजह का खुलासा नहीं हुआ है। हादसे की भयावहता को देखते हुए मृतकों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, धमाके के बाद फैक्ट्री की इमारत ढह गई, जिससे कई लोगों की जान गई। जांच एजेंसियों द्वारा हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। घटनास्थल पर राहत और बचाव कार्य जारी है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इस साल फरवरी में भी तुर्किए विनाशकारी भूकंप से दहल गया था। छह फरवरी को तुर्किए के गाजियांटेप इलाके में आए भूकंप में 45 हजार से ज्यादा लोग मारे गए थे। इस भूकंप से तुर्किए को करीब 104 अरब डॉलर के आर्थिक नुकसान का अनुमान है। तुर्किए में आया ये भूकंप इस साल की सबसे बड़ी आपदाओं में से एक था। इस भूकंप का असर इतना बड़ा था कि तुर्किए की जमीन भूकंप के झटकों के बाद तीन मीटर खिसक गई।

पाकिस्तान को 40 जे-35 फाइटर जेट्स बेच सकता है चीन

अगले 2 साल में डिलीवरी होगी, भारत में पांचवीं पीढी का फाइटर जेट नहीं

बीजिंग, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान, चीन से 40 जे-35ए फाइटर जेट्स खरीदने की तैयारी कर रहा है। यह दावा पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स में किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन दो साल में पाकिस्तान को ये फाइटर जेट्स डिलीवर करेगा। इससे जुड़ी कीमतों का अभी खुलासा नहीं हुआ है। जे-35ए पांचवी पीढ़ी का सबसे उन्नत तकनीक का फाइटर जेट है। अगर पाकिस्तान को यह मिलता है तो वह चीन से इसे हासिल करने वाला पहला देश होगा। पाकिस्तान जे-35ए को अमेरिकी एफ-16 और फ्रांसीसी मिराज की जगह तैनात करेगा। पश्चिमी देशों के ये विमान अब पुराने हो चुके हैं। दो साल पहले ही पाकिस्तानी वायु सेना में कई चीनी जे-10सीई मल्टी रोल फाइटर जेट शामिल हुए थे। जे-35ए स्टील्थ फाइटर जेट मिलने के बाद पाकिस्तान की वायु सेना की ताकत में और इजाफा हो जाएगा।

भारत के पास पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट्स नहीं हैं।

पाकिस्तान के पास अभी चौथी पीढ़ी के चीनी विमान जेएफ-17 थंडर और अमेरिकी एफ-16 फाल्कन मौजूद हैं। वहीं, भारत के पास 4.5 पीढ़ी का एडवांस राफेल है। भारत की पांचवीं पीढ़ी का स्टेल्थ फाइटर जेट एडवांस मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) है, जो 2034 में बनकर तैयार होगा। चीन ने जे-35ए फाइटर जेट को एयरक्राफ्ट कैरियर पर तैनात होने लायक बनाया है। हालांकि पाकिस्तान के पास एक भी एयरक्राफ्ट कैरियर नहीं है लेकिन जमीन पर से भी इस जेट को संचालित किया जा सकता है। जे-35ए राडार पर कम दिखता है और एडवांस हथियारों से ठिकाने पर हमला करने के काबिल है। 2 इंजनों वाले जे-35ए को एक पायलट उड़ा सकता है। इसमें 6 इंटरनल और 6 एक्सटर्नल हार्डप्वाइंट्स हैं। इन हार्डप्वाइंट्स पर यह कई तरह की मिसाइलें लगाई जा सकती हैं। यह जेट 500 किलो के 8 डीप पेनेट्रेशन बम या 30 छोटे बम लेकर उड़ान भर सकता है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट में डिफेंस मामलों के जानकार ब्रेंडन मुलवेनी ने कहा कि पाकिस्तान का यह कदम उसे भारतीय वायुसेना पर मजबूत करेगा। डिफेंस मामलों के एक और जानकार एंड्रियास रूप्रेच ने कहा कि पाकिस्तान ने चीन के स्टील्थ जेट्स खरीदकर बीजिंग का जेट मार्केट में प्रभाव बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि इस बिक्री के बाद चीन मिडिल ईस्ट देशों में भी यह फाइटर जेट्स बेच सकता है।

सुनीता विलियम्स की हेल्थ से खेल रहा नासा?

फिर टाली वापसी तो एक्सपर्ट ने जताई स्वास्थ्य पर चिंता

वॉशिंगटन, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। अंतरिक्ष स्टेशन पर जून से फंसी नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बैरी विल्मोर को धरती पर वापसी की उम्मीदों को एक बार फिर झटका, जब उनकी वापसी को मार्च तक के लिए टाल दिया गया। इस तरह से उनका मिशन 8 दिनों का मिशन 9 महीने से लंबा खिंच गया है। अब उनका नाम नासा के उन अंतरिक्ष यात्रियों की सूची में शामिल हो सकता है, जिन्होंने अंतरिक्ष में 300 से ज्यादा दिन बिताए हैं। अब तक केवल 5 अंतरिक्ष यात्री इतना लंबा मिशन पूरा कर सके हैं। इस बीच हेल्थ एक्सपर्ट ने अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य को लेकर नई चिंताएं जाहिर की हैं।

बायोमेडिकल इंजीनियर डॉ. जॉन जैक्विश ने डेलीमेल को बताया कि 'जब तक दोनों अंतरिक्ष यात्री धरती पर वापस आएंगे, उन्हें नाजुक फ्रैक्चर का अत्यधिक जोखिम होगा।' उन्होंने कहा कि 'वे शायद खुद से चलने में सक्षम नहीं होंगे। अंतरिक्ष यान से उन्हें उतारने में स्ट्रेचर की मदद लेनी पड़ सकती है और शरीर को फिर से तैयार करने में महीनों लगेंगे।'

अंतरिक्ष में लंबे मिशन के बाद अंतरिक्ष यात्रियों के लिए ऐसा होना असामान्य नहीं है, लेकिन डॉक्टरों ने सुनीता विलियम्स के लिए विशेष चिंता जाहिर की है। उनका कहना है कि विलियम्स में पहले से ही वजन कम होने और कमजोरी के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, नासा ने इस अफवाहों का खंडन किया है।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए खतरा

डेलीमेल से ही बात करते हुए कैलिफोर्निया स्थित साइकोलॉजिस्ट कैरोल लिबरमैन ने कहा कि विलियम्स और विल्मोर को मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के लिए भी खतरे का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष यात्रियों को तनाव से निपटने का तरीका सिखाया जाता है, लेकिन 300 दिनों का यह उतार-चढ़ाव उनकी अपेक्षाओं से परे है। लिबरमैन ने कहा कि अंतरिक्ष यात्रा खुद को वापसी के लिए दी गई तारीख के लिए तैयार करते हैं, लेकिन हर बार इसमें देरी होती है तो यह उनके दिमाग पर असर डालता है। इस बीच सुनीता विलियम्स का अंतरिक्ष स्टेशन से नया वीडियो सामने आया है, जिसे नासा ने जारी किया है।

गोद लिए बेटों के साथ दुष्कर्म का दोषी पाया गया समलैंगिक कपल

अदालत ने दोनों को सुनाई 100 साल जेल की सजा

वॉशिंगटन, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की अदालत ने एक समलैंगिक जोड़े को अपने गोद लिए बेटों के साथ दुष्कर्म करने का दोषी पाया है। अदालत ने दोनों युवकों को 100 साल जेल की सजा सुनाई है। अदालत ने दोनों को सजा सुनाते हुए कहा कि उनका घर बच्चों के लिए खौफ का घर था। दोनों ने अपने दोस्तों के साथ भी बच्चों के यौन शोषण की तस्वीरें और वीडियो साझा किए थे। अदालत ने दोस्तों को भी कड़ी सजा सुनाई है। अमेरिकी राज्य जॉर्जिया की वाल्टन काउंटी पुलिस को सूचना मिली थी कि एक गूगल अकाउंट पर साल 2022 में बच्चों के यौन शोषण से संबंधी कंटेंट अपलोड किया गया है। जांच के दौरान पुलिस ने हंटर लॉलेस नामक व्यक्ति को पकड़ा, जिसने बताया कि उसे जैकरी जूलोक नामक युवक ने

आपत्तिजनक कंटेंट भेजा था। पुलिस ने जब इसकी जांच की तो जो सच्चाई सामने आई, वह रोंगटे खड़े कर देने वाली थी।

पुलिस ने बच्चों के यौन शोषण मामले में दो आरोपियों जैकरी जूलोक और विलियम डेल जूलोक को गिरफ्तार किया। जांच में पता चला कि दोनों समलैंगिक हैं और दंपति की तरह साथ रहते थे। दोनों ने कई साल पहले एक अनाथ आश्रम से दो बच्चों को गोद लिया था। जिस वक्त बच्चों को गोद लिया गया, उस वक्त वे तीन और पांच साल थी। जांच में पता चला कि दोनों अपने गोद लिए बेटों का दुष्कर्म कर रहे थे। इतना ही नहीं दोनों ने बच्चों के साथ यौन शोषण के वीडियो बनाकर उन्हें अपने दोस्तों के साथ साझा भी किया। फिलहाल दोनों बच्चों की उम्र 10 और 12 साल है।

दोनों को साल 2022 में गिरफ्तार किया गया था। दोनों को बच्चों के साथ कुकर्म करने, यौन शोषण और बच्चों को प्रताड़ित करने का दोषी पाया गया है। गौरतलब है कि जैकरी पर साल 2011 में भी अपने गोद लिए बेटे का यौन शोषण करने का आरोप लगा था।

ट्रेन में महिला को जिंदा जलाने का आरोपी अवैध अप्रवासी

पुलिस के खुलासे पर मस्क बोले- वाह

वॉशिंगटन, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यूयॉर्क में सबवे ट्रेन में एक महिला को जिंदा जलाने वाला आरोपी एक अवैध अप्रवासी है। जांच में खुलासा हुआ है कि उसे पहले निर्वासित कर दिया गया था, लेकिन वह फिर से अमेरिका में अवैध रूप से दाखिल हो गया। अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए हैरानी जताई।

पुलिस ने आरोपी को रविवार को गिरफ्तार किया था। आरोप है कि ग्वाटेमाला के निवासी सेबेस्टियन जेप्टा ने कॉने आइलैंड और स्टिलवैल एवेन्यू के बीच चलने वाली सबवे ट्रेन में एक महिला को जिंदा जला दिया। इस घटना में महिला की मौके पर ही मौत हो गई थी। पुलिस जांच में पता चला है कि जेप्टा को साल 2018 में अमेरिका के एरिजोना में बॉर्डर पुलिस ने अवैध रूप से सीमा पार करते हुए

पकड़ा था। इसके बाद जेप्टा को निर्वासित कर दिया गया था, लेकिन वह फिर से अमेरिका में दाखिल हो गया। हालांकि जेप्टा फिर से कैसे और कब अमेरिका पहुंचा, इसका पता नहीं चला है।

जेप्टा के इस खुलासे को लेकर सोशल मीडिया पर काफी कुछ लिखा जा रहा है। ऐसे ही एक सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एलन मस्क ने लिखा- वाह। दरअसल मस्क अवैध अप्रवासन के विरोधी हैं और राष्ट्रपति चुनाव में अवैध अप्रवासन का मुद्दा खूब गरमाया था। यही वजह है कि मस्क ने जेप्टा के अवैध रूप से अमेरिका में आने के लिए मौजूदा सरकार पर तंज कसा।

पीएम स्टार्मर ने क्रिसमस पर मध्य पूर्व के लिए शांति और भाईचारे की अपील की

कहा- यह सभी के लिए आसान समय नहीं

लंदन, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। हर कोई क्रिसमस को लेकर उत्साहित है। ऐसे में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि वे मध्य पूर्व, जो क्रिसमस की कहानी का जन्मस्थान है, में शांति की कामना करेंगे और सभी के लिए उज्जवल भविष्य की उम्मीद करेंगे। डाउनिंग स्ट्रीट द्वारा बुधवार को क्रिसमस से पहले जारी किए गए एक वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे अपने आसपास के लोगों का ख्याल रखें। उन्होंने विशेष रूप से उन सशस्त्र बलों और फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया, जो देश भर में लोगों की मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'इस क्रिसमस पर मैं शांति की कामना करूंगा। विशेष रूप से मध्य पूर्व में, जो क्रिसमस की कहानी का जन्मस्थान है। मैं हर व्यक्ति के लिए एक बेहतर व उज्जवल भविष्य की उम्मीद करूंगा और क्रिसमस से मिलने वाली खुशी और आश्चर्य का जश्न मनाऊंगा।' उन्होंने आगे कहा, 'यह त्योहार याद दिलाता है कि क्या वास्तव में महत्वपूर्ण है, जैसे परिवार, मित्रता और सभी लोगों के बीच भाईचारा।

इन उत्सवों में, साथ ही मुश्किल समय में भी हम एक दूसरे के लिए मौजूद हैं। मैं खास तौर पर उन लोगों का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जो इस साल अपना क्रिसमस दूसरों की सेवा में बिताएंगे।

हमारे राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा और आपातकालीन सेवाओं, हमारे सशस्त्र बलों और चर्चों व चैरिटी में जो इस क्रिसमस पर हर व्यक्ति का स्वागत करेंगे।'

मोहम्मद यूनुस आग में घी डाल रहे

भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण अनुरोध पर भड़के बेटे सजीब, बांग्लादेश सरकार पर साधा निशाना

ढाका, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश सरकार की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारत से प्रत्यर्पण की मांग पर उनके बेटे सजीब वाजेद ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। सजीब ने बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर राजनीतिक बदले की भावना से काम करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि शेख हसीना के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण में दिखावटी मुकदमे की प्रक्रिया चल रही है। यह राजनीतिक प्रतिशोध है और न्याय का गला घोंटा जा रहा है। बांग्लादेश सरकार ने भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण का औपचारिक अनुरोध किया है। शेख हसीना के बेटे ने बांग्लादेश के अनुरोध पर कहा, 'कंगारू ट्रिब्यूनल और उसके बाद शेख हसीना के प्रत्यर्पण का अनुरोध तब आया है, जब सैकड़ों नेताओं और कार्यकर्ताओं की हत्याएं की जा रही हैं, झूठे आरोप लगाकर लोग जेल भेजे जा रहे हैं। लूटपाट और आगजनी जैसे हिंसक हमले हर रोज बेरोकटोक हो रहे हैं। यूनुस सरकार इनको रोकने के बजाय नजरअंदाज करते हुए आग में घी डालने का काम कर रही है।' सजी वाजेद ने भारत से बांग्लादेश के अनुरोध को 'हताश प्रयास' और अवामी लोग को परेशान करने की कोशिश करार दिया है। उन्होंने कहा कि 22 दिसंबर को आईसीटी ट्रिब्यूनल के मुख्य अभियोजक ताजुल इस्लाम ने शेख हसीना के खिलाफ जानबूझकर दुष्प्रचार अभियान चलाया। पहले उन्होंने दावा किया कि इंटरपोल ने उनके खिलाफ रेड नोटिस जारी किया है। मीडिया में इस झूठ के पर्दाफाश हो गया तो उन्होंने अपना बयान बदल दिया और आधिकारिक तौर पर भारत को प्रत्यर्पण के लिए अनुरोध भेजा है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना व्यापक विरोध प्रदर्शनों के बीच इस साल अगस्त में ढाका छोड़कर बारत आ घई थीं। इन विरोध प्रदर्शनों के कारण 15 साल सत्ता में रहने के बाद उन्हें पद से हटा दिया गया था। हसीना के भारत में आने के चार महीने बाद बांग्लादेश ने हसीना की वापसी की औपचारिक मांग करते हुए भारत को एक राजनयिक नोट भेजा है।

कनाडा में जमकर चल रहा था फ्रॉड

ट्रूडो ने एक्सप्रेस एंट्री सिस्टम में किया बड़ा बदलाव, घर की चाह रखने वालों पर सीधा असर

ओटावा, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। कनाडा सरकार अपने इमिग्रेशन सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए नए कदम उठा रही है। इस दिशा में नए फैसले की जानकारी देते हुए इमिग्रेशन मिनिस्टर मार्क मिलर ने बताया है कि एक्सप्रेस एंट्री आवेदकों को अब जॉब ऑफर के लिए अतिरिक्त पॉइंट नहीं मिलेंगे। यह बदलाव 2025 से लागू हो जाएगा। सरकार के इस कदम का मकसद प्रक्रिया को पारदर्शी बनाते हुए धोखाधड़ी को कम करना है। कई लोग गैरकानूनी तरीके से लेबर मार्केट इम्पैक्ट असेसमेंट (एलएमआईए) खरीदते और बेचते हैं। इससे कनाडा में स्थायी निवासी बनने के उनके चांस बढ़ जाते हैं। कनाडा में बड़ी संख्या में भारतीय पढ़ते और काम करते हैं। ऐसे में भारतीयों पर इस फैसले का सीधा असर हो सकता है। जस्टिन ट्रूडो सरकार का यह बदलाव उन लोगों पर असर डालेगा जो एक्सप्रेस सिस्टम के जरिए परमानेंट रेजिडेंसी के लिए अप्लाई कर रहे हैं। इसमें वो लोग भी शामिल हैं, जो फिलहाल कनाडा में अस्थायी वर्क परमिट पर काम कर रहे हैं। हालांकि जिन लोगों को पहले ही अप्लाई करने का ऑफर मिल चुका है या जिनकी एप्लीकेशन प्रोसेस में है, उन पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। एक बार बदलाव लागू होने के बाद यह पूल में मौजूद सभी कैंडिडेट पर लागू होगा, चाहे उनके पास जॉब ऑफर हो या न हो। नए कैंडिडेट पर भी यही नियम लागू होगा।

कनाडा के इमिग्रेशन मिनिस्टर मार्क मिलर ने कहा, 'हम धोखाधड़ी को कम करने के लिए कदम उठा रहे हैं लेकिन अर्थव्यवस्था की जरूरतों के हिसाब से कुशल लोगों को बुलाना भी जारी रखेंगे।

सूरज को छूकर वापस

नासा आज बनाएगा अनोखा रेकॉर्ड, सूर्य के सबसे पास पहुंचेगा पार्कर सोलर प्रोब

वॉशिंगटन, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का पार्कर सोलर प्रोब यान मंगलवार (24 दिसंबर) को सूर्य के सबसे नजदीक से गुजर रहा है। यह 430,000 मील प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ते हुए मंगलवार को सूर्य की सतह से सिर्फ 3.8 मिलियन मील की दूरी पर होगा। इसे एक्सपर्ट सूरज को छू लेने जैसा कह रहे हैं। इस मिशन का उद्देश्य सूर्य के बारे में जानकारी इकट्ठा करना है। इससे पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति और ब्रह्मांड में कहीं और जीवन की संभावना को समझने में मदद मिल सकती है। यह मिशन अंतरिक्ष यात्रियों और उपग्रहों को प्रभावित करने वाले सौर तूफानों की भविष्यवाणी करने में भी मददगार होगा। बिजनेस इनसाइडर की रिपोर्ट के मुताबिक, नासा का

पार्कर सोलर प्रोब 2018 में लॉन्च हुआ था और ये सूर्य के चारों ओर 21 चक्कर लगा चुका है। छह साल बाद इसके लिए 24 दिसंबर का सबसे खास दिन आया है। इस दिन यान सूर्य के इतना करीब होगा, जितना कोई भी मानव निर्मित वस्तु कभी नहीं पहुंची है। यह सूर्य की सतह से 3.8 मिलियन मील दूर होगा। यह पृथ्वी के हिसाब से बहुत दूर लग सकता है लेकिन अंतरिक्ष के पैमाने पर बहुत नजदीक है। इसे ऐसे समझिए कि अगर पृथ्वी और सूर्य एक फुटबॉल मैदान के दो छोर पर हों तो पार्कर सोलर प्रोब सूर्य की तरफ 4 गज की रेखा पर होगा। नासा के साइंस मिशन डायरेक्टोरेट के हेलियोफिजिक्स डिवीजन के निदेशक जो वेस्टलेक का कहना है कि पार्कर सोलर प्रोब सूर्य की तरफ 4 गज की रेखा पर है। यह इतना करीब है कि असल में सूर्य के ऊपरी वायुमंडल में हैं। हम वास्तव में पहली बार किसी मिशन के साथ सूर्य को छू रहे हैं।

मंत्रिमंडल को लेकर सुगबुगाहट तेज

वसुंधरा के बाद सीएम भजनलाल भी दिल्ली में; अमित शाह से मिले

जयपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के बीजेपी नेताओं के दिल्ली दौरों को लेकर प्रदेश में सियासी हलचल बढ़ती नजर आ रही है। एक तरफ पूर्व सीएम वसुंधरा राजे की सक्रियता बढ़ी है तो दूसरी तरफ अब सीएम भजनलाल भी दिल्ली में है। यहां आज उनकी मुलाकात गृह मंत्री अमित शाह से हुई है।

राज्य की भजनलाल सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार से लेकर राजनीतिक नियुक्तियों की चर्चाओं का बाजार गर्म है। प्रदेश में बीजेपी नेताओं की सक्रियता जयपुर से दिल्ली के बीच बढ़ती नजर आ रही है। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे हाल में पीएम नरेंद्र मोदी से वन टू वन मुलाकात कर चुकी हैं और फिर दिल्ली पहुंच गईं।

इधर सीएम भजनलाल शर्मा भी आज दिल्ली में बीजेपी के शीर्ष नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं। इसमें उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह और उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की है। शाह से मुलाकात के बाद राजस्थान में नए साल में मंत्रिमंडल विस्तार से लेकर राजनीतिक नियुक्तियों की चर्चाएं तेज हो गई है। प्रदेश में पार्टी स्तर पर इस बारे में सुगबुहाट काफी सुनाई दे रही है।

सरकार जनवरी के अंतिम सप्ताह में बजट सत्र बुला सकती है। हालांकि अभी तक सरकार की तरफ से इस संबंध में विधानसभा को कोई चिट्ठी-पत्री जारी नहीं की गई है, लेकिन अगर ऐसा होता है तो प्रदेश में मंत्रिमंडल विस्तार या तो जनवरी के पहले सप्ताह में या फिर मार्च के बाद ही संभव है। इस बीच अगले साल लॉकल बॉडी चुनाव भी होने हैं। इसलिए सरकार इन चुनावों से पहले कुछ राजनीतिक नियुक्तियों करने की तैयारी जरूर कर रही है।

दरअसल, राजस्थान उपचुनाव में मिली कामयाबी और सरकार के एक साल पूरे होने पर हुए सफल आयोजन के बाद भजनलाल सरकार के मंत्रिमंडल में फेरबदल की सुगबुगाहट तेज हो गई है। पिछले दिनों भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और सरकार के वरिष्ठ मंत्री जोगाराम पटेल के एक साथ दिल्ली पहुंचे थे, हालांकि तब दिल्ली में किसी बड़े नेता से उनकी मुलाकात नहीं हुई थी, लेकिन आज भजनलाल दिल्ली के प्रभावशाली नेताओं से मिल रहे हैं। वहीं वसुंधरा राजे की सक्रियता भी बीजेपी में चर्चाओं में है। वीते एक साल में राजे इस बार जितनी सक्रिय नजर आ रही हैं वैसा पहले कभी देखने को नहीं मिला। वे न सिर्फ दिल्ली के नेताओं से मुलाकात कर रही हैं बल्कि संघ से भी लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। ऐसे में चर्चा यह है कि राजस्थान मंत्रिमंडल विस्तार में इस बार राजे कैंप के लोगों को अच्छा मौका मिल सकता है।

जयपुर अग्निकांड: टैंकर चालक पुलिस के सामने हुआ पेश

एसआईटी करेगी पूछताछ, हादसे के बाद किया था फोन बंद

जयपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। पिछले सप्ताह जयपुर में हुए गैस टैंकर विस्फोट में 13 लोगों की जान गई थी। इस मामले में एलपीजी टैंकर चालक जयवीर (40) पुलिस के सामने पेश हुआ। पुलिस की विशेष जांच टीम इस मामले की जांच कर रही है और जयवीर से पूछताछ करेगी।

बता दें कि जयवीर मूलतः उत्तर प्रदेश के मथुरा का निवासी है। वो टक्कर के बाद टैंकर से समय रहते बाहर निकलने में सफल हुआ था।

टक्कर के चलते टैंकर के आउटलेट नोजल टूट गए थे, जिससे गैस का रिसाव शुरू हो गया था। पुलिस के अनुसार, जयवीर ने हादसे के तुरंत बाद दिल्ली स्थित टैंकर मालिक अनिल पंवार को फोन किया और फिर अपना फोन बंद कर दिया।

पश्चिम क्षेत्र के डीसीपी अमित कुमार ने कहा कि 'हम तुरंत टैंकर चालक को दोषी नहीं ठहरा सकते, क्योंकि कंटेनर ट्रक चालक ने उनकी गाड़ी को टक्कर मारी थी। जयवीर ने देखा कि टैंकर के नोजल टूट गए हैं और अन्य वाहन चालकों द्वारा गाड़ियों की इग्निशन चालू करने से विस्फोट हो सकता है, जिसके बाद वो अपनी जान बचाने के लिए वहां से भाग गया था।

घटना के दिन 20 दिसंबर को इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई थी। टैंकर चालक जयवीर, टैंकर मालिक अनिल पंवार और कंपनी के अन्य जिम्मेदार लोगों से वाहन की स्थिति और चालक के रोजगार इतिहास के बारे में पूछताछ की जाएगी। डीसीपी ने बताया कि हादसे के समय मौके पर मौजूद नौ चालकों में से जयवीर भी थे, जो बचने में कामयाब रहे।

गौरतलब है कि जयपुर-अजमेर हाईवे पर एक कंटेनर ट्रक ने टैंकर को यू-टर्न लेते समय टक्कर मारी, जिससे गैस का रिसाव हुआ और सफेद धुएं का बादल बन गया। कुछ ही मिनटों में गैस ने आग पकड़ ली और एक विशाल आग का गोला 30 से अधिक गाड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में दो दर्जन से अधिक लोग घायल हुए और 23 लोगों का इलाज सवाई मान सिंह (एसएमएस) अस्पताल में चल रहा है।

पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। जिसमें लापरवाही से वाहन चलाना, लापरवाही से मौत का कारण बनना और जीवन को खतरे में डालकर चोट पहुंचाना शामिल है।राजस्थान हाईकोर्ट ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लिया है और राज्य सरकार तथा केंद्र से जवाब मांगा है। इस मामले की सुनवाई 10 जनवरी, 2025 को होगी।

मस्जिद सर्वे को लेकर पूर्व मंत्री गोविंदराम मेघवाल बोले

गहरी खुदाई करने पर कहीं बौद्ध मठ न निकल जाए

बीकानेर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। भीमराव आंबेडकर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान पर सियासत गर्म है। जिसको लेकर पूर्व मंत्री गोविंदराम मेघवाल के नेतृत्व में कर्मचारी मैदान में धरना देकर कलक्ट्रेट से आंबेडकर मूर्ति स्थल तक पैदल मार्च निकाला गया।

इस दौरान पूर्व मंत्री गोविंदराम ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि भाजपा देश के सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का काम कर रही है। देश में 1947 में कानून बना हुआ है, जो मंदिर है वहां मंदिर रहेगा, जहां मस्जिद है, वहां मस्जिद रहेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा देश में मस्जिद के नीचे मंदिर ढूंढ रही है। कहीं ज्यादा गहराई तक खुदाई की तोबौद्ध मठ न निकल जाये।

उन्होंने आगे कहा कि संसद में गृहमंत्री की ओर से संविधान निर्माता बाबा साहब पर आपत्तिजनक टिप्पणी करना बेहद शर्मनाक है, जिससे देश व प्रदेश में दलित, पिछड़ों व वंचित समाज की भावनाओं को आघात पहुंचा है। उन्होंने कहा कि गृहमंत्री की बाबा साहब पर की गई टिप्पणी से दलितों व पिछड़ों के प्रति भाजपा की संविधान विरोधी मानसिकता प्रकट होती है।

उन्होंने कहा कि गरीबों, पिछड़ों के भगवान डा. भीमराव आंबेडकर के प्रति ऐसी भाषा का प्रयोग और टिप्पणी समाज के लोग सहन नहीं करेंगे। वहीं उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि अमित शाह की बाबा साहब भीमराव अंबेडकर पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से पूरे देश में आक्रोश है।

संसद में हुए हंगामे के पीछे सरकार का उद्देश्य ध्यान भटकाना है, लेकिन जनता सब देख रही है और इसका परिणाम जल्द सामने आएगा। देश के हर दलित,महिला और बच्चे का अपमान शाह ने किया है। वक्ताओं ने कहा कि ये नफरत फैलाने वाले लोग है, बाबा साहब को लेकर इन्होंने गलत बात बोली है, उसको हम कभी सहन नहीं करेंगे।

थाईलैंड की युवती को गोली मारने वाले हिस्ट्रीशीटर

उदयपुर में पुलिस के बोला- 'मुझसे गलती हो गई है, माफ कर दो

उदयपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। उदयपुर में थाईलैंड की एक युवती को गोली मारने के मामले में गिरफ्तार बदमाशों का एक सीसीटीवी वीडियो सामने आया है जिसमें स्वरुपगंज का हिस्ट्रीशीटर उदयपुर पुलिस के पैरों में पड़कर गिड़गिड़ाता हुआ नजर आ रहा है। वारदात के बाद जब सुखेर थानाधिकारी हिमांशु सिंह राजावत और सुनील विश्नोई बदमाशों को पकड़ने होटल पहुंचे तो हिस्ट्रीशीटर राहुल गुर्जर हिमांशु सिंह के पैरों में गिरकर गिड़गिड़ाने लगा। उसके बाद उसे पकड़कर थाने ले गए.

मामला 9 नवंबर का है जहां सुखेर थाना क्षेत्र में एक थाईलैंड की युवती पर होटल में फायरिंग कर घायल करने के बाद उसे अस्पताल में छोड़कर फरार हुए चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था. जांच में सामने आया था कि घायल युवती कोई पर्यटक नहीं, बल्कि एस्कॉर्ट सर्विस से जुड़ी थी. फायरिंग करने वाला आरोपी सिरोही के स्वरूपगंज का हिस्ट्रीशीटर राहुल गुर्जर था. उसके साथ प्रतापनगर निवासी अक्षय खूबचंदानी, भुवाणा निवासी ध्रुव सुहालका, और भूपालपुरा निवासी महिम चौधरी भी इस घटना में शामिल थे.

जिन्होंने मारी गोली, उन्होंने ही करवाया था अस्पताल में भर्ती

झीलों की नगरी में विदेश से आने वाले टूरिस्टों की सुरक्षा पर सवाल उठाने वाला एक मामला सामने आया था. थाईलैंड से उदयपुर घूमने आई एक महिला को गोली मारी गई थी. गोली महिला की पीठ पर लगी थी. घायल महिला को पहले एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जिसके बाद उसे एमबी अस्पताल में शिफ्ट किया गया था.

ड्रग माफिया सुनील यादव की अमेरिका में हत्या

गोल्डी बरार-रोहित गोदारा ने ली जिम्मेदारी, दी चेतावनी

जयपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। अमरीका के कैलिफोर्निया में ड्रग माफिया सुनील यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। गैंगस्टर गोल्डी बरार और रोहित गोदारा ने इस हत्याकांड की जिम्मेदारी ली है। ये दोनों गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हैं। हाल ही में राजस्थान पुलिस ने सुनील यादव के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था।

सुनील यादव कभी लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा हुआ था। गंगानगर में हुए पंकज सोनी हत्याकांड के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार भी किया था। हालांकि इस हत्याकांड के बाद सुनील ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग का साथ छोड़ दिया था।

दो साल पहले सुनील नकली पासपोर्ट के जरिए अमरीका पहुंच गया था। वह पाकिस्तान से ड्रग्स की खेप मंगवाकर दुनियाभर में आपूर्ति करता था।

वहीं गैंगस्टर रोहित गोदारा ने इस हत्याकांड की जिम्मेदारी ली है। इस संबंध में रोहित गोदारा का एक कथित पोस्ट भी सामने आया है, जिसमें उसने लिखा कि मैं रोहित गोदारा-गोल्डी बरार, आज कैलिफोर्निया में सुनील यादव को हत्या हुई है। इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी हम लेते हैं। इसने हमारे भाई अंकित भादू का एनकाउंटर करवाया था, जिसका हमने बदला लिया है।

पोस्ट में आगे लिखा गया कि इन्होंने पूरे पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के यूथ को नशे का आदि बना दिया है। यह मौत से डरकर अमरीका भाग गया और वहां हमारे भाइयों की मुखबरी करने लगा। पोस्ट के अंत में गोदारा ने अपने सभी दुश्मनों को चेतावनी भी दी है।

जयपुर के भांकरोटा में फिर अग्निकांड

फैक्ट्री में लगी भीषण आग, अंदर सो रहे थे कई मजदूर

जयपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के भांकरोटा से एक बार फिर बुरी खबर सामने आई है। भांकरोटा स्थित लकड़ी की फैक्ट्री में देर रात भीषण आग लग गई। हादसा उस वक्त हुआ जब मजदूर फैक्ट्री के अंदर सो रहे थे। हालांकि, गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई।

भांकरोटा के B-3 सूर्यनगर स्थित फैक्ट्री में रात करीब 1.30 बजे अचानक आग लग गई। इस दौरान फैक्ट्री मालिक और मजदूर सो रहे थे, जो धुआं होने पर जाग गए। आग लगने से आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल हो गया।

2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

पुलिस को सूचना पर विद्याधर और मानसरोवर से आधा दर्जन दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान बिजली भी बंद की गई, ताकि कोई जनहानी ना जाएं।

एसएलपी आर्ट फैक्ट्री के अंदर फर्नीचर का काम होता था, ऐसे में चारों तरफ लकड़ियां ही लकड़ियां पड़ी थी। जैसे ही आग लगी तो लकड़ियों ने आग पकड़ ली और कुछ ही देर में पूरी फैक्ट्री आग के आगोश में समा गई।

आग बुझाने की कोशिश में फैक्ट्री मालिक सुखलाल प्रजापत झुलस गया। जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही एसीपी हेमेंद्र शर्मा और सीआई मनीष गुप्ता जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे।

आग के कारणों का अभी पता नहीं

फैक्ट्री में आग लगने से काफी नुकसान हुआ है। माना जा रहा है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी। फिलहाल, पुलिस आग लगने के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

अपने फैसले से पलटे शिक्षा मंत्री दिलावर

अब स्कूलों की छुट्टी 25 से; डोटासरा बोले- फजीहत की आदत है

जयपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के स्कूलों में 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश रहेगा। हर साल शिविरा पंचांग में 25 दिसंबर क्रिसमस के दिन से ही सर्दी की छुट्टियां शुरू जाती हैं, जो पांच जनवरी तक चलती हैं। इस बार शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा था कि तेज सर्दी सर्दी पड़ने पर ही स्कूलों में शीतकालीन अवकाश (25 दिसंबर के बाद) किया जाएगा।

हालांकि उनके इस बयान को लागू नहीं किया गया और शिविरा पंचांग के हिसाब से ही छुट्टियां दी गई हैं। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के निदेशक सीताराम जाट ने बताया कि शिविरा पचांग में पूरे साल की एक्टिविटी होती है। उसके अनुसार ही 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक छुट्टियां की गई है। ये प्रदेश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों के लिए लागू होगा।

अब कांग्रेस ने इस फैसले को लेकर दिलावर पर हमला बोल दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि शिक्षा मंत्री कहते रहे 25 दिसंबर से शीतकालीन अवकाश नहीं होगा।

मंत्री निरंतर बयानबाजी कर शिक्षकों और अभिवावकों को भ्रमित करते रहे, लेकिन शिक्षा विभाग के निदेशक ने शिविरा पंचांग के अनुसार 25 दिसंबर से 5 जनवरी तक छुट्टियां घोषित कर दी। मंत्री जी को बेतुके बयान और बार-बार यू-टर्न लेते फैसलों से फजीहत की आदत हो गई है।

दिलावर के क्यूं बार-बार लेते हैं यू-टर्न

मौजूदा सरकार के एक साल के कार्यकाल में दिलावर का कई बार अपने बयानों पर यू टर्न लेना पड़ा है।

ओवरलोड ट्रक के नीचे आकर पिचक गई कार, मौके पर हुई तीन की मौत

दौसा, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले में मेहंदीपुर बालाजी के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए।

हादसा उस समय हुआ जब श्रद्धालु बालाजी के दर्शन करके लौट रहे थे और उनकी कार पर एक ओवरलोडेड ट्रक पलट गया।

हादसा शाम करीब 7 बजे मेहंदीपुर बालाजी थाना क्षेत्र के बालाजी मोड़ पर हुआ, जहां मप्र के ग्वालियर नंबर की कार में सवार पांच लोग मेहंदीपुर बालाजी के दर्शन कर लौट रहे थे। इसी दौरान भरतपुर की ओर टर्न लेते समय पीछे से आ रहा एक ओवरलोड ट्रक अपना संतुलन खो बैठा और कार पर पलट गया।

ट्रक में पानी की बोतलों के भारी कार्टन लदे हुए थे, जिससे कार का पिछला हिस्सा ट्रक के नीचे आकर पूरी तरह पिचक गया और पिछली सीट पर बैठे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। कार के ड्राइवर और एक अन्य व्यक्ति ने जैसे-तैसे कार से निकलकर अपनी जान बचाई। घायल हुए दो लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों के शवों को सिकराय सीएचसी की मोर्चरी में रखा गया है।

मानपुर डीएसपी दीपक मीणा ने बताया कि हादसे में मृतक मप्र के ग्वालियर के निवासी हैं। पुलिस ने ट्रक चालक और कार से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। हादसे के बाद से ट्रक चालक भी फरार है। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचित कर दिया है। आगे की कार्रवाई पूरी करने के लिए पुलिस जांच में जुटी है।

अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव 10 जनवरी से आयोजित

बीकानेर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय ऊंट उत्सव 10 से 12 जनवरी तक आयोजित किया जाएगा। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि ने इसके पोस्टर का विमोचन किया और अब तक की तैयारियों की समीक्षा की। जिला कलेक्टर ने कहा कि उत्सव में अधिक से अधिक देशी और विदेशी पर्यटक शिरकत करें, इसके मद्देनजर इसका व्यापक प्रचार-प्रचार किया जाए।

उन्होंने कहा कि उत्सव के दौरान ऐसे नवाचार हों, जिससे राजस्थान की संस्कृति और परंपराओं को नई पहचान मिल सके। जिला कलेक्टर ने बताया कि 10 जनवरी को भव्य सांस्कृतिक संध्या के साथ तीन दिवसीय कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। इसमें विभिन्न कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। जूनागढ़ परिसर में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के दौरान हैंडीक्राफ्ट सहित स्थानीय विशेषताओं की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

किडनैप लड़की का सुराग नहीं, आटा-साटा में हुई थी शादी

पिता ने कहा- आज गणित का पेपर; बेटी की जान को है खतरा

भरतपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। डीग के पहाड़ी थाना इलाके से कल शाम 4.30 बजे किडनैप हुई 10वीं छात्रा का अभी तक सुराग नहीं लगा है। पुलिस को कोई सफलता नहीं मिली। लड़की सोमवार को अर्धवार्षिक परीक्षा देकर स्कूल से निकली थी। रास्ते में ससुराल वालों ने बंदूक की नोक पर उसे किडनैप किया और बोलेरो कार में डालकर ले गए थे। लोगों ने बचाने की कोशिश की तो हवाई फायर भी किया था। लड़की की तलाश के लिए 3 टीमों का गठन किया गया। जगह-जगह दबिश दी जा रही है।

नाबालिग छात्रा की शादी परिवार ने आटा-साटा प्रथा के तहत गोपालगढ़ की थी। ये तय हुआ था कि लड़की के ससुराल वाले लड़की के चाचा की शादी कराएंगे। कल वो एग्जाम देने गई तो ससुराल वाले फायरिंग कर बेटी को ले गए।पुलिस आरोपियों के घर ही नहीं जा रही है। मेरी बेटी की जान को खतरा है। मुझे मेरी बेटी चाहिए। मेरी बेटी का गणित का पेपर 1 बजे से था। उसका भविष्य खराब हो जाएगा। या तो पुलिस मेरी बेटी को लाए। या फिर आरोपियों को हाजिर करें। पहाड़ी थाना इलाके के एक गांव में रहने वाले पिता ने सोमवार को अपहरण के बाद ससुराल वालों पर दहेज के लिए तंग करने का आरोप लगाया था। आज कहा कि बेटी की शादी आटा-साटा में की थी। शादी के वक्त यह तय हुआ था कि उसके ससुराल वाले मेरे ममेरे भाई की शादी कराएंगे।

नई बहू के गहने खरीदने बैंक से निकाला कैश, पांच लाख लेकर फरार हुए चोर

नागौर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। नागौर शहर के गांधी चौक स्थित भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य ब्रांच से दो युवकों ने 5 लाख रुपए की चोरी कर ली। इस वारदात को बैंक के गार्ड्स की मौजूदगी और मुख्य प्रबंधक के चैंबर के पास अंजाम दिया गया, जिससे बैंक की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

घटना दोपहर में लगभग 1:24 बजे हुई जब भादवासी निवासी भेरूराम रॉड ने अपने बड़े बेटे की शादी के लिए 6 लाख रुपये बैंक से निकाले थे। भेरूराम ने बताया कि वह बैंक के मुख्य प्रबंधक के चैंबर के सामने अपनी डायरी में एंट्री कर रहा था और अपने बैग में निकाले गए रुपये रख रहा था। इसी दौरान दो युवकों ने बैग से 5 लाख रुपये चुरा लिए। यह घटना बैंक में सुरक्षा गार्ड्स की मौजूदगी के बावजूद हुई, जिससे बैंक के सुरक्षा उपायों पर सवाल खड़े हो गए हैं।

चोरी होने के बाद भेरूराम ने तुरंत हल्ला मचाकर बैंक के कर्मचारियों को सूचित किया लेकिन तब तक आरोपी युवक बैंक से बाहर निकलने में सफल हो गए। पीड़ित ने गांधी चौक स्थित पुलिस चौकी पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी युवक टैक्सी में बैठकर फरार हो गए।

चोरों का अड्डा बना नगर परिषद का रैन बसेरा

पुलिस ने दबिश देकर लाखों का माल बरामद किया

चित्तौड़गढ़, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। गरीब और बेसहारा लोगों के लिए बनाए गए रैन बसेरों का उद्देश्य समाज के बेसहारा लोगों को आश्रय देना होता है लेकिन चित्तौड़गढ़ में नगर परिषद की लापरवाही के चलते यह उद्देश्य बुरी तरह विफल हो रहा है। मोक्षधाम के समीप पन्नाधाय बस स्टैंड पर स्थित स्थाई रैन बसेरा अब चोरों की सुरक्षित पनाहगाह बन गया है। मामला तब सामने आया जब गांधीनगर मजिस्ट्रेट कॉलोनी के निवासी हनीफ मुल्तानी के घर के बाहर रखे भारी मशीनरी सामान को चोरों ने चोरी कर लिया। इसके सात दिन के भीतर एक और भारी वजनी मशीन भी गायब हो गई। जब हनीफ ने खुद अपने चोरी हुए सामान की तलाश की तो यह पन्नाधाय बस स्टैंड के पास स्थित रैन बसेरे में पाया गया। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पीड़ित की सूचना पर गांधीनगर चौकी प्रभारी जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रैन बसेरे पर छापा मारा। पुलिस को यहां बड़ी मात्रा में चोरी का सामान बरामद हुआ, जिसमें रेलवे और आरएसईबी विभाग के उपकरण, पानी की मोटरें, एक बाइक, जले हुए तार और लोहे के भारी सामान शामिल थे। पुलिस ने तुरंत रैन बसेरे को सील कर दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

चाय की बात पर हुआ विवाद

फिर अंधाधुंध चलने लगीं गोलियां

फायरिंग से दहला जोधपुर का देजगरा गांव

जोधपुर, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। जोधपुर के झंवर थानान्तर्गत जैसलमेर हाईवे पर लोरडी देजगरा गांव स्थित एक होटल पर चाय पीने रुके कुछ युवकों ने विवाद के बाद 10 से 15 हवाई फायर किए। इससे क्षेत्र में दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने बदमाशों की एक कार में तोड़फोड़ कर दी, जिसे छोड़कर बदमाश एक अन्य लग्जरी कार में फरार हो गए। जांच में पुलिस को वारदात स्थल पर कुछ जिंदा व खाली कारतूस मिले हैं। पुलिस के अनुसार लोहड़ी देजगरा गांव स्थित एक होटल पर रात ढाई बजे एक कार में तीन युवक आए। होटल पर पड़ोस का एक युवक सो रहा था। चाय पीने के लिए कार में युवकों ने आवाज लगाकर उसे उठाने का प्रयास किया। सो रहा युवक उठा तो तीनों युवकों से विवाद हो गया। कार में सवार युवकों ने मारपीट शुरू की तो युवक वहां से भाग गया। उसने फोन कर 8-10 ग्रामीणों को होटल बुलाया।

इससे ग्रामीण व कार में सवार युवकों में विवाद बढ़ गया। कार में सवार युवकों ने भी फोन कर लग्जरी कार में चार-पांच और युवक बुला लिए।

थियेटर भगदड़ की घटना का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए : संबाशिव राव

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के राज्य सचिव और विधायक कुणामनेनी संबाशिव राव ने मंगलवार को कहा कि 'पुष्पा-2' फिल्म के लाभ शो में मची भगदड़ में रेवती की मौत हो गई, लेकिन उसकी मौत के बाद भी उसके बेटे श्रीतेज को बचाने की कोशिश ने सभी को झकझोर कर रख दिया। सीपीआई के राज्य सचिवालय सदस्य ई.टी. नरसिम्हा, कार्यकारी समिति के सदस्य मर्री वेंकटस्वामी और मंडपवन के साथ कुणामनेनी हैदराबाद के केआईएमएस अस्पताल में श्रीतेज से मिलने गए। उन्होंने अस्पताल के डॉक्टरों से श्रीतेज की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने डॉक्टरों से श्रीतेज को बेहतर चिकित्सा उपचार देने का आग्रह किया, ताकि वह जल्दी ठीक हो जाए। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि फिल्में समाज के बदलाव और विकास के लिए बनाई जाती हैं, लेकिन समाज के साथ काम किए बिना केवल कमाई के उद्देश्य से फिल्में बनाना आपत्तिजनक है। उन्होंने कहा, समाज में अच्छाई और बुराई दोनों है और फिल्मों में अच्छाई और बुराई दोनों निहित हैं। लेकिन, नायकत्व हमेशा अच्छाई के पक्ष में होना चाहिए और समाज को एक मार्गदर्शक संदेश देना चाहिए। फिल्म बनाने का क्या संकेत है कि मुख्य नायक बुराई का नेता है? उन्होंने कहा कि उस दौर में जब

फिल्म उद्योग में कम्युनिस्टों का प्रभाव अधिक था, कई बेहतरीन फिल्में बनीं, जिन्होंने समाज का बहुत भला किया। उन्होंने कहा, अभिनेता अल्लू रामलिंगैया ने भी कुछ फिल्मों में खलनायक की भूमिका निभाई है, लेकिन उसमें संवेदनशीलता थी और इस समाज में ऐसे लोग हैं और उन्होंने हमेशा समाज की प्रगति की आकांक्षा की है, सिवाय उन लोगों के जो अपनी भूमिकाओं के माध्यम से प्रतिबिंबित करते हैं। उन्होंने सवाल किया कि सेंसर बोर्ड, जिसने पहले मदाला रंगा राव और आर नारायण मूर्ति की फिल्मों को सामाजिक रूप से प्रेरित तरीके से बनाने की अनुमति नहीं दी थी, एक नायक को लाल चंदन तस्कर के मुख्य नायक की भूमिका निभाने की अनुमति कैसे दी? कुणामनेनी ने कहा कि सेंसर बोर्ड बड़े निर्माताओं और नायकों के हाथों में पूरी तरह से बंधक बन गया है और उन्होंने कहा कि सेंसर बोर्ड में व्यापक सुधार की जरूरत है। कुणामनेनी संबाशिवा राव ने स्पष्ट किया कि कानून के सामने सभी समान हैं और कहा कि नायकों और राजनीतिक नेताओं के लिए कोई कानून नहीं होगा और आम आदमी के लिए अलग कानून होगा। उन्होंने कहा, अगर संध्या थिएटर की घटना में हीरो अल्लू अर्जुन को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, तो कुछ दलों के नेताओं का इसे राजनीतिक रंग देना और मनमाने ढंग से टिप्पणी करना ठीक नहीं है। संध्या थिएटर की घटना को मानवीय दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए न कि राजनीतिक दृष्टिकोण से। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा विधानसभा स्थल पर संध्या थिएटर की घटना का गहन विश्लेषण करने तक किसी को भी पूरी जानकारी नहीं थी। उन्होंने सरकार से इस घटना के प्रति सजग होने और फिल्म उद्योग में क्रांतिकारी बदलाव लाने का आग्रह किया, जिसके लिए मौजूदा कानूनों में सुधार किया जाना चाहिए और नए कानून बनाए जाने चाहिए ताकि फिल्म उद्योग समाज के लिए पूरी तरह उपयोगी हो सके। उन्होंने सरकार से संदेश देने वाली छोटी फिल्मों को हर तरह के प्रोत्साहन देने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि बाउंसर प्रणाली की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। कुणामनेनी संबाशिवा राव ने सरकार से यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया कि पुलिस की सेवाओं का उपयोग मशहूर हस्तियों की सुरक्षा के लिए किया जाए।

तेलंगाना आंदोलन के दौरान यादव रेड्डी की भूमिका सराहनीय : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने आज रविन्द्र भारती में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में भाग लिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत से लोग विचारधाराओं के बारे में बोलते हैं, लेकिन कुछ ही लोग उनका अनुसरण करते हैं। यादव रेड्डी उनमें से एक हैं, जो विचारधारा का अनुसरण करते हैं और उसमें विश्वास करते हैं। सुरवरम जैसे नेता कट्टर कम्युनिस्ट हैं, जबकि जयपाल रेड्डी और यादव रेड्डी नरमपंथी कम्युनिस्ट हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी में देश के गरीबों तक विकास का फल पहुंचाने के लिए काम किया। इन नेताओं ने पद के लिए नहीं, बल्कि विचारधाराओं और लोगों के मुद्दों को सुलझाने के लिए काम किया। तेलंगाना आंदोलन के दौरान यादव रेड्डी की भूमिका सराहनीय है। वे उन लोगों में से एक हैं, जिन्होंने तेलंगाना राज्य के लिए पिछले दरवाजे से कड़ी मेहनत की। यादव रेड्डी ने सोनिया गांधी के साथ चर्चा में तेलंगाना के लिए राज्य की आवश्यकता को भी समझाया। जयपाल रेड्डी के साथ, यादव रेड्डी ने भी तेलंगाना विधेयक को पारित करने में भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि मुल्की-नॉन मुल्की, पहले चरण और दूसरे चरण के तेलंगाना आंदोलन और तेलंगाना राज्य के गठन के बारे में पूरी जानकारी वाली एक किताब लाने की आवश्यकता है। तेलंगाना आंदोलन के इतिहास और भविष्य की पीढ़ियों के लिए आंदोलन के विकास पर एक पुस्तक प्रकाशित करने की अपील की। पुस्तक में आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वालों के बारे में भी बताने की जरूरत है। चीन ने 2014 के बाद भारत के लगभग 2,000 से 4,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर कब्जा कर लिया। शासकों में इस पर चर्चा करने का साहस नहीं है।

डॉक्टरों का दावा, श्रीतेज की हालत में सुधार

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केआईएमएस अस्पताल के डॉक्टरों (डॉ. चेतन आर मुंदादा और डॉ. विष्णु तेज पुदी) ने आज श्रीतेज के स्वास्थ्य की जानकारी जारी की, जो संध्या थिएटर में भगदड़ में गंभीर रूप से घायल हो गया था और बिना किसी ऑक्सीजन या वेंटिलेटरी सहायता के उसके जीवन के महत्वपूर्ण पैरामीटर स्थिर बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि लड़के की संवेदनाएं पहले जैसी ही हैं, वह अपनी आंखें खोल रहा है और अपने आप अंग हिला रहा है, लेकिन अभी भी वह अपने परिवार के सदस्यों से कोई सार्थक नज़र नहीं मिला पा रहा है या उन्हें पहचान नहीं पा रहा है। वह मौखिक उत्तेजना पर जाग रहा है, लेकिन किसी मौखिक आदेश का पालन नहीं कर रहा है। उसके अंगों में बीच-बीच में डिस्टोनिक हरकतें और अकड़न है, जिसके लिए उसे दवाएं दी जा रही हैं। उसे बीच-बीच में ट्रैकियोस्टोमी ट्यूब को सक्शन करने की जरूरत है। वह नासोगैस्ट्रिक ट्यूबवेल के ज़रिए भोजन सहन कर रहा है और पिछले तीन दिनों से बेचैन है। इस बीच, श्रीतेज के पिता ने मीडियाकर्मियों को बताया कि उनका बेटा ठीक हो रहा है और उसकी हालत में कुछ सुधार हुआ है। चार-पांच दिनों से शरीर में हरकत हो रही है। अगर इंजेक्शन लगाया जाए तो हाथ में दर्द होता है।

लड़कियों के खिलाफ अपराध बेरोकटोक जारी

मंचेरियल में पॉक्सो के तहत दर्ज हुए 45 मामले

निर्मल में दर्ज हुए 26 अपराध

आदिलाबाद और कुमराम भीम जिलों में गिरावट

आदिलाबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल और निर्मल दोनों जिलों में पुलिस द्वारा अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किए जाने के बावजूद लड़कियों के खिलाफ अपराध बेरोकटोक जारी हैं। पुलिस द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, मंचेरियल जिले में 2024 में यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत लड़कियों के खिलाफ 45 अपराध दर्ज किए गए, जबकि 2023 में 40 अपराध दर्ज किए गए, जो 12.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। निर्मल जिले में इस साल लड़कियों के खिलाफ 26 अपराध हुए, जबकि 2023 में 20 अपराध हुए, जो 30 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

आदिलाबाद और कुमराम भीम जिलों में गिरावट देखी गई। आदिलाबाद में लड़कियों के खिलाफ 40 अपराध हुए, जबकि 2023 में 52 अपराध हुए, यानी 23 प्रतिशत की गिरावट। कुमराम भीम आसिफाबाद जिले में 2024 में लड़कियों के खिलाफ 16 अपराध दर्ज किए गए, जबकि पिछले साल 21 अपराध दर्ज किए गए थे, यानी 23 प्रतिशत की गिरावट।

रामागुंडम के पुलिस आयुक्त एम श्रीनिवासुलु ने कहा कि आरोपियों को अदालतों द्वारा दोषी ठहराए जाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने पीड़ितों को डायल 100 सेवा के माध्यम से पुलिस से संपर्क करने और स्थानीय पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि शी टीम के सदस्य लड़कियों के खिलाफ यौन अपराधों को खत्म करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

बीआरएस शासन के दौरान 6,121 किसानों ने आत्महत्या की : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू ने सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को कड़ी फटकार लगाते हुए किसानों के मुद्दे पर मगरमच्छ के आंसू बहाने के लिए बीआरएस नेताओं की आलोचना की है।

उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस कार्यकाल के दौरान कुल 6,121 किसानों ने आत्महत्या की है और बीआरएस नेताओं को किसानों के मुद्दे पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है। यहां मंगलवार को एक बयान में श्रीधर बाबू ने किसानों के प्रति "दिखावटी प्रेम" के लिए बीआरएस नेताओं की आलोचना की, जबकि विपक्ष 'रैतू भरोसा' योजना के माध्यम से उनकी दुर्दशा को दूर करने का प्रयास कर रहा है। मंत्री ने बीआरएस के नैतिक रुख पर सवाल उठाते हुए बताया कि कैसे 2018-19 और 2022-23 के बीच 'रैतू बंधु' के बहाने गैर-कृषि भूमि, पत्थर की चट्टानों और रियल एस्टेट प्लॉटों में कथित तौर पर 25,672 करोड़ रुपये डाले गए। उन्होंने बीआरएस से अपने शासन पर विचार करने का आग्रह किया, जिसने कृषक समुदाय को गंभीर चुनौतियों से जूझते देखा, विशेष रूप से किरायेदार किसानों को, जिन्हें भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

गंभीर आंकड़ों पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि बढ़ते कर्ज और सरकारी सहायता की कमी के कारण 2014 से 2022 तक तेलंगाना में 6,121 किसानों ने अपनी जान दे दी। उन्होंने अपने दावों को पुष्ट करने के लिए 2022 में संसद में खुलासा किए गए राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों का हवाला दिया। श्रीधर बाबू ने कहा, बीआरएस शासन में किसानों की दुर्दशा विनाशकारी रही है। खास तौर पर बटाईदार किसानों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा और आत्महत्या करने वाले किसानों के परिवार आज भी पीड़ित हैं। उनकी असामयिक मृत्यु का बोझ आपके शासन पर है। उन्होंने बीआरएस को यह भी याद दिलाया कि मौजूदा सरकार ने वित्तीय कुप्रबंधन के कारण कर्ज में डूबे राज्य को विरासत में पाने के बावजूद 21,000 करोड़ रुपये के कृषि ऋण माफ करके अपना वादा पूरा किया। उन्होंने कहा, यह विडंबना है कि आप सुधारात्मक उपाय करने के लिए हमारी आलोचना करते हैं, जबकि आपको किसानों के कल्याण के उद्देश्य से हमारी पहल की सराहना करनी चाहिए। श्रीधर बाबू ने बीआरएस नेताओं से झूठ बोलकर लोगों को गुमराह करना बंद करने का आग्रह किया। इसके बजाय, उन्होंने लोगों से जुड़ने, उनकी चुनौतियों को समझने और सार्थक समाधान की दिशा में काम करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, मीडिया में अपनी मौजूदगी से बाहर निकलें और जमीनी हकीकत देखें। तभी आप हमारे शासन के प्रभाव और लोगों के लिए किए गए उसके अच्छे कार्यों को समझ पाएंगे।

समग्र शिक्षा कर्मचारियों की सेवाएं नियमित करने की मांग

भाजपा ने मुख्यमंत्री से किया आग्रह

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा विधायक दल के नेता ए महेश्वर रेड्डी ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से समग्र शिक्षा अभियान के तहत विभिन्न स्कूलों में कार्यरत सभी समग्र शिक्षा कर्मचारियों की सेवाओं को नियमित करने का आग्रह किया। मंगलवार को मुख्यमंत्री को संबोधित एक पत्र में महेश्वर रेड्डी ने याद दिलाया कि रेवंत रेड्डी ने सत्ता में आने के बाद समग्र शिक्षा कर्मचारियों की नौकरियों को नियमित करने का वादा किया था, लेकिन एक साल बाद भी वादा पूरा नहीं किया गया।

उन्होंने कहा कि क्लस्टर संसाधन व्यक्तियों, अंशकालिक प्रशिक्षकों और डाटा एंट्री ऑपरेटरों सहित लगभग 19,000 श्रमिक, उनके रोजगार को नियमित करने के राज्य सरकार के चुनाव पूर्व वादे के पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं।

केटीआर और हरीश राव ने जडचर्ला कस्बे में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ चाय पी।

वन अधिकारियों ने पोडू भूमि पट्टादारों को खेती करने से रोका

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस सरकार के कार्यकाल में पोडू भूमि पट्टा प्राप्त करने की खुशी और सुरक्षा राज्य के कई किसानों के लिए गायब होती दिख रही है। कारण यह है कि वन विभाग उन्हें भूमि पर खेती करने, बोरवेल खोदने, ट्रैक्टर का उपयोग करने और बिजली कनेक्शन लेने की अनुमति देने से इनकार कर रहा है। 2023 तक लगभग 1.5 लाख आदिवासियों को लगभग 4 लाख एकड़ भूमि के पट्टे सौंपे गए।

इसके अलावा, जब किसान वन अधिकारियों के समक्ष पोडू पट्टा प्रस्तुत करते हैं और भूमि पर अपना कब्जा होने का दावा करते हैं, तो उन्हें बताया जाता है कि भूमि अन्यत्र स्थित है और उन्हें उन क्षेत्रों में खेती करने के लिए कहा जाता है। ये सभी मुद्दे राज्य विधानसभा में भी उठे और दिलचस्प बात यह रही कि सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों ने ही इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त की।

येल्लारेड्डी विधायक मदनमोहन राव ने कहा कि राजस्व और वन विभागों के बीच मतभेदों के कारण कई किसानों, विशेषकर आदिवासियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। येलारेड्डी विधानसभा क्षेत्र के राजमपेटा मंडल में किसान, खास तौर पर पिछड़े वर्ग के लोग, 30 साल से जंगल से सटी जमीन पर खेती कर रहे हैं। उन्हें आरओएफआर पट्टे भी जारी किए गए थे। लेकिन वन अधिकारी उन्हें बहुत असुविधा दे रहे थे और उन्हें जमीन खाली करने का निर्देश दे रहे थे। कलेक्टर के समक्ष यह मुद्दा उठाया गया था क्योंकि किसान रैतु भरोसा, रैतु बीमा, फसल ऋण माफी और अन्य लाभों से वंचित थे। विधायक ने बताया कि जब पासबुक के बारे में कृषि विभाग से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि वन विभाग आपत्ति जता रहा है।

विधायक ने कहा कि ये मुद्दे नारायणखेड़ विधानसभा क्षेत्र के भूपालपल्ली में भी व्याप्त थे। किसानों को पट्टे दिए गए और वे एक या दो एकड़ जमीन के मालिक हैं और अपनी आजीविका चला रहे हैं। उन्हें बोरवेल खोदने, ट्रैक्टर चलाने, छोटे घर बनाने से रोका जा रहा है और किसानों पर अन्य प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं।

प्रयागराज में महाकुंभ ग्राम-आईआरसीटीसी टेंट सिटी में तीर्थयात्रियों के लिए तैयार

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी) - भारतीय रेलवे की व्यावसायिक यात्रा, पर्यटन और आतिथ्य शाखा और एक अनुसूची "ए' मिनीरत्न पीएसयू प्रयागराज में महाकुंभ ग्राम - आईआरसीटीसी टेंट सिटी में तीर्थयात्रियों का स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

दक्षिण मध्य रेलवे के अनुसार नैनी के सेक्टर-25 अरैल रोड पर त्रिवेणी संगम से सिर्फ 3.5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित, कुंभ ग्राम स्नान घाटों और अन्य आकर्षणों तक बेजोड़ पहुँच प्रदान करता है। कुंभ ग्राम पर्यटकों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई एक अत्याधुनिक आवास सुविधा है और सभी आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। त्रिवेणी घाट से टेंट सिटी की निकटता स्नान के इच्छुक मेहमानों के लिए एक अतिरिक्त लाभ है। सुपर डीलक्स टेंट और विला टेंट में संलग्न बाथरूम, चौबीसों घंटे गर्म और ठंडे पानी की सुविधा, पूरे दिन आतिथ्य टीम तक पहुंच, रूम ब्लोअर, बिस्तर लिनन, तौलिए और टॉयलेटरीज़ आदि आकर्षक किराए पर उपलब्ध हैं, जिसमें सभी भोजन शामिल हैं। विला टेंट के मेहमान अलग से बैठने की आरामदायक जगह और टेलीविजन का आनंद लेंगे। सीसीटीवी निगरानी मेहमानों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। महाकुंभ ग्राम में प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं और चौबीसों घंटे आपातकालीन सहायता भी उपलब्ध होगी।

तीन वाहन चोर गिरफ्तार, कई मामलों का खुलासा

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले तीन कुख्यात चोरों को गिरफ्तार किया है। इनकी जानकारी के आधार पर मधुरा नगर पुलिस ने छह मामलों का पता लगाया। मिला जानकारी के अनुसार जून 2024 में डी. शिवा की शिकायत प्राप्त होने पर पुलिस मधुरा नगर ने चोरी का मामला दर्ज किया। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसकी कार को यादागिरी नगर से कुछ अज्ञात अपराधियों ने चुरा लिया है। तब से पुलिस मधुरा नगर चोरी की गई कार का पता लगाने के प्रयास कर रही है। लगातार प्रयास करते हुए आज यूसुफगुडा चेकपॉट पर वाहन चेकिंग के दौरान, आरोपी कल्यम वेंकटेश उर्फ वेंकटेश, पामुला राजू उर्फ राजू, तुरपति श्रीशैलम उर्फ बन्नी, यादुला कुमार को डीआई मधुरा नगर और उनके स्टाफ ने गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने पंजागुट्टा, जेडचेरला, शमशाबाद, राजेंद्र नगर और बंजारा हिल्स थाना क्षेत्रों में 5 और ऑटो चोरी करने की बात कबूल की। पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि वे रात के समय घूमते थे और पार्क किए गए ऑटो की पहचान करते थे। वे हैंडल लॉक तोड़कर ऑटो चुराते थे। वे चोरी की गई ऑटो को रिसीवर को कम कीमत पर बेचते हैं। पुलिस ने कुल पांच वाहन बरामद किया। कुल जब्त संपत्ति की कीमत 8 लाख रुपये है।

मतदान के शाम 5 बजे के आंकड़े और अंतिम आंकड़ों की तुलना सही नहीं

ईसी ने कांग्रेस के आरोपों का दिया जवाब

मुंबई, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव खत्म हुए एक महीने से ज्यादा वक्त हो चुका है। इसके बावजूद भी राज्य में चुनाव को लेकर आरोप-प्रत्यारोपों के दौरे अभी भी जारी है। वहीं राज्य में हुए चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी की तरफ से लगाए गए तमाम आरोपों का जवाब चुनाव आयोग की तरफ से दिया गया है। कांग्रेस पार्टी की तरफ से जताई गई चिंताओं के बीच चुनाव आयोग ने मंगलवार को कहा कि महाराष्ट्र में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में मनमाने ढंग से मतदाताओं के नाम नहीं जोड़े गए और न ही हटाए गए।

शाम 5 बजे के आंकड़े और अंतिम आंकड़ों की तुलना सही नहीं :

कांग्रेस को दिए गए अपने जवाब में चुनाव आयोग ने कहा कि शाम 5 बजे के मतदान के आंकड़ों की तुलना अंतिम मतदान के आंकड़ों से करना सही नहीं होगा। इसमें यह भी बताया गया कि शाम 5 बजे से रात 11:45 बजे तक मतदान में बढ़ोतरी सामान्य है, जो मतदाता मतदान के एकत्रीकरण की प्रक्रिया का हिस्सा है और कैसे डाले गए वोटों और गिने गए वोटों में वास्तविक लेकिन महत्वहीन अंतर हो सकते हैं।

वास्तविक मतदाता मतदान में बदलाव करना असंभव :

चुनाव आयोग ने जोर देकर कहा कि वास्तविक मतदाता मतदान में बदलाव करना असंभव है, क्योंकि मतदान का विवरण देने वाला वैधानिक फॉर्म 17सी मतदान केंद्र पर मतदान बंद होने के समय उम्मीदवारों के अधिकृत एजेंटों के पास उपलब्ध होता है। आयोग ने कहा कि महाराष्ट्र में मतदाता सूची तैयार करने में पारदर्शिता के साथ नियम-आधारित प्रक्रिया का पालन किया गया और राज्य में मतदाताओं के नाम हटाने में कोई अनियमितता नहीं हुई। आयोग ने कांग्रेस को बताया कि मतदाता सूची तैयार करने में कांग्रेस प्रतिनिधियों की भागीदारी सहित उचित प्रक्रिया का पालन किया गया।

टीटीडी ट्रस्ट बोर्ड की बैठक में महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित

तिरुमला, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीटीडी ट्रस्ट बोर्ड की बैठक मंगलवार को अन्नामैया भवन में बीआर नायुडू की अध्यक्षता में हुई, जिसमें कुछ महत्वपूर्ण प्रस्ताव किए गए। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू के निर्देशानुसार टीटीडी मंदिरों और संपत्तियों के वैश्विक विस्तार के लिए विशेषज्ञों की एक समिति बनाने, मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार समिति द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार देश भर में कुछ महत्वपूर्ण स्थानों पर श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर बनाने, सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में गरीब मरीजों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए एसवीआईएमएस को राष्ट्रीय दर्जा देने के लिए केंद्र सरकार से सिफारिश करने के लिए राज्य सरकार से अनुरोध, जिससे केंद्र सरकार एसवीआईएमएस को विशेष निधि आवंटित करे, पैदल यात्रियों को पर्याप्त चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने के लिए आवश्यक सिविल सहायक सर्जन, नर्स, पैरा-मेडिकल स्टाफ और अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों के प्रावधान को मंजूरी, श्रद्धालुओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए फीडबैक प्रबंधन प्रणाली स्थापित करने को मंजूरी दी गई। इस संबंध में एपी डिजिटल

कॉर्पोरेशन के सहयोग से श्रद्धालुओं से फीडबैक लेने का निर्णय लिया गया है।

देश की अग्रणी कंपनियों को कैंटीन प्रबंधन लाइसेंस जारी करने में नई व्यवस्था लागू करने की मंजूरी, ताकि आने वाले तीर्थयात्रियों को किफायती दामों पर अधिक गुणवत्ता वाले खाद्य उत्पाद उपलब्ध कराए जा सकें, श्रद्धालुओं को तिरुमला में बेहतर गुणवत्ता वाले अन्नप्रसादम उपलब्ध कराने के लिए एसएलएसएमपीसी के माध्यम से अनुबंध के आधार पर विभिन्न विभागों में 258 खानपान कर्मचारियों को नियुक्त करने की मंजूरी, कांची कामकोटि पीठम के तत्वावधान में तिरुपति में संचालित पारंपरिक स्कूल को एसवी विद्यादान ट्रस्ट से 2 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने की मंजूरी। श्रीवारी दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ के स्वास्थ्य और स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए खाद्य पदार्थों का निरीक्षण करने के लिए टीटीडी में खाद्य सुरक्षा विभाग की स्थापना और तदनुसार एसएलएसएमपीसी कॉरपोरेशन द्वारा वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी के पद को भरने की मंजूरी। नवी मुंबई में श्री पद्मावती अम्मावारी मंदिर के निर्माण के लिए स्थानीय नगर एवं औद्योगिक विकास निगम (सिडको) द्वारा आवंटित 3.60 एकड़ भूमि के लिए 20 करोड़ रुपये के पट्टे मूल्य को कम करने के लिए महाराष्ट्र सरकार से अपील करने का निर्णय, श्रीवारी दर्शन के लिए सर्व दर्शन कतारों में प्रतीक्षा कर रहे भक्तों की सुविधा के लिए अलवर टैंक विश्राम गृहों से बाटा गंगम्मा सर्किल तक 3.36 करोड़ रुपये की लागत से छह शौचालय ब्लॉकों के निर्माण को मंजूरी दी गई है।

ईडी ने ट्रांसस्ट्रॉय इंडिया लिमिटेड और अन्य की अचल संपत्तियां जब्त की

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), हैदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय ने मेसर्स ट्रांसस्ट्रॉय इंडिया लिमिटेड (टीआईएल) और अन्य के खिलाफ जांच की जा रही बैंक धोखाधड़ी मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत भूमि पार्सल और आवासीय परिसर के रूप में 48.71 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया है। ईडी ने एसीबी, सीबीआई, हैदराबाद द्वारा 1860 की विभिन्न आईपीएस धाराओं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत दर्ज एक प्राथमिकी के आधार पर जांच शुरू की। टीआईएल ने बैंकों के एक संघ से ऋण और ऋण सुविधाएं प्राप्त कीं, लेकिन प्राप्त उद्देश्य के लिए धन का उपयोग नहीं किया। कंपनी द्वारा लगातार अनियमितताओं, लेटर ऑफ क्रेडिट (एलसी) के लगातार हस्तांतरण, कार्यशील पूंजी सीमा पर ब्याज का भुगतान न करने और कंसोर्टियम बैंकों के माध्यम से परिचालन न करने के कारण ये ऋण खाते एनपीए हो गए। उधार ली गई धनराशि को इसके समूह की कंपनियों, शेल संस्थाओं, प्रमोटरों/निदेशकों के स्वामित्व वाली/नियंत्रित संस्थाओं और कई असंबंधित संस्थाओं में डायवर्ट किया गया। ईडी की जांच से पता चला कि टीआईएल और उसके निदेशकों/प्रवर्तकों ने अपनी स्वयं की संबद्ध संस्थाओं और शेल संस्थाओं के साथ फर्जी बिक्री और खरीद लेनदेन की मदद से काल्पनिक उच्च कारोबार दिखाकर समय-समय पर ऋण सुविधाओं का लाभ उठाया और समायोजित एलसी खोलकर धोखाधड़ी से धन को डायवर्ट किया, जिसके कारण एलसी का हस्तांतरण हुआ और बैंकों के संघ को 5115 करोड़ रुपये (ब्याज सहित) का नुकसान हुआ। जांच से पता चला कि टीआईएल के निदेशकों/प्रवर्तकों ने कई शेल संस्थाएं बनाईं और अपने कर्मचारियों को ऐसी संस्थाओं में नामधारी/डमी निदेशकों के रूप में नियुक्त किया, जिनका उपयोग डायवर्जन और अपराध की आय को बढ़ाने के लिए किया गया। यह भी पता चला कि एलएमवी/दो पहिया वाहनों की श्रेणी के वाहनों को स्टील के परिवहन के लिए परिवहन वाहनों के रूप में फर्जी चालान में दर्शाया गया था। ईडी की जांच में आगे पता चला कि टीआईएल और संबंधित संस्थाओं के बैंक खातों से लगभग 85.90 करोड़ रुपये नकद निकाले गए और इसका इस्तेमाल इसके प्रमोटरों/निदेशकों ने अपने निजी लाभ के लिए किया। यह भी पता चला कि अपराध की आय से अर्जित अचल संपत्तियों को कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा उनकी कुर्की को रोकने के इरादे से परिवार के सदस्यों को उपहार में दिया गया और हस्तांतरित किया गया। कुर्क की गई संपत्तियों में निदेशकों में से एक द्वारा अपने परिवार के सदस्यों को उपहार में दिए गए और हस्तांतरित किए गए भूखंड और एंट्री प्रदाता का आवासीय परिसर शामिल है, जो कमीशन के आधार पर धन के डायवर्जन में शामिल

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

चैंपियंस ट्रॉफी में टीम इंडिया के सभी मैच दुबई में, न्यूजीलैंड-बांग्लादेश भी इंडिया के ग्रुप में

कब 19 फरवरी से 9 मार्च | **कहां** पाकिस्तान, UAE

ग्रुप-ए पाकिस्तान, बांग्लादेश, इंडिया, न्यूजीलैंड।
ग्रुप-बी अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका।

सेमीफाइनल-1 4 मार्च (पाकिस्तान, UAE)
सेमीफाइनल-2 5 मार्च (पाकिस्तान)
फाइनल 9 मार्च (लाहौर, UAE)

- पाकिस्तान के सभी मुकाबले लाहौर, कराची, रावलपिंडी।
- यदि इंडिया सेमीफाइनल में पहुंचता है, तो उसके सेमीफाइनल और फाइनल मैच UAE में खेले जाएंगे।
- दूसरे सेमीफाइनल और फाइनल के लिए रिजर्व डे रखा गया है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025

तारीख	मैच	वेन्यू	टाइम
19 फरवरी	पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड	कराची	2:30 PM
20 फरवरी	भारत बनाम बांग्लादेश	दुबई	2:30 PM
21 फरवरी	अफगानिस्तान बनाम सा. अफ्रीका	कराची	2:30 PM
22 फरवरी	ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड	लाहौर	2:30 PM
23 फरवरी	भारत बनाम पाकिस्तान	दुबई	2:30 PM
24 फरवरी	बांग्लादेश बनाम न्यूजीलैंड	रावलपिंडी	2:30 PM
25 फरवरी	ऑस्ट्रेलिया बनाम सा. अफ्रीका	रावलपिंडी	2:30 PM
26 फरवरी	अफगानिस्तान बनाम इंग्लैंड	लाहौर	2:30 PM
27 फरवरी	पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश	रावलविंडी	2:30 PM
28 फरवरी	अफगानिस्तान बनाम ऑस्ट्रेलिया	लाहौर	2:30 PM
1 मार्च	साउथ अफ्रीका बनाम इंग्लैंड	कराची	2:30 PM
2 मार्च	भारत बनाम न्यूजीलैंड	दुबई	2:30 PM

दुबई24 दिसंबर (एजेंसियां)। आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का शेड्यूल मंगलवार को रिलीज कर दिया है। हाइब्रिड मॉडल में होने वाला टूर्नामेंट 19 फरवरी से शुरू होकर 9 मार्च तक चलेगा। भारत और पाकिस्तान के बीच ग्रुप मैच 23 फरवरी को दुबई में होगा। भारत अपने सभी मैच दुबई में खेलेगा, टीम के ग्रुप में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड भी हैं।

दुबई में ही एक सेमीफाइनल और फाइनल भी खेला जाएगा। जबकि टूर्नामेंट के बाकी 10 मैच पाकिस्तान में होंगे। आईसीसी ने कन्फर्म किया था कि चैंपियंस ट्रॉफी हाइब्रिड मॉडल में ही होगी। पाकिस्तान टूर्नामेंट का डिफेंडिंग चैंपियन है, टीम ने 2017 में भारत को फाइनल हराकर खिताब जीता था।

बांग्लादेश के खिलाफ अभियान शुरू करेगा भारत

भारत ग्रुप-ए में है। टीम के ग्रुप में पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड हैं। वहीं दूसरे ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान हैं। 4 और 5 मार्च को 2 सेमीफाइनल होंगे, वहीं 9 मार्च को फाइनल खेला जाएगा।

भारत-पाकिस्तान की टीमें एक-दूसरे के देश में नहीं खेलेंगी

भारत और पाकिस्तान की टीमें एक-दूसरे के देश में जाकर क्रिकेट नहीं खेलेंगी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के सभी मैच न्यूट्रल वेन्यू पर खेले जाएंगे। पाकिस्तानी टीम भी 2027 तक किसी भी टूर्नामेंट के लिए भारत नहीं आएगी। उसके मैच भी न्यूट्रल वेन्यू पर होंगे।

आईसीसी की इस फैसले की जानकारी गुरुवार को सामने आई। मीटिंग में यह फैसला पहले ले लिया गया था। भारत में 2025 विमेंस वनडे वर्ल्ड कप, 2026 में टी-20 वर्ल्ड कप भारत और श्रीलंका में होना है।

इससे पहले जब आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को हाइब्रिड मॉडल में कराने की बात पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को बताई थी, तब पीसीब ने आईसीसी के सामने भारत में टीम न भेजने की मांग रखी थी, जिसे अब आईसीसी ने मान लिया है।

सभी 15 मेंबर्स हाइब्रिड मॉडल के लिए माने

आईसीसी के नए चेयरमैन जय शाह की मौजूदगी में 5 दिसंबर को सभी बोर्ड मेंबर्स की मीटिंग हुई थी। शाह इसी महीने दुबई स्थित हेडक्वार्टर भी पहुंचे थे। मीटिंग में सभी 15 बोर्ड मेंबर्स हाइब्रिड मॉडल के लिए मान गए। पाकिस्तान ने भी मीटिंग में फैसले का विरोध नहीं किया।

पीसीबी की मांगें

पीसीबी ने भारत के साथ ट्राई सीरीज कराने की मांग की पीसीबीने भविष्य में भारत के साथ किसी न्यूट्रल वेन्यू पर ट्राई सीरीज कराने की मांग की, लेकिन बीसीसीआई और आईसीसी दोनों ने इस पर हामी नहीं भरी। भारत और पाकिस्तान के बीच 2012 से कोई सीरीज नहीं हुई है, दोनों टीमें आईसीसी और एसीसी टूर्नामेंट में ही भिड़ी हैं।

भारत में कोई टूर्नामेंट हो तो उसके मैच भी न्यूट्रल वेन्यू पर हों पाकिस्तान ने यह भी मांग रखी कि अगर भारत में कोई टूर्नामेंट हो तो उसके मैच भी न्यूट्रल वेन्यू पर हों। हालांकि, बीसीसीआई ने कहा कि भारत में सिक्योरिटी को लेकर कोई परेशानी नहीं है, इसलिए पाकिस्तान के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर नहीं होंगे। चैंपियंस ट्रॉफी के 5 मैच पाकिस्तान से छीने गए, पीसीब ने इसके लिए कॉम्पनसेशन भी मांगा, इस डिमांड को आईसीसी ने मान लिया।

भारत के ग्रुप में नहीं रहना चाहता पाकिस्तान पीसीबी ने यह भी डिमांड रखी कि अगर भारत न्यूट्रल वेन्यू पर ही खेलना चाहता है तो पाकिस्तान को उसके ग्रुप से अलग कर दिया जाए। ताकि पाकिस्तान अपने सभी ग्रुप मैच होम ग्राउंड पर ही खेले, लेकिन आईसीसी और बीसीसीआई के साथ ब्रॉडकास्टर्स ने भी उनकी इस मांग का विरोध कर दिया, क्योंकि किसी भी टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान मैच ब्लॉकबस्टर इवेंट की तरह रहता है। चैंपियंस ट्रॉफी में दोनों टीमें 1 मार्च को दुबई में भिड़ सकती हैं।

फाइनेंशियल ईयर का रेवेन्यू बढ़ाया जाए पीसीबी चाहता है कि उसके फाइनेंशियल ईयर का रेवेन्यू 5.75 परसेंट से बढ़ाया जाए। साथ ही 2031 तक भारत में होने वाले सभी बड़े इवेंट हाइब्रिड मॉडल में ही हों।

फैसले में देरी क्यों हुई

शुरुआत में भारत ने इस टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया था। पाकिस्तान पहले तो इस बात पर अड़ा रहा कि भारत को पाकिस्तान आना ही होगा, लेकिन भारत के सख्त रुख के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड आखिरकार हाइब्रिड मॉडल के लिए तैयार हो गया है।

पाकिस्तान को जब चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी मिली तभी से यह कयास लगाए जा रहे थे कि भारतीय टीम पाकिस्तान जाने से इनकार कर सकती है। भारत ने इससे पहले 2023 में एशिया कप खेलने के लिए भी पाकिस्तान जाने से मना कर दिया था। तब एशिया कप में भारत के मुकाबले श्रीलंका में कराए गए थे।

इसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पहले भारत के सभी मैच लाहौर में कराने और मैच के बाद खिलाड़ियों को भारत भेजने का प्रस्ताव रखा था। भारत ने इसे नहीं माना तो पीसीब ने भी हाइब्रिड मॉडल के लिए भी मना कर दिया था।

विदेश मंत्रालय ने कहा, किसी भी हाल में पाकिस्तान नहीं जाएगा भारत

शुक्रवार को विदेश मंत्रालय ने भी साफ कर दिया था कि भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने कहा, बीसीसीआई ने सुरक्षा कारणों का हवाला देकर पाकिस्तान जाने से मना किया है। टीम इंडिया किसी भी हाल में चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी। अगर आईसीसी भारत के बिना टूर्नामेंट खेलना चाहता है तो टीम उसके लिए भी तैयार है।

बुमराह पर अवैध बॉलिंग एक्शन का आरोप

मेलबर्न टेस्ट से पहले हुई जांच की मांग

मेलबर्न, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के उप कप्तान जसप्रीत बुमराह इस समय दुनिया के नंबर 1 टेस्ट बॉलर हैं. मौजूदा बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जमकर कहर बरपाया है. हालांकि मेलबर्न में खेले जाने वाले चौथे टेस्ट से पहले उन पर अवैध बॉलिंग एक्शन के आरोप लगे हैं.

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में टीम इंडिया के दिग्गज गेंदबाज और उप कप्तान जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के खिलाफ जमकर कहर बरपाया है. तीन मैचों में बुमराह 20 से ज्यादा विकेट झटक चुके हैं. इस समय दुनिया के नंबर 1 टेस्ट बॉलर बुमराह ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को जमकर परेशान किया है. उनकी गेंदबाजी के मुरीद ऑस्ट्रेलिया के बड़े-बड़े दिग्गज भी हैं. हालांकि मेलबर्न में खेले जाने वाले चौथे टेस्ट से पहले टीम इंडिया के इस दिग्गज पर अवैध बॉलिंग एक्शन के आरोप लग रहे हैं.

बुमराह पर लगे अवैध बॉलिंग एक्शन के आरोप

मेलबर्न टेस्ट से पहले बुमराह के बॉलिंग एक्शन पर बहस छिड़ गई है. उनके बॉलिंग एक्शन पर ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी क्रिकेट प्रसारक इयान मौरिस ने सवाल खड़े किए हैं. उन्होंने एक्स हैंडल पर लिखा, 'किसी ने भी भारत के तेज गेंदबाज बुमराह की गेंद पर सवाल क्यों नहीं उठाया? क्या यह आज कल राजनीतिक रूप से सही नहीं है? मैं यह नहीं कह रहा हूं कि वह थ्रो कर रहा है लेकिन कम से कम डिलीवरी के समय हाथ की स्थिति का विश्लेषण किया जाना चाहिए'. उन्होंने सुझाव दिया कि जब बुमराह बॉल डिलीवर करते हैं तब उनकी बांह की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया जाना चाहिए.

पहले भी बुमराह के बॉलिंग एक्शन पर उठे हैं सवाल

यह पहला मौका नहीं है जब बुमराह के बॉलिंग एक्शन पर सवाल उठे हो. इससे पहले बुमराह को अपने अनोखे एक्शन के चलते इस तरह की चीजों का सामना करना पड़ा है. बुमराह ने पर्थ टेस्ट में जब ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में पांच विकेट झटकते हुए उसे 104 रनों पर ढेर कर दिया था तब भी उनके बॉलिंग एक्शन को लेकर सोशल मीडिया पर बहस देखने को मिली थी.

ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट वाले इंडियन बॉलर

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तीन मैचों की 6 पारियों में जसप्रीत बुमराह ने 21 विकेट झटके हैं. वहीं गाबा टेस्ट के दौरान वे ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले इंडियन बॉलर भी बने थे. वे अब तक ऑस्ट्रेलिया में 20 पारियों में कुल 53 विकेट अपने नाम कर चुके हैं. बुमराह ने इस मामले में दिग्गज कपिल देव का रिकॉर्ड चकनाचूर किया है. कपिल देव ने ऑस्ट्रेलिया में 51 टेस्ट विकेट हासिल किए थे.

क्या चैंपियंस ट्रॉफी से भी बाहर रहेगा भारतीय स्टार खिलाड़ी ? बढ़ सकती है मुश्किलें

मुंबई, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी इस बार पाकिस्तान कर रहा है। हालांकि टीम इंडिया इसके लिए पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी, अब टीम इंडिया के मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत यूएई में खेले जाएंगे। अभी तक इस टूर्नामेंट को लेकर टीम इंडिया का स्क्वॉड जारी नहीं हुआ है, लेकिन उससे पहले टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की मुश्किलें थोड़ी बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। दरअसल इन दिनों भारत में विजय हजारे ट्रॉफी खेली जा रही है और संजू सैमसन को इस टूर्नामेंट के लिए टीम में नहीं चुना गया है।

केरल टीम में नहीं शामिल संजू सैमसन

दरअसल संजू सैमसन विजय हजारे ट्रॉफी से पहले केरल टीम के प्रैक्टिस शिविर में शामिल नहीं हुए थे। जिसके चलते उनको इस टूर्नामेंट के लिए केरल टीम में नहीं चुना गया।

दूसरी तरफ बताया जा रहा है कि संजू पैर की चोट से जूझ रहे हैं, जिसके चलते वे शिविर में शामिल नहीं हो पाए थे।

दूसरी तरफ टीम इंडिया जल्द ही चैंपियंस ट्रॉफी के लिए स्क्वॉड का ऐलान कर सकती है और संजू सैमसन भी टीम इंडिया में जगह पाने के दावेदार माने जा रहे हैं, ऐसे में विजय हजारे ट्रॉफी से बाहर रहने पर संजू को इसका भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

ईशान किशन और श्रेयस अय्यर जैसे खिलाड़ी जो टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं वे इस टूर्नामेंट में धमाल मचाकर चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं।

अगर संजू विजय हजारे ट्रॉफी में खेलते तो चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उनको टीम इंडिया में रिजर्व खिलाड़ी या मैन खिलाड़ी के रूप में शामिल हो सकते थे, लेकिन हो सकता है इसको लेकर संजू को झटका लग जाए।

वनडे में संजू सैमसन के आंकड़ें

संजू सैमसन ने अभी तक टीम इंडिया के लिए 16 वनडे मैच खेले हैं। जिसमें बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने 510 रन बनाए। इस दौरान संजू के बल्ले से 1 शतक और 3 अर्धशतक निकले। वनडे क्रिकेट में संजू की बेस्ट पारी 108 रन की है।

संजू को आखिरी बार टीम इंडिया के लिए साउथ अफ्रीका दौरे पर टी20 सीरीज में खेलते हुए देखा गया था। इस सीरीज में उन्होंने कमाल का प्रदर्शन किया था और उनके बल्ले से लगातार 2 शतक भी निकले थे।

निशानेबाज शाहू ने राष्ट्रीय स्तर पर जीता पहला खिताब, रूद्रांक्ष ने विश्व रिकॉर्ड तोड़ा

भोपाल, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। रेलवे के निशानेबाज शाहू तुषार माने ने भोपाल में 67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप प्रतियोगिता (एनएससीसी) में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में सीनियर स्तर पर अपना पहला राष्ट्रीय खिताब जीता, जबकि महाराष्ट्र के पूर्व विश्व चैंपियन रूद्रांक्ष बालासाहेब पाटिल ने विश्व रिकॉर्ड कायम करते हुए जूनियर वर्ग का खिताब अपने नाम किया।

रूद्रांक्ष ने 254.9 का शानदार स्कोर बनाकर जूनियर फाइनल जीता। उन्होंने इस दौरान ओलंपिक चैंपियन चीन के शेंग लियाओ द्वारा बनाए गए सीनियर फाइनल विश्व रिकॉर्ड को 0.4 अंकों से पार किया। रेलवे के माने ने 24 निशाने के फाइनल के दौरान कभी भी 10.1 से कम का निशाना नहीं लगाने के बावजूद बेहद मामूली अंतर से खिताब अपने नाम किया।

कोल्हापुर के इस निशानेबाज ने धनुष श्रीकांत की आखिरी समय में की गई जोरदार वापसी को विफल कर दिया। श्रीकांत ने 252.2 अंक बटोरे और माने से सिर्फ 0.1 अंक पीछे रहे। राजस्थान के यश वर्धन ने कांस्य पदक जीता और रूद्रांक्ष ने उन्हें पीछे छोड़ते हुए चौथा स्थान प्राप्त किया। इस फाइनल में एक अन्य ओलंपियन रवि कुमार आठवें स्थान पर रहे। पूर्व विश्व चैंपियन रूद्रांक्ष ने सीनियर फाइनल में निराशा के बाद जूनियर पुरुषों के फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने कर्नाटक के अभिषेक शेखर को 3.5 अंकों से पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण जीता। हरियाणा के हिमांशु ने कांस्य पदक हासिल किया। हिमांशु ने दिन में पुरुषों के व्यक्तिगत वर्ग के तीनों फाइनल्स में भाग लिया और 253.0 के स्कोर के साथ 10 मीटर एयर राइफल युवा वर्ग में स्वर्ण जीता।

यह उनका दिन का दूसरा पदक था। मध्य प्रदेश के यश पांडे ने 2.2 अंक पीछे रहते हुए रजत प्राप्त किया, जबकि पश्चिम बंगाल के अभिनव साव ने कांस्य जीता।

बेन स्टोक्स 3 महीने तक नहीं खेल सकेंगे कोई मैच

लंदन, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। बेन स्टोक्स की चोट है कि उनका पीछा छोड़ने का नाम नहीं ले रही. 4 महीने में दूसरी बार इंग्लैंड के ऑलराउंडर को एक ही चोट ने जकड़ लिया है. ये चोट है हैमसट्रिंग की. स्टोक्स को फिर से हैमसट्रिंग इंजरी हो गई है, जिसके चलते उन्हें 3 महीने क्रिकेट से दूर रहना होगा. बेन स्टोक्स को उनके बाएं पैर में हैमसट्रिंग इंजरी हुई है. स्टोक्स को ये इंजरी न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दौरान लगी थी, जिसमें इंग्लैंड को 423 रन से हार का सामना करना पड़ा था. इंग्लैंड ने हालांकि सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी. बेन स्टोक्स को हुई हैमसट्रिंग इंजरी 4 महीने में दूसरी बार उभरकर सामने आई है. इससे पहले ये इंजरी इस साल अगस्त में भी उन्हें हुई थी, जब वो मेंस हण्ड्रेड में मैनचेस्टर ऑरिजिनल्स के खिलाफ नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स की ओर से खेल रहे थे. तब हैमसट्रिंग इंजरी के चलते वो 2 महीने क्रिकेट से दूर रहे थे. अब जब 33 साल के स्टोक्स को इंग्लैंड की टीम में वापसी किए महीने भर ही बीते थे कि फिर से उसी इंजरी ने उन्हें जकड़ लिया और नतीजा ये हुआ कि वो 3 महीने के लिए क्रिकेट से दूर हो गए. इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने 23 दिसंबर को स्टोक्स के स्कैन की रिपोर्ट आने के बाद उनके हैमसट्रिंग इंजरी के उभरने की जानकारी दी.

मनु भाकर बोलीं- खेल रत्न नॉमिनेशन में मुझसे गलती हुई

जिसे सुधारा जा रहा, वैसे अवॉर्ड मेरा लक्ष्य नहीं; खेल मंत्रालय ने कहा- हम नॉमिनेट करेंगे

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (एजेंसियां)। पेरिस ओलिंपिक्स में 2 ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली शूटर मनु भाकर ने खेल रत्न अवॉर्ड पर कहा है, मैं अवॉर्ड के लिए उत्साहित हूं, लेकिन वह मेरा अंतिम लक्ष्य नहीं है। मेरा मानना है कि नामांकन दाखिल करते समय शायद मेरी ओर से कोई चूक हुई है, जिसे ठीक किया जा रहा है।

मनु भाकर को सरकार मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवॉर्ड दे सकती है। खेल पुरस्कारों के लिए शॉर्ट लिस्ट किए गए खिलाड़ियों में निशानेबाज का नाम नहीं था।

नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने मनु भाकर का नाम खेल रत्न के लिए नहीं भेजा था, लेकिन इस पर विवाद के बाद अब एसोसिएशन नॉमिनेशन के लिए खुद खेल मंत्रालय के पास पहुंची है। खेल मंत्रालय भी अब खुद मनु के नॉमिनेशन की तैयारी कर रहा है।।

मंत्रालय आर्टिकल 5.1 और 5.2 के तहत मनु को नॉमिनेट कर सकता है। नियम में कहा गया है कि अगर खिलाड़ी खेल रत्न के लिए दी गई गाइडलाइंस को पूरा करता हो तो वो खुद ही अपना नाम अवॉर्ड के लिए भेज सकता है। इसके अलावा मंत्रालय के पास भी ऐसे 2 नाम भेजने के अधिकार होते हैं।

विवाद के बावजूद भाकर का ध्यान अपने प्रदर्शन पर है। उन्होंने सोशल मीडिया X पर पोस्ट में कहा - मैं बताना चाहती हूं कि एक एथलीट के रूप में मेरी भूमिका अपने देश के लिए खेलना और प्रदर्शन करना है। मेरा मानना है कि नामांकन दाखिल करते समय शायद मेरी ओर से कोई चूक हुई है, जिसे ठीक किया जा रहा है। मैं अवॉर्ड के लिए उत्साहित हूं, लेकिन वह मेरा अंतिम लक्ष्य नहीं हैं। मैं अपने देश के लिए और अधिक पदक मेडल जीतने की कोशिश करती रहूंगी।

खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने कहा- 'अभी नाम तय नहीं हुए हैं और एक हफ्ते में पुरस्कारों का खुलासा हो सकता है। खेल मंत्री एक या दो दिन में इस पर फैसला लेंगे। फाइनल लिस्ट में मनु का नाम होने की पूरी संभावना है।'

एक दिन पहले मनु भाकर के पिता रामकिशन भाकर ने कहा था कि खेल रत्न अवॉर्ड के लिए मनु की उपेक्षा की गई है। उनके इस बयान के बाद नेशनल स्पोर्ट्स अवॉर्ड की नॉमिनेशन लिस्ट विवादों आ गई। पहले इस सूची में मनु भाकर का नाम नहीं था। सबसे पहले दैनिक भास्कर ने नेशनल स्पोर्ट्स अवॉर्ड की लिस्ट दी थी। इस लिस्ट में मनु भाकर का नाम नहीं था।

कुछ दिन पहले मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि खेल रत्न की नॉमिनेशन लिस्ट में मनु भाकर का नाम नहीं है। इस पर मनु भाकर के पिता ने नाराजगी जाहिर की।

मनु के पिता ने कहा कि मनु ने अवॉर्ड के लिए आवेदन किया था, लेकिन उसे नजरअंदाज किया गया। भारत में ओलिंपिक खेलों की अहमियत नहीं है। देश के लिए खेलने और पदक जीतने का क्या फायदा, जब सम्मान के लिए हाथ फैलाना पड़े। वह पिछले दो-तीन साल से लगातार सारे पुरस्कारों के लिए आवेदन कर रही है और मैं इसका गवाह हूं। इसमें खेल रत्न, पद्मश्री और पद्म भूषण सम्मान शामिल है। इसके बाद खेल मंत्रालय बैकफुट पर आ गया।

मनु भाकर ने अगस्त-सितंबर महीने में आयोजित पेरिस ओलिंपिक गेम्स में डबल ओलिंपिक मेडल जीते थे। वे 10 मीटर एयर पिस्टल इंडीविजुअल और मिक्स्ड डबल्स में तीसरे स्थान पर रहीं। उनके दो मेडल के दम पर भारत ने पेरिस ओलिंपिक में कुल 6 मेडल जीते थे।

नेशनल स्पोर्ट्स अवॉर्ड में विवाद के बीच मनु भाकर गूगल की टॉप ट्रेंड में है। उन्हें गूगल में खूब सर्च किया जा रहा है।

किसानों के हितों के लिए काम कर रही है सरकार : पोन्नम

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सैदापुर मंडल कांग्रेस पार्टी कार्यालय में मीडिया सम्मेलन में कहा कि कृषि विभाग ने किसानों को बीज की परेशानी से बचने के निर्देश दिये हैं। किसान आश्वासन पर कैबिनेट उप समिति ने जिलों का दौरा किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा में किसान आश्वासन पर भी चर्चा हुई। उम्मीद है कि 30 जनवरी को कैबिनेट में इस पर फैसला हो जाएगा। उम्मीद है कि जनवरी में फसल लगाने के मामले में किसानों को आश्वासन मिलेगा।

वर्तमान जल उपलब्धता के आधार पर, एसआरएसपी स्टेज-1 और स्टेज-2 के तहत यासंगी (रबी) 2024-25 के लिए कुल मिलाकर हुस्नाबाद निर्वाचन क्षेत्र के मानकोंदूर, चिगुरु ममिदी, सैदापुर, एल्कातुर्थी, हुजूराबाद के लिए अन्य डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों में कुल 6,97,708 एकड़ 44.480 टीएमसी पानी प्रस्तावित है आवंटन की योजना बनाई गई है।लोअर मनेर बांध (एलएमडी) में 13 टीएमसी, मध्य मानेरू जलाशय (एमएमआर) में 11 टीएमसी और एसआरएसपी से अतिरिक्त 5 टीएमसी, इससे कुल उपलब्ध पानी 29 टीएमसी हो जाता है, जिससे लगभग 15 टीएमसी की कमी रह जाती है। इस कमी को दूर करने के लिए एलएमडी से काकतीय मुख्य नहर के माध्यम से प्रति दिन 4000 क्यूसेक की डिस्चार्ज दर पर पानी छोड़ा जाता है। राज्य में किन-किन परियोजनाओं से कितना पानी दिया जाना है, इसकी जानकारी संबंधित मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने ली है। सरकार के पास पानी की उपलब्धता, पीने के लिए कितना पानी चाहिए और खेती के लिए कितना पानी चाहिए, इसकी जानकारी होती है। 90 दिनों तक ऑन और ऑफ सिस्टम से पानी की आपूर्ति होगी। किसानों से अनुरोध है कि वे इसका लाभ उठाएं और जल्दी फसल लगाएं और ठीक से खेती करें।

उन्होंने कहा कि 2 लाख से ऊपर वाले यदि मार्च तक उक्त राशि का भुगतान कर देते हैं तो उनका उपरोक्त ऋण माफ कर दिया जाएगा। एक लाख रुपये की कर्जमाफी की विपक्ष ने कितनी भी आलोचना की हो, 5 साल तक करने वालों ने भी कितनी भी आलोचना की हो, हमने कर्ज माफ जरूर किया।

नौकरी की चाहत रखने वाली महिला ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। समूह में नौकरी की चाहत रखने वाली एक महिला ने सोमवार रात यहां अशोक नगर स्थित एक छात्रावास में कथित तौर पर व्यक्तिगत कारणों से आत्महत्या कर ली। हाल ही में ग्रुप-II और III की भर्ती परीक्षा देने वाली जी सुरेखा का सोमवार शाम को अपने मंगेतर से झगड़ा हुआ था। इसके बाद, कामारेड्डी जिले की मूल निवासी सुरेखा ने कथित तौर पर यह कदम उठाया और अपने कमरे में लटकी हुई पाई गई। सूचना मिलने पर चिक्कड़पल्ली पुलिस हरकत में आई और शव को गांधी अस्पताल के शवगृह में रखवाया। परिवार के सदस्यों के अनुसार, सुरेखा पिछले महीने सगाई के बाद ग्रुप-II और III की परीक्षा देने हैदराबाद आई थी। इस बीच, गांधी अस्पताल में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। बेरोजगार युवाओं ने सरकारी नौकरी के इच्छुक लोगों से आग्रह किया है कि वे इस तरह का कठोर कदम न उठाएं।

मुन्नरू रिटेनिंग वॉल का काम युद्ध स्तर पर पूरा करें : मंत्री

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने अधिकारियों को मुन्नरू रिटेनिंग वॉल का निर्माण युद्ध स्तर पर पूरा करने और खम्मम शहर के लोगों को बाढ़ के खतरे से हमेशा के लिए मुक्त करने का निर्देश दिया है। दोनों मंत्रियों ने मंगलवार को सचिवालय में रिटेनिंग वॉल के काम की प्रगति पर अधिकारियों के साथ संयुक्त रूप से समीक्षा बैठक की।

बैठक में सिंचाई प्रमुख सचिव राहुल बोज्जा, विशेष सचिव प्रशांत जीवन पाटिल, ईएनसी अनिल कुमार और अन्य अधिकारी शामिल थे। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री पोंगुलेटी ने कहा कि मुन्नारू बाढ़ से खम्मम शहर को बचाने के लिए नदी के दोनों किनारों पर आरसीसी कंक्रीट की दीवारें बनाई जा रही हैं, और अधिकारियों को खम्मम शहर में बाढ़ की किसी भी संभावना के बिना बाढ़ के पानी को सही दिशा में ले जाने के लिए उचित डिजाइन के साथ दीवार बनाने की सलाह दी। "अधिकारियों को भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के साथ-साथ रिटेनिंग वॉल के निर्माण कार्यों में तेजी लानी चाहिए। मैं व्यक्तिगत रूप से महीने में दो बार इसकी निगरानी करूंगा।

अगले दो या तीन दिनों में, मैं खम्मम जिले के अधिकारियों के साथ समीक्षा भी करूंगा। उन्होंने अधिकारियों को दीवार के निर्माण में आने वाली किसी भी समस्या को उनके ध्यान में लाने का भी निर्देश दिया और कहा कि दीवार का निर्माण 1969 से सितंबर 2024 तक हुई बाढ़ को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए। मंत्री ने कहा कि खम्मम और पलेरू दोनों विधानसभा क्षेत्रों के लोगों को सुविधा प्रदान करने के लिए लगभग 23 किलोमीटर की दीवार का निर्माण किया जा रहा है।

सेंधमारी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के साउथ जोन के कालापत्थर पुलिस स्टेशन द्वारा दिन में सेंधमारी करने वाले अपराधी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार बीते 14 दिसंबर को मोहम्मद याकूब कुरैशी से शिकायत प्राप्त हुई। सरदार कुरैशी निवासी, रामनस्थपुरा, कालापत्थर, हैदराबाद, ने बताया कि 14 दिसंबर को वह काम पर चले गए, उस समय तक उनकी पत्नी, बेटा और बहू घर पर थे। बाद में उनका बेटा भी काम पर चला गया। इसी बीच उनकी पत्नी ने फोन करके बताया कि बेडरूम की अलमारी थोड़ी खुली हुई थी और तलाशी लेने पर सोने के गहने गायब थे। जिस पर वह घर वापस आया, उसने पाया कि चाबियों से अलमारी खोली गई थी, जो ड्रेसिंग टेबल की दराज में रखी थी, और सोने के आभूषण गायब थे। अपराध करने के बाद अलमारी की चाबियां उसी स्थान पर रख दी।

उन्हें संदेह है कि अज्ञात व्यक्ति मुख्य द्वार से प्रवेश किया और वस्तुएं चुरा लीं। पुलिस को विश्वसनीय सूचना मिली कि अपराधी वाटर फिल्टर क्षेत्र, चंदूलाल बारादरी के पास घूम रहा है। इसी सूचना पर पुलिस कालापत्थर ने अपराधी को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपना नाम जकिया सुल्ताना, निवासी मोहम्मद नगर, बंदलागुडा, हैदराबाद और मोहम्मद अब्दुल सलीम, निवासी , मोगल कॉलोनी, मैलारदेवपल्ली, आरआर जिला बताया। दोनों ने अपराध के बारे में कबूल किया और संपत्ति जब्त कर ली गईं ।

सर्दियों के बीच हो सकती है हल्की बारिश

आईएमडी ने जताया अनुमान

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी)-हैदराबाद ने मंगलवार को एक मौसम बुलेटिन जारी किया, जिसमें अगले दो से तीन दिनों के लिए हैदराबाद के कुछ हिस्सों में छिटपुट वर्षा, बादल छाए रहने और हल्की बारिश या बूंदाबांदी का अनुमान लगाया गया है। जिलों में बूंदाबांदी, छिटपुट वर्षा और बादल छाए रहने की भी संभावना है।

पूर्वानुमान में आमतौर पर बादल छाए रहने, सुबह के समय धुंध या धुंध छाए रहने तथा हल्की वर्षा/बूंदाबांदी की संभावना जताई गई है। राज्य भर में इसी तरह की स्थिति का पूर्वानुमान व्यक्त करते हुए आईएमडी ने कहा कि अगले तीन दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान सामान्य से 20 डिग्री सेल्सियस से 40 डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहने की संभावना है। आदिलाबाद को छोड़कर राज्य के बाकी हिस्सों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस और 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो पिछले सप्ताह से काफी कम है, जब हैदराबाद के कुछ मुख्य क्षेत्रों में भी न्यूनतम तापमान एकल अंक में था। हैदराबाद में मौसम के शौकीनों के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में कम दबाव की स्थिति बनने और आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों में व्यापक बारिश की संभावना के कारण सर्दी के स्थान पर मानसून जैसी स्थिति आ गई है।

अटल बिहारी वाजपेई शताब्दी समारोह शुरू

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अटल बिहारी वाजपेई फाउंडेशन के तत्वावधान में ताज डेक्कन में अटल बिहारी वाजपेई शताब्दी समारोह शुरू हुआ।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और केंद्रीय कोयला खान मंत्री जी किशन रेड्डी, संसद सदस्य और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी, महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल सीएच विद्यासागर राव, संसद सदस्य श्री एम रघुनंदन राव, और पूर्व विधान परिषद दल भाजपा नेता एन. रामचंदर राव, अटल बिहारी वाजपेयी फाउंडेशन के अध्यक्ष सुकुमार और अन्य ने भाग लिया।

उपराष्ट्रपति धनखड़ आज तेलंगाना के दो दिवसीय दौरे पर आएंगे

नई दिल्ली, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बुधवार को तेलंगाना के दो दिवसीय दौरे पर जाएंगे। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने मंगलवार को बताया कि अपनी यात्रा के दौरान धनखड़ मेदक और हैदराबाद जाएंगे। इसमें कहा गया है कि उपराष्ट्रपति मुख्य अतिथि के रूप में मेदक के तुनिकी में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद में प्राकृतिक एवं जैविक कृषक शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे।

तेलंगाना-आंध्र प्रदेश कृष्णा जल विवाद ने लिया नया मोड़

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों के बीच लंबे समय से चले आ रहे जल विवाद ने हाल ही में बृजेश कुमार ट्रिब्यूनल के समक्ष तेलंगाना की याचिका के साथ एक नया मोड़ ले लिया है। तेलंगाना ने ट्रिब्यूनल से अनुरोध किया है कि वह दोनों राज्यों की दलीलों, साक्ष्यों और दस्तावेजों को न्यायनिर्णय के लिए एक सामान्य रिकॉर्ड के रूप में माने। राज्य ने ट्रिब्यूनल से आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2023 की धारा 89 के तहत संदर्भ पर विचार करने और न्याय के हित में उचित समझे जाने वाले किसी भी अन्य आदेश को पारित करने का भी अनुरोध किया।

तेलंगाना की याचिका में जल संसाधनों के परियोजनावार विशिष्ट आवंटन की मांग शामिल है। यह अंतर-राज्यीय नदी जल विवाद (आईआरडब्ल्यूडी) अधिनियम, 1956 के तहत जारी किए गए नए संदर्भ की शर्तों (टीओआर) के अनुरूप है, जो चल रही और नई परियोजनाओं के लिए पानी के पुनरआवंटन सहित व्यापक दायरे की अनुमति देता है।

नए टीओआर के अनुसार न्यायाधिकरण को कम प्रवाह की स्थिति में परियोजनावार जल छोड़ने के लिए एक परिचालन प्रोटोकॉल निर्धारित करना होगा। जल संकट की अवधि के दौरान उचित वितरण सुनिश्चित करने के लिए यह महत्वपूर्ण है। तेलंगाना ने पोलावरम परियोजना के माध्यम से आंध्र प्रदेश द्वारा गोदावरी के पानी को कृष्णा नदी में मोड़ने के बारे में चिंता जताई है।

तेलंगाना ने नए टीओआर का स्वागत किया, जिसके बारे में उसके अधिकारियों का मानना है कि इससे उनकी चिंताओं को दूर करने में मदद मिलेगी, जबकि आंध्र प्रदेश ने चिंता जताते हुए इस पर प्रतिक्रिया दी। आंध्र प्रदेश ने तेलंगाना की याचिका का विरोध करते हुए तर्क दिया है कि नए टीओआर और ट्रिब्यूनल की आवश्यकता नहीं है क्योंकि कृष्णा नदी के तटवर्ती राज्यों के बीच जल बंटवारे पर पिछले समझौते पहले से ही मौजूद हैं।

आंध्र प्रदेश द्वारा न्यायाधिकरण को दिए गए उत्तर के अनुसार, अंतर-राज्यीय जल विवाद अधिनियम की धारा 3 के तहत केंद्र द्वारा दिए गए निर्देश और कृष्णा नदी जल बंटवारे के संबंध में आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम की धारा 89 के तहत जारी दिशानिर्देश अलग-अलग हैं और उनकी गलत व्याख्या की गई है।

मैलारदेवपल्ली में सड़क किनारे बोरे में शव मिला

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके मैलारदेवपल्ली में मंगलवार सुबह उस समय दहशत फैल गई जब सड़क किनारे एक बोरे में बंद एक व्यक्ति का शव मिला। जीएचएमसी के सफाई कर्मचारियों ने सड़क की सफाई करते समय शव को देखा।

सफाई कर्मचारियों ने जंक्शन पर मौजूद ट्रैफिक पुलिस को इसकी सूचना दी, जिन्होंने कानून व्यवस्था के लिए तैनात अपने समकक्षों को इस बारे में सूचित किया। मैलारदेवपल्ली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बैग से बाहर निकालने के बाद व्यक्ति की पहचान की प्रक्रिया शुरू की।

पुलिस को संदेह है कि हमलावरों ने व्यक्ति की हत्या कहीं और की है और शव को मैलारदेवपल्ली रोड पर फेंक दिया है। सुराग टीम मौके पर पहुंची। जांच की जा रही है।

'पुष्पा-2' के कलाकारों के खिलाफ शिकायत

पुलिस के अपमान करने वाले दृश्यों का मामला

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस एमएलसी चिंतापंडु नवीन ने फिल्म 'पुष्पा-2' के अभिनेताओं, निर्देशक और निर्माताओं के खिलाफ राचकोंडा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि इसमें पुलिस अधिकारियों का अपमान करने वाले दृश्य हैं। सोमवार को दर्ज की गई शिकायत में फिल्म के कुछ खास दृश्यों का हवाला देते हुए आरोप लगाया गया है कि पुलिस अधिकारियों को भ्रष्ट दिखाया गया है। इसमें आगे कहा गया है कि फिल्म में एक ऐसा दृश्य दिखाया गया है जिसमें हीरो एक स्विमिंग पूल में पेशाब करता है, जिसमें एक आईपीएस अधिकारी मौजूद है, जो पुलिस बल का अपमान करने के बराबर है।

मल्लन्ना ने दावा किया है कि इनमें से कुछ दृश्य अपमानजनक हैं और इससे संवैधानिक संगठनों में विश्वास की कमी हो सकती है। एमएलसी ने पुलिस से आग्रह किया कि वे यह सुनिश्चित करें कि कुछ दृश्यों को हटाया जाए और पुष्पा-2 फिल्म के अभिनेताओं, निर्देशक और निर्माताओं के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

अल्लू अर्जुन से साढ़े 3 घंटे की पूछताछ

चिक्कड़पल्ली पुलिस स्टेशन से गए घर

हैदराबाद , 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टॉलीवुड अभिनेता अल्लू अर्जुन मंगलवार को साढ़े तीन घंटे की पूछताछ के बाद यहां चिक्कड़पल्ली पुलिस स्टेशन से बाहर आ गए। सुबह 11.05 बजे पुलिस स्टेशन पहुंचे अल्लू अर्जुन से कथित तौर पर उन घटनाओं के बारे में सवालों की बौछार हुई, जिनके कारण संध्या थिएटर में 'पुष्पा-2: द रूल' फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान भगदड़ मच गई और 35 वर्षीय महिला रेवती की मौत हो गई, जबकि उसका बेटा घायल हो गया। अभिनेता अपनी कानूनी टीम के साथ दोपहर 2.48 बजे पुलिस स्टेशन से रवाना हुए। अभिनेता के साथ उनके पिता अल्लू अरविंद और ससुर चंद्रशेखर रेड्डी भी थे। इस बीच, अशोक नगर में पुलिस स्टेशन पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस स्टेशन की ओर जाने वाली सड़कों पर भी बैरिकेडिंग कर दी गई है, जिससे निवासियों को काफी असुविधा हुई।

किसानों को राम भरोसे छोड़ दिया : केटीआर

धान खरीद को लेकर कांग्रेस पर साधा निशाना

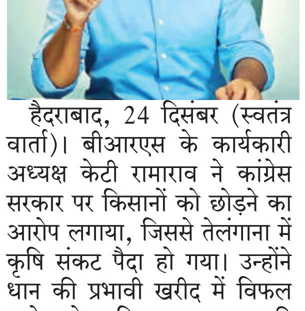

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कांग्रेस सरकार पर किसानों को छोड़ने का आरोप लगाया, जिससे तेलंगाना में कृषि संकट पैदा हो गया। उन्होंने धान की प्रभावी खरीद में विफल रहने के लिए सरकार की आलोचना की, जिसके कारण वानाकालम सीजन के दौरान 1.53 करोड़ टन उत्पादन के बावजूद किसानों की उपज बिना बिके रह गई।

उन्होंने मंगलवार को एक्स पर कई पोस्ट में कहा कि मोटे किस्म के धान की खरीद से इनकार करने और बढ़िया किस्म के धान की खरीद के लिए कई शर्तें लगाने के बाद केवल 46 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा गया, जो उम्मीदों से बहुत कम है। 500 रुपये प्रति क्विंटल बोनस का वादा पूरा नहीं किया गया, कड़ी शर्तों के तहत केवल 530 करोड़ रुपये वितरित किए गए। रामा राव ने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा रैतु भरोसा योजना को लागू करने और धान की खरीद में विफलता के कारण किसानों को 26,000 करोड़ रुपये से वंचित होना पड़ा। इसके विपरीत, किसानों को न केवल रैतु बंधु कृषि निवेश सहायता मिली, बल्कि उन्हें सीधे उनके खेतों से धान खरीदने का आश्वासन भी दिया गया।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने सरकार की विफलताओं की भी आलोचना की और बिजली कटौती, दंगे, झूठ, छल, राजनीतिक प्रतिशोध, अराजकता और प्रशासनिक अव्यवस्था जैसे मुद्दे गिनाए। उन्होंने पूछा कि तेलंगाना में विध्वंस, कर्ज और डायवर्सन के अलावा क्या बचा है? उन्होंने किसानों की शिकायतों को दूर करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आह्वान किया।

पुलिस की सक्रियता से दिहाड़ी मजदूर की बची जान

निर्मल, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने मंगलवार को थानूर मंडल के हिसनेपल्ली थांडा में एक दिहाड़ी मजदूर के परिवार के सदस्यों से प्राप्त कॉल पर त्वरित कार्रवाई करके उसकी जान बचाई। थनूर के सब-इंस्पेक्टर रमेश के अनुसार, पुलिस ने पवार विकास को उस स्थान पर पहुंचकर आत्महत्या करने से रोका, जहां वह गांव के बाहरी इलाके में एक पेड़ से लटककर आत्महत्या करने वाला था। उन्होंने बताया कि विकास की पत्नी का फोन आने के तुरंत बाद उन्होंने फोन पर बात की। विकास अपनी पत्नी से झगड़े के बाद आत्महत्या करना चाहता था।

उन्होंने कहा कि अगर पुलिस कुछ मिनट देरी से मौके पर पहुंचती तो विकास ने आत्महत्या कर ली होती और उसके बच्चे अनाथ हो जाते। पुलिस ने विकास और उसके परिवार के सदस्यों को समझाने के बाद उसे उनके हवाले कर दिया। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे छोटी-छोटी बातों पर कठोर कदम न उठाएं। इस बीच, पुलिस अधीक्षक डॉ. जानकी शर्मिला ने मौके पर पहुंचकर दिहाड़ी मजदूर की जान बचाने के लिए रमेश, कांस्टेबल वचू, रमेश और साईनाथ की सराहना की।

रिकॉर्ड फसल के बावजूद धान की खरीद हुई कम

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 1.5 करोड़ मीट्रिक टन से ज़्यादा धान का रिकॉर्ड उत्पादन हासिल करने के बावजूद, राज्य में धान की खरीद अनुमान से कम रही है। 91 लाख मीट्रिक टन से ज़्यादा धान खरीदने के शुरूआती लक्ष्य के साथ, नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा वास्तविक खरीद सिर्फ़ 46 लाख मीट्रिक टन हुई है- जो अनुमानित लक्ष्य का सिर्फ़ आधा है।

नमी की मात्रा के बारे में उदार दृष्टिकोण के साथ किसानों तक पहुंचने वाले निजी व्यापारियों की निर्णायक भूमिका ने नागरिक आपूर्ति निगम के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) संचालन को प्रभावित किया है। निजी व्यापारियों के इस उदार रवैये ने धान का एक बड़ा हिस्सा पड़ोसी राज्यों में भेज दिया है, जिसे अन्यथा नागरिक आपूर्ति निगम द्वारा खरीदा जाता। कुछ जिलों में देरी से आ रही धान की आवक को देखते हुए धान की खरीद प्रक्रिया अगले तीन सप्ताह तक जारी रहने की उम्मीद है। अनुमान है कि संक्रांति सीजन तक अतिरिक्त 8 से 10 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हो सकती है, जिसमें करीब 2 लाख टन ग्रेड-ए धान शामिल है। नागरिक आपूर्ति निगम ने पहले ही 18 लाख मीट्रिक टन ग्रेड-ए धान की खरीद कर ली है।

राज्य की बढ़िया चावल की ज़रूरत को पूरा करने के लिए और अधिक धान की खरीद के प्रयास चल रहे हैं, जिसमें सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत प्रावधान और छात्रावासों और कल्याण संस्थानों को आपूर्ति शामिल है। हर तरह से प्रमुख खरीद कार्य पूरा होने के करीब हैं, जबकि नागरिक आपूर्ति निगम ने 2024 के खरीफ विपणन सत्र के दौरान अब तक 10,675 करोड़ रुपये का धान खरीदा है, जिसमें से 9,890 करोड़ रुपये पहले ही किसानों को भुगतान किए जा चुके हैं।

प्रशासन द्वारा प्रस्तावित 500 रुपये प्रति क्विंटल बोनस के संबंध में, किसानों को 530 करोड़ रुपये पहले ही वितरित किए जा चुके हैं, हालांकि अतिरिक्त 373 करोड़ रुपये अभी जारी किए जाने हैं।

संध्या थिएटर भगदड़ मामले का राजनीतिकरण न करें : भाजपा सांसद

हैदराबाद, 24 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महबूबनगर से भाजपा सांसद डीके अरुणा ने सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी से पुष्पा-2 के प्रीमियर के दौरान संध्या थिएटर में हुई भगदड़ की घटना का राजनीतिकरण नहीं करने का आग्रह किया। भगदड़ में घायल होने के बाद केआईएमएस अस्पताल में इलाज करा रहे श्रीतेज से मिलने के बाद मीडिया से बात करते हुए अरुणा ने कहा कि घटना का राजनीतिकरण फिल्म उद्योग को गलत संदेश देगा। उन्होंने राज्य सरकार और फिल्म उद्योग से पीड़ित परिवार के साथ खड़े होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सरकार को इस मुद्दे को खत्म कर देना चाहिए और कानून को अपना काम करने देना चाहिए।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.